RNI NO.DELHIN/2012/48369
वर्ष 9 अंक 25
नई दिल्ली, रविवार, 29 नवंबर, 2020
पृष्ठ 12+4 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य पर नया संकट
आज के अंक के साथ
एजेण्डा

गतिरोध जारी: हाईवे पर ही डटे किसान

बुराड़ी के निरंकारी ग्राउंड में प्रदर्शन स्वीकार नहीं, जंतर-मंतर या रामलीला मैदान चाहते हैं जाना

● किसान नेताओं ने कहा- छह माह तक जारी रख सकते हैं विरोध प्रदर्शन, इतनी रसद है हमारे पास

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

केंद्र नए कृषि कानूनों के खिलाफ आंदोलन कर रहे किसान भारी पुलिस बल की मौजूदगी में शनिवार को लगातार तीसरे दिन भी सिंघू और टिकरी बॉर्डर पर डटे रहे। हालांकि, किसानों को शांतिपूर्ण प्रदर्शन के लिए उत्तर दिल्ली बुराड़ी में निरंकारी ग्राउंड जाने की इजाजत दे दी गई थी, लेकिन उन्होंने वहां जाने से इनकार कर दिया। किसानों ने कहा कि रविवार सुबह 11 बजे बैठक कर आगे की रणनीति तय की जाएगी तब तक वे यहीं रहेंगे। पुलिस ने टिकरी और सिंघू बार्डर को दोबारा पूरी तरह सील कर दिया है। भारतीय किसान यूनियन कड़िया की जालंधर इकाई के अध्यक्ष बलजीत सिंह महल ने कहा कि षनिवार को किसान प्रतिनिधियों की एक बैठक हुई जिसमें फैसला लिया कि वे अभी सिंघू बार्डर पर ही डटे रहेंगे। रविवार सुबह 11 बजे होने वाली बैठक के बाद आगे का निर्णय लिया जाएगा। सिंघू बॉर्डर पर पहले से मौजूद किसानों के अलावा पंजाब और हरियाणा से और किसान भी यहां पहुंच गए, जिससे एकत्र किसानों की संख्या बहुत बढ़ गई। उन्होंने राष्ट्रीय राजधानी के सबसे बड़े मैदानों में से एक संत निरंकारी ग्राउंड की तरफ जाने से इनकार कर दिया। किसानों का कहना है कि पुलिस उन्हें एक ग्राउंड में ले जाकर (शेष पेज 9)

अपनी मांगों को लेकर सिंघू बार्डर पर धरना-प्रदर्शन करते किसान संगठनों के लोग

सरकार किसानों की हर मांग पर विचार करने को तैयार: अमित शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा है कि केंद्र सरकार बातचीत करने के लिए तैयार है, कृषि मंत्री ने 3 दिसंबर को चर्चा के लिए आमंत्रित किया है। किसानों की हर समस्या और मांग पर विचार करेंगे। अमित शाह ने कहा है कि कई स्थानों पर, किसान इस ठंड में अपने ट्रैक्टरों और ट्रालियों में रह रहे हैं। मैं उनसे अपील करता हूं कि दिल्ली पुलिस आपको बड़े मैदान में स्थानांतरित करने के लिए तैयार है, कृपया वहां जाएं. आपको वहां कार्यक्रम आयोजित करने के लिए पुलिस अनुमति दी जाएगी। अमित शाह ने कहा है कि यदि किसान संगठन 3 दिसंबर से पहले चर्चा करना चाहते हैं, तो मैं आप सभी को आश्वस्त करना चाहता हूं कि जैसे ही आप अपना विरोध प्रदर्शन निर्दिष्ट स्थान पर स्थानांतरित करेंगे, हमारी सरकार अगले दिन आपकी चिंताओं को दूर करने के लिए बातचीत करेगी।

ट्रकों का आना बंद, दिल्ली में चढ़ने लगे सब्जियों के दाम

● ज्यादातर आपूर्ति पंजाब और हरियाणा से, सीमा पर गतिरोध के कारण रास्ते में खड़े हैं ट्रक

● राजधानी में मांग के अनुसार सिर्फ दो से तीन दिन का स्टॉक

संजय राय। नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी के सभी बॉर्डर किसान आंदोलन की वजह से सील होने से देश की सबसे बड़ी आजादपुर मंडी में सब्जियों व फलों की आवक पर असर पड़ा है। पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के किसानों के आंदोलन के चलते टीकरी बॉर्डर, यूपी गेट के साथ ही सोनीपत के सिंघु बॉर्डर पर सब्जियों और फलों से लदे हजारों ट्रक खड़े हैं। आवक घटने से आने वाले दिनों में दिल्ली-एनसीआर में इनके दामों में इजाफा हो सकता है। शनिवार को मंडी रोज के मुकाबले सिर्फ 50 फीसदी ही फलों और सब्जियों की आवक हुई है। आजादपुर मंडी के अध्यक्ष आदिल अहमद खान का कहना है कि अन्य प्रदेशों की मंडियों में फल सब्जियों को नहीं भेज पाने के कारण वहां पर कीमतों में बढ़ोतरी होनी शुरू हो जाएगी। वहीं, राजधानी में मांग के अनुरूप फल (शेष पेज 9)

तीन शहरों का तूफानी दौरा कर मोदी ने जानी वैक्सीन की प्रगति

● एक ही दिन में अहमदाबाद, हैदराबाद और पुणे जाकर लिया जायजा

पायनियर समाचार सेवा। अहमदाबाद, हैदराबाद, पुणे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोरोना वायरस के टीके के विकास कार्य की समीक्षा के लिए शनिवार को अहमदाबाद, हैदराबाद और पुणे का दौरा किया। प्रधानमंत्री कार्यालय ने कहा कि दिन भर के दौरे का उद्देश्य नागरिकों के टीकाकरण में भारत के प्रयासों में आने वाली चुनौतियों, तैयारियों और रोडमैप जैसे पहलुओं की जानकारी हासिल करना था। मोदी ने अपने दौरे की शुरुआत अहमदाबाद के नजदीक दवा कंपनी जाइडस कैडिला के संयंत्र के दौरे के साथ की। मोदी ने ट्वीट किया, अहमदाबाद में जाइडस बायोटेक पार्क का दौरा किया और जाइडस कैडिला द्वारा विकसित किए जा रहे डीएनए आधारित स्वदेशी टीके के बारे में और अधिक जानकारी प्राप्त की। मैंने इस कार्य में लगी टीम के प्रयासों के लिए उसकी सराहना की। भारत सरकार इस यात्रा में उनका सहयोग करने के लिए उनके साथ सक्रियता से काम कर रही है। प्रधानमंत्री ने अहमदाबाद से करीब 20 किमी दूर स्थित जाइडस कैडिला के चांगोदर औद्योगिक क्षेत्र स्थित अनुसंधान केंद्र में टीके के विकास की प्रक्रिया की समीक्षा की। इस दौरान मोदी ने पीपीई किट पहन रखी थी। उल्लेखनीय है कि जाइडस कैडिला ने कोविड-19 के खिलाफ जाइकोव-डी नामक संभावित टीके का विकास किया है जिसके पहले चरण का क्लिनिकल परीक्षण पूरा हो चुका है। कंपनी ने अगस्त में (शेष पेज 9)

पुणे में सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया का निरीक्षण करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

टीके के इमरजेंसी इस्तेमाल की मंजूरी के लिए मांगेंगे इजाजत: सीआईआई

पुणे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दौरे के बाद एसआईआई के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अदार पूनावाला देर शाम कहा कि केंद्र ने उन्हें जुलाई 2021 तक 30 से 40 करोड़ कोवीशील्ड की खुराक तैयार करने को कहा है। हालांकि उन्होंने कहा कि हमारे पास सरकार की ओर से लिखित में कुछ नहीं है कि वह कितनी खुराक खरीदेगी लेकिन केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने हमसे कहा है कि उसे जुलाई 2021 तक 30 से 40 करोड़ खुराक की जरूरत पड़ेगी। उन्होंने कहा कि एसआईआई की प्राथमिकता भारत है। इसके बाद वह मुख्य रूप से अफ्रीका पर ध्यान केंद्रित करेगी। उन्होंने यह भी कहा कि अगले दो हफ्ते में कोवीशील्ड के इमरजेंसी इस्तेमाल की इजाजत के लिए हम अनुमति मांगेंगे।

नौसेना के मार्कोस कमांडो भी अब पैंगॉन्ग में तैनात

● लद्दाख में भारत ने की चीन की घेराबंदी

● सेना और भारतीय वायु सेना के कमांडो को पहले ही भेजा जा चुका है वहां

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर जारी तनाव को कई दौर की बातचीत के बावजूद खत्म करने में अभी तक सफलता नहीं मिली है। भारत अब वहां सैनिकों की लंबे समय तक की तैनाती के लिए तैयारी कर रहा है और अपनी इसी तैयारी को मजबूत करने के लिए वह नौसेना के कमांडो को कुछ गतिरोध वाले स्थानों भेज रहा है। सेना ने पहले ही वहां अपनी स्पेशल फोर्स तथा पैरा कमांडो को तैनात कर रखा है, एलीट नौसेना कमांडो (मार्कोस) भी पैंगॉन्ग त्सो (झील) पर गश्त करने वाली टीम में शामिल हो गए हैं। पूर्वी लद्दाख में स्थित यह झील चार या पांच गतिरोध वाले स्थानों में शामिल है, जहां पर पिछले सात महीनों से भारतीय और चीनी सेना आमने-सामने खड़ी हैं। सूत्रों ने यहां शनिवार को बताया कि झील पर तैनाती के बाद इन कमांडो को अन्य गतिरोध वाले स्थानों पर भी भेजा जा सकते है। इससे वे यहां के मौसम, भौगोलिक स्थित से परिचित होंगे। साथ ही यहां की भीषण ठंड में खुद को बचाये रखने का अनुभव भी मिलेगा। लद्दाख के कई हिस्सों में फिलहाल तापमान शून्य से 10 डिग्री नीचे चल रहा है और आने वाले कुछ हफ्तों में यह शून्य से 30 डिग्री नीचे तक जा सकता है। सेना ने पहले ही जाड़े के मौसम से निपटने के लिए सैनिकों के लिए पर्याप्त तैयारी कर ली है। लद्दाख (शेष पेज 9)

मार्कोस कमांडो फाइल फोटो

अवैध कोयला खनन एवं चोरी

सीबीआई ने चार राज्यों में 45 स्थानों पर छापे मारे

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

सीबीआई ने कथित कोयला चोर अनूप मांझी के खिलाफ मामला दर्ज करने के बाद शनिवार को चार राज्यों में 45 स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया। मांझी पर ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (ईसीएल) के दो महाप्रबंधकों एवं तीन सुरक्षाकर्मियों के साथ साठगांठ कर चोरी का धंधा करने का संदेह है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। सीबीआई ने बताया कि यह तलाशी पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड और उत्तर प्रदेश में हुई। अधिकारियों ने बताया कि जांच एजेंसी ने शुक्रवार को आरोपी अनूप मांझी और ईसीएल के महाप्रबंधकों--(तब कुनुसटोरिया और अब पांडवेश्वर क्षेत्र के) अमित कुमार धर और (काजोर क्षेत्र के) जएश चंद्र राय, ईसीएल के मुख्य सुरक्षा अधिकारी तन्मय दास, क्षेत्रीय सुरक्षा निरीक्षक धनंजय राय तथा एसएसआई एवं सुरक्षा प्रभारी (काजोर क्षेत्र) (शेष पेज 9)

कड़ाके की ठंड के बीच 51 प्रतिशत से अधिक मतदान

जम्मू-कश्मीर में डीडीसी चुनाव

● राज्य से अनुच्छेद 370 और 35-ए हटने के बाद पहली बार चुनाव पाक शरणार्थी समुदाय में दिखा खासा उत्साह

मोहित कंधारी। जम्मू

जम्मू-कश्मीर में हुए जिला विकास परिषद और पंचायत उपचुनावों में 51 फीसदी वोट पड़े। धारा 370 हटने और केंद्र शासित प्रदेश बनने के बाद पहली बार आए लोकतंत्र के उत्सव में मतदाता इस कदर उत्साहित नजर आए कि उन्हें न कड़ाके सर्दी रोक पाई और न बायकॉट करने वालों का उन पर असर हुआ। खासकर पश्चिमी पाकिस्तान से आए शरणार्थियों और महिला मतदाताओं ने चुनाव में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। जब तक जम्मू और कश्मीर को विशेष दर्जा मिला हुआ था तब तक पश्चिमी पाक शरणार्थियों को मतदान का अधिकार नहीं था। पहले चरण का मतदान समाप्त होने के बाद संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए राज्य निर्वाचन आयुक्त केके शर्मा ने कहा कि डीडीसी चुनावों का पहला चरण शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गया। इसमें 3.62 लाख से अधिक मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। एक युवक द्वारा पत्थर फेंके जाने की घटना के अलावा कहीं से कोई हिंसा की घटना नहीं हुई। राज्य निर्वाचन आयुक्त ने कहा कि लगभग 46.6 प्रतिशत महिलाओं और 54 प्रतिशत पुरुषों ने वोट डाले। कश्मीर क्षेत्र में जहां 40.65 प्रतिशत से अधिक मतदान हुआ वहीं, जम्मू क्षेत्र में 64 प्रतिशत से अधिक लोग वोट डालने घरों से बाहर निकले। आतंक प्रभावित पुलवामा जिले में सबसे कम 6.7 प्रतिशत मतदान हुआ। खास बात यह रही कि पाकिस्तानी शरणार्थी समुदाय के युवा चेहरे पर चमक लिए बड़ी संख्या में बूथों के बाहर लाइन में खड़े दिखे।

अखनूर में एक युवा महिला मतदाता सुजाता भारती ने कहा कि यह हमारे और हमारे समुदाय के लिए बहुत बड़ा दिन है। हम पहली बार खुद को सशक्त महसूस कर रहे हैं। इससे पहले हमने अपने स्थानीय प्रतिनिधि का चुनाव कभी नहीं किया था। वेस्ट पाकिस्तानी रिफ्यूजी एक्शन कमेटी के अध्यक्ष लाभा राम गांधी ने कहा कि हमने भी अलग-अलग चरणों में अपने उम्मीदवार मैदान में उतारे है। पहले चरण में सभी आयु वर्ग के मतदाता (शेष पेज 9)

जम्मू कश्मीर के बांदीपुरा क्षेत्र में एक मतदान केंद्र पर अपनी बारी की प्रतीक्षा करते लोग

जबरन धर्मांतरण के खिलाफ यूपी सरकार के अध्यादेश को राज्यपाल की मंजूरी

● अब प्रदेश में धर्म परिवर्तन करने के लिए अनुमति लेना आवश्यक हो गया है

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने योगी सरकार द्वारा पिछले दिनों लव जिहाद के खिलाफ पास किए गए अवैध धर्मांतरण रोधी कानून के प्रस्ताव उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अध्यादेश 2020 को मंजूरी दे दी है। इस अध्यादेश के राज्यपाल से मंजूरी मिलने के बाद उत्तर प्रदेश में धर्म परिवर्तन करने के लिए अनुमति लेना आवश्यक हो गया है। राज्यपाल के अनुसार चूंकि राज्य में विधानमंडल सत्र में नहीं है और राज्यपाल को यह समाधान हो गया है कि ऐसी परिस्थितियां विद्यमान हैं, जिसके कारण उन्हें तुरंत कार्रवाई करना आवश्यक हो गया है। इसलिए अब भारत के संविधान के अनुच्छेद 213 के खंड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करके राज्यपाल इस अध्यादेश को प्रख्यापित करती हैं। इससे पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में शादी के लिए धोखाधड़ी कर धर्मांतरण किए जाने की घटनाओं पर रोक लगाने संबंधी कानून के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। कैबिनेट में प्रस्ताव पास होने के बाद 15-50 हजार तक का जुर्माना का प्रावधान है। वहीं शादी के नाम पर धर्म परिवर्तन अवैध घोषित कर दिया गया है। अगर कोई भी ग्रुप धर्म परिवर्तन कराता है तो उसे 3 से 10 साल की सजा होगी। वहीं धर्मगुरु धर्म परिवर्तन कराता है तो उसे डीएम से अनुमति लेनी होगी। कानून के तहत जो धर्म परिवर्तन करेगा उसे भी जिलाधिकारी से अनुमति लेनी होगी। यदि कोई सामूहिक रूप से धर्म परिवर्तन कराता है तो उसे 10 साल की सजा और 50 हजार रुपये का जुर्माना देना होगा। यदि ऐसा करने वाला कोई संगठन है तो उसकी मान्यता रद्द हो सकती है। उसके खिलाफ भारतीय दंड संहिता के तहत कार्रवाई हो सकती (शेष पेज 9)

बाजार

सेंसेक्स	44,149	↓ 110	
निफ्टी	12,968	↓ 18	
सोना	48,142	↑ 43	/10g
चांदी	59,250	↑ 36	/kg

क्विक न्यूज

पवन बंसल बने कांग्रेस केअंतरिम कोषाध्यक्ष

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पवन कुमार बंसल को पार्टी कोषाध्यक्ष की अतिरिक्त जिम्मेदारी सौंपी गई है। अहमद पटेल का हाल ही में निधन होने जाने के कारण यह पद खाली था। पार्टी के संगठन महासचिव के सी वेणुगोपाल की ओर से जारी बयान के मुताबिक, कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने बंसल को तत्काल प्रभाव से कोषाध्यक्ष की अतिरिक्त जिम्मेदारी सौंपी है। पूर्व रेल मंत्री बंसल फिलहाल पार्टी के प्रशासनिक मामलों के प्रभारी हैं। कांग्रेस के कोषाध्यक्ष और पार्टी के प्रमुख रणनीतिकार रहे पटेल का 25 नवंबर को गुरुग्राम के एक अस्पताल में निधन हो गया था। वह कुछ हफ्ते पहले कोरोना वायरस से संक्रमित हुए थे। पटेल 71 साल के थे।

भाजपा ने झोंकी ताकत, ओवैसी के गढ़ में गरजे योगी

हैदराबाद निकाय चुनाव

कहा, हिंदुस्तान में रहने वाले एमआईएमआईएम के विधायक नहीं लेते उसका नाम, किया रोड शो

● आज अमित शाह संभालेंगे अभियान की कमान

पायनियर समाचार सेवा। हैदराबाद

निकाय चुनावों को राज्य की सत्ता में पहुंचने का जरिया मानने वाली भाजपा ने हैदराबाद नगर पालिका चुनावों में अपनी ताकत झोंक दी है। इसी क्रम में पार्टी ने अपने स्टार कैंपनेर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भी अभियान में उतारा है। अपने रोड शो के दौरान योगी ने बिहार में जीते एआईएमआईएम के विधायक के शपथ ग्रहण का जिक्र करते हुए ओवैसी पर जमकर निशाना साधा। हैदराबाद में रोड शो के दौरान सीएम योगी ने कहा कि बिहार में जीते एआईएमआईएम के विधायक ने अपने शपथ ग्रहण के दौरान हिंदुस्तान का नाम लेने से इनकार कर दिया। योगी ने कहा कि जो लोग हिंदुस्तान में रहते हैं, वह हिंदुस्तान का नाम शपथ में नहीं लेते। ये घटना दिखाती है कि ओवैसी की एआईएमआईएम का असली चेहरा क्या है।

इस रोड शो में आंध्र प्रदेश और तेलंगाना (दो तेलुगु राज्यों) और केरल, पंजाब, राजस्थान और यूपी की सांस्कृतिक परंपराओं के नर्तक शामिल रहे, ये एक संकेत है कि भाजपा इस चुनाव में अपनी छाप छोड़ने की कोशिश में कोई कसर नहीं छोड़ेगी। इस महीने की शुरुआत में डबका सीट के लिए विधानसभा उपचुनाव में अपनी जीत से उत्साहित भाजपा ने इन हैदराबाद निकाय चुनाव को दक्षिणी राज्य में अपने लिए जगह बनाने के मौके रूप में लिया है। अब तक, पार्टी केवल कर्नाटक में ही बढ़त बनाने में कामयाब रही है, जहां उसने पिछले साल कांग्रेस-जेडीएस गठबंधन के पतन के बाद सरकार बनाई थी। भाजपा ने इन चुनावों के लिए अपने ए-लिस्ट वाले नेताओं की सेना को उतारा है। इसमें अमित शाह, पार्टी प्रमुख जेपी नड्डा और केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी और प्रकाश जावड़ेकर शामिल हैं। शाह यहां कल पहुंचेंगे तथा रोड शो और चुनाव प्रचार करेंगे। इस रोड शो के दौरान सीएम योगी ने कहा कि हमने फैज़ाबाद का नाम अयोध्या किया। हमने इलाहाबाद का नाम प्रयागराज किया। ये हमारे संस्कृति के प्रतीक हैं। तो हैदराबाद का प्राचीन नाम भाग्यनगर क्यों नही हो सकता। योगी कश्मीर से 370 के अंत का जिक्र करते हुए योगी ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के नेतृत्व में अब कश्मीर से अनुच्छेद 370 का विशेष दर्जा खत्म हो गया है। हम लोगों ने हैदराबाद के लोगों को यह स्वतंत्रता दे दी है कि वो आसानी से जाकर जम्मू-कश्मीर में जमीन खरीद सकते हैं। बता दें कि बिहार विधानसभा में मिली जीत से उत्साहित भाजपा की नजरें अब तेलंगाना तथा पश्चिम बंगाल पर भी हैं। इसके लिए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मोर्चे पर हैं। आदित्यनाथ के हैदराबाद में चुनाव प्रचार को एआईएमआईएम के नेता असदुद्दीन ओवैसी को सीधी चुनौती देने के रूप में देखा जा रहा है। शनिवार को तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में निकाय चुनाव (ग्रेटर हैदराबाद म्युनिसिपिल कॉरपोरेशन) में मलकजगिरी इलाके में योगी ने भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशियों के पक्ष में सभा के साथ एक रोड शो किया। जिसमें भारी भीड़ उमड़ी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रोड शो के दौरान 'आया आया शेर आया', 'राम लक्ष्मण जानकी, जय बोलो हनुमान की', 'योगी-योगी', जय श्री राम, भारत माता की जय और वंदे मातरम के (शेष पेज 9)

हैदराबाद में रोड शो के दौरान उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

हरियाणा में स्कूल 10 दिसंबर तक बंद

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा सरकार ने शनिवार को एक अहम फैसला लेते हुए प्रदेश के सभी स्कूलों को दस दिसंबर तक बंद कर दिया है। पहले स्कूलों को 30 नवंबर तक बंद किया गया था। शिक्षा विभाग ने सरकार से स्कूलों को खोलने पर बुधवार को ही दिशा-निर्देश मांगे थे जिसके बाद गृह और स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज ने शनिवार को यह आदेश जारी कर दिए। कोरोना से जंग में हालात सुधरे तो दस दिसंबर के बाद ही स्कूलों को खोला जा सकेगा। प्रदेश में करीब 450 से अधिक विद्यार्थियों और 50 शिक्षकों के कोरोना संक्रमित मिलने के बाद बीती 20 नवंबर को सभी स्कूलों को 30 नवंबर तक के लिए बंद कर दिया गया था। हालांकि पिछले चार-पांच दिन से रिकवरी रेट (मरीजों के ठीक होने की दर) लगातार सुधर रहा है, लेकिन प्रदेश सरकार बच्चों के मामले में कोई जोखिम नहीं (शेष पेज 9)

पायनियर
नई दिल्ली, रविवार, 29 नवंबर 2020

टिकैत ने हजारों किसानों के साथ यूपी गेट पर डाला डेरा

नए कृषि कानून को वापस लेने की मांग, बैरियर तोड़ा

अशोक निर्वाण। गाजियाबाद

यूपी गेट पर किसानों को संबोधित करते भाकियू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत।

नए कृषि कानूनों के विरोध में चल रहे आंदोलन के तीसरे दिन भी पश्चिमी उत्तर प्रदेश में किसान सड़कों पर रहे। अपनी घोषणा के मुताबिक भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत भारी संख्या में किसानों के साथ यूपी गेट पर डेरा डाल दिया है। टिकैत ने कहा कि मांगे नहीं माने तक वह बॉर्डर पर डेरा डाले रहेंगे।

राकेश टिकैत हजारों की संख्या में किसानों के साथ काफिला लेकर ट्रैक्टर-ट्राली व अन्य साधनों से मेरठ, मोदीनगर, मुरादनगर राजनगर एक्सटेंशन होते हुए यूपी गेट पर पहुंचे। राजनगर एक्सटेंशन में किसानों ने भोजन किया। इसके बाद यूपी गेट पर पहुंचकर किसानों ने दिल्ली में प्रवेश करने की कोशिश की और एक बेरियर तोड़कर करीब दो मीटर अंदर तक प्रवेश कर गए लेकिन, पुलिस ने उन्हें वहीं पर रोक दिया। इसके बाद टिकैत ने वहीं पर डेरा डाल दिया उन्होंने एलान किया कि अब दिल्ली चारों तरफ से पैक हो चुकी है। सरकार को किसानों की मांग माननी ही पड़ेगी।

उन्होंने कहा कि वह मांगे नहीं माने जाने तक यहीं पर डेरा डाले रहेंगे। उनके साथ भारतीय किसान यूनियन की आईटी सेल के राष्ट्रीय अध्यक्ष धर्मेंद्र मलिक, उत्तर प्रदेश के उपाध्यक्ष राजवीर चौधरी, जिलाध्यक्ष बिजेंद्र चौधरी समेत तमाम लोग शामिल हैं। इस दौरान किसानों ने नए कृषि कानूनों के खिलाफ जमकर जमकर नारेबाजी की और केंद्र सरकार से नए कृषि कानूनों को वापिस लेने की मांग की।

किसान एकता संघ के हजारों कार्यकर्ता दिल्ली के लिए रवाना

नोएडा। किसान एकता संघ के कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रीय अध्यक्ष सोरन प्रधान के नेतृत्व में दनकौर कैंप कार्यालय से दिल्ली के लिए कूच किया। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष उत्तर प्रदेश जतन प्रधान ने कहा कि पिछले कई महीनों से देश के किसान कृषि कानूनों के विरोध में लगातार आंदोलनरत हैं और हाल फिलहाल में ही 3 दिन पहले पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश सहित अन्य राज्यों के किसान दिल्ली के बॉर्डर पर डटे हुए हैं।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा किसानों पर लाठीचार्ज किया गया और आंसू गैस के गोले दागे गए। इसकी किसान एकता संघ घोर निंदा करता है। सोरन ने कहा कि दिल्ली के बुराड़ी में सभी किसान भाइयों के समर्थन में वे दिल्ली पहुंचकर आंदोलन का समर्थन करेंगे और जब तक उनकी मांगों को नहीं माना जाएगा जब तक आंदोलन जारी रहेगा।

साइकिल से घूमकर बिजली मंत्री ने लोगों से पूछा महकमे का हाल

अचानक दौरे की सूचना मिलने पर अफसरों में मचा हड़कंप-बकाया भी वसूला

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

लोगों से बिजली व्यवस्था को लेकर बातचीत करते ऊर्जा मंत्री श्रीकांत शर्मा।

उत्तर प्रदेश के ऊर्जा मंत्री श्रीकांत शर्मा शनिवार सुबह नोएडा में साइकिल से चलकर लोगों के घर पहुंच गए। अपना परिचय दिया और पूछा, मेरे विभाग के अफसर और कर्मचारी कैसा काम कर रहे हैं।

एकबारगी लोग मंत्री को इस तरह देखकर हक्के-बक्के रह गए। लोगों ने विभागीय अफसरों का फीडबैक दिया। जिस पर मंत्री ने अफसरों के साथ बैठक की और कामकाज को और बेहतर ढंग से करने को कहा। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को आदेश दिया कि बकाया बिल वसूलने के लिए घर-घर जाकर लोगों से मिलें। इस दौरान मंत्री खुद कई बकायादारों के घर जाकर बिजली का बिल वसूल करके लाए।

मंत्री ने कहा कि राज्य में बिजली व्यवस्था दुरुस्त करने के लिए सरकार प्रयासरत है। विद्युत विभाग बकायेदारों से घर-घर जाकर बकाया बिल की वसूली करेगा। ऊर्जा मंत्री नोएडा के सेक्टर-29 में स्थित विद्युत उपकेंद्र में शनिवार की सुबह अचानक पहुंचे। उन्होंने वहां औचक निरीक्षण किया। इसके बाद मंत्री नोएडा के सेक्टर-28ए 29 और 30 में साईकिल से चलकर गए।

वहां रहने वाले लोगों से उन्होंने अफ्सरों और कर्मचारियों की कार्यप्रणाली पर बात की। बिजली आपूर्ति के बारे में पूछा। शहर के निवासियों से मिले फीडबैक पर उन्होंने विभागीय अधिकारियों के साथ चर्चा की। उन्होंने बिजली की आपूर्ति और बिजली अधिकारियों के कार्य प्रणाली के बारे में भी लोगों से उनका अनुभव पूछा। ऊर्जा मंत्री ने कुछ बकायेदारों से उनके घर जाकर स्वयं बकाया बिल भी वसूल किया।

ऊर्जा मंत्री ने बिजली विभाग के अधिकारियों से बकायेदारों की सूची तलब की, लेकिन अधिकारी सूची दिखाने में असफल रहे। इस पर उन्होंने अधिकारियों को जमकर फटकारा, और कहा कि वे अपनी कार्यप्रणाली सुधार लाएं।

बिजली मंत्री श्रीकांत शर्मा के अचानक दौरे और साइकिल से चलकर लोगों के घर-घर जाकर पूछताछ करने पर पावर कारपोरेशन के अफ्सरों की हवाइयां उड़ गईं। पूरे महकमे में हड़कंप मच गया। इस दौरान पूरे शहर के किसी सेक्टर में ट्रिपिंग नहीं होने दी गई। पावर कारपोरेशन के तमाम छोटे-बड़े दफ्तरों में कर्मचारी अलर्ट रहे। समय से दफ्तरों में हाजिर नहीं होने वाले भी दौड़ दौड़ कर दफ्तर पहुंच गए। करीब 3 घंटे तक श्रीकांत शर्मा ने शहर का दौरा किया। इस दौरान कई मुद्दों पर चीफ इंजीनियर से लेकर इंजीनियर तक को फटकार लगाई।

एफसीआई गोदाम से डीलरों को अब सीधे होगी माल की आपूर्ति

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

● कालाबाजारी रोकने को किया फेरबदल

सस्ते राशन की कालाबाजारी रोकने के लिए अब एफसीआई गोदाम से सीधे राशन डीलरों को खाद्यान्न सामग्री की आपूर्ति की जायेगी। इससे पहले एफसीआई गोदाम मुरादनगर स्थित केंद्र पर सारा सस्ता राशन का सामान उतारता था और वहां से डीलर अपनी गाड़ियों से इस राशन को उठाते थे। अब इस प्रक्रिया में जिला प्रशासन ने फेरबदल कर दिया है।

मुरादनगर केंद्र पर अब एफसीआई कोई राशन नहीं उतारेगा बल्कि अब एफसीआई गोदाम सीधे डीलर की दुकान पर सस्ते राशन से संबंधित खाद्यान्न सामग्री को अपने वाहन से उतारेगा। जिला प्रशासन को यह भनक लगी थी कि डीलर मुरादनगर केंद्र से राशन अपनी दुकान पर लाने के बजाय बीच में ही काला बाजारी कर बेच देते थे।

बाइक बोट फर्जीवाड़ा में 58 के खिलाफ केस दर्ज

नोएडा। बाइक बोट फर्जीवाड़े के मामले में जिला न्यायालय के आदेश पर दादरी कोतवाली में राजस्थान से कांग्रेस के विधायक और नोबल कोऑपरेटिव बैंक के सीईओ समेत 58 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ है।

बाइक बोट फर्जीवाड़े के शिकार 632 पीड़ितों की याचिका पर सुनवाई करके अदालत ने मुकदमा दर्ज करने के आदेश दिए थे। इनमें कई नए आरोपी हैं, जो अब तक फर्जीवाड़े में नामजद नहीं हुए हैं। फर्जीवाड़े का मुख्यारोपी संजय भाटी भी बसपा का पूर्व गौतमबुद्ध नगर लोकसभा प्रभारी रह चुका है।

यमुना एक्सप्रेसवे पर हादसों में छह की मौत

दुर्घटना में जख्मी कई की हालत गंभीर, अस्पताल में भर्ती

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

गौतमबुद्धनगर में यमुना एक्सप्रेसवे पर शनिवार को मौत ने तांडव किया। यहां दो भीषण हादसों में 6 लोगों की मौत हो गई तथा कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। इसके कई जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहे हैं। पहला हादसा ग्रेटर नोएडा के बीटा-2 थानाक्षेत्र में यमुना एक्सप्रेसवे पर शनिवार सुबह हुआ। इस दर्दनाक सड़क हादसे में इनोवा कार सवार चार लोगों की मौत हो गई। इनोवा कार अनियंत्रित होकर आगे चल रही रोडवेज बस से टकरा गई जिसकी वजह से यह हादसा हुआ। दूसरा हादसा जेवर थानाक्षेत्र में यमुना एक्सप्रेसवे पर ही शनिवार तड़के हुआ, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई है।

डीसीपी जोन तृतीय राजेश कुमार सिंह ने बताया कि शनिवार सुबह एक इनोवा कार में सवार होकर पांच लोग आगरा से नोएडा की तरफ आ रहे थे। बीटा-दो थाना क्षेत्र में यमुना एक्सप्रेसवे पर एचपी पेट्रोल पंप के नजदीक कार आगे चल रही रोडवेज की बस से टकरा गई। उन्होंने बताया कि इस घटना में इनोवा कार में सवार चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति को अत्यंत गंभीर हालत में उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

राजेश सिंह ने बताया कि मृतकों की पहचान आशीष चौहान निवासी वसुंधरा गाजियाबाद, आलोक कुमार गुप्ता निवासी इस्माइलपुर अमरनगर फरीदाबाद, हरियाणा, मणिगंदन मायकन देवकर निवासी उल्हासनगर ठाणे, महाराष्ट्र और फिरोज निवासी गढ़ी बिचित्र आगरा के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि घायल व्यक्ति की पहचान प्रिंस पाल निवासी फरीदाबाद के रूप में हुई है और उसकी हालत नाजुक बनी हुई है।

वहीं, दूसरे हादसा में एक बोलेरो पिकअप कार में गलत दिशा से आ रही एक डबल डेकर बस ने बोलेरो पिकअप में सीधी टक्कर मार दी। जिससे बोलेरो में बैठे दो लोगों पप्पू 32 वर्ष और धनंजय कुमार 30वर्ष की मौके पर ही मौत हो गई। दोनों बिहार के गया जिले के रहने वाले थे।

गलत दिशा से आ रहे ट्रक ने कार में मारी टक्कर, जिंदा जला युवक

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

हादसे के बाद सड़क पर जलकर खड़े दोनों वाहन।

बीती रात लगभग ढ़ाई बजे के आसपास इंदिरापुरम थाना क्षेत्र में पड़ने वाले शिप्रा अंडरपास के पास तेज गति से दौड़ रहे दो वाहन आपस में टकरा गए। हादसा इतना जबरदस्त था कि दोनों वाहन आग के गोले में तब्दील हो गए जिसमें कार चालक की जलकर दर्दनाक मौत हो गई।

दुर्घटना की सूचना पर इंदिरापुरम पुलिस व फायर ब्रिगेड कर्मी मौके पर पहुंचे और कार में फंसे युवक को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने बताया कि मृतक युवक का नाम पुनीत अग्रवाल है जो लखनऊ का रहने वाला था। मृतक यहां नोएडा सेक्टर-149 में किराए के मकान में रहता था और किसी प्राईवेट कंपनी में नौकरी करता था।

सीओ इंदिरापुरम ने बताया कि इस हादसे की वजह ट्रक के गलत दिशा पर चलना रहा। सीओ ने बताया कि पुलिस फरार हुए ट्रक चालक का पता लगाने का प्रयास कर रही है।

संक्षिप्त समाचार

जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन करते कांग्रेसी कार्यकर्ता।

किसान आंदोलन के समर्थन में प्रदर्शन

गाजियाबाद। कृषि कानून के खिलाफ किसान आंदोलन के समर्थन में कांग्रेस भी सड़क पर उतर गई। शनिवार को जिला कांग्रेस कमेटी ने विरोध स्वरूप कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने किसान विरोधी कथित काले कानूनों को समाप्त करने की मांग से संबंधित ज्ञापन राष्ट्रपति के नाम एसडीएम को सौंपा। इस मौके पर जिलाध्यक्ष बिजेंद्र यादव ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार ने देश के किसानों और खेत खलिहान के खिलाफ एक घिनौना षंडयत्र किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के किसानों विरोधी तीन काले कानूनों के माध्यम से देश की हरित क्रांति को हराने की साजिश की गई है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी किसानों को न्याय दिलाने तक और किसान विरोधी काले कानूनों को समाप्त होने तक किसानों के हक और अधिकारों की लड़ाई लड़ती रहेगी। इस मौके पर महानगर अध्यक्ष मनोज कोशिक, जिला उपाध्यक्ष मोहम्मद हनीफ चीनी, जिला महासचिव विकास शर्मा, पार्षद दल नेता जाकिर अली सैफी, राकेश पाल शामिल थे।

दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर निरीक्षण करते जिलाधिकारी

एक्सप्रेसवे का निर्माण जनवरी तक होगा पूरा

गाजियाबाद । जिलाधिकारी डॉ अजय शंकर पांडे ने शनिवार को दिल्ली मेरठ एक्सप्रेसवे के निर्माण कार्यों का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने इस अवसर पर भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएचएआई) के अधिकारियों को निर्धारित समय सीमा के अंदर कार्य पूर्ण करने के आदेश दिए। डॉक्टर पांडेय प्रशासनिक अधिकारियों के साथ एक्सप्रेस वे पर पहुंचे और वहां एनएचएआई के अधिकारियों से निर्माण कार्यों की विस्तृत जानकारी ली। अधिकारियों ने उन्हें बताया कि महरौली के खसरा नंबर1063 व 1064 में किसान में विरोध कर रहे हैं और 300 मीटर की सड़क में अवरुद्ध आ रहा है। जिलाधिकारी ने बताया कि यह मामला निपटा दिया गया। अधिकारियों ने डीएम को बताया कि एक्सप्रेस वे की निर्माण कार्य पूर्ण जनवरी 2021 तक पूर्ण कर लिया जाएगा।

शिविर में एक कर्मचारी मिला पॉजिटिव

गाजियाबाद। बढ़ते कोरोना संक्रमण के मामलों के बीच जिले के स्वास्थ्य विभाग ने नगर निगम एवं गाजियाबाद विकास प्राधिकरण में कैंप का आयोजन किया। इस दौरान जीडीए का एक कर्मचारी कोरोना पॉजिटिव पाया गया। इसके अलावा जीडीए के दो अवर अभियंताओं में भी कोरोना की पुष्टि हुई है। टीम के सदस्यों ने प्राधिकरण के डेढ़ सौ से ज्यादा कर्मचारियों की कोविड-19 जांच की।

नोएडा में कोरोना संक्रमण के 157 नए मरीज आए सामने

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

गौतमबुद्धनगर जनपद में शनिवार को 157 और लोगों के कोरोना वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। जबकि पिछले 24 घंटे में कोविड-19 के 160 मरीजों को कोरोना से मुक्त होने के बाद अस्पताल से छुट्टी दी गई है।

जिला निगरानी अधिकारी डॉक्टर सुनील दोहरे ने बताया कि शनिवार को कोविड-19 के 157 नए मरीज सामने आए हैं। उन्होंने बताया कि गत 24 घंटे में कोरोना वायरस से संक्रमित 160 मरीजों को उपचार के बाद अस्पताल से छुट्टी दी गई है। उन्होंने बताया कि यहां के विभिन्न अस्पतालों में इस समय 1,279 मरीजों का उपचार चल रहा है।

जिला निगरानी अधिकारी ने बताया कि अब तक जिले कोरोना वायर संक्रमण के 22,467 मरीज सामने आए हैं, जिनमें से 21,107 ठीक हो चुके हैं। उन्होंने बताया कि जनपद में अब तक इस महामारी से 81 लोगों की मौत हो चुकी है।

ज्योतिराव फुले की पुण्य तिथि पर गोष्ठी संपन्न

गाजियाबाद। केंद्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में सुप्रसिद्ध समाज सुधारक महात्मा ज्योतिराव गोविंदराव फुले की 130वीं पुण्य तिथि पर ऑनलाइन गोष्ठी गूगल मीट पर आयोजित की गई।

इस मौके पर केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि महात्मा फुले द्वारा समाज उत्थान के लिए किए गए कार्यों को स्मरण करने का आज दिन है कि किस प्रकार विपरीत परिस्थितियों में भी समाज निर्माण का कार्य उन्होंने किया। उन्होंने कहा कि फूले ने महिलाओं व दलितों के उत्थान के लिए अनेक कार्य किए।

दलित के पैतृक मकान पर दबंगों ने किया कब्जा

लाठी-डंडों से पीटा, पीड़ित ने भाई के घर छिपकर बचाई अपनी जान

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

दबंगों ने एक गरीब दलित को प्लाट पर पक्का मकान बनाने से रोक दिया, जब उसने इस बात का विरोध किया तो दबंगों ने उसे लाठी से पीटा व धमकी दी कि यदि वह दोबारा यहां मकान बनाने की कोशिश करेगा तो पूरे परिवार को खत्म कर देंगे।

आरोप है कि दबंग उसे निर्माणाधीन स्थल से अपहरण कर ले जाने लगे तभी वह किसी तरह से भागकर मुरादनगर स्थित अपने भाई के घर आकर छिप गया और अपनी जान बचाई। मुरादनगर थाना क्षेत्र के गांव सुल्तानपुर निवासी मुन्ना पुत्र वेद प्रकाश जाटव शनिवार को थाने में समाधान दिवस पर अधिकारियों के सामने अपनी गुहार लगाने पहुंचा था लेकिन, वहां उसकी सुनने वाला कोई नहीं मिला। उसने बताया कि पैतृक पुराना मकान कच्ची दीवारों का है। वह उसकी दीवारें पक्की करा रहा था। काम करने में मिस्त्री लगे थे। उसी दौरान गांव के दबंग आधा दर्जन से अधिक संख्या में उसके मकान पर पहुंचे तथा उसके मकान को अपना बताते हुए निर्माण कार्य रोक दिया। दबंगों द्वारा की गई मारपीट, अपहरण का प्रयास तथा धमकी से डरकर वह गांव छोड़कर यहां रहने वाले अपने भाई के पास आ गया था।

पीड़ित ने बताया कि उसने पहले भी थाने में सूचना दी थी लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। पीड़ित ने बताया कि कि वह किसी तरह से छिपकर थाने पहुंचा है क्योंकि आरोपी उसे देखते ही उसका कुछ भी अनिष्ट कर सकते हैं। लेकिन यहां उसको कोई मदद नहीं मिल रही है।

तेंदुए तलाशने को हापुड़-बुलंदशहर से पहुंची टीमें

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

स्कूल कैम्पस में मिले तेंदुए के पंजे के निशान।

तेंदुए की तलाश में गाजियाबाद पहुंची हापुड़ और बुलंदशहर की वन विभाग की टीम ने भी शनिवार से सर्च अभियान शुरू कर दिया है। पहले से ही गाजियाबाद, मेरठ और दिल्ली के विशेषज्ञों की टीमें तेंदुए की तलाश में जुटी हैं। शुक्रवार के बाद शनिवार को फिर ड्रोन कैमरे से इंग्राहम इंस्टीट्यूट सहित 62 हेक्टयर के हाई रिस्क एरिया में सर्च अभियान चलाया गया जिसमें तेंदुए के पंजे के निशान मिले हैं।

वन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि पांच दिन से तेंदुए की तलाश की जा रही है। सर्च के दौरान तेंदुए के पंजे के निशान मिले हैं लेकिन, यह कहना मुश्किल है कि यह पंजे के निशान नए हों। वन विभाग की टीमें इसे दो दिन पुराना मानकर चल रही हैं। तेंदुए की तलाश में अब वन विभाग की टीम ने इंग्राहम इंस्टीट्यूट के अलावा एएलटी, कमला नेहरू नगर के जंगल क्षेत्र में भी पिंजरा लगाकर कॉम्बिंग शुरू कर दी है। हालांकि, अंतिम बार तेंदुए को 25 नवंबर की सुबह देखा गया था जिसके बाद से वह नहीं देखा गया है। वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि लगातार सर्च अभियान के बाद फिर से तेंदुए को नहीं देखा गया है। अभी तक किसी अन्य जगह पर तेंदुए के देखे जाने की जो सूचना मिल रही है, वह भी पुरानी है।

खुले नाले में पलटा ईंटों से भरा ट्रक

गाजियाबाद। डासना इलाके में खुले हुए नाले में ईंटों से भरा हुआ एक ट्रक पलट गया जिसका वीडियो सामने आया है। वीडियो में दिखाई दे रहा है कि किस तरह से ट्रक नाले के पास से गुजर रहा था और अचानक नाले के किनारे की जमीन का हिस्सा खिसक गया जिसमें पलक झपकते ही ट्रक सीधे नाले में जा गिरता है।

गनीमत ये रही कि ड्राइवर और हेल्पर को कोई चोट नहीं आई। लोगों की मदद से तुरंत उन्हें बाहर निकाल लिया गया। बता दें कि गाजियाबाद में इससे पहले भी कई बार खुले नालों की वजह से अनगिनत हादसे हो चुके हैं। लेकिन नालों के आसपास सुरक्षा को लेकर कोई इंतजाम नहीं हैं।

शनिवार को अभियान की शुरुआत करते हुए खोडा नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी केके भड़ाना।

पालिका ने शुरू की मास्क नहीं पहनने वालों की ड्रोन से निगरानी

24 लोगों पर जुर्माना लगाकर वसूले 48 सौ रुपए

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

● अधिशासी अधिकारी ने शुरू किया अभियान

खोड़ा नगर पालिका परिषद ने सबसे पहले कोरोना संक्रमण के फैलाव को रोकने के लिए ड्रोन से मास्क न पहनने वालों की निगरानी शुरू कर दी है । पालिका के अधिशासी अधिकारी के के भड़ाना ने ड्रोन को आसमान में छोड़कर पहले दिन वीर विजय सिंह पथिक द्वार से अभियान की शुरुआत की। इसके बाद रविवार बाजार और मंगल बाजार होते हुए गजेंद्र भाटी गेट तक अभियान चलाया गया।

अभियान के दौरान दो गज की दूरी और मॉस्क है जरूरी थीम पर प्रचार-प्रसार करते हुए जो लोग बिना मास्क के नजर आए, उन पर तत्काल जुर्माने किए गए और वसूली भी की गई। इस अभियान के दौरान बिना मास्क के घूम रहे 24 लोगों पर मौके पर ही 200 रुपया प्रति व्यक्ति जुर्माना लगाकर 4800 रुपये वसूल किए गए और उन्हें एक एक मॉस्क का वितरण भी किया गया।

इस अभियान के साथ-साथ ही बिना मॉस्क पाए गए लोगों को मॉस्क् का भी वितरण किया गया। अभियान के दौरान खुद अधिशासी अधिकारी केके भडाना के अलावा अवर अभियंता मदनपाल सिंह और सफाई एवम् खाद्य निरीक्षक संजीव कुमार अवाना भी उपस्थित रहे।

गाजियाबाद में आशियाना बनाने का सपना देखने वाले के लिए खुशखबरी

दस दिसंबर को जीडीए लांच करेगा ईडब्ल्यूएस स्कीम

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

देश की राजधानी दिल्ली से सटे गाजियाबाद शहर में आशियाना बनाने का सपना देखने वाले गरीब लोगों के लिए एक बड़ी खबर है। आगामी दस दिसंबर से गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) मधुबन बापूधाम आवासीय योजना में ईडब्ल्यूएस फ्लैट स्कीम लॉच करने जा रहा है जो दस जनवरी 2021 तक जारी रहेगी। इस योजना में 64 भवन हैं और भवन खरीदने के इच्छुक दस दिसंबर से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

यह जानकारी जीडीए सचिव संतोष राय ने आज यहां दी। उन्होंने बताया कि एक भवन की अनुमानित धनराशि पांच लाख चालीस हजार रखी गई है। इन भवनों को जहां है जैसा है के आधार पर आवंटित किया जायेगा। पंजीकरण के लिए राज्य सरकार द्वारा घोषित आरक्षित श्रेणी के लिए बुकिंग राशि 27050 रुपए रखी गयी है, जबकि सामान्य वर्ग के आवेदकों के लिए यह राशि 54050 रखी गयी है। जीडीए सचिव ने बताया कि योजना के आवेदन पत्र जीडीए की अधिकृत वेबसाइट पर ऑनलाइन भरे व जमा किये जा सकते हैं। आवदेन पत्र की कीमत 300 रूपये रखी गयी है। सभी भुगतान आरडीसी स्थित एचडीएफसी बैंक की शाखा में जाम होंगे। आवेदन पत्रों के साथ आवेदक का फोटो, आधार कार्ड, आय प्रमाण पत्र, पेन कार्ड ,जाति प्रमाण पत्र व कैसिंल चैक की छाया प्रति संलग्न करना होगा।

ऑनलाइन पंजीकरण हेतु प्रक्रिया

● बेवब्राउजर खोलकर यूआरएल में जनहित डॉट यूपीडीए डॉट इन टाइप करके पोर्टल खोलें। ● स्क्रीन पर उपलब्ध पांच विकल्पों में से ओआरए-रजिस्ट्रेशन फोर अलॉटमेंट पर क्लीक कर प्रोसीड करें। ● संबंधित प्राधिकरण जीडीए का चयन करे। ● लॉग इन बनाने के लिए क्रिएट एकाउन्ट पर क्लीक करें। ● लॉग इन करने हेतु यूजरनेम एवं पासवर्ड प्रविष्ठ कर कन्टीन्यू बटन पर क्लीक करें। ● आवेदन करने हेतु एड न्यू रजिस्टरेशन पर क्लीक करें। ● आवेदन हेतु संबधित वर्ग सलेक्ट कर दस्तावेज संलग्न कर सबमिट बटन पर क्लीक करें।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा नं. 6, गुलाब भवन के पीछे, बहादुर शाह ज़फ़र मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक: चन्दन मित्रा, स्थानीय सम्पादक: उषा श्रीवास्तव। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879800-4879900।

किसान मार्च
ढोल-नगाड़ों से गूंजा बुराड़ी का मैदान

नन्हां किसान

सुनाई दे रहे धरती माता की जय, इंकलाब जिंदाबाद और हम होंगे कामयाब जैसे नारे और गीत

नई दिल्ली। किसान आंदोलन के दौरान कई रंग देखने को मिले। किसान नारे लगाते, गीत गाते और लाल, हरे और नीले रंग के झंडे लेकर दिल्ली के बुराड़ी स्थित मैदान में एकत्रित हुए, जहाँ सरकार ने उन्हें शांतिपूर्ण ढंग से विरोध प्रदर्शन करने की अनुमति दी है।

नारेबाजी के दौरान धरती माता की जय, नरेंद्र मोदी किसान विरोधी और इंकलाब जिंदाबाद जैसे नारे, उड़ती धूल से भरे विशाल मैदान के विभिन्न हिस्सों से सुने जा सकते हैं। कुछ किसान नेताओं ने भाषण दिए, किसानों ने ढोल बजाकर नृत्य किया और हम होंगे कामयाब गीत भी सुनाई दिया। कोविड-19 महामारी और मास्क पहनने की आवश्यकता के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए आप सरकार ने ई-रिक्शा से प्रचार किया।

साथियों को भोजन कराते किसान संगठन।

सिंघू और टिकरी बॉर्डर सील, ट्रैफिक प्रभावित

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राजधानी में किसान आंदोलन के चलते दिल्ली-हरियाणा बॉर्डर पर पूरी दिन अफरातफरी का माहौल बना रहा। वहीं नाकाबंदी के चलते बॉर्डर पूरी तरह से छावनी में तब्दील कर दिया गया है। पुलिस की सुरक्षा का हवाला देते हुए दिल्ली से हरियाणा या दूसरे राज्यों में वाहनों की आवाजाही भी बंद कर दी गई है।

इसका असर यह हुआ कि राजमार्गों पर वाहनों की लंबी-लंबी कतारें लग गई। लोगों की जानकारी मिलने के कारण चालकों को घंटों जाम से जुझना पड़ा। दिल्ली यातायात पुलिस ने ट्वीट बताया कि आजादपुर और बाहरी रिंगरोड से सिंघू बार्डर के लिए यातायात की अनुमति नहीं है।

संयुक्त पुलिस आयुक्त (यातायात) मीनू चौधरी ने कहा कि यात्रियों से सिंघू बोर्डर एवं टिकरी बोर्डर, मुकरबा चौक, एनएच 44, जीटी करनाल रोड और बाहरी रिंगरोड की ओर यात्रा करने से परहेज करने की अपील करते हैं। हालांकि उन्होंने दावा किया कि शनिवार कार्यालयों जाने वाले अधिकतर लोगों के लिए छुट्टी का दिन होने के कारण शुक्रवार की तुलना में अन्य हिस्सों में यातायात बेहतर रहा। शुक्रवार को दिल्ली पुलिस ने प्रदर्शनकारी किसानों को दिल्ली में प्रवेश करने से रोकने के लिए ढांसा, झड़ौदा कलां, टिकरी, गुरूग्राम और चिल्ला समेत कई स्थानों पर यातायात पर रोक लगा दी थी। बाहरी रिंगरोड के कुछ खंड, मुकरबा चौक, जी टी करनाल रोड, एनएच 44 भी बंद थे।

बॉर्डर सील होने के चलते पूरी तरह अराजक स्थिति पैदा हो गई और यात्री भ्रम में पड़ गए थे। वे लगातार घंटों जाम में फंस गए थे। पुलिस ने किसानों को राष्ट्रीय राजधानी में प्रवेश करने की अनुमति दी तब स्थिति संभली। ज्ञात हो कि तीस से अधिक किसान संगठनों से संबद्ध किसानों ने लालरू, शंभू, पटियाला- पहोवा, पाटरन-खनौरी, मूनक-टोहाना, रतिया-फतेहाबाद और तलवंडी-सिरसा जैसे विभिन्न मार्गों से 'दिल्ली चलो' मार्च का आह्वान किया था। वहीं भारतीय किसान यूनियन (बीकेयू) के समर्थकों और किसानों ने राजमार्ग अवरुद्ध कर दिए गए। बीकेयू के कार्यकताओं और किसानों ने सड़कों पर भीड़ लगाकर यमुना एक्सप्रेस-वे पर जाम लगा दिया। एक शादी की बारात कई घंटों तक इस जाम में फंसी रही। सड़कों में जमा हुई इस भीड़ के चलते आगरा से मथुरा जाने वाली सड़क पर यातायात बाधित हुई। बागपत, मुजफ्फरनगर, मेरठ और बिजनौर में भी किसानों के इस प्रदर्शन के चलते कई जगह राजमार्गों पर यातायात बाधित हुई।

सिंधू बॉर्डर पर लगा लंबा जाम।

गाजियाबाद-दिल्ली बॉर्डर पर सुरक्षा बंदोबस्त करते पुलिसकर्मी।

वायु गुणवत्ता में गिरावट, खराब श्रेणी में

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली में शनिवार को एक बार फिर वायु गुणवत्ता खराब श्रेणी में दर्ज किया गया जबकि एक दिन पहले अनुकूल हवाओं की वजह से उसमें सुधार देखने को मिला था।

दिल्ली में सुबह नौ बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 209 दर्ज किया गया। शुक्रवार को दिल्ली का 24 घंटे का औसत एक्यूआई 137 दर्ज किया गया था जबकि बृहस्पतिवार और शुक्रवार को एक्यूआई क्रमशः 302 व 413 रहा था। उल्लेखनीय है कि शुक्रवार को हवाओं की तेज गति और पराली जलाने की घटनाओं से प्रदूषण में कम

योगदान की वजह से दिल्ली की हवा अपेक्षाकृत साफ रही। हालांकि, शुक्रवार रात को हवाओं की गति मंद पड़ने से प्रदूषकों का एक बार फिर जमाव शुरू हो गया। भारत के मौसम विभाग (आईएमडी) के मुताबिक शुक्रवार को दिल्ली में 18 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से हवाएं चली जबकि शनिवार को इसकी गति 15 किलोमीटर प्रति घंटे रहने की उम्मीद है। फसलों की कटाई का सीजन खत्म होने के साथ दिल्ली के प्रदूषण में पराली जलाने का योगदान भी कम हुआ है। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के वायु गुणवत्ता निगरानी प्रणाली सफर के मुताबिक शुक्रवार को पीएम-2.5 प्रदूषक के मामले में पराली का योगदान महज दो प्रतिशत रहा। मौसम विभाग के मुताबिक दिल्ली में शनिवार को अधिकतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है।

उल्लेखनीय है कि शून्य से 50 के बीच वायु गुणवत्ता सूचकांक अच्छा , 51 से 100 के बीच संतोषजनक , 101 से 200 के बीच मध्यम , 201 से 300 के बीच खराब , 301 से 400 के बीच अत्यंत खराब रहता है।

राजीव गांधी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में रखी जाएगी वैक्सीन

नई दिल्ली। राजीव गांधी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल की पहचान शहर में कोविड-19 टीके के पहले भंडारण केंद्र के रूप में की गयी है । अस्पताल के प्रबंध निदेशक बी एल शेरवाल ने बताया कि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की एक टीम ने अस्पताल का सर्वेक्षण किया और इसके बाद इसकी मंजूरी दी ।

शेरवाल ने बताया कि दिल्ली सरकार ने टीके के भंडारण के लिए जगह उपलब्ध कराने के लिये कहा था। हमारे पास तीन मंजिला एक इमारत है जिसका इस्तेमाल इस उद्देश्य के लिये किया जा सकता है। यह आठ हजार वर्ग मीटर का क्षेत्र है।

संक्रमण दर 8.5 फीसदी, 9500 बेड उपलब्ध : जैन

कोरोना

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने दावा किया है कि संक्रमण दर घटकर 7.24 फीसदी हो गई। तीसरी लहर के चरम सात नंवबर को पॉजिटिविटी दर सबसे अधिक 15 से भी ज्यादा थी। अस्पतालों में खाली बेड की संख्या लगातार बढ़ाई जा रही है। दिल्ली के अस्पतालों में अभी 50 प्रतिशत से ज्यादा बेड खाली है जिसमें 12 सौ से ज्यादा आईसीयू बेड हैं। वर्तमान में कुल मिलाकर 9793 बेड अभी खाली है। जैन ने शनिवार को मीडिया से बातचीत में कहा कि कोरोना कि

वैक्सीन आने के बाद उसे तीन से चार हफ्तों में सभी को मुहैया कराने की तैयारी हैं। दिल्ली सरकार के पास पर्याप्त साधन है कि कोविड-19 की वैक्सीन मिलने के कुछ सप्ताह में सभी लोगों तक पहुंचा दिया जाएगा। सरकार के पास मोहल्ला क्लीनिक, पॉलीक्लिनिक, डिस्पेंसरीज और अस्पताल है जहां उसे रखने में कोई दिक्कत नहीं है। हेल्थ बुलेटिन में

शनिवार को 89 लोगों की मौत 4,998 नए मामले आए

कोरोना के आंकड़ों का जिक्र करते हुए स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि शनिवार को संक्रमण के कुल 4998 नए मामले सामने आये और पॉजिटिविटी दर 7.24 प्रतिशत थी। इस दौरान 6512 मरीज बीमारी को मात देकर अपने घरों को चले गए हैं। अस्पतालों में खाली बेड की संख्या लगातार बढती जा रही है और यह काफी संतोष की बात है।

खिलाड़ियों-कोच से इंटरनेशनल मेडल की उम्मीद: सिसोदिया

शिक्षा मंत्री ने अशोक नगर में सर्वोदय बाल विद्यालय विश्वस्तरीय एस्ट्रो टर्फ हॉकी मैदान का किया उद्घाटन

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलों में खिलाड़ी देश का नाम रोशन करें। इसके दिल्ली सरकार स्कूली छात्रों को विश्वस्तरीय खेल मैदान और कोच मुहैया करा रही है।

इसी कड़ी में शिक्षामंत्री व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने शनिवार को सर्वोदय बाल विद्यालय, अशोक नगर में विश्वस्तरीय एस्ट्रो टर्फ हॉकी मैदान का उद्घाटन किया। इससे पहले घुम्मनहेड़ा और झिलमिल में भी ऐसे मैदान उपलब्ध कराएं है।

इसके अलावा चार सौ मीटर के चार रेसिंग ट्रेक और स्वीमिंग पुल भी बनाए हैं। इन सुविधाओं के कारण सरकारी स्कूलों का खेलों में प्रदर्शन बेहतर हुआ है और मैडल लाने का ग्राफ बढ़ा है। मनीष सिसोदिया ने कहा उन्होंने खिलाड़ियों को तमाम सुविधाएं मुहैया करा रही है। अब खिलाड़ियों और कोचेज से अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा का जौहर दिखाकर देश के लिए पदक लाने की आस है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने होनहार खिलाड़ियों को हर संभव मदद देने का निर्देश दिया है ताकि सुविधाओं और रुपयों के अभाव में कोई खिलाड़ी पीछे नहीं रह जाए। सिसोदिया ने कहा कि इस विश्वस्तरीय एस्ट्रोटर्फ हॉकी मैदान को बनाने में टैक्सपेयर्स के 5.78 करोड़ रूपए लगे हैं। ताकि खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें।

साथ ही अपनी प्रतिभा निखार कर देख के लिए पदक जीतें तो यह पैसा वसूल हो जाएगा। लेकिन अगर यहां से देश के लिए अच्छे खिलाड़ी नहीं निकलें, तो यह पैसा बेकार जाएगा। ऐसे में स्कूल और खेल अधिकारियों की जिम्मेदारी है कि खिलाड़ियों को इस मैदान के इस्तेमाल की सुविधा मिले। इस मैदान को सरकारी नियमों का शिकार नहीं बनने दें। खिलाड़ियों की सुविधा और जरूरत के अनुसार नियम बनाए जाएं। किसी नियम में बदलाव की जरूरत हो, तो सरकार उसके लिए तैयार है। शिक्षामंत्री ने कहा कि छात्रों को खेल की सुविधाएं मुहैया कराने के लिए लचीला होना पड़ेगा। लेकिन खेल की तैयारियों में खिलाड़ियों को सभी अनुशासन का पालन करना होगा ताकि उनकी प्रतिभा का विकास हो। सिसोदिया ने बताया कि उन्होंने प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को हर जरूरी सुविधा देने की पूरी जिम्मेदारी ली है। उनके रहते के लिए हॉस्टल और स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी भी बनाई जा रही है। गोल्ड मैडल लाने वाले खिलाड़ियों को भी यह सोचना पड़ता है कि उनका दाखिला कहां होगा। लेकिन सरकार उन्हें स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी में एडमिशन देंगी।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने पांच साल पहले ही कह दिया था कि होनहार खिलाड़ी जब खेल के मैदान में पसीना बहा रहे हों, उसी वक्त उन पर पैसा लगाना चाहिए।

पंजाब और हरियाणा के किसानों को बॉयोडिकंपोजर दें मुख्यमंत्री : महापौर

नई दिल्ली। उत्तरी दिल्ली के महापौर जय प्रकाश ने अरविंद केजरीवाल से पंजाब और हरियाणा से आए किसानों को पराली से खाद बनाने के लिए पूसा द्वारा विकसित बॉयोडिकंपोजर मुहैया कराने की मांग की है।

इससे दिल्ली में वायु प्रदूषण कम करने में मदद मिली क्योंकि सीएम दावा कर रहे है कि दिल्ली में प्रदूषण किसानों द्वारा पंजाब और हरियाणा में पराली जलाने के कारण है। कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों के प्रदर्शन को लेकर भाजपा ने आम आदमी पार्टी और कांग्रेस पर निशाना साधा है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने कहा कि अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए दिल्ली सरकार किसानों की खिदमत करने के साथ-साथ उन्हें कोरोना भी परोस रही है। हजारों की तादाद में जुटे किसानों में से कितने संक्रमित होगें।

कोविड-19 महामारी से निपटने में सरकार विफल : कांग्रेस

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कोविड-19 महामारी के बीच दिल्ली में स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति को लेकर आम आदमी पार्टी (आप) सरकार पर निशाना साधते हुए कांग्रेस ने शनिवार को आरोप लगाया कि यह सरकार जमीनी स्तर पर कार्य करने में विफल में रहने के बावजूद प्रचार और विज्ञापन करने में लगी हुई है।

पार्टी के प्रवक्ता पवन खेड़ा ने दिल्ली कांग्रेस कार्यालय में संवाददाता सम्मेलन में आंकड़ों के हवाले से दावा किया कि आप सरकार शहर में एक भी नया अस्पताल खोलने में विफल रही है। खेड़ा ने कहा कि यह एक ऐसी सरकार है जो प्रचार और विज्ञापन पर काम करती है। जमीनी हकीकत यह है कि कोरोना वायरस महामारी जैसे संकट के समय इस सरकार का असली चेहरा उजागर हो गया है। सत्तारूढ़ आप से इस संबंध में तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं मिल सकी है। खेड़ा ने टीकों के विकास संबंधी कार्यों की समीक्षा करने के लिए तीन शहरों के दौरे को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर भी निशाना साधा और दावा किया कि सब कुछ इवेंट मैनेजमेंट में बदल गया है।

उन्होंने कहा कि भारत सरकार की स्पष्ट नीति होनी चाहिए कि वह विभिन्न श्रेणियों के बीच टीके को कब और कैसे आवंटित करेगी जैसा कि कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने जानना चाहा है। पहले इस पर काम किया जाना चाहिए, प्रचार बाद में भी हो सकता है। खेड़ा ने आरोप लगाया कि चुनाव घोषणा पत्र में 30 हजार बिस्तरों का वादा किया गया था।

हरियाणा में बड़े प्लॉट्स के बंटवारे को लेकर पॉलिसी लगभग तैयार : सीएम

जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की अगली कैबिनेट बैठक में रखा जाएगा प्रस्ताव

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

हरियाणा में बड़े प्लॉटों के बंटवारे को लेकर पॉलिसी लगभग तैयार हो चुकी है। जिसे अगली कैबिनेट बैठक में रखा जाएगा। इसमें प्रावधान ऐसा किया जा रहा है कि बंटवारे के बाद हर हिस्से का कम से कम 100 गज का एरिया अवश्य हो। यह बात मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने शनिवार को यहां जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए कही।

कष्ट निवारण की समिति की बैठक में कुल 10 शिकायतें, समस्याएं समस्याएं रखी गई, जिनका मुख्यमंत्री ने सभी पक्षों को सुनने के बाद मौके पर निपटारा कर दिया।

जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की बैठक लेते मुख्यमंत्री मनोहर लाल।

बैठक में एक समस्या यह भी रखी गई थी कि वर्ष-1966-67 में प्रदेश में टाउन प्लानिंग स्कीम बनाई गई थी और जो कॉलोनी उस स्कीम के अंतर्गत आती थी, उनमें प्लॉट का साइज भी स्कीम के अनुसार ही था। उस प्लॉट के टुकड़े अथवा बंटवारा करने पर टुकड़ों का नक्शा पास नहीं किया जाता। गुरुग्राम के शिवाजी नगर के दो शिकायतकर्ताओं ने यह मामला मुख्यमंत्री के समक्ष उठाया था। जिसमें उन्होंने कहा था कि उनके दादा ने वर्ष-1971 में 153 वर्गगज के प्लॉट पर मकान बनाया था, जो बाद में उन दोनों भाइयों के नाम हस्तांतरित कर दिया गया। मकान पुराना हो गया था इसलिए उसके स्थान पर नया मकान बनाने के लिए जब नगर निगम में नक्शा पास कराने को दिया तो उनका नक्शा पास नहीं हुआ। मुख्यमंत्री ने समस्या का निपटारा करते हुए बताया कि ऐसे मामलों के लिए राज्य सरकार ने नीति लगभग तैयार कर ली है, जिसका प्रस्ताव अगली कैबिनेट बैठक में रखा जाएगा।

ईडब्ल्यूएस बस्ती में सभी सुविधाएं करवाएं उपलब्ध

यहां पालम विहार में समाज के कमजोर वर्गों के लिए अलॉट किए गए ईडब्ल्यूएस प्लॉटों वाले स्थान पर पानी, बिजली, सीवरेज, सड़क आदि विकास कार्य अगले एक महीने में शुरू करवाने के आदेश मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने नगर निगम को दिए गए। मुख्यमंत्री ने कहा कि समाज के कमजोर वर्गों की बस्ती में सभी सुविधाएं होनी चाहिए और यह कार्य अगले वर्ष 31 मार्च तक पूरा करना सुनिश्चित करें। इसी प्रकार सेक्टर-31 निर्माणाधीन बिश्नोई भवन के सामने टूटी सड़क की मरम्मत करने के भी मुख्यमंत्री ने आदेश दिए।

प्रदेश के किसानों का खरीदा जाएगा बाजरे का दाना-दाना

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने प्रदेश के बाजरा उत्पादक किसानों को आश्वस्त किया कि सरकार उनके बाजरे की फसल का दाना-दाना खरीदने के लिए संकल्पबद्ध है। उन्होंने कहा कि उपायुक्त अपने जिला के बाजरा उत्पादक किसानों द्वारा की गई बाजरा की बिजाई आदि का सर्वे करवाकर पुष्टि करने उपरांत ही खरीदने के पुख्ता इंतजाम करेंगे। उन्होंने बताया कि हरियाणा की अनाज मंडियों में बाजरा 2150 प्रति क्विंटल की दर पर खरीदा जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस बारे में किसानों को चिंता करने की जरूरत नहीं है।

हरियाणा के किसानों ने नहीं लिया आंदोलन में हिस्सा

किसान आंदोलन को लेकर मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने हरियाणा के किसानों का इस आंदोलन में भाग नहीं लेने के लिए आभार जताया। उन्होंने कहा कि यह आंदोलन मुख्य रूप से पंजाब के राजनीतिक दल तथा वहां के कुछ संगठनों द्वारा प्रायोजित है। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि मैंने आंदोलन को लेकर पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरेन्द्र सिंह से तीन दिन के दौरान कई बार बातचीत करने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने बातचीत नहीं की। हमने 6-7 बार फोन मिलाया और उसके बाद भी हमारी एक्सचेंज से उन्हें फोन लगाते रहे, लेकिन हर बार उनके स्टाफ से यही कहा जाता रहा कि अब करते हैं। थोड़ी देर में करते हैं। ऐसी अजीबो गरीब स्थिति पहली बार हुई है। जब एक मुख्यमंत्री दूसरे मुख्यमंत्री से बात करने की कोशिश कर रहा है और बात नहीं कराई जा रही। उन्होंने कहा कि किसान के नाम पर जो राजनीतिक रोटियां सेकने का काम किया जा रहा है वह दुर्भाग्यपूर्ण है और निंदनीय भी है।

कोरोना की रोकथाम को लापरवाही बंद करें

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि कोरोना महामारी से बचाव के लिए हर व्यक्ति को सावधानी बरतनी जरूरी है, क्योंकि हम स्वयं सावधानी बरतकर ही अपने आप को संक्रमित होने से बचा सकते हैं। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा कि कोरोना के इलाज के लिए इंजेक्शन के ट्रायल की तीसरी स्टेज चल रही है और इंजेक्शन आते ही सबसे पहले अग्रणी पंक्ति में रहने वाले कोरोना योद्धाओं को लगाया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

फूलों की खेती के प्रति किसानों का फिर से बढ़ा रुझान

गुरुग्राम। शादी-विवाह समारोह का देवउठनी एकादशी से सीजन शुरु हो चुका है। हालांकि कोरोना के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए प्रदेश सरकार ने शादी-विवाह समारोह में शामिल होने वाले लोगों की संख्या सीमित अवश्य कर दी है। शादी-विवाह समारोह से जुड़े विभिन्न कारोबारियों का कारोबार अब कुछ चल निकला है। हालांकि कोरोना से पूर्व जैसी स्थिति फूल कारोबारियों की नहीं हो पाई है। शादी समारोह में फूलों की मांग सबसे अधिक होती है। फूलों से ही मंडप व समारोह स्थल सजाए जाते रहे हैं। गुड़गांव जिले के पटौदी व फर्रुखनगर क्षेत्र फूलों की खेती के लिए जाने जाते हैं। फूलों की खेती करने वाले किसान अपने फूलों को न केवल गुड़गांव में बिक्री करते हैं, अपितु दिल्ली जैसे बड़े शहरों में भी फूलों की आपूर्ति करते रहे हैं। लॉकडाउन के दौरान फूलों की खेती करने वाले किसानों को भारी नुकसान का सामना करना पड़ा था। फूलों की खेती को खुद उन्होंने अपने हाथों से ही उजाड़ दिया था। क्योंकि फूलों की सप्लाई लॉकडाउन के कारण नहीं हो पा रही थी, लेकिन अब अनलॉक शुरु हो जाने के बाद फूलों की बिक्री फिर से बढ़ने लग गई है। इतना ही नहीं किसानों को फूलों के अच्छे दाम भी मिलने शुरु हो गए हैं। शादी का सीजन शुरु हो चुका है, ऐसे में किसान बड़े उत्साहित दिखाई दे रहे हैं। क्योंकि शादियों में उनके फूलों की मांग भी अवश्य बढ़ेगी। त्यौहारी सीजन में भी किसानों ने शहर में फूलों की अच्छी आपूर्ति की थी। इसी से उत्साहित होकर किसानों ने फिर से फूलों की खेती करने का निर्णय ले लिया है। किसानों ने फूलों की खेती करने की तैयारी भी शुरु कर दी है, ताकि आने वाले दिनों में उनके फूलों की आपूर्ति शहरों में की जा सके।

केआर मंगलम यूनिवर्सिटी ने 534 छात्रों को डिग्रियां दी

सोहना। शनिवार को केआर मंगलम यूनिवर्सिटी ने तीसरा दीक्षांत समारोह वर्चुयल मोड में आयोजित किया। दीक्षांत समारोह 2020 में 534 छात्रों को डिग्रियां दीं। जिसमें 394 स्नातक, 72 स्नातकोत्तर, 13 पीएचडी और 55 डिप्लोमा धारक थे। मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने छात्रों को बधाई और आशीर्वाद देते हुए कहा कि राज्य और देश में विकास की गति को और तेज करने में आपके महत्वपूर्ण योगदान की उम्मीद रखता हूं। प्रो दिनेश सिंह कुलाधिपति ने कहा कि आपके साथ हम जो कुछ भी करते हैं उसका मूल जोर आपको अपने भीतर देखने के लिए और यह जानने के लिए प्रेरित करना है कि आपका वास्तविक मूल्य क्या है, यह क्या है जो आपके दिल में गूंजता है, भीतर क्या है, और हम कोशिश करते हैं कि आप इसी वास्तविकता को लेकर आगे बढ़ें। कुलपति प्रो. आदित्य मलिक ने स्नातक छात्रों को बधाई देते हुए कहा गुरु द्वारा सर्वोत्तम शिक्षा देने का अर्थ है कि आपको एक उपकरण प्रदान करना, आपके लिए उपलब्ध क्षमताओं का एक सेट बनाना, जो आपको हर परिस्थिति से गुजारेगा, जो आपको जीवन में उभारता है।

एक दिन में 685 कोविड-19 के रिकार्ड तोड़ टेस्ट हुए

सोहना। स्वास्थ्य विभाग ने शनिवार को रिकार्ड तोड़ कोविड के टेस्ट किए। शहर के पांच अलग-अलग स्थानों पर लगे शिविरों में 685 लोगों के कोविड टेस्ट किए। बीते दो दिन में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने एक हजार 85 लोगों का कोविड टेस्ट किए है। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने शुक्रवार को एक दिन में 400 लोगों का किया कोविड टेस्ट के रिकार्ड को ध्वस्त करते हुए शनिवार को 685 का नई उपलब्धी प्राप्त की। अप्रैल से लेकर आज तक एक दिन में 685 कोविड टेस्ट करने सबसे बड़ी उपलब्धी है। शनिवार को विभाग द्वारा रखा गया एक हजार कोविड टेस्ट का रिकार्ड नहीं बन पाया। नागरिक अस्पताल के एसएमओ डॉ. नवल किशोर ने बताया कि शनिवार को उनकी टीम का साथ पुलिस और नागरिपरिषद विभाग ने दिया। जिसमें सिटी थाना प्रभारी इंस्पेक्टर अरविन्द कुमार और नगरपरिषद कार्यकारी अधिकारी संदीप मलिक का सहयोग रहा है। उन्होंने बताया कि सोमवार से शहर की मलिन बस्तियों में रह रहे मजदूरों की जांच के लिए टीम भेजी जाएगी।

ट्रेड यूनियन काउंसिल ने वीडियो कांफ्रेंस से की बैठक

गुरुग्राम। श्रमिक यूनियनों का प्रतिनिधित्व करने वाली ट्रेड यूनियन काउंसिल की बैठक का आयोजन वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से श्रमिक संगठन एटक के जिला महासचिव कामरेड अनिल पंवार की अध्यक्षता में किया गया। बैठक में वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से कई वरिष्ठ श्रमिक नेता भी जुड़े। उन्होंने देशव्यापी हड़ताल को सफल बनाने के लिए सभी श्रमिक व कर्मचारी संगठनों के सहयोग की सराहना करते हुए कहा कि प्रदेश व केंद्र सरकार किसानों के शांतिप्रिय आंदोलन को कुचलने में कोई कोर-कसर बाकी नहीं रख रही है। श्रमिकनेताओं कामरेड सतबीर सिंह, जसपाल राणा, बलवान सिंह, अजय कुमार का कहना है कि किसानों की जायज मांगों को लेकर चल रहे आंदोलन को सरकार जो कुचलने का प्रयास कर रही है, वह दुर्भाग्यपूर्ण है। अन्नदाता अपनी जायज मांगों को लेकर ही आंदोलन कर रहे हैं। लोकतंत्र में हर किसी को अपनी बात रखने व आंदोलन करने का पूरा अधिकार है, लेकिन सरकार संविधान को ही खत्म कर देना चाहती है। अपनी मर्जी से कानून बना रही है और पुराने कानूनों को खत्म करती जा रही है। इसी प्रकार श्रम कानूनों में भी सरकार बदलाव करती जा रही है, जिसे किसी भी सूरत में सहन नहीं किया जाएगा। सरकार पूंजीपतियों के हितों को ध्यान में रखकर ही कानून बना रही है। भले ही इन कानूनों से श्रमिकों का अहित ही क्यों न होता हो। श्रमिक नेताओं का कहना है कि देश के अन्नदाता किसानों का आंदोलन बिल्कुल जायज है और सभी श्रमिक संगठन इसका समर्थन करते हैं। इस वीडियो कांफ्रेंस में श्रमिक नेता कंवरलाल यादव, बलबीर कंबोज, वीएस यादव, श्रवण कुमार, मनोज कुमार, सतीश गुर्जर आदि शामिल रहे।

तावडू सीएचसी करे पुकार, अनिल विज आओ एक बार

तावडू। सीएचसी तावडू में चिकित्सकों के बीच हुआ विवाद शनिवार को भी चर्चा का विषय बना रहा। विवाद के बाद जहां चारों महिला चिकित्सक सीएचसी में पूरे दिन पुलिस में ब्यान देने को लेकर जहां एक साथ बैठी देखी गई। वहीं आरोपी चिकित्सकों के चेहरों पर चिंता की लकीरें देखी गई।

बता दें कि 27 नवंबर को सीएचसी तावडू की 4 महिला चिकित्सकों ने अस्पताल के डेंटल सर्जन व एमओ पर मानसिक उत्पीड़न के आरोप लगा पुलिस को शिकायत दी थी। शिकायत पर पुलिस मामले की जांच में जुटी। महिला चिकित्सकों के अनुरूप शनिवार को उनके पुलिस के समक्ष ब्यान होने थे, लेकिन पुलिस ब्यान लेने नहीं आई। जबकि महिला सब इंसपेक्टर रजमा देवी ने कहा कि

मुख्य बाजार के बाहर चिकित्सकों से कोरोना टेस्टिंग का फीडबैक लेते एसडीएम डॉ. नरेश कुमार।

उन्होंने स्वयं शिकायतकर्ता को फोन किया, लेकिन जवाब मिला कि आज तो नहीं आ सकते, रविवार को आएंगे। फिर दोबारा फोन किया तो फोन बंद मिला। वहीं सीएचसी के मेडिकल ऑफिसर डॉ. देवेंद्र सोलंकी ने कहा कि एसडीएम के आदेश पर आज तावडू उपमंडल में 600 लोगों की कोरोना टेस्टिंग की जिम्मेदारी मिली थी। शनिवार को पुरुष चिकित्सकों की पूरी टीम इसी टेस्टिंग लक्ष्य को हासिल करने में जुटी रही। शाम तक 381 लोगों की टेस्टिंग कर ली गई।

बूंद-बूंद पानी को तरस रहे हैं महावीरपुरा क्षेत्रवासी

गुरुग्राम। शीत ऋतु में भी शहर के विभिन्न क्षेत्रों में शहरवासियों को पेयजल की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। नगर निगम प्रशासन से क्षेत्रवासी कई बार शिकायत भी कर चुके हैं, लेकिन समस्या का समाधान होता दिखाई नहीं दे रहा है। इसी क्रम में न्यू रेलवे रोड स्थित महावीरपुरा क्षेत्र में पिछले 3-4 दिनों से क्षेत्रवासियों को पेयजल की समस्या का सामना करना पड़ रहा है।

क्षेत्र के लोग एक-एक बूंद पानी के लिए तरसने पर मजबूर हो गए हैं। क्षेत्रवासियों जयपाल सिंह, प्रदीप, अश्विनी शर्मा, पंडित अरुण शर्मा, कृष्ण सैनी आदि का कहना है कि क्षेत्र में दयानंद कालोनी स्थित बूस्टर पंप से पेयजल की आपूर्ति की जाती है। जब इस बारे में बूस्टर पंप पर तैनात पंप ऑपरेटर से शिकायत की तो उसने कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया।

शादी समारोह में नियमों के पालन के लिए चेकिंग अभियान शुरू

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

कोविड-19 के बढ़ते मामलों को लेकर पलवल पुलिस अब अलर्ट हो गई है। पिछले लंबे समय से पलवल पुलिस जहां बगैर मास्क वाले लोगों के चालान काट रही थी, अब पलवल पुलिस रात के समय भी शादी-समारोह व बैंक्वेट हॉलों में जाकर कोविड-19 नियमों की जांच कर रही है। नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई की चेतावनी दी जा रही है।

पुलिस अधीक्षक दीपक गहलावत ने बताया कि कोविड-19 के नियम अनुसार बैंक्वेट हाल, होटलों में आयोजित शादी-समारोह में 50 से अधिक लोग शामिल नहीं हो सकते तो वहीं फॉर्म हाउसों में आयोजित कार्यक्रमों में 100 लोगों का शामिल होना अनिवार्य है। सभी

कोविड-19 के चलते विवाह स्थलों का दौरा कर जांच करते हुए व नियमों के प्रति जागरूक करती पुलिस टीम।

लोगों के मुंह पर मास्क होना चाहिए, एंट्री गेट पर सेनेटाइजर का इस्तेमाल होना चाहिए।

पलवल पुलिस ने आधा दर्जन होटल, बैंक्वेट हाल व फार्म हाउसों में कोविड-19 के नियमों की जांच की। भवनकुंड चौकी इंचार्ज एएसआई संजय कुमार ने बताया कि उच्चाधिकारियों के आदेशानुसार कोविड-19 के बढ़ते मामलों को लेकर विशेष अभियान चलाया जा रहा है। दिन में तो बगैर मास्क वालों के चालान किए जा रहे हैं तो रात के समय विवाह स्थलों पर चेकिंग की जा रही है। ताकि लोग कोविड-19 के नियमों का पालन करें जिससे कोरोना के बढ़ते संक्रमण को रोका जा सके।

कार्तिक पूर्णिमा पर श्रद्धालु हरिद्वार में गंगा स्नान के लिए नहीं जा सकेंगे

गुरुग्राम। त्योहारों के माह के नाम से जाने जाना वाला माह कार्तिक महीने का समापन आगामी 30 नवम्बर को कार्तिक पूर्णिमा के साथ हो रहा है। कार्तिक माह का यह सबसे आखिरी दिन है। कार्तिक पूर्णिमा पर पवित्र नदियों में स्नान आदि कर दान-पुण्य की भी बड़ी प्राचीन परंपरा है। कार्तिक पूर्णिमा को दान करने से बड़ा ही पुण्य मिलता है, ऐसा धार्मिक ग्रंथों में उल्लेख है।

कोरोना वायरस का प्रकोप का पूरे देश में चल रहा है। इसलिए इस बार कार्तिक पूर्णिमा पर श्रद्धालु हरिद्वार आदि स्थानों पर गंगा में स्नान नहीं कर सकेंगे। उत्तराखंड प्रदेश सरकार ने अधिसूचना जारी कर सभी श्रद्धालुओं से आग्रह किया है कि वे कार्तिक पूर्णिमा के गंगा स्नान पर हरिद्वार आने से बचें। क्योंकि उन्हें काफी औपचारिकताएं भी पूरी करनी होंगी। प्रतिवर्ष हरिद्वार में लाखों की संख्या में देश के विभिन्न प्रदेशों से श्रद्धालु गंगा स्नान के लिए जाते रहे हैं।

विधान परिषद प्रत्याशियों के लिए वोटों की अपील

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

ग्रेटर नोएडा के गांव दयानतपुर स्थित सर्व हितकारी इंटर कॉलेज प्रांगण में एक विशाल सभा का आयोजन भाजपा जिला मंत्री योगेंद्र सिंह छोंकर ने किया। सभा में विधान परिषद प्रत्याशी श्रीचंद शर्मा व दिनेश गोयल के लिए शिक्षक व स्नातकों से वोटों की अपील की गई।

सभा का संचालन भाजपा जिला महामंत्री ठाकुर धर्मेन्द्र भाटी ने किया। मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व जिला अध्यक्ष भाजपा रकम सिंह भाटी व जेवर के विधायक धीरेंद्र सिंह उपस्थित रहे। जेवर विधानसभा से भाजपा के युवा नेता मंजीत ठाकुर ने मोदी व योगी सरकारों की तारीफ करते हुए सभी शिक्षकों व स्नातकों को भाजपा के पक्ष में वोट करने की अपील की।

मंजीत ठाकुर ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार में हर वर्ग का विशेष ध्यान रखा जा रहा

ग्रेटर नोएडा के गांव दयानतपुर स्थित सर्व हितकारी इंटर कालेज में विधान परिषद के चुनावों को लेकर बैठक में मौजूद भाजपा युवा नेता मंजीत ठाकुर, भाजपा जिला मंत्री योगेंद्र सिंह छोंकर व कार्यक्रम संचालक भाजपा जिला महामंत्री ठाकुर धर्मेन्द्र भाटी।

है। चाहे कोरोना से बचाव की तैयारियों की बात हो या फिर प्रदेश में विकास कार्यों की, सरकार हर स्तर पर खरी उतर रही है।

मंजीत ठाकुर ने कहा कि देश को विकास के रास्ते पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लेकर गए हैं। सरकार किसानों के हित में अध्यादेश लेकर आ रही है और विपक्ष किसानों को भड़काने का काम कर रहा है। उन्होंने किसानों से अपील की है कि वे सरकार का साथ दें। विपक्ष के बहकावे में ना आएं। सभा में उपस्थित गणमान्य लोगों में उदयवीर चौधरी मंडल अध्यक्ष, सत्यपाल तालान सांसद प्रतिनिधि, सुरेश चंद शर्मा भाजपा नेता, लखन भाटी, धर्मेंद्र सिवाच, मोहित चौधरी, राजू शर्मा, मनीराम शर्मा मंडल महामंत्री, रूपलाल कौशिक गुरुजी,यतीश ठाकुर, नीरज चौहान, प्रधानाचार्य तेजपाल सिंह भाटी समेत अनेक लोग उपस्थित रहे।

श्याम सुंदर का दादा फालके साहेब आईकॉन अवार्ड से सम्मान

तावडू क्षेत्र में खुशी का माहौल

तावडू। तीन वर्षों से बॉलीवुड में पैर जमाने का प्रयास कर रहे तावडू पत्रकार संघ के प्रधान श्याम सुन्दर सोनी को हाल ही में मुंबई में आयोजित दादा फालके साहेब आईकॉन अवार्ड 2020 से सम्मानित किया गया। जिसको लेकर स्वयं श्याम सुन्दर सोनी व क्षेत्र के लोगों ने खुशी जाहिर की है।

बॉलीवुड अभिनेता एवं तावडू पत्रकार संघ के प्रधान श्याम सुन्दर सोनी ने बताया कि गत 24 नवंबर को मुंबई में दादा फालके साहेब आईकॉन आवार्ड का आयोजन किया था। जिसमें बॉलीवुड से जुड़े कलाकारों व वरिष्ठ समाजसेवियों को अवार्ड से सम्मानित किया था। उन्होंने बताया कि उन्हें भी आवार्ड से सम्मानित किया है। जिसे लेकर उन्होंने अवार्ड कार्यक्रम के आयोजक कमेटी व गरीबों के एक्टर कल्याण जाना का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने बताया कि फिल्मी दुनिया के भीष्म पितामह

श्याम सुन्दर सोनी को मुंबई में अवार्ड से नवाजते हुए बॉलीवुड अभिनेता।

दादा फालके साहेब के अवार्ड से उन्हें सम्मानित किया जाना बहुत बड़ी बात है। जिसको लेकर उन्होंने खुशी जाहिर की है। उन्होंने बताया कि मेहनत करने वालों की कभी भी हार नहीं होती है। उसको उसकी मंजिल एक न एक दिन अवश्य मिल जाती है। श्याम सुन्दर सोनी को दादा फालके साहेब आईकॉन आवार्ड से नवाजे जाने पर क्षेत्र के वरिष्ठ समाज सेवी एवं लायंस क्लब तावडू टाउन के पूर्व प्रधान डॉ. विजय कुमार शर्मा, तावडू ब्लॉक समिति चेयरमैन नरेश यादव, समाज सेवी एवं कपड़ा यूनियन के रामबाबू गुप्ता, रेडिमेड यूनियन तावडू के प्रधान योगिन्द्र गर्ग, समाजसेवी महेन्द्र गोयल, पार्षद राजकुमार ने बधाई दी।

मत छेड़ बलम मेरे चूंदड़ नै, ना तो होजैगी तकरार जणे...

हरियाणवी नृत्यों से सजी कला परिषद की शाम, जींद के कलाकारों ने दिखाई प्रतिभा

सरस्वती कला मंच ने प्रस्तुत किए हरियाणवी नृत्य, आनलाईन कार्यक्रम में दी प्रस्तुति

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

हरियाणा कला परिषद द्वारा प्रत्येक सप्ताह आनलाईन कार्यक्रमों के माध्यम से प्रदेश की कला और संस्कृति की झलक दिखाई जा रही है। हर सप्ताह होने वाले इन कार्यक्रमों में हरियाणा के कलाकार न केवल अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हैं, बल्कि प्रदेश की कला को लोगों तक पहुंचाने का काम भी कर रहे हैं।

इसी कड़ी में शनिवार को सरस्वती कला मंच जुलाना जींद के कलाकारों द्वारा हरियाणवी लोक रंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया। जिसमें रविशंकर शर्मा

हरियाणवी कार्यक्रम प्रस्तुत करते कलाकार।

के निर्देशन में कलाकारों ने हरियाणवी नृत्यों की प्रस्तुतियां दी। प्रस्तुतियों का संचालन रविशंकर शर्मा द्वारा किया गया। हरियाणवी लोक रंग कार्यक्रम की पहली प्रस्तुति गुगा धमोड़ा की रही। जिसकें सरस्वती कला मंच की महिला कलाकारों ने हरियाणवी वाद्ययंत्रों की धुनों पर अपने नृत्य की प्रस्तुति दी। अगली प्रस्तुति रविशंकर शर्मा की मधुर गायकी से सजे गीत गंगा जी के प्यार में, सरस्वती कंठार में, श्री जमुना जी की धार में, मेरा बसे देस हरियाणा की रही। अपनी गायकी के साथ-साथ रविशंकर द्वारा हरियाणा की संस्कृति के बारे में भी विस्तार से बताया। गीत देसां में देस हरियाणा, जित दूध दही का खाणा के माध्यम से महिला कलाकार पूजा कश्यप, नेहा शर्मा, काजल शर्मा, पिंकी और कोमल शर्मा ने हरियाणा प्रदेश की झलक को अपने नृत्य के माध्यम से प्रस्तुत किया।

वहीं पति-पत्नी की नोकझोंक को दिखाते हुए जुलाना के कलाकारों ने मत छेड़ बलम मेरे चूंदड़ नै, ना तो होजैगी तकरार जणे प्रस्तुत किया। अंत में सभी कलाकारों का आभार व्यक्त करते हुए विकास शर्मा ने बताया कि आगामी सप्ताह रंगमंच प्रस्तुत दी जाएगी। जिसमें हरियाणा कला परिषद के निदेशक संजय भसीन के निर्देशन में तैयार हास्य नाटक सैंया भए कोतवाल का मंचन किया जाएगा।

कला परिषद के निदेशक संजय भसीन ने हरियाणवी लोक रंग कार्यक्रम के दौरान कहा कि लोक कलाकार ही प्रदेश की संस्कृति के सच्चे प्रहरी है, जो लोक कला को संजोकर रखते हैं। आज के आधुनिक युग में एक ओर जहां युवा पीढ़ी पाश्चात्य संस्कृति की ओर अग्रसर हो रही है।

आवासीय व औद्योगिक क्षेत्रों में फैला हुआ है अवैध होर्डिंग का जाल

गुरुग्राम। नगर निगम क्षेत्र में ही नहीं, अपितु औद्योगिक क्षेत्रों में भी अवैध होर्डिंग लगाए जाने का सिलसिला जारी है। शहर के विभिन्न आवासीय क्षेत्रों में इन अवैध होर्डिंग का जाल फैला हुआ है। जहां सड़कों पर लगाए गए ये होर्डिंग यातायात व्यवस्था को प्रभावित कर रहे हैं, वहीं नगर निगम प्रशासन की निष्क्रियता भी प्रकट होती है।

नगर निगम प्रशासन समय-समय पर इन अवैध होर्डिंग को हटाने की कार्यवाही भी करता रहा है, लेकिन समस्या का स्थायी समाधान नगर निगम आज तक भी नहीं कर पाया है। राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित राजीव चौक पर बनाए गए फुटओवर ब्रिज पर भी लोगों ने होर्डिंग लगाए हुए हैं।

जीनस अपेरल्स ने जी99 मास्क लॉन्च किया, जो 99.99 प्रतिशत कोरोना वायरस नष्ट करता है

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

नई दिल्ली स्थित निर्माता एवं निर्यातक, जीनस अपेरल्स ने जीनस जी99 मास्क लॉन्च किया, जो कोरोना वायरस को 99.99 प्रतिशत नष्ट करता है। यह अमेरिका की आईएसओ सर्टिफाइड लैबोरेटरी द्वारा अनुमोदित है। यह स्विस टेक्नॉलॉजी द्वारा पॉवर्ड है, जो प्रतिष्ठित ऑस्ट्रेलियन इंस्टिट्यूट में कोविड-19 करने वाले मानव कोरोनावायरस 229 ई एवं सार्स कोविड 2 को 99.99 प्रतिशत तक नष्ट करने के लिए प्रमाणित है।

अमित अग्रवाल, मैनेजिंग डायरेक्टर, जीनस अपेरल्स ने कहा, दुनिया में कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों के साथ लोगों को इस वायरस से खुद को सुरक्षित रखना जरूरी हो गया है। अरविंद केजरीवाल ने सही कहा है कि मौजूदा समय में

अमेरिका की आईएसओ लैबोरेटरी द्वारा प्रमाणित

'फेस मास्क नई वैक्सीन' बन गया है। हमें जीनस जी99 मास्क लॉन्च करने की खुशी है, जो यूएसए की आईएसओ सर्टिफाइड लैबोरेटरी द्वारा प्रमाणित है और कोरोना वायरस के खिलाफ 99.99 प्रतिशत प्रभावशाली है। विचारशील डिजाईन, अल्ट्रा-ब्रेदेबल फैब्रिक, सर्वाधिक सुरक्षा के लिए बेहतरीन फिट के साथ जीनस जी99 मास्क 99 प्रतिशत बैक्टीरियल फिल्टर एफिशियंसी (बीएफई) एवं 92 प्रतिशत पार्टिकल फिल्ट्रेशन एफिशियंसी (पीएफई) प्रस्तुत करता है। जीनस में हम आत्मनिर्भर भारत के लिए ग्राहकों को वैश्विक गुणवत्ता के मापदंड प्रदान करने का प्रयास करते हैं और हम हर किसी से आग्रह करते हैं, कि वह सुरक्षित रहे।''

मास्क को अभी तक भारत में शानदार प्रतिक्रिया मिल रही है और यह अमेरिका, यूके, फ्रांस, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, न्यूज़ीलैंड, यूएई, दुबई, नाईजीरिया, सीरिया, म्यनमार, ओमन, डेनमार्क, स्पेन, जर्मनी, अफगानिस्तान आदि देशों को निर्यात किया जा रहा है।

उत्पाद को मिले सर्टिफिकेशन

जीनस जी99 मास्क का अमेरिका की आईएसओ सर्टिफाईड लैबोरेटरी में परीक्षण किया गया है कि यह कोरोनावायरस को नष्ट करता है। इस मास्क में इस्तेमाल की गई स्विस टेक्नॉलॉजी प्रतिष्ठित ऑस्ट्रेलियन इंस्टिट्यूट में सार्स कोविड2 नष्ट करने के लिए प्रमाणित है।

गुडन्यूज : अब बीके से भी कर सकेंगे पीजी मेडिकल कोर्स

आई डिपार्टमेंट में अगस्त से शुरू हो गया है यह कोर्स

कविता। फरीदाबाद

अब एमबीबीएस के बाद एमडी कोर्स के लिए मेडिकल कॉलेज में दाखिला नहीं मिलने पर स्टूडेंट्स को निराश होने की जरूरत नहीं है। एमडी कोर्स करने के इच्छुक स्टूडेंट इसके समकक्ष डीएनबी (डिप्लोमेट नेशनल बोर्ड) कोर्स बीके सिविल अस्पताल में कर सकते हैं। फिलहाल चार मेडिकल छात्रों का दाखिला हो चुका है। इसकी पुष्टि बीके अस्पताल की पीएमओ डॉ. सविता यादव ने की। उन्होंने बताया कि अस्पताल के गायनी और ओबीएस में जल्द ही डीएनबी कोर्स शुरू हो रहा है।

इंस्पेक्शन के बाद इसे शुरू कर दिया जाएगा। नेत्र विभाग में अगस्त से डीएनवी कोर्स शुरू हो गया था। डीएनवी एमबीबीएस के बाद पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स है। एमबीबीएस तीन साल की होती है। जिसके बाद दो साल की पढ़ाई एमबीबीएस के बाद यह होगी। अस्पताल प्रबंधन ने तैयारी शुरु कर दी है और फिलहाल चार स्टूडेंट्स का दाखिला हो गया।

यह थी योजना

यह कोर्स बीके अस्पताल सहित प्रदेश के पांच अस्पतालों में कराया जाना है। जिसमें फरीदाबाद, गुड़गांव, पंचकुला, भिवानी और अंबाला के सिविल अस्पताल शामिल हैं। इन अस्पतालों से प्रपोजल मांगा था। जिस पर बीके अस्पताल को मंजुरी मिल गई थी। इस कोर्स के लिए स्टूडेंट का एंट्रेंस टेस्ट लिया गया था। दो साल चलने वाले इस कोर्स के लिए पांच स्टूडेंट्स का अलग-अलग सब्जेक्ट पर स्पेशलाइजेन के लिए चयन किया जाना है।

रूचि का कोर्स

डॉ. सविता यादव ने स्टूडेंट्स अपनी रुचि के अनुसार मेडिकल स्पेशलाइजेशन कर सकेंगे। सिविल अस्पताल में बेहतर और स्पेशलिस्ट डॉक्टरों की कमी भी पूरी हो जाएगी। इसमें स्टूडेंट्स को कोर्स से संबंधित बारीकियों के सिखाया व पढ़ाया जाएगा। कोर्स के दौरान थ्यौरी के अलावा प्रेक्टिकल भी कराया जाएगा। इसमें स्पेशलिस्ट डॉक्टर द्वारा की जा रही सर्जरी के दौरान डीएनबी कोर्स के लिए चयनित स्टूडेंट भी मौजूद होंगे। ताकि उन्हें अपनी स्ट्रीम की बारीकियों के बारे में जानकारी मिल सके। डीएनबी करने के इच्छुक स्टूडेंट्स गायनोलॉजी व नेत्र रोगों में महारत हासिल कर रहे हैं। भविष्य में सर्जरी, ऑर्थो और एनेस्थीसिया कोर्स भी शुरू किए जाएंगे। एक कोर्स के लिए एक ही स्टूडेंट का चयन किया जाएगा। डीएनबी कोर्स के लिए हर साल सिविल अस्पताल द्वारा ही एंट्रेस टेस्ट लिया जाएगा। एमडी के बराबर ही डीएनबी कोर्स की मान्यता है। जिन्हें एमडी में दाखिला नहीं मिल पाया हो, वे सिविल अस्पताल में दाखिल ले सकते हैं।

कोरोना : 24 शिविरों में हुई 10.5 हजार लोगों की जांच

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जिला स्वास्थ्य विभाग कोरोना को लेकर अब सतर्क हो गया है। शनिवार को विभाग ने 24 स्थानों पर कोविड-19 जांच शिविर लगाए। इन शिविरों में 10 हजार से अधिक लोगों ने आरटीपीसीआर जांच कराई। सीएमओ डा. रणदीप सिंह पूनिया ने नागरिक अस्पताल से शिविर की शुरुआत की। यह सभी सैम्पल विभाग की मोबाइल टीमों, विभिन्न स्वास्थ्य केन्द्रों और सिविल अस्पतालों की टीम द्वारा लिए गए। वहीं लैब टेक्नीशियन सतपाल और सुनील अत्री की टीम ने विभिन्न स्थानों पर जाकर शिविरों की निगरानी की।

आरटीपीसीआर अधिक

पिछले दिनों स्वास्थ्य मुख्यालय से आरटीपीसीआर के अधिक से अधिक सैम्पल करने के निर्देश जिला स्वास्थ्य विभाग को मिले थे। जिसमें अधिक

से अधिक सैम्पलिंग का लक्ष्य रखा गया। शिविरों में लोग स्वयं आगे आकर अपनी कोरोना जांच करवा रहे थे। शनिवार को कुल 10459 सैंपल लिए गए। इनमें करीब दो हजार रैपिड एंटीजन टेस्ट भी शामिल हैं।

यहां लगे शिविर

शिविरों की जानकारी देते हुए डिप्टी सिविल सर्जन डॉ. राजेश श्योकंद ने बताया कि सिंह सभा गुरूद्वारा, कौराली मोड, सब्जी मंडी के निकट, एसबीआई बैंक, हाउसिंग बोर्ड कालोनी, बल्लभगढ़ बस स्टैंड, बल्लभगढ़ सिविल अस्पताल, सेक्टर-7-10 के चौक पर, खौरी गांव, सुरजकुंड, मॉर्डन डीपीएस एक और दो, पीएचसी खेड़ी कला, भूपानी, बीबीटीपी पुल एक और दो, पाली बस स्टैंड, सेक्टर-58 पुलिस चौकी, बदरपुर बॉर्डर, यूपीएचसी डबुआ कालोनी, सेक्टर-8 स्थित ईएसआई अस्पताल, बाई पास रोड, तुलसी फतेहपुर तगा, एनएच-दो स्थित पांच नम्बर डिस्पेंसरी में कैम्प का आयोजन किया जाएगा।

बनाया रिकॉर्ड

जिले में चार दिन पूर्व 30 जगहों पर कोरोना जांच शिविर लगाए थे। जिसमें 300 मरीज पॉजिटिव आए थे। इन शिविरों के माध्यम से फरीदाबाद स्वास्थ्य विभाग ने एक दिन में सबसे अधिक सैंपल लेने का रिकार्ड बनाया था। इन शिविरों से 14 हजार से अधिक सैंपल एकत्र किए गए थे। इससे पहले यह रिकार्ड गुरुग्राम जिले के नाम था। गुरुग्राम में एक दिन 10200 के करीब सैंपल लिए थे।

तीन पॉजिटिव

बल्लभगढ़ सिविल अस्पताल के एसएमओ डॉ. मान सिंह ने सबसे अधिक 2300 सैम्पल बल्लभगढ़ में लिए। वहीं खेडीकला पीएचसी के इंचार्ज डॉ. हरजिन्द्र ने 2267 सैम्पल लिए। जिसमें आरटीपीसीआर के 2140 और रैपिड के 127 जांचे हुई। जिसमें 3 पॉजिटिव पाए गए। वहीं धौज में 273 आरटीपीसीर और रैपिड के 50 सैम्पल लिए गए। खेडीकला पीएचसी पर रैपिड के 77 सैम्पलों में तीन पॉजिटिव आए और आरटीपीसीआर के 973 सैम्पल हुए। अनंगपुर में आरटीपीसीआर के 127 सैम्पल लिए। फतेहपुर तगा में 213 यूपीएचसी भारत कालोनी में 554 सैम्पल लिए गए।

कोरोना से पांच मौतें, 397 पॉजिटिव से आंकड़ा पहुंचा 39772

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जिले में कोरोना के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। शनिवार को 397 पॉजिटिव सामने आए। जिससे जिले का कोविड-19 का आंकड़ा 39772 पर पहुंच गया है। वहीं पांच मौत ओर होने से मृतकों की संख्या का आंकड़ा 331 पर पहुंच गया है। जिले में राहत की बात यह रही कि 650 रोगियों ने कोरोना को मात दे दी। जिससे जिले का रिकवरी रेट 89 प्रतिशत पर पहुंच गया।

मृतक और पॉजिटिव

मृतक 5 पॉजिटिव में एसजीएम नगर से 80 वर्षीय महिला, बासापारा से 57 वर्षीय महिला, सेक्टर-10 से 72 वर्षीय महिला और एसजीएम नगर से 64 वर्षीय पुरूष और चावला कालोनी से 71 वर्षीय पुरूष शामिल है। वहीं 397 पॉजिटिव में सेक्टर-75, 18, 30, 2, 19, 23, 8, 49, 4, 62, 14, 11, 55, 58, 65, 48, 37, 28, 76, 16, 9, 8, मंझावली, नाहर सिंह कालोनी, हाउसिंग बोर्ड कालोनी, भगत सिंह कालोनी, ग्रीनफिल्ड कालोनी, स्प्रींग फिल्ड कालोनी, चार्मवुड, अमर नगर, सेहतपुर, एनएच-5, 3, 2, गाजीपुर, अशोका इंक्लेव, भाटिया कालोनी, जीवन नगर, एनटीपीसी कालोनी, डबुआ, ओल्ड फरीदाबाद, बाड मोहल्ला, सारन, भीकम कालोनी, जनता कालोनी, पर्वतीया कालोनी, एनएच- एक और दो, आर्य नगर, दयालपुर, टीकावली, जवाहर कालोनी, एसजीएम नगर, झाड़सैतली, इसमाइलपुर, पाली, नंगला, मेवला महाराजपु, आदर्श नगर, तिगांव और अन्य एरियों से मरीज शामिल है।

यह है आंकड़ा

अब तक जांचे	331237
अब तक पॉजिटिव	39772
अब तक नेगेटिव	290915
रिपोर्ट आनी शेष	550
गंभीर हालत में भर्ती	88
वेंटिलेटर पर भर्ती	15
अब तक कुल मौते	331
अब तक ठीक हुए	35409

दावा : पुलिस की सख्ती से 97 प्रतिशत लोग पहन रहे हैं मास्क

चालान काटने के साथ कोरोना के प्रति किया जा रहा है जागरूक

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

कोरोना महामारी को लेकर जिले भर के पुलिस कर्मचारी कोरोना योद्धा की तरफ काम कर रहे हैं। मास्क पहनने में जानबूझ कर लापरवाही कर रहे लोगों एक तरफ पुलिस सख्ती से निपटते हुए उनके लगातार चालान कर रही हैं। वहीं दूसरी पुलिस कर्मचारी अभियान चलाकर न केवल लोगों को जागरूक कर रहे हैं, बल्कि लोगों को मास्क भी उपलब्ध करवा रहे हैं। पुलिस का दावा है कि जिले के सेंट्रल जोन में 97 प्रतिशत लोग मास्क पहनने लगे हैं।

सेंट्रल जोन में जागरूकता अभियान चला कर बीट पुलिस कर्मियों के द्वारा अब तक 58149 लोगों से मिलकर कोरोना से बचने के लिये जागरूक किया गया है।

पुलिस कर्मी द्वारा लोगों को मास्क पहनने के लिये लगातार प्रेरित किया जा रहा है। सभी लोग मास्क पहने, इसके लिये अभी तक 32 हजार 580 लोगों को निशुल्क मास्क वितरित किये गये है। जो लोग नियमों की उल्लघंना करके मास्क नही पहनते उनके अभी तक 13958 चालान करके 6,97,9000 रूपये का जुर्माना वसूला गया है। सेन्ट्रल जोन के पुलिस उपायुक्त मुकेश मल्होत्रा ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि कोविड-19 महामारी की रोकथाम के

लिये जारी की गई गाइडलाइंन के अनुसार सभी लोगों को मास्क पहनना अनिवार्य है।

मास्क पहनकर ही इस बीमारी से बचा जा सकता है। पुलिस टीम द्वारा लोगों को कोविड के समय में सावधानी बरतने के बारे में समय-समय पर जागरूक किया जाता है। इसके साथ ही लोगों को मास्क निशुल्क भी वितरित किए गए हैं ताकि जितना हो सके लोगों को इस महामारी से बचाया जा सके।

उन्होंने बताया कि पुलिस द्वारा चलाये गये जागरूकता अभियान और मास्क ना पहनने वालों के खिलाफ की गई सख्ती के नतीजे अब सामने आने लगे है। पुलिस द्वारा अपना सर्वे करवाया गया है जिसमें पाया गया है कि अब लगभग 97 प्रतिशत लोग मास्क पहनकर घर से निकलते है। उन्होंने कहा कि सभी नागरिकों से अनुरोध है कि कोविड-19 से बचने के लिए उचित दूरी बनाए रखें, सेनिटाईजर का प्रयोग अवश्य करें व बिना मास्क घर से बाहर न निकलें।

केंद्रीय मंत्री ने बोर्ड परीक्षा को लेकर मांगे सुझाव

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

सीबीएसई की कक्षा 10 व 12 वीं की बोर्ड परीक्षा 2021 की तारीखों को लेकर बढ़ती अटकलों के बीच केंद्रीय शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक ने कहा है कि छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों से विचार लेने के लिए एक अभियान शुरू किया गया है कि अगले वर्ष बोर्ड परीक्षा कब और कैसे आयोजित की जाएं।

ऑल इंडिया पेरेंट्स एसोसिएशन आईपा ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री को भेजे गए अपने सुझाव में कहा है कि कोरोनो वायरस के चलते स्कूल बंद होने के कारण बाधित हुई पढ़ाई को देखते हुए

आईपा ने मई में बोर्ड परीक्षा कराने का दिया सुझाव

10वीं व 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं को मई 2021में कराया जाए और अन्य कक्षाओं के विद्यार्थियों को बिना किसी घरेलू बोर्ड परीक्षा के अगली कक्षा में प्रमोट कर दिया जाए। आईपा ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री व चेयरमैन सीबीएसई को पत्र लिखकर कहा है कि इससे विद्यार्थियों को परीक्षाओं की तैयारी के लिए और अधिक समय मिल जाएगा। इसके अलावा अन्य कक्षाओं के विद्यार्थियों को, जिन्होंने ऑनलाइन पढ़ाई की है या नहीं उन सभी को अगली कक्षा में प्रमोट कर दिया जाए। आईपा ने अपने पत्र में यह भी मांग की है कि आगामी शिक्षा सत्र जुलाई 2021 से शुरू किया जाए। आईपा के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश शर्मा व आईपा हरियाणा के प्रदेश महासचिव डॉ मनोज शर्मा ने कहा है कि कोरोना वायरस के चलते देश भर के स्कूल मार्च 2020 से ही बंद हैं। बच्चों की ऑनलाइन पढ़ाई तो चल रही है लेकिन उससे विद्यार्थियों को कोई विशेष फायदा नहीं हो रहा है। संसाधनों की कमी के चलते काफी छात्र ऑनलाइन पढ़ाई भी नहीं ले पा रहे हैं। अत: सभी छात्रों के हितों को ध्यान में रखते हुए बोर्ड परीक्षाओं की तारीखों को आगे बढ़ाना बहुत जरूरी है। कैलाश शर्मा ने कहा है कि अधिकांश छात्रों को कोर्स व प्रश्नपत्रों में किए गए बदलावों की जानकारी नहीं है अत: बोर्ड परीक्षाएं कराने से पहले कोर्स व बोर्ड परीक्षा पैटर्न में किए गए बदलाव के बारे में सभी विद्यार्थियों को जागरूक करना बहुत जरूरी है। बढ़ते कोरोना को चलते स्कूलों को बंद कर दिया गया है आगे भी हालात सही नहीं रहने की भविष्यवाणी की गई है। अत: बोर्ड परीक्षाओं की तारीख बदलनी बहुत जरूरी है यानी मई में बोर्ड परीक्षाएं आयोजित की जायें और आगामी शिक्षा सत्र जुलाई 2021 से शुरू किया जाए।

जनता को मौलिक सेवाएं दिलाने में फोरम करेगा मदद: कपूर

फरीदाबाद। पब्लिक राइट्स प्रोटेक्शन फोरम की एक बैठक सरपरस्त व पूर्व आइएएस अधिकारी एनसी वधवा की अध्यक्षता में अरावली गोल्फ क्लब में हुई। बैठक का संचालन फोरम के प्रधान एसके सचदेवा ने किया। प्रधान एसके सचदेवा व वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्याम सुंदर कपूर ने बताया कि सेवा का अधिकार अधिनियम-2014 के तहत राजस्व, शहरी निकाय, जन स्वास्थ्य, बिजली, परिवहन, हाउसिंग बोर्ड, कृषि, औद्योगिक एवं वाणिज्य, एचएसआइआइडीसी, हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण, टाउन एंड कंट्री प्लानिंग, श्रम विभाग, वन विभाग, खाद्य एवं आपूर्ति, बागवानी आदि विभिन्न विभागों ने प्रत्येक काम को करने के दिन निर्धारित हैं।

प्रतियोगिता में विजेता खिलाड़ियों को किया सम्मानित

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

योगा एसोसिएशन फरीदाबाद के द्वारा फोर्थ फरीदाबाद योगासना स्पोर्ट्स चैंपियनशिप का ऑनलाइन लाइव आयोजन किया गया। जोकि 21 एवं 22 नवंबर को मुख्य योगासन प्रतियोगिताओं का सिलसिला रहा। जिसमें शहर के 17 संस्थानों ने हिस्सा लिया। योगा एसोसिएशन फरीदाबाद के प्रधान डॉ. संजय पाठक ने बताया कि इस प्रतियोगिता को अलग-अलग आयु वर्ग पुरुष और महिला वर्ग में संपन्न कराया गया। जिसमें 8 से 10 आयु वर्ग महिला में प्रथम स्थान पर जहान्वी और पुरूष में जतिन तवंर रहे। 10 से 12 महिला में प्रथम स्थान

पर सुनिधि शर्मा और हर्ष आनंद रहे। 12 से 14 आयु वर्ग महिला में प्रथम स्थान पर होली चाइल्ड पब्लिक स्कूल की सृष्टि और जयेन्द्र पंगल रहे। 14 से 16 आयु वर्ग महिला में प्रथम स्थान पर डीएवी पब्लिक स्कूल सेक्टर 37 की अंजली और तुषार सैनी रहे। 16 से 18 महिला वर्ग में प्रथम स्थान पर मनीषा और सोनू रहे। 18 से 21 आयु वर्ग महिला में प्रथम स्थान पर ज्योति कुमारी और पुरूष वर्ग में गीतांशु रहे। 21 से 25 आयु वर्ग महिला में प्रथम स्थान पर गवर्नमेंट कॉलेज फॉर वुमेन सेक्टर 16 की काजल और पुरूष वर्ग में राम गोस्वामी रहे।

वेबिनार में युवाओं की समस्याओं पर किया गया विचार

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

राष्ट्र के युवाओं को दिन-ब-दिन जिन विभिन्न समस्याओं का सामना करना पड़ता है, उन मुद्दों पर चर्चा करने के लिए डीएवी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, फरीदाबाद के बीबीए (इंडस्ट्री इंटीग्रेटेड) डिपार्टमेंट ने 28 नवंबर, 2020 को प्रिंसिपल निदेशक डॉ. संजीव शर्मा और वाइस प्रिंसिपल, डॉ.रितु गांधी अरोड़ा के मार्गदर्शन में एक वेबिनार का आयोजन किया।

इस अवसर के वक्ताओं में पूजा गुप्ता, संस्थापक-भावपूर्ण लिविंग, सदस्य इनर व्हील क्लब, फरीदाबाद, एक खुशी कोच और एक काउंसलर

के साथ-साथ समाज सुधारक और रवि कालरा, संस्थापक-पृथ्वी उद्धारकर्ता फाउंडेशन, एक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त गैर सरकारी संगठन थे, जिनके बुद्धिमान शब्दों और आगे की सोच के संबोधन ने सभी को मोहित किया। सत्र की शुरुआत डीएवी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट के प्रिंसिपल डायरेक्टर डॉ. संजीव शर्मा ने स्वागत भाषण से हुई। उन्होंने बीबीए (उद्योग एकीकृत) विभाग के प्रयासों की भी सराहना की कि इस तरह के विषय पर एक जीवंत और समृद्ध सत्र का आयोजन किया जो राष्ट्र के युवाओं के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करने के लिए समय की मांग है। वेबिनार की मुखाग्नि बीबीए विभाग की सहायक प्रोफेसर सुश्री कनिका दुग्गल द्वारा की गई।

वक्ताओं ने अपनी अंतर्दृष्टि सांझा की कि भारत की पारंपरिक प्रणाली में अधिकांश भारतीय युवा अब बहुराष्ट्रीय कंपनियों के अग्रणी कार्यबल हैं। तेज सांस्कृतिक मतभेदों के बावजूद, भारत के युवाओं ने पश्चिमी संस्कृति को अपनाया है, सुसंगत रहे और अब अपनी निर्विवाद सहिष्णुता के कारण वैश्वीकरण के अग्रदूतों के रूप में नेतृत्व कर रहे हैं। भारत में युवाओं की पीढ़ी में आमूल-चूल परिवर्तन हो रहा है जिससे उन्हें विश्वास होता है कि वे कौन हैं। समय के अनुसार उन्हें अपने आराम क्षेत्र से बाहर आना होगा। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि भारत के युवाओं को विश्वास है क्योंकि वे जानते हैं कि वे कहां जा रहे हैं, लेकिन इसके साथ ही वक्ताओं ने कहा कि युवा पीढ़ी अपनी जगह तलाशने के लिए कड़ा संघर्ष कर रही है। बीबीए (उद्योग एकीकृत) विभाग की विभागाध्यक्ष सी.ए अलका नरूला ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए सत्र का समापन किया। उन्होंने डीएवीआईएम के प्रिंसिपल डायरेक्टर डॉ संजीव शर्मा और वाइस प्रिंसिपल डॉ रितु गांधी अरोड़ा का धन्यवाद किया जिन्होने टीम को इस तरह के विचारों के साथ आने के लिए प्रेरित किया। सीए अलका ने विभाग में अपने सहयोगियों कनिका, प्रिंस आहूजा, हरीश वर्मा को त्वरित निष्पादन और अटूट सहयोग के लिए, डॉ. आशिमा टंडन, हरीश रावत, सचिन नरूला को तकनीकी सहायता के लिए और डॉ हेमा गुलाटी और रीमा नांगिया को मीडिया समर्थन के लिए धन्यवाद दिया ।

किसानों के साथ कर्मचारी हुए एकजुट

फरीदाबाद। किसान विरोधी कृषि कानूनों के खिलाफ दिल्ली कूच कर रहे किसानों पर किए जा रहे दमन के खिलाफ कर्मचारियों व मजदूरों ने शनिवार को आक्रोश प्रदर्शन किया। सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के बेनर तले बीके चौक पर आयोजित इस प्रर्दशन में रिटायर्ड कर्मचारी संघ हरियाणा व किसान संधर्ष समिति नहर पार से जुड़े किसानों व पेंशनर्स ने भी भाग लिया। प्रर्दशन में सर्व सम्मति से पारित किए गए प्रस्ताव में भाजपा-जजपा सरकार द्वारा दिल्ली कूच कर रहे किसानों पर आश्रु गैस के गोले बरसाने, पानी की बौछार मारने व लाठीचार्ज करने की घोर निन्दा की गई और किसानों के आंदोलन का तन-मन-धन से सहयोग एवं समर्थन करने का फैसला लिया गया।

संक्षिप्त समाचार

छात्रों ने वर्चुअली मनाया गुरुपर्व का त्योहार

फरीदाबाद। सेक्टर-21बी स्थित जीवा पब्लिक स्कूल में छात्रों ने वर्चुअल प्रार्थना सभा के दौरान गुरुपर्व का त्योहार मनाया। जिसमें जीवा पब्लिक स्कूल में छात्रों के सर्वांगीण विकास पर विशेष जोर दिया। पाठ्यक्रम की शिक्षा के साथ-साथ अनेक क्रियाकलाप करवाए जाते हैं, साथ ही भारतीय संस्कृति एवं परंपराओं से भी अवगत कराया जाता है, इसलिए भारत में मनाए जाने वाले सभी पर्व हर्षोल्लास के साथ विद्यालय में मनाए जाते हैं। इस वैश्विक महामारी के समय में भी विद्यालय में सभी पर्वों का विशेष रूप से वर्चुअल आयोजन किया गया, जिससे कि छात्र अपनी परंपराओं से जुड़े रहे। इसी श्रृंखला में विद्यालय में गुरुपर्व भी मनाया गया। छात्रों ने गुरुपर्व के त्योहार का महत्व बताते हुए यह बताया कि इस दिन गुरु नानक देव का धरती पर प्रकाश हुआ था। बच्चों ने गतका प्रस्तुत किया और शब्द कीर्तन व मूल मंत्र का जाप करते हुए उनके अर्थ व विशेष ज्ञान के बारे में बताया। बच्चों ने घर पर कड़ा प्रसाद बनवाया एवं परिवार के सदस्यों में वितरित किया। छात्रों ने उनकी प्रसिद्ध कथा 'सच्चा सौदा' साखी प्रस्तुत की तथा लंगर प्रथा का वर्णन करते हुए प्रेम पूर्वक आपस में मिल-बांटकर खाने और एक साथ जीवन जीने के महत्व पर प्रकाश डाला। सुख-दुख में सबके साथ मिलकर रहना चाहिए, इस विषय पर विशेष बल दिया गया। इस कार्यक्रम में छात्रों ने प्रेम, सौहार्द और ईश्वर एक है, का संदेश दिया। विद्यालय के अध्यक्ष ऋषिपाल चौहान, उपाध्यक्षा चंद्रलता चौहान ने सभी को गुरुपर्व की शुभकामनाएं देते हुए गुरु नानक देव के बताए हुए तीन उपदेशों (कीरत करो, नाम जपो और वंड चखो) को अपने जीवन में अपनाने का संदेश दिया।

गुमशुदा बच्चों को गुरुग्राम वापस पहुंचाया

फरीदाबाद। पुलिस चौकी बस स्टैंड बल्लबगढ़ प्रभारी सुरेंद्र कुमार ने गश्त के दौरान बस स्टैंड बल्लबगढ़ के पास मिले। दो बच्चों को गुरुग्राम के उनके घर पहुंचाया है। बीती शाम पुलिस चौकी बस स्टैंड प्रभारी अपनी चौकी क्षेत्र में बस स्टैंड के पास गश्त कर रहे थे। तभी बस स्टैंड के पास मंडी में उन्हें दो बच्चे जिनकी उम्र लगभग 10-11 साल थी को रोते हुए पाया। चौकी प्रभारी दोनों बच्चों के पास गए और उनसे उनके रोने का कारण पूछा। दोनों में से एक बच्चे ने बताया कि उसका नाम शुभम है और उसके साथी का नाम जीवन है। शुभम बिहार व जीवन नेपाल का रहने वाला है। दोनों बच्चे दोस्त हैं और गुड़गांव के मोहम्मदपुर गांव में रहते हैं। दोनों घुमने के चक्कर में किसी वाहन पर बैठकर बल्लबगढ़ आ गये थे और अब रास्ता भटक गए हैं। चौकी प्रभारी सुरेन्द्र कुमार ने बच्चों को उनके घर पहुंचाने के लिए गुरुग्राम के थाना सेक्टर 37 प्रभारी से संपर्क किया। मोहम्मदपुर गांव में इन दोनों बच्चों के परिवारजनों के बारे में पता लगाने का अनुरोध किया। गुरुग्राम के थाना सेक्टर 37 प्रभारी ने अपनी पुलिस टीम भेजकर दोनों बच्चों के घर का पता करवाया और इसकी जानकारी चौकी प्रभारी सुरेन्द्र कुमार को दी। इसके पश्चात् दोनों बच्चों के परिजनों से सम्पर्क करके बच्चों को सकुशल उनके हवाले कर दिया गया। बच्चों के परिजनों ने बताया कि वह पिछले एक दिन से घर से लापता हैं और इनकी तलाश कर रहे थे। अपने बच्चों को वापस पाकर उनके परिजनों ने पुलिस टीम द्वारा किए गए कार्य के लिए पुलिस चौकी प्रभारी सुरेन्द्र कुमार व पूरी फरीदाबाद पुलिस का धन्यवाद दिया।

यूनियनों ने तालमेल कमेटी का किया गठन

फरीदाबाद। हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण के कार्यों को नगर निगम और नगर पालिकाओं को हस्तांतरित करने के विरोध में फरीदाबाद की यूनियनों ने तालमेल कमेटी का गठन किया। इसके गठन में निर्णय लिया गया कि जिन सेक्टरों के कार्यों को नगर निगमों और नगर पालिकाओं को हस्तांतरित किया जा रहा है उनके कर्मचारियों के सभी प्रकार के लाभ मूल रूप से शहरी विकास प्राधिकरण के द्वारा ही किए जाने का प्रस्ताव पास किया गया। तालमेल कमेटी के सदस्य दिनेश, वीरेंद्र बेनीवाल,नरेश, धर्मवीर वैष्णव, खुर्शीद, धीरज चंदेला, सतीश ने बताया कि प्रतिनियुक्ति पर जाने वाले कर्मचारियों के वेतन, लीव इन कैशमेंट, सहित सारे लाभ हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण के द्वारा ही किए जाने चाहिए। डेपुटेशन पर जाने में कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति के बाद मिलने वाले लाभ समय पर नहीं दिए जाते हैं। तालमेल कमेटी ने शहरी विकास प्राधिकरण के कार्यों को नगर निगमों को हस्तांतरित करने की कड़े शब्दों में निंदा की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री इस विभाग का स्वरूप मिटाना चाहते हैं।

चुनाव सूचना

अग्रवाल विद्या प्रचारिणी सभा (रजि0) बल्लबगढ़, पंजीकरण संख्या HR/019/2014/01115 की Governing Council के पदाधिकारियों अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, संयुक्त सचिव, कोषाध्यक्ष एवं कार्यकारिणी के 16 सदस्यों (संख्या 01 से 16) का चुनाव दिनांक 27-12-2020 दिन रविवार, समय प्रातः 09:00 बजे से सांय 04:00 बजे तक अग्रवाल कॉलेज (मिल्क प्लांट रोड, सैक्टर-2) बल्लबगढ़ के भवन में होगा। चुनाव कार्यक्रम निम्नलिखित है ।

1. कॉलेजियम सदस्य (मतदाता) सूची का अग्रवाल कॉलेज सूचना बोर्ड पर प्रकाशन	:	दिनांक 30-11-2020 दिन सोमवार
2. नामांकन	:	दिनांक 08-12-2020 दिन मंगलवार से 9-12-2020 दिन बुधवार समय प्रातः 10:00 बजे से दोपहर बाद 03:00 बजे तक अग्रवाल कॉलेज (मिल्क प्लांट रोड, सैक्टर-2) बल्लबगढ़ के कार्यालय में स्वीकार किये जायेंगे जो निर्वाचन अधिकारी के सम्मुख सभा के संविधान अनुसार भरे जायेंगे।
3. नामांकन पत्रों की जाँच	:	दिनांक 10-12-2020 दिन गुरूवार प्रातः 09:00 बजे से 11:00 बजे तक।
4. नाम वापसी	:	दिनांक 11-12-2020 दिन शुक्रवार प्रातः 11:00 बजे से दोपहर बाद 03:00 बजे तक।
5. चुनाव चिह्न आबंटन	:	दिनांक 12-12-2020 दिन शनिवार को दोपहर बाद 03:00 बजे से सांय 05:00 बजे तक।
6. मतदान की तिथि	:	दिनांक 27-12-2020 दिन रविवार, समय प्रातः 09:00 बजे से सांय 04:00 बजे तक अग्रवाल कॉलेज (मिल्क प्लांट रोड, सैक्टर-2) बल्लबगढ़ के भवन में होगा । तत्पश्चात मतगणना आरम्भ की जायेगी एवम् उसी दिन चुनाव परिणाम घोषित किये जायेंगे।

निर्वाचन मण्डल संख्या 1 से 108 तक के कॉलेजियम सदस्यों की सूची, संविधान की प्रति प्रत्येक रू. 100/- में तथा नामांकन फार्म रू 500/- में कॉलेज के कार्यालय (मिल्क प्लांट रोड, सैक्टर-2) से प्राप्त कर सकते हैं तथा **Governing Council** के पदाधिकारियों अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, संयुक्त सचिव, कोषाध्यक्ष एवम् कार्यकारिणी के 16 सदस्यों (संख्या 1 से 16) के लिए रू0 2000/- **Refundable Security** के रूप में जमा कराने होंगे।

डॉ0 कृष्णकान्त
निर्वाचन अधिकारी

संविधान की शुचिता का संरक्षण अनिवार्य

उन लोगों की विफलता के लिए संविधान की आलोचना करके, जिन पर उसकी शुचिता बनाए रखने की जिम्मेदारी है, हम संविधान के संस्थापकों एवं इबारत दोनों के प्रति अन्याय करते हैं।

अनुराग तिवारी
(लेखक राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय विशाखापत्तनम से संबद्ध हैं।

नवंबर का महीना इतिहास में एक महत्वपूर्ण महीना रहा है। 26 नवंबर 1940 को नाज़ी जर्मनी ने वॉरसा में यहूदी समुदाय के लोगों को दीवारों में कैद करने की शुरुआत की थी। नवंबर 1941 में, जापानी प्रथम हवाई बेड़े ने, जिसे किदो बुताई के नाम से भी जाना जाता है, एक अचम्भित करने वाली सैन्य कार्रवाई में, कुरील द्वीप समूहों को द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान पर्ल हार्बर पर हमला करने के लिए छोड़ दिया था। नवंबर 1944 में, एक जर्मन राकेट लंदन में वूलवर्थ की दूकान पर आकर गिरा जिसमें 186 लोग मारे गए थे। साथ ही साथ, उसी दिन, एक अग्रणी नाज़ी सैनिक, हिमलर, ने आसविज-बिरकेनू श्मशान को ध्वस्त करने का आदेश दिया था। विश्व की राजनीति में उथल-पुथल की सिथति थी। लोकप्रियतावादी नेता, जो नौकरशाही से पैदा हुए थे, और विस्तारवाद के उनके जुनून की गंभीर आलोचना हो रही थी और वैश्विक रूप से जवाबदेह ठहराए जा रहे थे।

भारत में, हिन्दू-मुस्लिम तनाव और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस तथा मुस्लिम लीग के बीच मतभेद खतरनाक ढंग से बढ़ रहे थे। कांग्रेस तथा मुस्लिम लीग के बीच शिमला सम्मेलन में किए गए विफल प्रयास के बाद, यूके में लेबर पार्टी की अगुवाई में सत्तासीन सरकार द्वारा स्वतंत्र भारत का भविष्य तय करने के लिए तीन सदस्यीय समिति द्वारा कैबिनेट मिशन योजना निर्धारित की गई थी। चुकि कैबिनेट मिशन ने मुस्लिम लीग की मांगें खारिज कर दी थीं, लीग ने नाराज़ होकर कुख्यात ''प्रत्यक्ष कार्रवाई दिवस'' मनाने की घोषणा कर दी जिसके कारण देशभर में बड़े पैमाने पर हिंसा का तांडव मचा था।

इस अशांति के बीच, 26 नवंबर 1949 को भारतीय संविधान सभा ने एक स्वतंत्र एवं लोकतांत्रिक भारत के लिए औपचारिक रूप से संविधान को आत्मसात किया। कई घंटों के वाद-विवाद, चर्चाओं एवं विमर्शों के उपरांत, जो लगभग तीन वर्ष तक जारी रहे, जिसमें अपार विश्वसनीयता वाले 350 से अधिक पुरुषों व महिलाओं ने भाग लिया, संविधान को अपनाया गया था।

यह भारत के सामाजिक-राजनीतिक एवं संवैधानिक इतिहास में कोई साधारण पल नहीं था। बहुसंख्य भारतीयों के लिए, यह अतीत से अलग हटकर एक पल था। हालांकि, संस्थापकों के लिए, एक संविधान बनाने का कार्य कहीं ज्यादा संवेदनशील प्रकृति का था। उनकी दोहरी भूमिका थी। एक तरफ, उन्हें दुनिया व इबारत को पढ़ने वाली भावी पीढ़ियों के समक्ष यह सही ठहराना था कि भारत दोनों देशों में बेहतर था (दूसरा पाकिस्तान है) जिनका निर्माण विभाजन के फलस्वरूप हुआ था और दूसरी ओर, उन्हें ऐसा संविधान प्रारूपित करना था जो संस्थापकों के संघर्ष को परिलक्षित करता हो। इस दूसरी भूमिका, जिसका उल्लेख अभिनव चंद्रचूड़ ने अपनी पुस्तक, रिपब्लिक आफ रिहटोरिक, में किया है, कि इसके दो प्रतिस्पर्धी लक्ष्य थे, एक था भारत का रूपांतरण करना और दूसरा चीजों को बनाए रखना। निरंतरता और परिवर्तन दो महत्वपूर्ण पहलू थे जिन्होंने संविधान सभा के संविधान निर्माण जनादेश को तर्कसंगत रूप दिया। ग्रवेनाइल ऑस्टिन, उल्लेख करते हैं कि संविधान एक सामाजिक क्रांति लाने का प्रयास करता है और साथ ही साथ राष्ट्रीय एकता व स्थिरता को संरक्षित करने का प्रयास भी करता है।

संस्थापक निष्पक्ष रूप से आशावादी भारतीय जन थे। उन्होंने एक ऐसा संविधान बनाया जो न केवल समय से आगे था बल्कि भारतीय राजनीतिक परिदृश्य में एक सकारात्मक एवं उग्र हस्तक्षेप था। उदाहरण के लिए, इसने छुआछूत का अंत किया, किसी का भी उपाधि ग्रहण करना असंवैधानिक करार दिया और उन लोगों के लिए एक सकारात्मक कार्रवाई का प्रावधान किया जिन्हें समाज द्वारा ऐतिहासिक रूप से हाशिए पर रखा गया था। इसने सार्वभौमिक मताधिकार सुनिश्चित किया, धर्म, जाति, श्रेणी, लिंग अथवा प्रजाति से परे देश के सभी नागरिकों के लिए समानता एवं मूल अधिकार सुनिश्चित किए।

यह सब कुछ ऐसे समय पर हुआ जब विश्व इन बदलावों को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं था। उदाहरण के लिए, अमेरिका में, उसके दुनिया में सबसे पुराना संवैधानिक गणतंत्र होने के बावजूद, 1954 में कहीं जाकर ब्राउन बनाम बोर्ड आफ एजुकेशन वाद में, जब ''पृथक मगर समान'' उपखंड को सर्वोच्च न्यायालय द्वारा असंवैधानिक करार दिया गया था। अश्वेत महिलाओं को 1965 में मतदान अधिकार कानून के अंतर्गत मत देने का अधिकार मिला और अश्वेतों व भूरों के लिए सकारात्मक कदम को 2003 में ग्रटर बनाम बोलिंगर वाद के अंतर्गत संवैधानिक करार दिया गया। अमेरिकी सर्वोच्च

संस्थापक निष्पक्ष रूप से आशावादी भारतीय जन थे। उन्होंने एक ऐसा संविधान बनाया जो न केवल समय से आगे था बल्कि भारतीय राजनीतिक परिदृश्य में एक सकारात्मक एवं उग्र हस्तक्षेप था। उदाहरण के लिए, इसने छुआछूत का अंत किया, किसी का भी उपाधि ग्रहण करना असंवैधानिक करार दिया और उन लोगों के लिए एक सकारात्मक कार्रवाई का प्रावधान किया जिन्हें समाज द्वारा ऐतिहासिक रूप से हाशिए पर रखा गया था।

न्यायालय ने 1967 में अंतर-प्रजातीय विवाहों को संवैधानिक रूप से अनुमन्य करार दिया और छात्रों को 1969 में टिंकर बनाम डेस मोइनी वाद के अंतर्गत मुक्त अभिव्यक्ति का अधिकार प्रदान किया गया। जबकि गौरवान्वित भारत ने 26 नवंबर को संविधान दिवस मनाया, शायद ही हमें पता होगा कि संविधान सभा ने सर्वाधिक समतावादी एवं आगे की ओर देखने वाला संविधान ऐसे समय पर बनाया था जिसकी कई कोनों पर आलोचना हुई थी। दो तरह की आलोचनाएं की जाती थीं जो संस्थापकों के विरुद्ध थीं, एक नैतिक और दूसरी विधिक। नैतिक आलोचना यह थी कि संविधान सभा गांधी विरोधी थी और लोकतांत्रिक नहीं थी। महात्मा गांधी ने ग्राम गणतंत्रों का नारा दिया था और कहा था कि शक्ति पंचायतों में निहित होनी चाहिए जबकि संविधान ने शीर्ष से निम्न पादान तक अत्यधिक केंद्रीयकृत शासन का दृष्टिकोण अपनाया था।

संविधान सभा को गैर-प्रतिनिधिमूलक भी बताया गया क्योंकि उसके अधिसंख्य सदस्य हिन्दू थे और कांग्रेस के सदस्य नहीं थे। यह भी तर्क दिया गया था कि सभा में औपनिवेशिक मानसिकता प्रभावी थी जहां उसने संविधान प्रारूपण में अनुकरण आधारित मॉडल को अपनाया। विधिक कमियां इस दलील पर आधारित हैं कि संविधान सभा की कार्य प्रणाली राज्य प्रपत्र एवं भार स्वतंत्रता अधिकनियम 1947 के अवरुद्ध थी। बहुतों को यह भी लगा कि सभा ने गैर पंथनिरपेक्ष भारत की नींव रखी थी। हालांकि, इसमें कोई संदेह नहीं है कि इन आलोचनाओं का दस्तावेज की पवित्रता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता। दुनिया भर में आधे से अधिक संविधान 20 वर्ष तक भी नहीं चल पाए। कम से कम, ये आलोचनाएं दर्शाती हैं कि विरोध भी संविधान निर्माण प्रक्रिया का हिस्सा था और सदन में लगभग प्रत्येक नेता के पास समय के एक बिंदु पर विविध मुद्दों पर जताने के लिए चिंताएं भी थीं। संविधान निश्चित रूप से जन समर्थन व उस संप्रभुता पर आधारित था जो संविधान सभा को समाज के प्रत्येक स्तर पर प्राप्त हुई थी। आज इस दस्तावेज को उन सभी की निगाह में पवित्र ग्रंथ का दर्जा प्राप्त है जो महान देश के इसके सपने में विश्वास रखते हैं। कहने का अर्थ यह नहीं है कि हम भारत में भेदभाव, असमानता एवं धार्मिक असहिष्णुता जैसी समस्याओं को पूरी तरह कुचलने में सफल रहे हैं। कहा जाए, तो हो सकता है हम विफल हुए हों, और संस्थापक आज विद्यमान स्थितियों से ज्यादा प्रसन्न नहीं होंगे। लैंगिक असमानता, जाति आधारित भेदभाव, धार्मिक कट्टरतावाद, गुणवत्तापूर्ण सार्वजनिक शिक्षा का अभाव, राजनीति का अपराधीकरण, भ्रष्टाचार, नीलवसन एवं श्वेतवसन अपराधों का बढ़ना, भूख, गरीबी, लोकरंजकता, बेरोजगारी, जलवायु परिवर्तन, असंतोष का दमन एवं राजनीति में लोकरंजकतावाद ऐसी चिंताएं हैं हमे व हमारे संवैधानिक कार्यतंत्र को लगातार आहत करती रहती हैं।

लेकिन इससे पहले कि हम हमारे सामाजिक-राजनीतिक परिदृश्य में विद्यमान चीजों के लिए संविधान को जिम्मेदार ठहराएं, चलिए एक कदम पीछे हटकर उस भूमिका को समझते हैं जो इस इबारत में निहित है और जिसे हमारे देश में अस्तित्वमान लोकतंत्र सरीखी व्यवस्थाओं में भूमिका निभाने के लिए अपेक्षा का विषय मना जाता है। संविधान अंतरनिहित रूप से प्रतीकात्मक दस्तावेज होते हैं और वे लोगों के मस्तिष्क एवं हृदयों को परिलक्षित करते हैं। कहने का अर्थ यह नहीं कि उनमें वो सब शामिल होता है जो नैतिक रूप से अनुमन्य होता है। संविधान में लिखी इबारत उस सपनों को दोहराती व उन पर जोर दती है जो राष्ट्र ने स्वयं के लिए देखा हो।

71 वर्ष पूर्व, हमारे संस्थापकों ने ऐसे राष्ट्र का सपना देखा था जो सभी प्रकार के पूर्वाग्रहों, घृणा व कलंकों से मुक्त हो। हम उस लक्ष्य को प्राप्त नहीं कर पाए हैं। लेकिन मानी गई विफलता के लिए इबारत की आलोचना करते समय हम भूल जाते हैं कि हमारा आक्रोश गलत दिशा में जा रहा है। ऐसा इसलिए क्योंकि भारतीय संविधान उन पर बहुत बड़ा भरोसा करता है जिन पर यह लागू होता है, और वे हैं इस देश के नागरिक। लोगों की विफलता के लिए संविधान को जिम्मेदार ठहराकर, हम उस इबारत के प्रति अन्याय करते हैं जो केवल तभी बेहतर काम करती है जब, ''हम, जनता जनार्दन'' पूर्ण ईमानदारी से काम करें और संवैधानिक आदर्शवाद के सिद्धंतों को अक्षुण्ण रखें।

संविधान दिवस क्यों महत्वपूर्ण है इसका कारण बहुत सी सरल सा है, यह आपको कहानी सुनाता है। भारत की संवैधानिक यात्रा में उगजे सूरज की कहानी। यह आपको बताता है कि संविधान असंतोष व विरोध को ध्यान में रखकर व बौद्धिक विमर्श के साथ चलकर प्रारूपित किया गया था। यह आपको बताता है कि इस दस्तावेज का निर्माण ऐसे समय पर हुआ था जब वैश्विक राजनीति की गतिशीलता पर पुनर्विचार किया जा रहा था। यह आपको बताता है कि आलोचना के समक्ष, संविधान सभा एक ऐसा दस्तावेज बनाने में सफल रही जो अग्रगामी, आशावादी था और अब तक कई लोकरंजक सरकारों एवं स्वेच्छाचारी नेताओं के प्रकोप को झेलकर भी मजबूती से विद्यमान है। यह आपको बताता है कि, अधिक महत्वपूर्ण रूप से, संविधान की आलोचना दिग्भ्रमित है और जो लोग इसकी पवित्रता को सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार हैं उनकी विफलता का अर्थ संविधान की विफलता नहीं है।

भारत का संविधान एक जीवंत दस्तावेज है और उत्तरजीवी रहेगा तथा उन लोगों के लिए खड़ा रहेगा जो कमजोर, वंचित हैं और ऐतिहासिक रूप से शोर शराबे से भरी संसद द्वारा दरकिनार किए जाते रहे हैं। चलिए ऐसे देश के निर्माण का वादा करें जिसका उद्देश्य वहां से निर्माण करना है जहां पर संस्थापकों ने इसे छोड़ा था।

ध्वनि प्रदूषण का निरंतर बढ़ता खतरा

भारत को पटाखों पर प्रतिबंध के लिए जनान्दोलन करने की आवश्यकता है। जिसे मनोरंजन माना जाता है वह ध्वनि प्रदूषण बढ़ा कर हमारी सामूहिक आत्महत्या बन सकता है।

हिरण्यमय कार्लेकर
(लेखक दि पायनियर के सलाहकार संपादक हैं)

भारत वर्तमान समय में कोविड-19 वैश्विक महामारी का शिकार है जो निर्मम रूप से बढ़ रही है। रोज संक्रमित व मृत लोगों के आंकड़े चिन्ता पैदा करते हैं। अनेक स्थानों, खासकर दिल्ली में वायु प्रदूषण चिन्ताजनक है। इसके कारण लोगों का कोरोनावायरस से खतरा बढ़ रहा है। इससे बच्चों और बुजुर्गों के स्वास्थ्य को स्थाई नुकसान हो रहा है। उम्मीद थी कि इस संकट के आर्थिक प्रभाव दीपावली पर दिखाई देंगे। बड़ी संख्या में भारतीय इसे दीपोत्सव के नाम से मनाते तथा एक दूसरे को मुबारकवाद देते हैं। विदेशों में रहने वाले अनिवासी भारतीय तथा भारतीय मूल के लोग भी इसे मनाते हैं। न्यूयार्क के टाइम्स स्क्वायर में भी दीपावली मनाई जाती है। उम्मीद थी कि भारत में लोग दीपावली मनाते समय पटाखों से परहेज करेंगे क्योंकि देश के अनेक भागों में इन पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया था तथा कुछ हिस्सों में अत्यधिक सीमित किया गया था। लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ। इनके प्रयोग में ज्यादा कमी नहीं आई और 14 नवंबर को दीपावली के दिन तथा कई स्थानों पर एक सप्ताह तक पटाखे दगे।

इससे पैदा भयानक शोर से वृद्ध, दिव्यांग व बीमार लोग प्रभावित हुए। शोर से जानवरों, खासकर कुत्तों को बहुत तकलीफ उठानी पड़ी जिनमें से कुछ तो भय के मारे पागल हो गए। पटाखों से निकलने वाले धुंए ने पहले से गंभीर वायु प्रदूषण को और खतरनाक बना दिया। नियंत्रणों व प्रतिबंधों के बावजूद पटाखे दगाने को बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है। हालांकि, सिविल सोसाइटी तत्वों, पर्यावरणविदों और बड़ी संख्या में स्कूली बच्चों ने जनता से इनका प्रयोग न करने का अनुरोध किया था। स्कूली बच्चों ने अनुरोध किया था कि उनका भविष्य खतरे में न डाला जाए। पिछले अनेक वर्षों से पटाखे दगाने के खिलाफ आंदोलन विकसित हो रहा है जो ज्यादा तेज आवाज करने व भारी मात्रा में प्रदूषण बढ़ाने वाले पटाखों पर प्रतिबंध की मांग कर रहा है, लेकिन इसका कोई खास प्रभाव नहीं पड़ा है।

आखिर बड़ी संख्या में भारतीय प्रकाश के गरिमामय त्योहार को भयानक शोर पैदा करने वाले मौके में क्यों बदल रहे हैं? वे इस बात से अनजान नहीं हैं कि इसका असर बच्चों और उनके बच्चों पर पड़ेगा। इससे न केवल उनका स्वास्थ्य, बल्कि चरित्र भी प्रभावित हो सकता है। इससे बच्चों में कानून तोड़ने की भावना पैदा होती है। इससे सामाजिक सद्भाव तथा कानून व्यवस्था की समस्या भी पैदा हो सकती है। इससे कानून तोड़ने की भावना खतरनाक रूप से बढ़ सकती है जिसका नतीजा बाद में गंभीर अपराधों के रूप में सामने आ सकता है। पटाखे दगाने में लगे अनेक लोग इसके नतीजे नहीं समझते हैं। उनकी चेतना कम से कम पिछले दो दशकों से मर गई है।

चूंकि सरकार द्वारा पटाखों पर प्रतिबंध या नियंत्रण लगाने का कोई प्रभाव नहीं पड़ता है, इसलिए केन्द्र व राज्य सरकारों को इनके उत्पादन को कठोरता से अत्यधिक सीमित करने के कदम उठाने चाहिए। यदि उद्योग को पूरी तरह बंद न किया जाए तो पटाखों के उत्पादन पर नियंत्रण से खाली कामगारों को अन्य कामों में लगाया जा सकता है। इससे भारी मात्रा में वह पैसा भी बचेगा जो अब पटाखे दगाने में बरबाद हो जाता है। यह ऐसा उद्योग है जिसने समाज को गंभीर नुकसान पहुंचाया है।

हमें पटाखे दगाने के पीछे छिपी भावना समझनी होगी। व्यक्ति की किसी क्रिया का जन्म उसकी सहज प्रवृत्ति से होता है। कोई भी अपना जीवन बचाने के लिए तेजी आ रहे वाहन से दूर भागता है। पटाखे दगाना एक श्रृंखला का हिस्सा है जिसमें पहले इसे खरीदने का निर्णय किया जाता है। इसके बाद इसके भंडारण व फिर दगाने का नंबर आता है। इनमें से प्रत्येक कृत्य आत्माभिव्यक्ति का माध्यम है। एक फ्रांसीसी दार्शनिक रेने देकार्त ने कहा है कि हम जो सोचते हैं, वैसे बन जाते हैं। इसी प्रक्रिया का विस्तार पटाखे दगाने वाले की इच्छा में दिखता है। उसे लगता हे कि पटाखे दगाना उसके अस्तित्व का अंग है। कभी-कभी पटाखे दगाने में काफी चोट भी लगती है जिसे व्यक्ति के साहस के प्रमाण की तरह पेश किया जा सकता है। इसे प्रतिबंध या नियंत्रण का उल्लंघन करने की इच्छा की तरह भी देखा जा सकता है। इस प्रवृत्ति से विद्रोह की भावना बढ़ती है।

आत्माभिव्यक्ति के अनेक साधन हैं जिनमें कला के अनेक रूप, पेंटिग व फोटोग्राफी, फिल्में बनाना, नाटकों में अभियन करना, लेखन, गायन, नृत्य, वास्तुकला, डिजाइनिंग, आदि हैं। इनमें शामिल होने के लिए प्रशिक्षण, कौशल, प्रयास ओर प्रतिभा तथा काफी समय लगाने की आवश्यकता होती है। लेकिन पटाखे दगाने में इनकी जरूरत नहीं पड़ती है। हालांकि, यह सवाल पूछा जा सकता है कि क्या पटाखे दगाने वाले रचनात्मक गतिविधि में हिस्सा नहीं लेते हैं? कुछ लोग ऐसे हो सकते हैं, हालांकि इस बारे में कोई सर्वेक्षण शायद नहीं है। पटाखे दगाना एक अलग किस्म का व्यवहार है। इस लेखक को ऐसे किसी उपन्यासकार, कवि, नाटककार, पेंटर, फिल्मकार या प्रतिबद्ध फोटोग्राफर की जानकारी नहीं है जिसे पटाखे दगाने में मजा आता हो।

तर्क दिया जा सकता है कि लोग पटाखे इसलिए दगाते आ रहे हैं कि उनको इसमें मजा आता है। क्या समाज के अन्य लोगों को लेखकों, पेंटरों, फिल्म निर्माताओं या फोटोग्राफरों की तरह अपनी मर्जी से आनन्द मनाने या दूसरे शब्दों में पटाखे दगाने का अधिकार नहीं है और क्या उनके काम रचनात्मक नहीं हैं? इनमें बिजनेसमैन, प्रशासक, प्रबंधक, क्लर्क, वकील, डाक्टर, इंजीनियर, आदि शामिल हैं। निश्चित रूप से वे रचनात्मक काम करते हैं, लेकिन पटाखे दगा कर वे सार्वजनिक स्वास्थ्य व पर्यावरण को भारी नुकसान पहुंचाते हैं। ऐसी स्थिति में मनोरंजन का अर्थ सामूहिक आत्महत्या के लिए स्वेच्छा से प्रवृत्त होना हो सकता है। सवाल यह उठता है कि क्या हम ऐसी संस्कृति को बढ़ावा देना चाहते हैं? ऐतिहासिक रूप से अनेक संस्कृतियों ने आत्माभिव्यक्ति के रूप में जायकेदार भोजन तथा नशीले पेयों को बढ़ावा दिया है। एक सीमा के भीतर ऐसा करने में कुछ गलत नहीं है। इससे मांग पैदा होती है जिसकी संतुष्टि से अर्थव्यवस्था की प्रगति में योगदान होता है तथा रचनात्मक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलता है। वर्तमान मामले में पटाखा उद्योग ने हजारों लोगों को रोजगार दिया है जो इसके निर्माण व उत्पाद के वितरण में लगे हैं।

लेकिन यह ऐसा उद्योग है जिसने समाज को गंभीर नुकसान पहुंचाया है। साल दर साल दीपावली के समय तथा इसके कुछ दिन पहले व बाद में पटाखों के प्रयोग में भारी कमी की बात की जाती है। लेकिन इससे अब तक लगभग कुछ भी हासिल नहीं हुआ है। हर साल पटाखों की सप्लाई बेरोकटोक जारी रहती है और इसका आयाम लगातार बढ़ रहा है।

चूंकि सरकार द्वारा पटाखों पर प्रतिबंध या नियंत्रण लगाने का कोई प्रभाव नहीं पड़ता है, इसलिए केन्द्र व राज्य सरकारों को इनके उत्पादन को कठोरता से अत्यधिक सीमित करने के कदम उठाने चाहिए। यदि उद्योग को पूरी तरह बंद न किया जाए तो पटाखों के उत्पादन पर नियंत्रण से खाली कामगारों को अन्य कामों में लगाया जा सकता है। इससे भारी मात्रा में वह पैसा भी बचेगा जो अब पटाखे दगाने में बरबाद हो जाता है।

इस बीच पटाखों के प्रयोग पर कठोर नियंत्रणों की मांग करने वाले सिविल सोसाइटी संगठनों, व्यक्तियों तथा स्कूली बच्चों को अपने प्रयासों में अनवरत रूप से तेजी लानी चाहिए। उनका लक्ष्य एक राष्ट्रव्यापी नागरिक आंदोलन खड़ा करना होना चाहिए। यह आंदोलन इतना सशक्त होना चाहिए कि उसे केन्द्र व राज्य सरकारें तथा पटाखों के निर्माता, वितरक व पटाखे दगाने वाले अनदेखा न कर सकें।

जाग उठा पुराना प्यार

योगी सरकार के एक मंत्री का पुराना प्यार फिर जाग गया है। पुराने प्यार के जुनून में यह मंत्री इन दिनों अपने गाड फादर की तारीफ के पुल बांधते हर जगह नजर आते हैं। चर्चा तो यह भी है कि पिछले दिनों दीपावली पर मंत्री जी अपने पुराने गाड फादर से मिलने उनके घर भी गये और गिले-शिकवे दूर किये। मंत्री जी के बदले रूख को उनके करीबी घर वापसी की उम्मीदों से जोड़कर देख रहे हैं। खैर जो भी हो लेकिन मंत्री जी इन दिनों राजनीति के दो अखाड़े में चर्चा के केन्द्र बने हुये हैं। दरअसल पिछले विधानसभा चुनाव से ठीक पहले योगी सरकार के इस मंत्री ने कमल का दामन थामा था। उससे पहले वह हाथी की सवारी कर रहे थे तो बसपा की सोशल इंजीनियरिंग में ब्राहम्णों का चेहरा बने थे और इसी के दम पर राज्यसभा का सुख भी भोगा। इन्हे बसपा में कानूनी मामलों की डोर संभालने वाले पेशे से वकील और ब्राहम्ण नेता का करीबी माना जाता रहा है। मंत्री जी इन्हें अपना गाँड फादर मानते है।

मेहमाननवाज गुरु

शतक पूरा कर चुके अपने मैनेजमेंट गुरु को सेंचुरी पूरा करने को लेकर काफी आशाएं थीं। उन्होंने जाने अनजाने कई ख्वाब देख रखे थे। इसको पूरा करने के लिए उन्होंने न केवल प्रस्ताव बना रखे थे बल्कि यह भी सोच रखा था कि किस मुहूर्त में प्रस्ताव रखा जाय तो काम में कोई अड़चन नहीं आएगी। मगर विधि के विधान को कौन टाल सकता है। हुआ वही जिसका अंदेशा पहले से लोग जता रहे थे। मंच पर अपने सम्बोधन में एमएलसी साहब ने ऐसी घुट्टी पिलाई की मैनेजमेंट गुरु को अपनी असली बात को रखने का प्रस्ताव बेदम नजर आया। हुआ यूं कि एमएलसी साहब ने कहा कि मुझे मालूम है कि आप अपना प्रस्ताव रखेंगे लेकिन मैं यह बताना उचित समझता हूं कि सारी बाते संज्ञान में हैं। समय के अनुसार पूरी होंगी। नेताजी का इतना कहना था कि अपने गुरुजी भी समझ गए और वह प्रस्ताव को फाइलों में डाल मेहमाननवाजी में जुट गए।

मन का भगवाकरण

लगता है समाज में बड़ा बदलाव हो रहा है। लोग बदल रहे हैं। जो कभी राम के नाम से किनारा किया करते थे आज उन्हीं के हथियार उठाने की बात कर रहे हैं। सही मायने में पक्ष तो पक्ष विपक्ष पर भी भगवाकरण का असर दिखाई पड़ने लगा है। स्थिति यह है कि सब कुछ राम मय होता नजर आ रहा हैं। भगवा धारियों से संघर्ष करने के लिए तीर धनुष और गदा धारण किया जा रहा है। हुंकार भरकर सड़क पर उतरकर संघर्ष करने वाले अब चक्र के साथ तीर,धनुष, गदा धारण करने की बात करने लगे हैं। शायद यह भगवाकरण का ही असर है। पहले अपने संघर्ष के मूल स्वभाव को छोड़कर ट्विटर पर आए और अब तीर धनुष उठाने की बात कर रहे हैं। इससे यह तो साफ हो गया है कि तन भले ही भगवा न हुआ हो लेकिन मन जरूर भगवा हो गया है। जो कभी राम के नाम से दूर भागा करते थे आज उन्हीं के हथियार का प्रयोग कर भगवाधारी खेमे से मोर्चा लेने की बात सोच रहे हैं। सही मायने में इसे बड़ा बदलाव कहा जा सकता है क्योंकि यह वही कुनबा है जो कभी राम भक्तों का दुश्मन कहा जाता था।

आपदा में अवसर

पुलिस के साथ कदमताल करने वाले खाकी वाले ही एक अन्य महकमे के आला अफसरान आपदा में भी अवसर तलाशने से नहीं चूक रहे हैं। धनलक्ष्मी की चाहत दिलों में कुछ ऐसी पाल रखी है की उसके लिए सैकड़ों जवानों की जिंदगी को भी दांव पर लगाने में उन्हें कोई गुरेज नहीं है। तभी तो उन्होंने कोरोना के संकट काल में भी महकमे की रैतिक परेड आयोजित कराने का शहंशाही फरमान जारी कर दिया है। परेड की तैयारियों के लिए तीन सैकड़ा से अधिक महिला व पुरुष जवानों को अलग अलग जिलों से लखनऊ बुला लिया गया है। परेड के लिए आए जवान दहशत में है मगर अफसरों पर कोई असर नहीं दिख रहा। इन जवानों को मुख्यालय की जिन बैरकों में ठहराया गया है वहां पर सोशल डिस्टेंसिंग का भी कोई पालन नहीं हो रहा। बावजूद इसके अफसर किसी भी हालत में रैतिक परेड स्थगित करने के मूड में नहीं दिख रहे। महकमे में चर्चा है इसके पीछे मुख्य वजह तीस लाख का वह लंबा चौड़ा बजट है जो परेड के लिए आवंटित हुआ है। इसी बजट की बंदरबांट पर सभी की निगाहें टिकी हुई हैं। अगर परेड स्थगित कर दी जाए तो बजट की बंदरबांट से होने वाले मुनाफे से भी तो अफसरों को हाथ धोना पड़ जाएगा।

नहीं गयी नवाबियत

नगर निगम के बड़े साहब लखनऊ का रंग ढंग देखकर दंग रह गए। नफासत के शहर में अतिक्रमण और गंदगी से उन्हें दो चार होना पड़ रहा है। अब पता चला इसे नवाबों का शहर तो जरूर कहा जाता है लेकिन नवाबियत लोगों में नहीं रही। साहब के कई फरमानों के बाद भी लोग प्लाटों पर गंदगी और कूड़ा डालने वालों की कमी नहीं है। कूड़ा कर्मचारियों को न देकर कोने में ही डालने में नवाबियत समझते हैं। फिर क्या था, साहब को मजबूरन हंटर चलाना पड़ा। साहब ने आनन फानन में जुर्माने कर लोगों की आदत बदलने के भागीरथ प्रयास शुरू कर दिए हैं। लेकिन जल्दी ही पता चला कि राहें आसान नहीं है। कुछ लोग तो कह उठे भगवान ही आशीर्वाद दें तो सफाई और स्वच्छता का कार्य आगे बढ़े और स्वच्छ सर्वेक्षण में नंबर एक स्थान पर आए। अब नये साहब को क्या पता कि कूड़ा उठाने, डालने और सुधारने वालों का गठजोड़ ज्यादा बेहतर और फेवीकोल की तरह पक्का है। कुछ भी हो लखनऊ के नवाब तो चले गए हैं लेकिन नवाबी शौक लोगों के नहीं बदले। नगर निगम में भी इसके छींटे दिख ही जाते हैं भले ही पूरे शहर में सफाई की बीड़ा नगर निगम जरूर उठाए हुए है।

तुम से बढ़कर हम

यूपी में इस समय अपने आप को बेहतर साबित करने की होड़ दो अधिकारियों में मची हुई है। एक अधिकारी हैं जिनके जिम्मे यूपी में एक्सप्रेस-वे के विकास का जिम्मा है जबकि दूसरे अधिकारी पिछली सरकार में एक्सप्रेस-वे का निर्माण करा चुके हैं। मौजूदा साहब एक्सप्रेस-वे को लेकर एक रिकार्ड कायम करना चाहते हैं ताकि उनका नाम भी इतिहास में दर्ज हो जाए। वह इसलिए अभी तक यह रिकार्ड यूपीडा के पूर्व चेयरमैन के पास है। मौजूदा चेयरमैन साहब इस रिकार्ड को तोड़ने के लिए दिन-रात एक किए हुए हैं। यहां तक दस दिन में दो बार निर्माणाधीन एक्सप्रेस-वे का स्थलीय निरीक्षण कर चुके हैं। वह इसलिए क्योंकि साहब इस परियोजना के पूरे होने का तोहफा नए साल में यूपी की जनता को देने चाहते है। मामला जो रिकार्ड तोड़ने का ठहरा।

बचाव व उपचार की व्यवस्था मजबूत बनाए रखें: योगी

- लखनऊ और मेरठ पर विशेष ध्यान देकर इन जिलों की चिकित्सा व्यवस्था को सुदृढ़ करें
- वरिष्ठ चिकित्सक कोविड अस्पतालों का नियमित राउन्ड लें

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कोविड-19 से बचाव तथा उपचार की व्यवस्था को निरन्तर मजबूत बनाये रखने पर जोर देते हुये कोविड अस्पातलों का वरिष्ठ चिकित्सकों को नियमित राउन्ड लेने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि कोरोना में थोड़ी लापरवाही भी भारी पड़ सकती है। हर स्तर पर पूरी सावधानी व सर्तकता बरतना आवश्यक है।

मुख्यमंत्री शनिवार को अपने सरकारी आवास पर अनलॉक व्यवस्था की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अधिक संक्रमण दर वाले जनपदों में कोविड-19 से बचाव तथा उपचार की व्यवस्था को बेहतर बनाया जाए। उन्होंने लखनऊ और मेरठ पर विशेष ध्यान देकर इन जिलों की चिकित्सा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने केजीएमयू लखनऊ की चिकित्सा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि वरिष्ठ चिकित्सकों द्वारा नियमित राउण्ड लेकर मरीजों को देखा जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि जनपदों में इन्टीग्रेटेड कमाण्ड एण्ड कन्ट्रोल सेन्टर को पूरी सक्रियता से संचालित किया जाए। जिलाधिकारी तथा मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा सुबह कोविड चिकित्सालय में तथा शाम को इन्टीग्रेटेड कमाण्ड एण्ड कन्ट्रोल सेन्टर में प्रतिदिन अनिवार्य रूप से समीक्षा बैठक आहूत की जाए। उन्होंने कहा कि मुख्य सचिव कार्यालय तथा मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा इन बैठकों की स्थिति की समीक्षा की जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पूरे प्रदेश में आईसीयू बेड्स की पर्याप्त व्यवस्था रखी जाए। फोकस्ड टेस्टिंग किए जाने पर बल देते हुए उन्होंने कहा कि कोविड.19 की मेडिकल टेस्टिंग का कार्य पूरी क्षमता से संचालित करते हुए इसे बढ़ाने का प्रयास किया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लोगों को मास्क लगाने के लिए प्रेरित किया जाए। इस सम्बन्ध में जागरूकता सृजित करने के लिए विभिन्न प्रचार माध्यमों के साथ साथ पब्लिक एड्रेस सिस्टम का व्यापक उपयोग करते हुए आमजन को कोविड.19 से बचाव की जानकारी दी जाए। कोविड.19 के प्रोटोकॉल के पालन के लिए जनता को निरन्तर प्रोत्साहित किया जाए। शादी समारोह में कोई व्यवधान न उत्पन्न किया जाए।

तीन माह तक के बकायेदारों के यहां बिजली न काटें: श्रीकांत

- आगामी गर्मियों में सभी जिले ट्रिपिंग फ्री होंगे: ऊर्जा मंत्री

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश के ऊर्जा मंत्री श्रीकांत शर्मा ने आगामी गर्मियों में सभी जिले ट्रिपिंग फ्री होंगे, एनसीआर के जिलों को ट्रिपिंग फ्री बनाने पर काम हो रहा है। गांव और तहसील को भी रोस्टर के अनुसार निर्बाध बिजली मिलेगी। यूपीपीसीएल अध्यक्ष इसकी मॉनिटरिंग करेंगे।

शनिवार को ऊर्जा मंत्री ने नोएडा के सेक्टर 29 स्थित कैप्टन विजयंत थापर विद्युत उपकेंद्र का निरीक्षण किया। उन्होंने उपकेंद्र के पास स्थित सेक्टर 29 व 30 में उपभोक्ताओं और आरडब्ल्यूए से फीडबैक लिया साथ ही उपभोक्ताओं से समय से बिल जमा करने और अन्य लोगों को प्रोत्साहित करने का आग्रह किया। कई उपभोक्ताओं ने इस दौरान बिल जमा किया। ऊर्जा मंत्री ने अपील की कि उपभोक्ता समय पर बिल दें, उपभोक्ताओं की यह कोशिश न केवल घाटे में चल रहे बिजली विभाग को उबारेगी बल्कि ऐसा होने से सस्ती बिजली देने का भी रास्ता साफ होगा। निर्देश दिया कि तीन माह तक के बकायेदारों के यहां डिस्कनेक्शन नहीं किया जाए। ऐसे उपभोक्ताओं का डोर नॉक किया जाए। उन्हें योजनाओं की जानकारी और उनसे फीडबैक भी लिया जाए। ऊर्जा मंत्री ने सेक्टर 29 बिजलीघर का दौरा किया। वहां कमियों को सुधारने के निर्देश के साथ ही अफसरों को नियमित पेट्रोलिंग करने, उपभोक्ताओं से संवाद करने और उनके फीडबैक के आधार पर सिस्टम को ठीक करने को कहा। उपभोक्ताओं को मेंटेनेंस, बिलिंग अलर्ट, पेमेंट रिमाइंडर की जानकारी मिले। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि एक माह के भीतर सभी स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं का फीडबैक जरूर लिया जाए। 1912 के साथ ही अधिकारी व्यक्तिगत उपभोक्ताओं के घर जाएं और उनसे फीडबैक फॉर्म भरवाएं। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि उपभोक्ता की संतुष्टि ही सरकार की संतुष्टि है। हर एक उपभोक्ता को हम अपनी सेवाओं से संतुष्ट करें यही हमारा मंत्र और काम की सफलता है। उपकेंद्र पर ऊर्जा मंत्री ने सभी कार्मिकों को साइकिल से पेट्रोलिंग करने के लिए प्रोत्साहित किया।

राजनाथ सिंह आज से लखनऊ के दो दिवसीय दौरे पर

लखनऊ। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह दो दिवसीय दौरे पर 29 नवम्बर को लखनऊ पहुंच रहे हैं। बीजेपी लखनऊ महानगर अध्यक्ष मुकेश शर्मा ने बताया कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 29 नवम्बर को शाम 5 बजे लखनऊ एयरपोर्ट पहुंचेंगे, एयरपोर्ट से सीधे दिलकुशा आवास जाएंगे। 30 नवम्बर को प्रात: 11:30 बजे लखनऊ में चल रहे विकास कार्यों किसान पथ, टेढ़ी पुलिया, लालकुआं, मीना बेकरी फ्लाईओवर ब्रिज आदि परियोजनाओं का अवलोकन करेंगे। 1 बजे पुन: दिलकुशा आवास पहुंचेंगे। रात्रि 8 बजे दिलकुशा से लखनऊ एयरपोर्ट और फिर एयरपोर्ट से दिल्ली के लिए प्रस्थान कर जाएंगे।

खेती बचाओ-देश बचाओ संघर्ष में किसानों के साथ खड़े हों युवा: रामगोविन्द चौधरी

लखनऊ। नेता प्रतिपक्ष रामगोविन्द चौधरी ने कहा किअपनी पीड़ा कहने के लिए दिल्ली आ रहे किसानों के साथ सरकार का पशुवत व्यवहार लोकतन्त्र को शर्मसार करने वाला है। इसकी जितनी भी निंदा की जाए कम है। उन्होंने शिक्षकों, बुद्धिजीवियों, कवियों, छात्रों, नवजवानों, कर्मचारियों, मजदूरों, बेरोजगारों और गैर कारपोरेट व्यवसासियों से कहा है कि वह इस लड़ाई में किसानों की मदद करने के लिए आगे आएं, नहीं तो यह सरकार खेती बारी के साथ ही देश को भी निगल जाएगी।

प्रसपा ने कांति सिंह को दिया समर्थन

लखनऊ। प्रगतिशील समाजवादी पार्टी लोहिया (प्रसपा)ने लखनऊ खंड शिक्षक स्नातक सीट के लिए निर्दलीय प्रत्याशी कांति सिंह को अपना समर्थन दे दिया है। इस बात की घोषणा शनिवार को प्रगतिशील समाजवादी पार्टी लोहिया के राष्ट्रीय महासचिव आदित्य यादव ने दी। आदित्य यादव ने बताया कि प्रगतिशील समाजवादी पार्टी लोहिया के शीर्ष नेतृत्व द्वारा सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया है कि पार्टी स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के लिए लखनऊ खंड से विधान परिषद सदस्य के लिए निर्दलीय प्रत्याशी कांति सिंह का समर्थन करेगी ।

धर्मांतरण की घटनाओं पर कानून स्वागत योग्य: स्वतंत्र देव सिंह

लखनऊ। बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने उप्र विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन अध्यादेश लागू होने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि धोखा देकर विवाह करने के बाद धर्मांतरण की घटनाओं पर कानून बनाकर राज्य की भाजपा सरकार ने स्वागत योग्य कार्य किया है। उन्होंने कहा कि इस कानून को बनाने के साथ भाजपा सरकार ने एक बार फिर यह साफकर दिया है कि राज्य में अराजकता व धोखा धड़ी को किसी भी रूप में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यह कानून न सिर्फसमाज में शान्ति कायम करने में मददगार होगा बल्कि लोगों के सम्मान की रक्षा भी हो सकेगी। इसके लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बधाई के पात्र हैं। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि न्यायालय के स्तर तक आए कई प्रकरणों, जांचों व रिपोर्ट में यह पाया गया है कि जानबूझकर साजिश के तहत उत्पीड़न के लिए लव जिहाद जैसे कुत्सित प्रयास प्रदेश सहित देश के अलग-अलग हिस्सों में किए गए हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार व मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राज्य की भाजपा सरकार महिलाओं के सम्मान, गरिमा व उनकी स्वतंत्रता की रक्षा के लिए कटिबद्ध है। विकास योजनाओं में महिलाओं को प्राथमिकता देना रहा हो या तीन तलाक जैसी शोषणकारी प्रथाओं का अंत रहा हो भाजपा सरकार ने अभूतपूर्व निर्णय लिए हैं। उन्होंने कहा मुख्यमंत्री की अगुवाई में लाए गए निर्णयों से प्रदेश में बल व छलपूवर्क धर्मांतरण, नाम या धर्म परिवर्तित कर प्रलोभन देने व अपराध करने की घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगेगा।

काले कानून के खिलाफ सपा किसानों के साथ: अखिलेश

- लव जिहाद कानून का विरोध करेगी समाजवादी पार्टी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि काले कानून के खिलाफ समाजवादी पार्टी किसानों की मांग का पूरा समर्थन करते हुए उनके साथ है। इसके साथ ही अखिलेश ने लव जिहाद कानून का भी खुलकर विरोध किया उन्होंने कहा कि हम इस कानून का विरोध करेंगे। अखिलेश ने कहा कि यदि भाजपा सरकार कानून बनाना चाहती है तो वह किसानों के धान क्रय व गन्ना मूल्य दिलवाने के लिए कानून बनाए। अखिलेश ने यह बात शनिवार को पार्टी मुख्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान कही। अखिलेश ने कहा कि किसानों पर इतना अन्याय कभी नहीं हुआ। अपनी जायज मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे किसानों पर आंसू गैस छोड़ना, वाटर कैनन से पानी की बौछार करना और लाठियां बरसाना कहां की सभ्यता है, यह तो सरकार का आतंकी हमला है। भाजपा ने इन्हीं किसानों से वादा किया था कि उनकी आय दुगनी करेंगे। लागत का ड्योढ़ा मूल्य देंगे। इन वादों का क्या हुआ। भाजपा राज में धान की लूट हुई, किसान को न्यूनतम समर्थन मूल्य भी नहीं मिला। जेवर एयरपोर्ट में अधिग्रहीत जमीन को ऊसर बंजर बताकर किसानों को मुआवजा नहीं बंट रहा है। पंजाब, हरियाणा ही नहीं उत्तर प्रदेश के किसान भी भाजपा की कुनीतियों से आंदोलित और आक्रोशित है। उन्होंने कहा कि किसान की मदद करनी है तो सरकार उनको बाजार के भरोसे नहीं छोड़े। उससे भलाई नहीं होगी। किसान और व्यापार का पुराना रिश्ता है। भाजपा ने खेती और व्यापार दोनों को बर्बाद किया है। मिसकाल व्यवस्था से भाजपा दुनिया की बड़ी पार्टी बनने का दावा तो करती है पर वह मिसकाल में उस जगह का पता नहीं बताती जहां किसान धान पहुंचाए, उसको फसल की सही कीमत मिले।

वर्चुअल वार्ता कर किसानों को सहयोग का दिया आश्वासन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शनिवार को तहसील महमूदाबाद सीतापुर में किसानों के साथ धरना दे रहे पूर्व विधायक, पूर्व मंत्री नरेन्द्र वर्मा से वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए वार्ता की। श्री वर्मा ने कहा कि किसानों की भाजपा सरकार में बड़ी दुर्दशा है। गन्ना किसानों का 11 हजार करोड़ रूपये बकाया है। उसका गन्ना तौला नहीं जा रहा है। खेती के काम आने वाले उपकरण, डीजल, खाद, कीट नाशक सभी मंहगे हैं। किसान को उसकी उपज का न्यूनतम समर्थन मूल्य नहीं मिल रहा है। अखिलेश यादव ने किसानों के संघर्ष में साथ देने का वादा किया। श्री यादव ने कहा किसानों की खेती पर संकट है। भाजपा सरकार के विरोध में किसान देशव्यापी आंदोलन कर रहे हैं। समाजवादी पार्टी उनके संघर्ष में साथ रहेगी।

अखिलेश ने दी कल्बे सादिक को श्रद्धांजलि

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से शनिवार को यूनिटी कालेज जाकर शिया धर्मगुरु कल्बे सादिक को श्रद्धांजलि दी और उनके परिवारीजनों से मिलकर हार्दिक संवेदना जताई।

इस मौके पर श्री सादिक के बेटे, दामाद तथा पौत्रों के अतिरिक्त कालेज स्टाफ के सदस्य भी मौजूद थे। अखिलेश यादव ने कल्बे सादिक को हिन्दू-मुस्लिम एकता का अग्रदूत बताते हुए कहा कि सामाजिक सद्भाव और सौहार्द बनाए रखने में उनका योगदान कभी भुलाया नहीं जाएगा। शिक्षा और चिकित्सा के क्षेत्र में उन्होंने प्रशंसनीय काम किया। दीनी तालीम के साथ आधुनिक और वैज्ञानिक शिक्षा पर विशेष बल देते थे। श्री यादव ने जनाब कल्बे सादिक को याद करते हुए कहा कि दुनिया भर में बतौर धर्मगुरु उनका सम्मान था। उनकी विद्वत्ता के सभी कायल थे। उनका निधन देश की क्षति है।

किसानों को मिलेगा आधुनिक खेती के लिए निशुल्क प्रशिक्षण: सिन्हा

कृषि उत्पादन आयुक्त ने किसान जागरूकता अभियान रथ को हरी झण्डी दिखाकर किया रवाना

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कृषि उत्पादन आयुक्त आलोक सिन्हा ने शनिवार को विधान भवन के सामने किसानों को जागरूक करने के लिए भू क्रान्ति प्रोड्यूसर कम्पनी लि. के किसान जागरूकता अभियान रथ को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। किसान जागरूकता अभियान रथ प्रथम चरण में उन्नाव, कानपुर, कन्नौज, फर्रूखबाद, मैनपुरी, एटा, कासगंज, इटावा, फिरोजाबाद, हाथरस, अलीगढ़, खुर्जा, बुलन्दशहर तथा गाजियाबाद जनपद में जाकर किसानों को जागरूक करेंगे।

आलोक सिन्हा ने कहा है कि किसान जागरूकता अभियान रथ के द्वारा किसानों को आत्मनिर्भर बनाने, आय में वृद्धि करने के उपाय तथा उत्पादों का प्रसंस्करण कर उचित मूल्य दिलाने के लिए जागरूक किया जायेगा। उन्होंने कहा कि इस अभियान द्वारा युवा शक्ति कों कृषि उद्यमिता विकास के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाने एवं महिला सशक्तीकरण के तहत स्वयं सहायता समूह गठित करने के लिए जागरूक किया जायेगा। महिलाओं को नि:शुल्क प्रशिक्षण दिलाकर पुष्टाहार तैयार करने में मदद की जायेगी। उन्होंने कहा कि किसानों को जलवायु एवं वातावरण को प्रदूषण मुक्त बनाने, कृषि अवशेषों को न जलाने तथा खेतों के लिए जैविक खाद बनाने की जानकारी दी जायेगी। उन्होंने कहा कि किसानों को पशु बीमा, जैविक खाद, औषधि खेती अपनाकर आय को दुगुनी करने तथा फसल का अधिक उत्पादन पाने के लिए मृदा परीक्षण की जानकारी दी जायेगी।

कृषि उत्पादन आयुक्त ने बताया कि किसान जागरूकता रथ द्वारा किसानों को कृषि वैज्ञानिकों द्वारा आधुनिक खेती के लिए निशुल्क प्रशिक्षण एवं जल संरक्षण की जानकारी दी जायेगी। उन्होंने बताया कि किसानों को टिसू कल्चर के पौधे चन्दन, केला, आम, सागौन, पपीता आदि की खेती के लिए पौधे उपलब्ध कराये जायेंगे तथा खाद, बीज एवं दवाइयों का कमीशन मुक्त वितरण कराना भी सुनिश्चित दिया जायेगा। श्री सिन्हा ने कहा इस जागरूकता अभियान द्वारा निश्चित ही किसानों को बहुत लाभ होगा एवं उनकी आय को बढ़ाने में भी सहयोग प्रदान किया जायेगा। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव कृषि देवेश चतुर्वेदी तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

तबादले के बाद भी जमे पुलिसकर्मियों को तत्काल किया जाए कार्यमुक्त: डीजीपी

लखनऊ। प्रदेश के डीजीपी हितेश चंद्र अवस्थी ने निर्देश दिए हैं कि पूर्व में स्थानांतरित किए गए पुलिस कर्मियों को नियमानुसार कार्यमुक्त कर दिया जाए। डीजीपी ने सभी जिलों के पुलिस अधीक्षकों को जारी किए गए परिपत्र में इस पर गंभीरता से अमल करने के निर्देश दिए हैं। डीजीपी ने कहा है कि अक्सर देखने में आ रहा है कि पुलिस कर्मी स्थानांतरण के बाद कार्यमुक्त होने के लिए याचिकाएं कर रहे हैं। उच्च न्यायालय द्वारा ऐसे मामलों में विभागीय आदेशों को निरस्त कर दिया जा रहा है। डीजीपी ने कहा है कि कुछ मामले तो ऐसे हैंए जिनमें एक वर्ष से अधिक बीत जाने पर भी वे कार्यमुक्त नहीं किए गए। जहां भी समस्या है वहां स्पष्ट कारण बताते हुए आदेश जारी किया जाए कि किन कारणों से कार्यमुक्त नहीं किया जा रहा। अगर ऐसी स्थिति है तो समीक्षा कर पुराने तबादला आदेश निरस्त कर दिया जाएं।

पूर्व सांसद विजेंद्र सिंह समेत बसपा कांग्रेस के कई नेता सपा में शामिल

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी की नीतियों और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के नेतृत्व के प्रति आस्था जताते हुए शनिवार को बसपा और कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता, पूर्व सांसद, विधायक एवं ग्राम प्रधन समाजवादी पार्टी में शामिल हो गए। सपा में शामिल हुए नेताओं का स्वागत करते हुए अखिलेश यादव ने आशा जताई कि आने वाले समय में वे समाजवादी पार्टी की बड़ी ताकत बनेंगे और भाजपा को हराने में सहयोगी की भूमिका में होंगे।

सपा में शामिल होने वाले लोगों में अलीगढ़ के पूर्व सांसद विजेन्द्र सिंह (कांग्रेस), बसपा के पूर्व विधायक जमीरउल्ला, सहारनपुर के पूर्व कैबिनेट मंत्री चौधरी लियाकत अली के अतिरिक्त सगीर अहमद, लोधी, राकेश राजपूत एटा, रामदुलारे भार्गव पूर्व ब्लाक प्रमुख सिधौली, अब्दुल रशीद खां पूर्व ब्लाक प्रमुख बलहा नानपारा, दीपू यादव प्रदेश अध्यक्ष शिक्षक संघ, विष्णु जाटव, कृष्ण कुमार एडवोकेट जेवर, सुनील राजवंशी, जोनल इंचार्ज बसपा, मजाहिर राणा, सहारनपुर, कपिल शर्मा, मोहित बंसल, इंद्रदेव चौहान, अलीगढ़, लोकेश चैधरी तथा बृजेश गौतम, गोरखपुर अपने सैकड़ों समर्थक साथियों के साथ समाजवादी पार्टी में शामिल हो गए।

इनके अतिरिक्त अर्जुन सिंह भोलू अध्यक्ष प्रधान संगठन, अलीगढ़ के साथ 40 प्रधानों ने भी समाजवादी पार्टी की सदस्यता ली। उनके साथ राष्ट्रीय बजरंग दल के भी कई नेता समाजवादी पार्टी में शामिल हुए। बसपा छोड़कर सुरेश गौतम पूर्व जिला प्रभारी देवरिया, गुड्डु चौधरी एवं संजय भारती बलिया भी समाजवादी पार्टी में शामिल हुए।

एदियुरप्पा के राजनीतिक सचिव ने किया आत्महत्या का प्रयास

अस्पताल में भर्ती

भाषा। बेंगलुरु

कर्नाटक के मुख्यमंत्री बी एस एदियुरप्पा के राजनीतिक सचिव एवं रिश्तेदार एन आर संतोष की हालत अब स्थिर है और उन्हें एक या दो दिन में अस्पताल से छुट्टी दे दी जाएगी। संतोष को कथित तौर पर आत्महत्या की कोशिश करने के बाद शुक्रवार देर रात अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उनका उपचार कर रहे चिकित्सकों ने शनिवार को यह जानकारी दी। सूत्रों के अनुसार संतोष ने शुक्रवार रात नींद की गोलियां खा कर आत्महत्या की कोशिश की थी। सूत्रों ने बताया कि संतोष को यहां डॉलर्स कॉलोनी स्थित आवास पर बेहोशी की हालत में पाए जाने के बाद परिजन उन्हें तत्काल रमैया मेमोरियल अस्पताल ले कर गए।अस्पताल के अध्यक्ष डॉ नरेश शेट्टी ने एक बयान में कहा कि संतोष (31) ने कथित तौर पर शाम सात बजे नींद की गोलियां खाईं और उन्हें रात के 8.30 बजे अस्पताल लाया गया था। उन्होंने कहा कि अस्पताल में भर्ती किए जाने के वक्त वह नींद में थे, उनकी सभी जरूरी जांच की गई और उचित उपचार दिया गया। उन्होंने कहा, वह नींद आने के लिए कभी-कभी गोलियां खाते थे। उन्होंने बताया कि सुबह से मरीज की हालत स्थिर है। उन्होंने नाश्ता भी किया है और वह खुश हैं। उन्होंने बताया कि आज दोपहर बाद उन्हें वार्ड में स्थानांतरित करने की योजना है। अस्पताल के आईसीयू विशेषज्ञ डॉ दीपक ने संवाददाताओं को बताया कि संतोष की हालत अब स्थिर है, वह नींद में नहीं हैं, और उनका रक्तचाप, स्पंद दर और हृदयगति आदि ठीक है। एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि संतोष ने नींद की गोली एल्प्राजोलम खाई थी। संतोष को अस्पताल में भर्ती किए जाने के बाद एदियुरप्पा कल रात अस्पताल पहुंचे और उनका हालचाल जाना। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, आज सुबह हम 45 मिनट तक साथ-साथ टहले। कल भी मैंने देखा कि वह खुश थे। मुझे नहीं पता कि ऐसा क्यों हुआ। मैं पता करूंगा और उनके परिवार से बात करूंगा। पुलिस सूत्रों ने बताया कि सदाशिवनगर पुलिस ने संतोष के खिलाफ कथित तौर पर आत्महत्या की कोशिश करने का मामला दर्ज किया है। उन्होंने कहा कि उनके ठीक होने के बाद चिकित्सकों से परामर्श लेकर पुलिस उनसे पूछताछ करेगी।पुलिस ने संतोष की पत्नी जाह्नवी के बयान दर्ज कर लिए हैं। जाह्नवी ने संवाददताओं से बातचीत में वैवाहिक जीवन में किसी प्रकार की परेशानी की बात को खारिज किया और कहा कि कुछ राजनीतिक असंतुलन है, जिसे उन्होंने अपने दिल से लगा लिया है। उन्होंने बताया, वह सुबह (कल) से ही परेशान थे, वह शाम को बाहर गए थे और शाम करीब सात बजे लौट आए थे। वह ऊपर की मंजिल पर थे। जब मैं उन्हें रात में खाना खाने के लिए बुलाने गई तो वह बात करने की हालत में नहीं थे और अचेत हो रहे थे। संतोष को इस वर्ष मई में मुख्यमंत्री का राजनीतिक सचिव नियुक्त किया गया था। उन्होंने एदियुरप्पा के विपक्ष का नेता और भाजपा की प्रदेश इकाई का अध्यक्ष रहने के दौरान उनके निजी सहायक के तौर पर भी काम किया था।

ऐसी खबरें थीं कि एदियुरप्पा के कुछ खास लोगों से कथित मतभेद के चलते संतोष मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव के पद से इस्तीफा दे सकते हैं। मुख्यमंत्री के बेटे एवं भाजपा की राज्य इकाई के उपाध्यक्ष बी वाई विजएन्द्र ने कहा कि वे इस घटना से स्तब्ध हैं। उन्होंने कहा, वह ठीक हो रहे है.... हम बाद में उनसे इस घटना पर बात करेंगे...मैं अटकलों का जवाब नहीं देना चाहता। मैंने मीडिया में देखा है कि उनका इस्तीफा मांगा गया है, बेमतलब की चर्चा करने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री फैसला करेंगे कि किसे क्या पद दिया जाना चाहिए।संतोष के बारे में कहा जाता है कि उन्होंने पिछले साल राज्य में हुए राजनीतिक उथल-पुथल के दौरान अहम भूमिका निभाई थी। इसके बाद कांग्रेस-जद (एस) के कई विधायक बागी हो गए थे और आखिरकार राज्य की एच डी कुमारस्वामी नीत सरकार गिर गई थी और येदियुरप्पा के नेतृत्व में भाजपा सत्ता में आई थी।

कर्नाटक कांग्रेस ने जांच की मांग की

बेंगलुरू। कर्नाटक कांग्रेस ने मुख्यमंत्री बी एस एदियुरप्पा के राजनीतिक सचिव एन आर संतोष के आत्महत्या के कथित प्रयास की जांच की मांग शनिवार को की ताकि सच्चाई सामने आ सके। पार्टी ने दावा किया कि कुछ गोपनीय मामले इससे जुड़े हुए हैं।कांग्रेस के राज्य अध्यक्ष डी. के. शिवकुमार ने आरोप लगाया कि कुछ वीडियो संतोष की आत्महत्या के प्रयास के कारण हो सकते हैं जो निजी प्रकृति के हैं। बताया जाता है कि इस वीडियो को लेकर वह परेशान थे।उन्होंने विधान परिषद के एक सदस्य और एक मंत्री पर भी मुख्यमंत्री को ब्लैकमेल करने के आरोप लगाए।बहरहाल, मंत्री आर. अशोक और के एस ईश्वरप्पा ने शिवकुमार के बयान को भ्रमित करने वाला, काल्पनिक और निराधार बताया।शिवकुमार ने कहा, मुझे कुछ चीजों के बारे में जानकारी है, एक विधान पार्षद और एक मंत्री को वीडियो दिया गया, जिन्होंने इसे दिल्ली के नेताओं को दिया...मुझे दो-तीन महीने पहले चीजों की जानकारी हुई। उन्होंने कहा, विधान पार्षद और मंत्री द्वारा कुछ दिनों पहले दिल्ली के (भाजपा) नेताओं को वीडियो दिए जाने के बाद, बताया जाता है कि वह (संतोष) निराश थे। मैं यह नहीं कह सकता कि यह कितना सत्य है। कारवार में संवाददाताओं से बात करते हुए उन्होंने महज इतना ही कहा कि इसकी जांच होनी चाहिए लेकिन अगर इस सरकार के मातहत कोई एजेंसी जांच करती है तो यह निरर्थक होगा।उन्होंने कहा, कुछ गोपनीय बातें शामिल हैं, ब्लैकमेलिंग हुई, विधान पार्षद और मंत्री ने मुख्यमंत्री एवं अन्य को ब्लैकमेल किया, कई लोगों ने मुझे फोन से यह जानकारी दी। उन्होंने कहा, मुझे नहीं पता कि यह कितना सत्य है। संतोष को कल रात कथित तौर पर आत्महत्या का प्रयास करने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया और अब उनकी हालत स्थिर है।उन्होंने नींद की गोलियां खाकर आत्महत्या का प्रयास किया था।शिवकुमार के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए राजस्व मंत्री आर. अशोक ने कहा कि राज्य कांग्रेस के अध्यक्ष इस तरह के झूठे आरोप लगाते रहते हैं और आजकल वे इस तरह के ज्यादा से ज्यादा, मनगढ़ंत बयान दे रहे हैं।

नई दिल्ली जंतर मंतर पर भाजपा नेता व कार्यकर्ता गुपकर गैंग के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए

पूनियां ने विधायक का वीडियो साझा कर कांग्रेस पर निशाना साधा

भाषा। जयपुर

● पूनियां ने वीडियो साझा करते हुए लिखा, हम बोलेंगे तो बोलोगे कि बोलता है..

राजस्थान में गहलोत सरकार की स्थिरता को लेकर कांग्रेस व भाजपा नेताओं के बीच जारी बयानबाजी के बीच भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनियां ने कहा है कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को अपनी ही पार्टी के एक विधायक के बयान को देखना चाहिए कि राजस्थान में हार्स ट्रेडिंग किसने की है? पूनियां ने शुक्रवार को एक वीडियो ट्विटर पर साझा किया जिसमें कांग्रेस विधायक महेंद्रजीत मालवीय कथित तौर पर यह कहते सुनाई दे रहे हैं कि भारतीय ट्राइबल पार्टी (बीटीपी) के दो विधायकों ने सरकार का समर्थन करने के लिए 10 करोड़ रुपए लिए।मालवीय जनसभा में दिए अपने भाषण में कथित तौर पर कह रहे हैं कि बीटीपी के विधायकों ने राज्यसभा चुनाव व बाद के राजनीतिक संकट के दौरान कांग्रेस सरकार का समर्थन करने के लिए पांच-पांच करोड़ रुपए लिए। पूनियां ने वीडियो साझा करते हुए लिखा, हम बोलेंगे तो बोलोगे कि बोलता है... मुख्यमंत्री गहलोत जी ,घोड़ा खरीदै या आपके शब्दों में बकरा मंडी जो भी है, पर कृपया प्रकाश डालेंअ भाषण देने वाले कांग्रेस के शीर्ष नेता आपकी बाडेबंदी के दौरान मेरे द्वारा उठाए गए सवालों की पुष्टि कर रहे हैं। इस वीडियो व मालवीय के बयान के बारे में प्रतिक्रिया के लिए मालवीय व बीटीपी के विधायक रामप्रसाद और राजकुमार रौत से संपर्क नहीं हो सका।

अन्वय नाइक आत्महत्या मामले में जल्द दाखिल किया जाएगा आरोप-पत्र : अनिल देशमुख

नागपुर। महाराष्ट्र के गृह मंत्री अनिल देशमुख ने शनिवार को कहा कि आर्किटेक्ट एवं इंटीरियर डिजाइनर अन्वय नाइक आत्महत्या मामले में आरोप-पत्र जल्द ही दाखिल किया जाएगा। गौरतलब है कि इस मामले में पत्रकार अर्नब गोस्वामी आरोपी हैं। गोस्वामी के अलावा दो अन्य लोग भी 2018 में नाइक और उनकी मां को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोपी हैं। देशमुख ने यहां संवाददाताओं को बताया, अन्वय नाइक खुदकुशी मामले की जांच अदालत से इजाजत मिलने के बाद ही की जा रही है। इस मामले में अर्नब गोस्वामी आरोपी हैं। मामले में आरोप-पत्र जल्द ही दाखिल किया जाएगा। उच्चतम न्यायालय ने एक दिन पहले ही गोस्वामी और दो अन्य की अंतरिम जमानत की अवधि चार हफ्ते तक बढ़ा दी थी और कहा था कि न्यायपालिका को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि फौजदारी कानून मनमाने तरीके से उत्पीड़न का हथियार नहीं बने। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को कहा कि पहली नजर में प्राथमिकी के आकलन से अर्नब गोस्वामी और दो अन्य के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने की खातिर जरूरी तथ्य स्थापित नहीं होते हैं। रिपब्लिक टीवी के प्रधान संपादक गोस्वामी, नीतीश सारदा और फिरोज मोहम्मद शेख को महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले की अलीबाग पुलिस ने आर्किटेक्ट और इंटीरियर डिजायनर अन्वय नाइक और उनकी मां को 2018 में आत्महत्या के लिए कथित रूप से उकसाने के मामले में चार नवंबर को गिरफ्तार किया था। आरोप है कि इन लोगों की कंपनियों ने नाइक की कंपनी को देय शेष धनराशि का भुगतान नहीं किया था। अंतरिम जमानत मिलने के बाद 11 नवंबर को गोस्वामी जेल से बाहर आ गए थे।

भोपाल में आयोजित दीपावली मिलन समारोह के दौरान सभा को संबोधित करते राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह

शुभेंदु अधिकारी के संपर्क में है भाजपा, पार्टी में शामिल होने पर अभी कोई निर्णय नहीं

भाषा। कोलकाता

भारतीय जनता पार्टी का केंद्रीय नेतृत्व, तृणमूल कांग्रेस के असंतुष्ट नेता शुभेंदु अधिकारी के संपर्क में है जिन्होंने ममता बनर्जी के मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया है। हालांकि अभी तक अधिकारी के भाजपा में शामिल होने पर कोई निर्णय नहीं लिया गया है। सूत्रों ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि भाजपा के कुछ नेताओं और अधिकारी के बीच अच्छे संबंध हैं लेकिन पार्टी में शामिल होने को लेकर उनकी शर्तों पर अभी कोई बातचीत नहीं हुई है। भाजपा के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि तृणमूल के कद्दावर नेता के पास ज्यादा विकल्प नहीं हैं इसलिए भाजपा को उम्मीद है कि अधिकारी पार्टी में शामिल हो जाएंगे। नाम उजागर न करने की शर्त पर भाजपा नेता ने कहा, हम शुभेंदु अधिकारी के संपर्क में हैं। हमारे उनसे अच्छे संबंध हैं लेकिन पार्टी में शामिल होने को लेकर अभी तक कोई निर्णय नहीं लिया गया है। स्थिति स्पष्ट होने के लिए हमें कुछ दिन और इंतजार करना पड़ेगा। हालांकि, अधिकारी ने ममता बनर्जी मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया है लेकिन उन्होंने तृणमूल कांग्रेस या विधायक के पद से इस्तीफा नहीं दिया है। भाजपा नेता ने कहा, मंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद अधिकारी के लिए तृणमूल कांग्रेस में बने रहना कठिन होगा। इसलिए उनके सामने नई पार्टी बनाने या भाजपा का कांग्रेस में शामिल होने का ही विकल्प है। उन्होंने कहा, नई पार्टी बनाने के लिए ढेर सारा पैसा और मानव संसाधन की जरूरत होती है। इस समय यह संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस बंगाल में बहुत कमजोर है इसलिए अधिकारी के पास भाजपा में शामिल होने का ही विकल्प बचता है। उन्होंने कहा, हमें लगता है कि यही हमारे लिए और अधिकारी के लिए सबसे ज्यादा फायदे की बात होगी।

ईसीएल के सुरक्षा अधिकारी की अस्पताल में मौत

भाषा। कोलकाता

● सीबीआई की तलाशी के दौरान बीमार पड़ गए थे कोलफील्डस लिमिटेड के अधिकारी

अपने निवास पर सीबीआई की तलाशी के दौरान बीमार पड़ गए ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (ईसीएल) के एक सुरक्षा अधिकारी की शनिवार को मौत हो गई। ईसीएल सूत्रों ने बताया कि पश्चिम बंगाल के पश्चिम बर्धमान जिले में रानीगंज के कुनुसटोरिया इलाके में इस सरकारी कंपनी के सुरक्षा निरीक्षक धनंजय रॉय तब बीमार पड़ गए, जब तलाशी अभियान चल रहा था। सूत्रों के अनुसार उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी मृत्यु हो गई। अधिकारियों ने बताया कि कथित कोयला चोर के खिलाफ मामला दर्ज करने के बाद केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) शनिवार को चार राज्यों में 45 स्थानों पर तलाशी कर रहा है। यह चोर ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (ईसीएल) के दो महाप्रबंधकों एवं तीन सुरक्षाकर्मियों के साथ साठगांठ कर चोरी के धंधे में कथित रूप से लगा था। सीबीआई ने बताया कि यह तलाशी पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड और उत्तर प्रदेश में हो रही है। अधिकारियों ने बताया कि जांच एजेंसी ने शुक्रवार को आरोपी अनूप मांझी और अन्य लोगों के विरूद्ध मामला दर्ज किया था जिनमें ईसीएल, रेलवे और सीआईएसएफ के कुछ कर्मी शामिल हैं। अधिकारियों के अनुसार आरोप है कि मांझी उर्फ लाला कुनुसटोरिया और कजोरा इलाकों में लीज होल्ड खदानों से कोयले के अवैध खनन एवं उसकी चोरी के धंधे में कथित रूप से लगा हुआ था।

अकबरुद्दीन ओवैसी और संजय कुमार पर मामला दर्ज हुआ

भाषा। हैदराबाद

● प्रदेश भाजपा अध्यक्ष और सांसद संजय कुमार ने अकबरुद्दीन ओवैसी का नाम लिए बिना कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा था कि अगर ओवैसी में दम है तो वह समाधियों को तोड़कर दिखाएं।

ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के नेता अकबरुद्दीन ओवैसी और तेलंगाना प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बंदी संजय कुमार के खिलाफ शनिवार को मामला दर्ज किया गया। ओवैसी पर पूर्व प्रधानमंत्री पी वी नरसिंह राव और तेदेपा संस्थापक एन टी रामा राव की समाधियों के बारे में टिप्पणी करने के लिए मामला दर्ज किया गया। ओवैसी की टिप्पणी का जवाब देने के लिए कुमार पर मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने बताया कि इन दोनों पर भारतीय दंड संहिता की धारा 505 के तहत मामला दर्ज किया गया। ओवैसी ने 25 नवंबर को कहा था कि अगर जलाशयों के पास रहने वाले गरीब लोगों को हटाया जा सकता है तो क्या हुसैन सागर झील के किनारे स्थित पी वी नरसिंह राव और एन टी रामा राव की समाधियों को भी हटाया जाएगा। उनके इस बयान को सत्तारूढ़ दल तेलंगाना राष्ट्र समिति और भाजपा ने अनुचित बताया था और माफी की मांग की थी। ओवैसी ने यहां बुधवार को एक जनसभा में कहा था कि जब हुसैन शाह वली द्वारा झील का निर्माण कराया गया था, तब इसका किनारा 4,700 एकड़ में फैला था लेकिन अब यह सिमट कर 700 एकड़ से भी कम रह गया है। उन्होंने कहा था कि झील के किनारे सड़क, दुकानें, लुंबिनी पार्क और दो नेताओं की समाधियां बन गई हैं। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष और सांसद बंदी संजय कुमार ने अकबरुद्दीन ओवैसी का नाम लिए बिना कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा था कि अगर ओवैसी में दम है तो वह समाधियों को तोड़कर दिखाएं।

क्विक न्यूज

किसानों की समस्याओं को नजरअंदाज कर रही उद्धव सरकारः देवेंद्र फडणवीस

मुंबई। भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस ने शनिवार को महाराष्ट्र सरकार पर राज्य के किसानो की समस्याओ को नजरअंदाज करने और मराठा आरक्षण के मुद्दे पर विफल रहने का आरोप लगाया। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार किसानों को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने में विफल रही है। शनिवार को महा विकास आघाडी सरकार के कार्यकाल का एक साल पूरा हुआ। फडणवीस ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, ठाकरे सरकार किसानों को वित्तीय सहायता देने में विफल रही है। सरकार ने पूरी तरह उनकी समस्याओं को नजरअंदाज किया है। कीड़ों के हमले से कपास, सोयाबीन की फसले नष्ट हो गई लेकिन किसानो को कोई सहायता नही दी गई। उन्होंने कहा, यह सरकार मराठा आरक्षण पर भी विफल हुई है। फडणवीस ने कहा, राज्य के कुछ मंत्री, मराठा आरक्षण के मुद्दे पर जानबूझकर विरोधाभासी बयान दे रहे हैं। वह सरकार की नाकामी को छुपाने के लिए ऐसा कर रहे है। यह सरकार जानबूझकर उच्चतम न्यायालय में हीला हवाली कर रही है। भाजपा नेता ने यह भी कहा कि उन्होंने उद्धव ठाकरे को छोड़कर महाराष्ट्र में ऐसे मुख्यमंत्री कभी नही देखे जो विपक्ष को इतना धमकाते हों। फडणवीस ने कहा कि उद्धव ठाकरे द्वारा सामना (शिवसेना के मुखपत्र) को हाल ही मे दिया गया साक्षात्कार उस संवैधानिक पद के अनुकूल नही था जिस पर वह है। उन्होंने कहा कि उच्चतम न्यायालय और बंबई उच्च न्यायालय के हालिया फैसले राज्य की चरमराती व्यवस्था बताने के लिए पर्याप्त हैं।

उद्धव ठाकरे के खिलाफ टिप्पणी पर संजय राउत ने देवेंद्र फडणवीस पर पलटवार किया

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे पर अपने विरोधियो को धमकाने का आरोप लगाने पर शिवसेना के सांसद संजय राउत ने शनिवार को पूर्व मुख्यमंत्री एवं भाजपा नेता देवेन्द्र फडणवीस पर पलटवार किया।इससे पहले फडणवीस ने संवाददाताओं से बातचीत में आरोप लगाया था कि उन्होंने महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे को छोड़कर कोई ऐसा मुख्यमंत्री नही देखा जो विपक्ष को इतना धमकाता हो। उनका कहना था कि उनका (मुख्यमंत्री का) हाल में सामना (शिवसेना के मुखपत्र) में दिया गया साक्षात्कार जिस संवैधानिक पद पर वह विराजमान है उसके मुताबिक नही है। राउत ने कहा, जब वह मुख्यमंत्री थे तो फडणवीस ने धमकी दी थी कि उनके पास सभी (राजनीतिक विरोधियों) की कुंडली है। यह किस तरह की भाषा है? उन्होंने राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाने की फडणवीस की मांग पर भी प्रहार किया।राउत ने पूछा, वह (इस तरह की मांग कर) किस तरह का मिसाल कायम करना चाहते हैं? अभिनेत्री कंगना रनौत मामले में शुक्रवार को बंबई उच्च न्यायालय के फैसले के बारे में पूछने पर राउत ने कहा, अवैध निर्माण को ध्वस्त किए जाने को कैसे अवैध कहा जा सकता है?

ठंडे मौसम के बावजूद मतदाताओं को डीडीसी चुनाव में भाग लेते देखना उत्साहजनकः उमर

श्रीनगर। नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने शनिवार को कहा कि ठंडे मौसम के बावजूद मतदाताओं का बाहर आकर जिला विकास परिषद (डीडीसी) चुनाव में हिस्सा लेते देखना काफी उत्साहजनक है।अब्दुल्ला का यह बयान आठ चरण मे होने वाले डीडीसी चुनाव के पहले चरण और पंचायत उपचुनाव के लिए हो रहे मतदान के बीच आया है। उन्होंने ट्वीट किया, ठंडे मौसम के बावजूद मतदाताओं का बाहर आकर जिला विकास परिषद (डीडीसी) चुनाव मे हिस्सा लेते देखना काफी उत्साहजनक है। मै उम्मीद करता हूं कि दिन बढ़ने के साथ ही और लोग मतदान के लिए निकलेंगे। घाटी मे तेज ठंड के कारण सुबह मतदान की रफ्तार धीमी रही लेकिन दिन बढ़ने के साथ इसमे तेजी देखी गई।

जम्मू कश्मीर में डीडीसी के चुनाव हो जाने तक उसके एक्जिट पोल पर रोक लगाई गई

जम्मू। जम्मू कश्मीर मे प्रदेश चुनाव आयोग (एसईसी) ने आठ चरणो मे हो रहे जिला विकास परिषद के चुनाव के संपन्न हो जाने तक एक्जिट पोल पर शनिवार को पाबंदी लगा दी। एक सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि प्रदेश चुनाव आयुक्त के के शर्मा ने इस आशय का आदेश जारी किया। जम्मू कश्मीर मे पंचायत उपचुनाव के साथ ही डीडीसी चुनाव शनिवार को शुरू हुए। शर्मा ने अपने आदेश में कहा, जम्मू कश्मीर पंचायती राज अधिनियम, 1989 के तहत प्रदत्त शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए चुनाव प्राधिकरण (प्रदेश चुनाव आयोग) वर्तमान डीडीसी चुनाव के 19 दिसंबर, को दो बजे आखिरी चरण के पूरा हो तक एक्जिट पोल करने या उनके परिणाम का प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया द्वारा प्रसारण एवं प्रकाशन करने पर रोक लगाता है।

शुभेंदु अधिकारी के साथ बातचीत के लिए दरवाजे अब भी खुले हैंः तृणमूल कांग्रेस

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस के सांसद सौगत रॉय ने शनिवार को कहा कि शुभेंदु अधिकारी के साथ बातचीत के दरवाजे अब भी खुले हुए है। अधिकारी ने पश्चिम बंगाल के कैबिनेट मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। तृणमूल आलाकमान ने अधिकारी से बातचीत करने की जिम्मेदारी वरिष्ठ नेता रॉय को सौंपी है। उन्होंने उम्मीद जताई कि पार्टी का नेतृत्व अधिकारी से बात करेगा। रॉय ने कहा, शुभेंदु से बातचीत करने के लिए दरवाजे अब भी खुले हैं। उनके साथ चर्चा होनी चाहिए। मुझे उम्मीद है कि पार्टी नेतृत्व और शुभेंदु के बीच संवाद होगा। अधिकारी के पिता और कंठी से सांसद शिशिर कुमार अधिकारी के साथ रॉय के अच्छे संबंध हैं। रॉय ने कहा, शुभेंदु की मां की तबीयत भी ठीक नही है इसलिए उनके स्वस्थ होने तक बातचीत टल सकती है। शुभेंदु, तृणमूल आलाकमान से कुछ मुद्दो को लेकर नाराज चल रहे हैं। वह पिछले कुछ समय से गैर राजनीतिक रैलियां कर रहे थे और राज्य मंत्रिमंडल की बैठकों मे भी हिस्सा नही ले रहे थे। उन्होंने शुक्रवार को मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था।

राहुल ने वाम दलों के साथ गठबंधन पर चर्चा के लिए बंगाल कांग्रेस के नेताओं के साथ आनलाइन बैठक की

कोलकाता। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को पार्टी की पश्चिम बंगाल इकाई के नेताओं के साथ आनलाइन बैठक की और 2021 में होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए वाम दलों के साथ गठबंधन के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। प्रदेश कांग्रेस के नेताओ के अनुसार दोनो दलो के बीच सीटों के तालमेल के बारे में राहुल ने जानकारी ली। बैठक के दौरान प्रदेश कांग्रेस नेतृत्व ने पार्टी का वाम दलों के साथ गठबंधन की वकालत की लेकिन सीटों के बंटवारे के मसले पर कुछ वरिष्ठ सदस्यों की राय अलग थी। कुछ सदस्यों ने कहा कि किसी निर्णय पर पहुंचने से पहले पार्टी को हालिया संपन्न बिहार विधानसभा चुनावों से सबक लेनी चाहिए जहां पार्टी को केवल 19 सीटों पर सफलता मिली। प्रदेश में कांग्रेस ने 70 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे थे। पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने कहा, हमने राहुल गांधी जी से कहा कि पूरी प्रदेश इकाई राज्य में वाम दलों के साथ गठबंधन के पक्ष में है लेकिन सीटों के बंटवारे पर बातचीत अभी शुरू नही हुई है। बंगाल में तृणमूल कांग्रेस एवं भाजपा को हराने के लिए वाम-कांग्रेस गठजोड़ सबसे बेहतर विकल्प है।

कोरोना के 41,322 नए मामले, 485 की मौत

● देश में कोविड 19 से मृतक संख्या बढ़कर 1,36,200 हो गई

भाषा। नई दिल्ली

देश में एक दिन में कोरोना वायरस के 41,322 नए मामले सामने आने के साथ संक्रमण के मामले 93.51 लाख के पार चले गए। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से शनिवार को सुबह आठ बजे जारी किए गए अद्यतन आंकड़ों के मुताबिक अब तक 87,59,969 लोग संक्रमण मुक्त हो चुके हैं तथा ठीक होने वाले लोगों की राष्ट्रीय दर बढ़कर 93.68 फीसदी हो गई।

आंकड़ों के मुताबिक संक्रमण के कुल मामले 93,51,109 हैं जबकि 485 और संक्रमितों की मौत होने से मृतक संख्या बढ़कर 1,36,200 हो गई। कोरोना वायरस से संक्रमित 4,54,940 लोगों का इलाज चल रहा है। लगातार 18वें दिन उपचाराधीन मामलों की संख्या पांच लाख से कम बनी हुई है। इलाज करवा रहे मरीजों की संख्या संक्रमण के कुल मामलों का 4.87 फीसदी है। कोरोना वायरस के कारण मरने वालों की दर 1.46 फीसदी है। भारत में सात अगस्त को संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त को 30 लाख और पांच सितम्बर को 40 लाख के पार चली गई थी। वहीं, कुल मामले 16 सितम्बर को 50 लाख, 28 सितम्बर को 60 लाख, 11 अक्टूबर को 70 लाख, 29 अक्टूबर को 80 लाख और 20 नवम्बर को 90 लाख के पार चले गए थे। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान संस्थान (आईसीएमआर) के मुताबिक 27 नवंबर तक 13.82 करोड़ नमूनों की जांच की जा चुकी है जिनमें से 11,57,605 नमूनों की जांच शुक्रवार को की गई। पिछले एक दिन में संक्रमण से मौत के 485 नए मामलों में 98 दिल्ली से, 85 महाराष्ट्र से, 46 पश्चिम बंगाल से, 29 हरियाणा से, 27 पंजाब से और उत्तर प्रदेश तथा केरल से 23-23 मामले सामने आए हैं। देश में अब तक मौत के कुल 1,36,200 मामलों में 46,898 महाराष्ट्र से, 11,738 कर्नाटक से, 11,681 तमिलनाडु से, 8,909 दिल्ली से, 8,270 पश्चिम बंगाल से, 7,697 उत्तर प्रदेश से, 6,976 आंध्र प्रदेश से, 4,737 पंजाब से, 3,938 गुजरात से और 3,224 मध्य प्रदेश से आए हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि जिन लोगों की मौत हुई है, उनमें से 70 प्रतिशत से ज्यादा मामलों में मरीजों को अन्य बीमारियां भी थीं। मंत्रालय ने अपनी वेबसाइट पर बताया कि उसके आंकड़ों का आईसीएमआर के आंकड़ों के साथ मिलान किया जा रहा है।

मिग-29 के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद लापता पायलट की तलाश जारी

मुंबई। भारतीय नौसेना के मिग-29के लड़ाकू विमान के अरब सागर में दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद से लापता पायलट निशांत सिंह की तलाश जारी है। पश्चिमी नौसेना कमान के एक प्रवक्ता ने शनिवार को यह जानकारी दी। प्रवक्ता ने कहा कि पायलट कमांडर निशांत सिंह की खोज में और अधिक जमीनी यंत्र और विमान लापता लगाए गए हैं। अधिकारियों ने कहा था कि रूसी मूल के लड़ाकू विमान ने विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रमादित्य से उड़ान भरी थी और बृहस्पतिवार शाम करीब 5 बजे नीचे गिर गया। भारतीय नौसेना के अधिकारियों ने शुक्रवार को कहा था कि विमान के एक पायलट को बचा लिया गया, जबकि कमांडर निशांत सिंह के लिए तलाशी अभियान जारी है। आईएनएस विक्रमादित्य मालाबार अभ्यास के दूसरे चरण का हिस्सा था जिसमें भारत, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान की नौसेनाएं शामिल थीं।

अमृतसर स्थित स्वर्ण मंदिर में सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानक देव के 551 जन्मोत्सव के अवसर पर आयोजित नगर कीर्तन में शामिल लोग

इथेनॉल की सरकारी मांग से चीनी मिलों में उत्पादन बढ़ा

भाषा। मुंबई

इथेनॉल पर केंद्र के जोर से ऐसा प्रतीत होता है कि चीनी मिलों ने गन्ना पेराई का काम बढ़ा दिया है क्योंकि महाराष्ट्र की 149 मिलों में इस साल पेराई की शुरुआत के एक पखवाड़े के भीतर एक करोड़ नौ लाख क्विंटल चीनी का उत्पादन किया गया है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। केंद्र ने 2018 में चीनी मिलों को गन्ने के रस से सीधे इथेनॉल के उत्पादन की अनुमति दी थी। उसके पहले इसके लिए शीरा के इस्तेमाल पर प्रतिबंध था। हाल ही में केंद्र सरकार ने इथेनॉल उत्पादन के लिए गेहूं और चावल के पुराने भंडार के इस्तेमाल की अनुमति देने का फैसला किया था जिसे पेट्रोल और डीजल के साथ मिश्रित किया जा सकता है। महाराष्ट्र के चीनी आयुक्त शेखर गायकवाड़ ने कहा, इस साल मिलों ने घरेलू बाजार में बेचे जाने वाले इथेनॉल के कुछ हिस्सों का उत्पादन करने का फैसला किया है। इसका मतलब है कि बाजार में चीनी की भरमार नहीं होगी। इस साल इसका सीमित अतिरिक्त स्टॉक बचेगा। केंद्र ने वाहन ईंधन के साथ मिश्रित किए जाने वाले 350 करोड़ लीटर इथेनॉल की आपूर्ति की मांग करते हुए निविदाएं जारी की हैं। अब तक देशभर की चीनी मिलों ने 322 करोड़ लीटर इथेनॉल उत्पादन की इच्छा जताई है। वेस्ट इंडियन शुगर मिल एसोसिएशन के अध्यक्ष बी बी थोम्बरे ने कहा कि यह इथेनॉल उत्पादन के प्रति चीनी मिलों के संचालकों के उत्साह को दर्शाता है। उनके कार्यालय द्वारा साझा किए गए आंकड़ों से पता चला है कि महाराष्ट्र की 149 मिलों ने अब तक 131 लाख टन गन्ने की पेराई कर 109 लाख क्विंटल चीनी का उत्पादन किया है। पेराई आम तौर पर मध्य नवंबर में शुरू होती है और अगले साल मार्च तक की जाती है।

आर्मी गार्ड बटालियन के बदलाव समारोह के गवाह बने राष्ट्रपति

नई दिल्ली। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने शनिवार को राष्ट्रपति भवन में तैनात आर्मी गार्ड बटालियन के बदलाव समारोह को देखा। यह जानकारी एक आधिकारिक बयान में दी गई। प्रथम गोरखा राइफल्स की पांचवें बटालियन ने रस्मी आर्मी गार्ड बटालियन के तौर पर साढ़े तीन वर्ष का कार्यकाल पूरा करने के बाद सिख रेजिमेंट की छठी बटालियन को प्रभार सौंपा। सेना की विभिन्न इकाइयां राष्ट्रपति भवन में बारी-बारी से रस्मी आर्मी गार्ड के तौर पर काम करती हैं।

राष्ट्रपति भवन ने बयान जारी कर कहा, आर्मी गार्ड बटालियन विभिन्न महत्वपूर्ण समारोहों जैसे हस्तियों को गार्ड ऑफ ऑनर देना, गणतंत्र दिवस परेड, स्वतंत्रता दिवस परेड, बीटिंग रिट्रीट समोराह आदि में रस्मी कर्तव्य निभाते हैं। इसके अलावा वे राष्ट्रपति भवन में रस्मी गार्ड के कर्तव्य भी निभाते हैं। इसमें बताया गया है कि प्रथम गोरखा राइफल्स की पांचवी बटालियन और सिख रेजिमेंट की छठी बटालियन के कमांडिंग अधिकारी बाद में राष्ट्रपति से मुलाकात करेंगे।

नायडू ने कोविड के बाद के काल में शहरों में साइकिल की सवारी को बढ़ावा देने की पुरजोर वकालत की

भाषा। नई दिल्ली

उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने शहरों में साइकिल की सवारी की संस्कृति को बढ़ावा देने एवं उसके वास्ते विशिष्ट ट्रैक बनाने का शनिवार को आह्वान किया। उन्होंने कहा कि साइकिल की सवारी स्वास्थ्यवर्धक तथा बिल्कुल प्रदूषण नहीं फैलने समेत इसके कई फायदे हैं। वीडियो लिंक के माध्यम से कोविड के बाद की दुनिया में साइकिल की सवारी विषयक वेबिनार में अपने भाषण में नायडू ने कहा कि व्यापक जनजागरूकता अभियानों एवं नियमित प्रचार कार्यक्रमों के जरिए साइकिल की सवारी को बढ़ावा देने के लिए एक जनांदोलन चलाने की जरूरत है।

वेबिनार के विषय को महत्वपूर्ण करार देते हुए उन्होंने इस ग्रह को हराभरा एवं सुरक्षित बनाने के लिए सामूहिक वैश्विक प्रयासों का आह्वान किया। उन्होंने खासकर विश्वविद्यालय

के युवकों से साइकिल की सवारी करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि ज्यादातर विश्वविद्यालयों में विशाल जगह होती है, जहां विद्यार्थी आसानी से साइकिल चला सकते हैं। उपराष्ट्रपति ने कहा कि इस महामारी ने लोगों के रहन-सहन, खरीदारी, समय बिताने और यात्रा करने के तौर तरीके बदल दिए हैं, पाबंदियों से मोटर आधारित यातायात घट गया एवं साइकिलों के इस्तेमाल में वृद्धि हुई तथा लोग पैदल भी चलने लगे। उन्होंने कहा कि साइकिल की सवारी बैठकर काम करने की जीवनशैली से जुड़े जोखिम को घटाने का सबसे अच्छा तरीका है और यह ऊर्जा स्रोतों पर शून्य निर्भरता, शून्य प्रदूषण एवं स्वास्थ्य में सुधार जैसे कई फायदे पहुंचाती है। उन्होंने कहा कि इस महामारी ने साइकिल की सवारी को शहरी परिवहन प्रणाली में बढ़ावा देने एवं उनके समेकन का एक दुर्लभ मौका प्रदान किया है, ऐसे में शहरी नियोजकों तथा नीति-निर्माताओं को अपनी योजना एवं नीतियों पर पुनर्विचार करना चाहिए और विशिष्ट साइकिल ट्रैकों को चिह्नित करना चाहिए।

भाजपा ने एआईएमआईएम पर हमला तेज किया

● हैदराबाद नगर निगम चुनाव

भाषा। हैदराबाद

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रवक्ता संबित पात्रा ने शनिवार को कहा कि हैदराबाद के लोगों को एक दिसंबर को हो रहे नगर निगम के चुनाव में यह तय करना होगा कि वे विकासोन्मुखी भाजपा का महापौर चाहते हैं या विभाजनकारी राजनीत करने वाली एआईएमआईएम का महापौर। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, हैदराबाद के लोगों को यह चुनना होगा कि किसका महापौर बनने जा रहा है? यह भाजपा का महापौर होगा या एमआईएम (आईएमआईएम) का ? भाजपा का विकासोन्मुखी महापौर या एमआईएम का सांप्रदायिक राजनीति, विभाजनकारी राजनीति वाला महापौर, क्योंकि यह पार्टी बहिष्कार की राजनीति करती है। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस को वोट देने का मतलब टीआरएस के लिए मतदान करना है जबकि टीआरए के लिए वोट का मतलब एआईएमआईएम के लिए मतदान है। वृहद हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) के चुनाव के सिलसिले में अपनी पार्टी की ओर से यहां संवाददाता सम्मेलन में पात्रा ने कहा कि भाजपा वृहद हैदराबाद नगर निगम का चुनाव लड़ रही है जबकि परिवार एवं मित्र (उनका इशारा टीआरएस और एआईएमआईएम की ओर था) एफएफएमसी प्राइवेट लिमिटेड यानी परिवार, मित्र प्राइवेट लिमिटेड के लिए चुनाव लड़ रहे हैं। टीआरएस और एआईएमआईएम के बीच कोई गठबंधन नहीं होने के टीआरएस ने नेताओं की टिप्पणी पर उन्होंने याद दिलाया कि टीआरएस ने 2019 में लोकसभा के चुनाव में 17 में से 16 सीट रखी थी और हैदराबाद की सीट एआईएमआई के लिए छोड़ी थी।

पेज एक का शेष

गतिरोध जारीः हाईवे ...

जेल जैसी स्थिति में डालना चाहती है। जैसा कि वह दिल्ली सरकार से अस्थायी जेल बनाने के लिए नौ स्टेडियम पहले ही मांग रही थी। किसान नेताओं ने कहा कि छह माह तक जारी रख सकते हैं विरोध-प्रदर्शन, इतनी रसद है हमारे पास। हालांकि एक दिन पहले अनुमति मिलने के बाद सैकड़ों किसान निरंकारी ग्राउंड में पहुंच गए थे। वहां उन्होंने नरेंद्र मोदी, किसान विरोधी, इंकलाब जिंदाबाद जैसे नारे लगाए। अनेक किसान ढोल नगाड़ों पर नाच गा रहे थे और हम होंगे कामयाब गा रहे थे। सिंघू बॉर्डर पर किसानों ने पीएम मोदी का पुतला भी फूंका।

भारतीय किसान यूनियन (एकता-उगराहां) के वरिष्ठ उपाध्यक्ष जे सिंह जेठुके ने कहा कि हम केंद्र सरकार से आंदोलन के लिए जंतर-मंतर पर जगह देने का आग्रह करते हैं। हम किसी भी कीमत पर बुराड़ी मैदान नहीं जाएंगे। शुक्रवार शाम से टिकरी सीमा पर डेरा डाले बैठे सुखविंदर सिंह ने कहा कि हम अपना प्रदर्शन यहीं पर जारी रखेंगे। हम यहां से नहीं हटेंगे। हरियाणा से अभी और भी किसान यहां आने वाले हैं, वे रास्ते में हैं। इस बीच, पश्चिमी उत्तर प्रदेश से हरियाणा पंजाब के किसानों को समर्थन देने आए किसान गाजियाबाद के यूपी गेट पर रोक लिए गए। पुलिस ने उन्हें सड़क से अलग हटकर पार्किंग उपलब्ध करा दी। किसानों ने वहां अपने वाहन खड़े किए और गाजीपुर ब्रिज के नीचे प्रदर्शन शुरू कर दिया। हालांकि उन्होंने यातायात अवरुद्ध नहीं किया। फिर भी भीड़ और हंगामे के चलते आसपास की सड़कों पर जाम लग गया। इसी तरह टिकरी और सिंघू बार्डर बंद होने से आसपास के इलाकों में लोगों को भारी जाम से जूझना पड़ा। दिल्ली यातायात पुलिस ने ट्वीट किया कि आजादपुर और बाहरी रिंगरोड से सिंघू बार्डर के लिए यातायात की अनुमति नहीं है। टिकरी बॉर्डर को बंद कर दिया गया है। हरियाणा जाने के लिए झड़ौदा, दौराला, झटीकरा, बदुसारी, कापसहेड़ा, राजोकरी एनएच 8, बिजवासन/बाजघेरा, पालम विहार और डूडाहेड़ा बॉर्डर खुले हैं। संयुक्त पुलिस आयुक्त (यातायात) मीनू चौधरी ने यात्रियों से सिंघू बॉर्डर एवं टिकरी बॉर्डर, मुकरबा चौक, एनएच 44, जीटी करनाल रोड और बाहरी रिंगरोड की ओर जाने से बचने की अपील की।

ट्रकों का आना ...

सब्जियों का स्टॉक दो से तीन दिन के लिए है। सीमाओं को जल्द नहीं खोला गया तो राजधानी में भी इनकी कीमतों में बढ़ोतरी होना तय है। चौ. हीरा सिंह थोक व फल सब्जी मंडी, आजादपुर में आम दिनों के मुकाबले शनिवार को फल सब्जियों की आवक घटकर पचास फीसदी हुई है। सिंघु बॉर्डर को गुरुवार दोपहर सील किया गया था। तभी से ट्रक वहीं पर खड़े हैं। राष्ट्रीय राजमार्ग एक पर सिंघु बॉर्डर से होकर हिमाचल, पंजाब, हरियाणा, जम्मू कश्मीर से फल सब्जियों की आवक होती है। इनमें सेब, संतरा, गाजर, आलू, प्याज, टमाटर, गोभी, तोरोई, मटर, पालक जैसे फल व सब्जियां शामिल हैं। इन दिनों सबसे ज्यादा आलू पंजाब से मंडी में पहुंच रहा है। किसान आंदोलन के चलते 293 ट्रक ही गुरुवार को सब्जियां लेकर मंडी पहुंचे जिनमें 1387 टन आलू आया। सामान्य दिनों में सब्जियों की आवक छह से सात हजार टन प्रतिदिन व फलों की आवक पांच से छह हजार टन प्रतिदिन होती है। शनिवार को फल-सब्जियों की आवक में 50 फीसदी की कमी आई है। आढ़तियों ने बताया कि आवक कम जरूर रही, लेकिन थोक भाव पर कोई असर नहीं पड़ा। आलू का थोक भाव 34 से 38 रुपये किलो रहा। प्याज थोक में 25 से 40 रुपये किलो बिका।

तीन शहरों का ...

दूसरे चरण का परीक्षण शुरू किया है। जाइडस कैडिला के अध्यक्ष पंकज पटेल ने हाल ही में कहा था कि कंपनी का उद्देश्य मार्च 2021 तक टीके का परीक्षण पूरा करना है और वह एक साल में 10 करोड़ तक खुराक का उत्पादन कर सकती है। मोदी करीब एक घंटे तक संयंत्र में रहे। इसके बाद वह हवाईअड्डे के लिए निकले और वहां से 11.40 बजे हैदराबाद रवाना हो गए। मोदी हैदराबाद के नजदीक हकीमपेट वायु सेना हवाई अड्डे पर दोपहर करीब एक बजे पहुंचे। अधिकारियों ने बताया कि प्रधानमंत्री वायु सेना हवाई अड्डे से करीब 20 किलोमीटर दूर जीनोम वैली स्थित भारत बायोटेक की इकाई गए। भारत बायोटेक कोविड-19 की रोकथाम के लिए संभावित टीके कोवैक्सिन का विकास भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) और राष्ट्रीय विषाणुविज्ञान संस्थान के साथ मिलकर कर रहा है, जिसके तीसरे चरण का परीक्षण चल रहा है। घंटे भर के दौरे के बाद मोदी ने ट्वीट किया, हैदराबाद में भारत बायोटेक कंपनी में कोविड-19 के स्वदेशी टीके के बारे में जानकारी मिली।

वैज्ञानिकों को अभी तक किए गए परीक्षण में प्रगति के लिए बधाई। मोदी तीन बजकर 30 मिनट पर पुणे के लिए रवाना हो गए और वहां वह साढ़े चार बजे पहुंचे। हैदराबाद से पुणे हवाई अड्डे पर शाम करीब साढ़े चार बजे पहुंचने के बाद मोदी हेलीकॉप्टर से सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई) के लिए रवाना हुए। सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया में मोदी ने वैज्ञानिकों से बातचीत की और वहां टीका विकास पर चल रहे कामकाज का जायजा लिया। वह दिल्ली जाने के लिए शाम छह बजे पुणे हवाई अड्डे रवाना हो गए। एक अधिकारी ने बताया कि मोदी के एसआईआई दौरे का उद्देश्य कोरोना वायरस के लिए टीके की प्रगति की समीक्षा करना है और इसके लांच के समय, उत्पादन और वितरण व्यवस्था का जायजा लेना है। टीके के विकास के लिए सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया ने वैश्विक दवा कंपनी एस्ट्राजेनेका और ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के साथ भागीदारी की है।

नौसेना के मार्कोस ...

में 1,700 किमी लंबे एलएसी पर भारत और चीन के एक लाख से भी ज्यादा सैनिक तैनात हैं। चीन ने भी लंबे जाड़े में तैनाती के लिए अपने सैनिकों के लिए जमीनी मदद की तैयारी तेज कर दी है। मार्कोस कमांडो दुनिया सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षित कमांडो हैं और 2008 में मुंबई हमलों के शुरुआती दौर में इन्होंने कार्रवाई की थी। मार्कोस की कुछ टीम आतंकवाद निरोधी ऑपरेशन के तहत जम्मू-कश्मीर में भारतीय सेना के कमांडो टीम के साथ काम कर रही है। नौसेना के कमांडो कश्मीर में कुछ जलाशयों की निगरानी के काम में लगे हैं। सेना के कमांडो तथा भारतीय वायुसेना के गरुड़ कमांडो के साथ पैंगॉन्ग में मार्कोस की तैनाती के मकसद के बारे में ब्योरा देते हुए सूत्रों ने कहा कि इससे तीनों बलों में आपसी तालमेल बढ़ेगा। चीनी सेना ने पैंगॉन्ग झील में जेट्टी बनाने के अलावा अतिरिक्त हाई पावर नौकाओं को गश्त के लिए तैनात किया है। जबकि भारत ने चीन से जेट्टी हटाने के लिए कहा है क्योंकि वह भारतीय क्षेत्र में है। सुरक्षा एजेंसियों ने कमांडो के लिए अत्याधुनिक नौकाएं भी भेजी है जिससे कि वे प्रभावी ढंग से काम कर सकें।

ऑपरेशन में कोई बाधा न पड़े इसके लिए सेना, आईएएफ और नौसेना ने पिछले कुछ महीनों में यहां आईएएफ के गरुड़ कमांडो तथा स्पेशल फ्रंटियर फोर्स (एसएफएफ) को तैनात किया है। ये दोनों इकाइयां पैंगॉन्ग झील के उत्तरी और दक्षिणी किनारों पर पहले से ही कुछ महत्वपूर्ण चोटियों की निगरानी कर रही हैं। इसके चलते चीन को रक्षात्मक रुख अपनाना पड़ा और कोर कमांडर स्तर की बैठक में इन कमांडो को रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण चोटियों से हटाने की मांग की। लेकिन भारत ने इसे पूरी तरह से नकार दिया तथा जोर देकर चीन से पहले सभी गतिरोध वाले स्थानों से पीछे हटने के लिए कहा। फिलहाल दोनों पक्षों के बीच आठ दौर की सैन्य बातचीत हो चुके हैं और आने वाले दिनों में अगले दौर की बातचीत होगी।

सीबीआई ने चार ...

देबाशीष मुखर्जी के विरुद्ध मामला दर्ज किया था। अधिकारियों के अनुसार आरोप है कि मांझी उर्फ लाला कुनुसटोरिया और कोजरा इलाकों में लीज होल्ड खदानों से कोयले के अवैध खनन एवं उसकी चोरी के धंधे में कथित रूप से लगा हुआ था। उन्होंने बताया कि तलाशी के दौरान एजेंसी को 40 लाख रुपए नकद, दस्तावेज, इलेक्ट्रोनिक उपकरण एवं वित्तीय लेन-देन के कागजात मिले। सीबीआई ने भरोसेमंद सूत्रों से मिली सूचना के आधार पर कार्रवाई की। उसे इन सूत्रों से सूचना मिली थी कि ईसीएल, सीआईएसएफ और रेलवे के अधिकारियों की मिलीभगत से ईसीएल के लीजहोल्ड क्षेत्र में कोयले का अवैध खनन एवं उसकी चोरी हो रही है। ईसीएल के सतर्कता विभाग और उसके कार्यबल को भी बड़ी उत्खनन मशीनों की मदद से मई 2020 से अवैध खनन और कोयले की ढुलाई किए जाने का पता चला था और गाड़ियों को टीम ने जब्त किया था। सीबीआई ने प्राथमिकी में आरोप लगाया, ... अवैध धर्मकांटा (तराजू) लगाने की कई घटनाओं का भी पता चला जो ईसीएल क्षेत्रों से बड़े पैमाने पर संगठित तरीके से अवैध कोयला खनन एवं ढुलाई की पुष्टि करती है। उसने आरोप लगाया, सूत्र ने यह भी खुलासा किया कि कुनुसटोरिया इलाके में टोपसी गांव के पीछे लीजहोल्ड क्षेत्र में और कजोरा क्षेत्र में कोयला माफियाओं द्वारा ईसीएल और सीआईएसएफ के अधिकारियों के साथ मिलीभगत से अवैध खनन चल रहा है।

कड़ाके की ठंड ...

वोट डालने बूथ पर पहुंचे। यहां तक कि 103 साल की जैतून बीबी समेत सौ वर्ष से अधिक आयु के कई वरिष्ठ नागरिकों ने बूथ तक पैदल जाकर अपना वोट डाला। पहले चरण में कुल 1427 उम्मीदवार मैदान में थे, जिसमें 296 डीडीसी प्रत्याशी थे। चुनाव में 7 लाख से अधिक मतदाताओं को अपना वोट डालने की उम्मीद थी। कुल 43 डीडीसी सीटों पर मतदान हुआ। इनमें 25 कश्मीर से और 18 जम्मू क्षेत्र की थीं। राज्य निर्वाचन आयोग ने 2146 मतदान केंद्रों पर विस्तृत सुरक्षा व्यवस्था की थी ताकि कोई अप्रिय घटना न हो।

कश्मीर घाटी में बडगाम के केंद्रीय कश्मीर जिले में सबसे अधिक 56.96 प्रतिशत मतदान हुआ। उग्रवाद के कारण माने जाने वाले दक्षिण कश्मीर के चार जिलों में से तीन जिलों शोपियां, अनंतनाग और कुलगाम में क्रमशः 42.58, 43.32 और 34.35 प्रतिशत मतदाताओं ने मतदान किया, जबकि चौथे जिले में सबसे कम 6.7 प्रतिशत मतदाता वोट डालने निकले। शोपियां और पुलवामा जिलों में बीते 2019 के लोकसभा चुनावों में 3 प्रतिशत से कम मतदान दर्ज किया गया था। अनंतनाग जिले तीन चरणों के दौरान 8 प्रतिशत से अधिक मतदान हुआ था। पूरी कष्मीर घाटी में केवल 19 प्रतिशत मतदान हुआ था, जबकि उससे पहले 2014 के लोकसभा चुनावों में 31 प्रतिशत मत पड़े थे। इसके विपरीत 2014 में जम्मू-कश्मीर के विधानसभा चुनावों में पांच चरणों के दौरान 65 प्रतिशत मतदान हुआ था, जबकि 2018 में पंचायत चुनावों में यहां 74 प्रतिशत से अधिक मतदान हुआ था।

जबरन धर्मांतरण के ...

है। उल्लेखनीय है कि यूपी में विधानसभा उपचुनाव के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कथित लव जिहाद के खिलाफ कानून बनाने का ऐलान किया था। दरअसल पहले स्टेट लॉ कमीशन ने अपनी भारी भरकम रिपोर्ट मुख्यमंत्री को सौंपी थी, जिसके बाद यूपी के गृह विभाग ने बाकायदा इसकी रूपरेखा तैयार कर न्याय एवं विधि विभाग से अनुमति ली। कैबिनेट से पास होने के बाद इसे राज्यपाल से भी मंजूरी मिल गई है।

भाजपा ने झोंकी...

गगनभेदी नारे लगे। हैदराबाद नगर पालिका का चुनाव भाजपा पहली बार लड़ रही है। यहां चुनाव भाजपा और टीआरएस के बीच माना जा रहा है। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम करीब 24 विधानसभा सीट में फैला है और इसका सालाना बजट करीब साढ़े पांच हजार करोड़ है। तेलंगाना की जीडीपी का बड़ा हिस्सा यहीं से आता है। इससे पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की चुनावों में मांग देश के अलग-अलग राज्यों से आती रही है। वह अभी तक केरल, कर्नाटक, त्रिपुरा, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, मणिपुर, मध्य प्रदेश के साथ बिहार और दिल्ली के विधानसभा चुनावों में भी भाजपा प्रत्याशियों के पक्ष में प्रचार कर चुके हैं।

हरियाणा में स्कूल...

उठाना चाहती। पंजाब और उत्तराखंड सहित अन्य प्रदेशों में भी स्कूल बंद चल रहे हैं। सभी जिला शिक्षा अधिकारियों और मौलिक शिक्षा अधिकारियों ने भी महामारी का हवाला देते हुए फिलहाल स्कूलों को बंद रखने की सिफारिश की है। इस आधार पर प्रदेश सरकार ने फिलहाल स्कूलों को बंद रखना ही उचित समझा। हालांकि ऑनलाइन पढ़ाई चलती रहेगी।

बेलगावी लोकसभा उपचुनाव में भाजपा मुस्लिम उम्मीदवार नहीं उतारेगी : ईश्वरप्पा

बेंगलुरू। कर्नाटक के ग्रामीण विकास मंत्री के. एस. ईश्वरप्पा ने शनिवार को कहा कि बेलगावी लोकसभा सीट के लिए होने वाले उपचुनाव में भाजपा किसी मुस्लिम को टिकट नहीं देगी। उन्होंने कहा कि बेलगावी हिंदुत्व का केंद्र है और टिकट इसके समर्थकों में से किसी को दिया जाएगा। ईश्वरप्पा ने कहा, भाजपा में कुरूबा, लिंगायत, वोक्किलगा या ब्राह्मण समुदाय का सवाल नहीं है, हम सब बैठेंगे और चर्चा करेंगे, यह व्यवस्था है और लोकतांत्रिक तरीका है। उन्होंने कहा, भाजपा को छोड़कर किसी भी पार्टी में लोकतांत्रिक व्यवस्था नहीं है। बेलगावी में भाजपा के वरिष्ठ नेता ने संवाददाताओं से कहा कि राज्य और राष्ट्रीय नेता एक उम्मीदवार चुनेंगे जो लोगों का विश्वास हासिल कर जीत हासिल कर सकता है। ईश्वरप्पा ने एक सवाल के जवाब में कहा, हम टिकट चाहे कुरूबा या लिंगायत या वोक्किलगा या ब्राह्मण को दें लेकिन हम मुस्लिम को टिकट नहीं देंगे। उन्होंने कहा, बेलगावी हिंदुत्व का केंद्र है, इसलिए यहां किसी मुस्लिम को टिकट देने का सवाल ही नहीं है।

पूर्व आईएएस की 27 करोड़ से अधिक की संपत्तियां कुर्क

● ईडी की कार्रवाई

भाषा। नई दिल्ली

छत्तीसगढ़ के पूर्व आईएएस अधिकारी बाबूलाल अग्रवाल की 27 करोड़ रुपए से अधिक की संपत्तियां प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कुर्क की हैं। ईडी ने शनिवार को यह जानकारी दी। प्रवर्तन निदेशालय कथित भ्रष्टाचार और आय के ज्ञात स्रोत से अधिक संपत्ति से जुड़े धन शोधन के मामले के सिलसिले में अग्रवाल, उनके परिवार के सदस्यों एवं अन्य की जांच कर रहा है। उसने एक बयान में कहा, कुर्क संपत्तियों में संयंत्र एवं मशीनरी, बाबूलाल अग्रवाल एवं उनके परिवार के सदस्यों के बैंक खातों में जमा रकम और अचल संपत्तियां शामिल हैं। उसने बताया कि कुर्क की गई संपत्तियां 27.86 करोड़ रुपए मूल्य की हैं। भारतीय प्रशासनिक सेवा के 1988 बैच के अधिकारी अग्रवाल को ईडी ने नौ नवंबर को छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में उनके निवास से गिरफ्तार किया था। वह पांच दिसंबर तक न्यायिक हिरासत में हैं। अग्रवाल छत्तीसगढ़ सरकार में प्रधान सचिव के रूप में अपनी सेवा दे चुके हैं। उन्हें भ्रष्टाचार के आरोप में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) भी गिरफ्तार कर चुका है। अग्रवाल को सीबीआई द्वारा गिरफ्तार किए जाने के बाद राज्य सरकार ने उन्हें निलंबित कर दिया था। आरोप है कि अग्रवाल जब राज्य सरकार में स्वास्थ्य सचिव थे, तब वह अपने विरूद्ध चल रही सीबीआई जांच रफा-दफा कराना चाहते थे, जो 2010 में दर्ज की गई थी। जब ईडी ने इस महीने के प्रारंभ में उन्हें गिरफ्तार किया तब उसने कहा था कि अपराध से कमाई गई रकम का मुखौटा कंपनियों के जरिए धनशोधन करने और उसे अपने परिवार के कारोबार में लगाने को लेकर उनके खिलाफ कार्वाई की गई। ईडी ने कहा था कि अग्रवाल, उनके चार्टर्ड एकाउंटेंट सुनील अग्रवाल और अन्य के खिलाफ आपराधिक मामला छत्तीसगढ़ भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो और सीबीआई की 2010 की प्राथमिकी का अध्ययन करने के बाद दर्ज किया गया। जिन संपत्तियों को अंतरिम रूप से कुर्क किया गया है, उनमें 26.16 करोड़ रुपए के संयंत्र और मशीनरी, 291 बैंक खातों में जमा 20.43 लाख रुपए की धनराशि, एक कंपनी के नाम पर 39.52 लाख रुपए के आवासीय भूखंड, एक्सप्रेस माइनिंग प्राइवेट लिमिटेड, जिसके मालिक बाबूलाल अग्रवाल का परिवार है, और 15 लाख रुपए नकद हैं।

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा

कोविड-19 की जांच 800 रुपए में होगी

● कोरोना जांच के नाम पर निजी लैब वाले अब नहीं वसूल सकेंगे 1200 रुपए

भाषा। जयपुर

राजस्थान में निजी प्रयोगशालाओं में कोरोना वायरस संक्रमण की जांच अब 1200 रुपए के बजाय 800 रुपए में होगी। राज्य के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शनिवार को यह घोषणा की। उन्होंने कहा कि आरटी-पीसीआर जांच किट की लागत में कमी को देखते हुए राज्य सरकार ने यह फैसला किया है। गहलोत ने कहा कि शुरू में निजी प्रयोगशालाओं में कोविड-19 जांच का शुल्क 2200 रुपए था जिसे बाद में सरकार ने 1200 रुपए तय किया। उन्होंने कहा, किट की लागत में कमी को देखते हुए अब राज्य सरकार सभी निजी प्रयोगशालाओं को यह जांच 1200 रुपए के बजाय 800 रुपए में करने को पाबंद करेगी। गहलोत ने कहा कि राजस्थान में कोरोना वायरस संक्रमण की जांच केवल आरटी-पीसीआर के जरिए हो रही है, जो पूरी दुनिया में सबसे विश्वसनीय जांच प्रक्रिया है। गहलोत ने शनिवार को राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय (आरयूएचएस) अस्पताल, जयपुर में 70 बिस्तर वाले नए कोविड आईसीयू, छह जिलों में आरटी-पीसीआर जांच प्रयोगशाला तथा जोधपुर के मथुरादास माथुर अस्पताल में अत्याधुनिक कैंसर उपचार वार्ड तथा अन्य चिकित्सा सुविधाओं का लोकार्पण भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना वायरस संक्रमित व्यक्तियों की अधिकाधिक जांच और समुचित इलाज के लिए पूरे राजस्थान में स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत किया गया है और अब हर जिले में आरटी-पीसीआर जांच की सुविधा उपलब्ध है। टोंक, प्रतापगढ़, राजमसन्द के नाथद्वारा, जैसलमेर, हनुमानगढ़ और बूंदी में जांच प्रयोगशाला का लोकार्पण करते हुए उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग ने सभी जिलों में कोरोना की निशुल्क जांच के लिए प्रयोगशालाएं शुरू कर दी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का ध्एय निरोगी राजस्थान बनाने का है, जिसके लिए अभियान शुरू किया गया था। इस बीच, मार्च माह में कोरोना संक्रमण फैल गया, लेकिन अब इस अभियान को फिर से आगे बढ़ाया जाएगा। राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. सी.पी. जोशी ने कहा कि राज्य सरकार ने जिस तरह सभी वर्गों को साथ लेकर कोरोना महामारी का सामना किया है उसके लिए पूरे देश में मुख्यमंत्री गहलोत की सराहना की जा रही है। शासन सचिव (स्वास्थ्य शिक्षा) वैभव गलरिया ने बताया कि वर्तमान में प्रदेश में 38 सरकारी और 23 निजी प्रयोगशालाओं में कोविड-19 की जांच की जा रही है। राजस्थान ने एक दिन में 60,000 आरटी-पीसीआर परीक्षण करने की क्षमता हासिल कर ली है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हैदराबाद पहुंचने पर स्वागत करते अधिकारी

चाईबासा में मुठभेड़ के बाद नक्सिलयों से बरामद हथियार व गोला बारूद को दिखाते सुरक्षा एजेंसियों के अधिकारी व जवान

राकांपा के विधायक का निधन

पुणे। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के विधायक भारत भालके का कोविड-19 के बाद हुई स्वास्थ्य संबंधी जटिलताओं के चलते यहां शनिवार को निधन हो गया। अस्पताल के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। सोलापुर जिले के पंढ़रपुर-मंगलवेधा क्षेत्र से तीन बार विधायक रहे भालके की आयु 60 वर्ष थी। एक्यूट रेस्पिरेटरी डिस्ट्रेस सिंड्रोम के चलते उन्हें नौ नवंबर को यहां के एक निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। एक चिकित्सक ने बताया कि 30 अक्टूबर को भालके के कोरोना वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि हुई थी, हालांकि संक्रमण मुक्त होने के बाद वह घर लौट गए थे। उन्होंने बताया कि बुखार और खांसी होने पर भालके को फिर से अस्पताल में भर्ती करवाया गया लेकिन बाद में उनकी हालत बिगड़ गई तथा उन्हें वेंटिलेटर पर रखना पड़ा। भालके का हालचाल जानने के लिए राकांपा प्रमुख शरद पवार अस्पताल पहुंचे थे।

किसानों के हित में सभी मिलकर काम करें : कलराज मिश्र

● राजभवन से कोटा कृषि विश्वविद्यालय के ऑनलाइन दीक्षांत समारोह और संविधान पार्क के ई-शिलान्यास कार्यक्रम को सम्बोधित किया

भाषा। जयपुर

राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र ने शनिवार को कृषि विश्वविद्यालयों का आह्वान किया कि वे लाभकारी और उन्नत खेती, फसल भंडारण के लिए विश्व स्तर पर होने वाले नवाचारों, फसल विपणन के अपनाए जा रहे नवीनतम तरीकों आदि से किसानों को अधिकतम लाभान्वित करने के लिए विशेष भूमिका निभाएं। राज्यपाल ने कहा कि किसान इस देश के अन्नदाता हैं, उनके हित में सभी मिलकर कार्य करें। मिश्र राजभवन से कोटा कृषि विश्वविद्यालय के ऑनलाइन दीक्षांत समारोह और संविधान पार्क के ई-शिलान्यास कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कृषि शिक्षा, अनुसंधान को मजबूत बनाने के लिए विश्वविद्यालय ऐसे रोजगारोन्मुखी, व्यावसायिक पाठ्यक्रम और कार्यक्रमों को अपने यहां लागू करे, जिनसे कृषि के जरिए देश की अर्थव्यवस्था को दीर्घकालीन लाभ मिल सके। आधिकारिक बयान के अनुसार, राज्यपाल ने बढ़ती हुई जनसंख्या के साथ कृषि उत्पादन में त्वरित वृद्धि के वास्ते वर्ष 2022 तक कृषकों की आय दुगुनीं करने के केंद्र सरकार के संकल्प को पूर्ण करने के लिए कृषि वैज्ञानिकों, अध्यापकों, और विधार्थियों को आगे आकर कार्य करने का भी आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कृषि को जीविकोपार्जन से कहीं आगे ले जाकर आकर्षक व्यवसाय में परिवर्तित करने की जिम्मेदारी हम सभी की है। इसके लिए राजस्थान में उत्पादित सरसों, धनिया, बाजरा जैसी फसलों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि जिन फसलों की उत्पादकता कम है, उनके लिए नवाचारों को अपनाते हुए कृषि विश्वविद्यालय कार्य करे।जैविक खेती को बढ़ावा देने पर जोर देते हुए मिश्र ने कहा कि ऐसी खेती मृदा स्वास्थ्य तथा जलवायु के लिए भी अत्यन्त प्रभावकारी है। इस अवसर पर कुलाधिपति व राज्यपाल ने 135 छात्रों को शैक्षणिक उपाधियां प्रदान कीं। उन्होंने इस मौके पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले चार विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक भी प्रदान किए।

पीएम के दौरे ने और बेहतर करने को प्रोत्साहित किया

● जाइडस कैडिला कोरोना वायरस के टीके पर काम कर रही है

भाषा। अहमदाबाद

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अहमदाबाद के निकट स्थित जाइडस कैडिला इकाई का दौरा किए जाने के बाद फार्मा कंपनी का कहना है कि इससे उन्हें और बेहतर करने का प्रोत्साहन मिला है। फार्मा कंपनी अहमदाबाद के निकट स्थित अपनी इकाई में कोरोना वायरस के टीके के विकास पर काम कर रही है। प्रधानमंत्री टीके के विकास का जायजा लेने के लिए शनिवार को तीन शहरों के दौरे पर थे। कंपनी के अध्यक्ष पंकज पटेल ने एक वीडियो बयान में कहा, आज माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने हमारे जाइडस बायोटेक पार्क का दौरा किया। इस दौरे ने हमें और तेजी से काम करने के लिए प्रोत्साहित किया है। पटेल ने कहा, समस्या के संबंध में उनका ज्ञान और उनके दिशा-निर्देश हमारे वैज्ञानिकों और हम सभी के लिए मूल्यवान हैं। उन्होंने कहा, आत्मनिर्भर भारत की ओर देश की यात्रा में... 1,800 वैज्ञानिक और जाइडस के 25,000 कर्मचारी... लगातार प्रयास कर रहे हैं और कोविड-19 के इलाज तथा उसका पता लगाने के सुरक्षित तथा प्रभावी तरीकों के ईजाद के लिए काम कर रहे हैं। कंपनी ने इससे पहले कहा था कि उसके टीके जाकोवी-डी के पहले चरण का क्लिनिकल परीक्षण पूरा हो चुका है और अगस्त से दूसरे चरण का परीक्षण शुरू हुआ है।

मनरेगा के तहत एक लाख से अधिक परिवारों को मिला सौ दिनों का रोजगार

● छत्तीसगढ़ सरकार ने किया दावा

भाषा। रायपुर

छत्तीसगढ़ सरकार के मुताबिक राज्य में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के तहत एक लाख से अधिक परिवारों को सौ दिनों से अधिक का रोजगार उपलब्ध कराया गया है और इसने राज्य में कोरोना वायरस संक्रमण के दौरान ग्रामीण अर्थव्यवस्था को संबल प्रदान किया है।

राज्य में जनसंपर्क विभाग की विज्ञप्ति के अनुसार छत्तीसगढ़ में मनरेगा के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2020-21 में अब तक एक लाख 21 हजार 740 परिवारों को 100 दिनों से अधिक का रोजगार उपलब्ध कराया जा चुका है। विज्ञप्ति के अनुसार सर्वाधिक परिवारों को 100 दिनों का रोजगार मुहैया कराने के मामले में छत्तीसगढ़ देश में छठवें स्थान पर है।

विज्ञप्ति में बताया गया है कि राज्य में वन अधिकार पट्टाधारी परिवारों को भी मनरेगा के तहत बड़ी संख्या में काम दिया रहा है।

विज्ञप्ति के मुताबिक इस साल अब तक ऐसे 19 हजार 799 परिवारों को 100 दिनों से अधिक का रोजगार उपलब्ध कराया जा चुका है और इस मामले में छत्तीसगढ़ देश में ओड़िशा के बाद दूसरे स्थान पर है।

सरकारी बयान के अनुसार देश में मनरेगा के तहत 100 दिनों का रोजगार हासिल करने वाले कुल वन अधिकार पट्टाधारी परिवारों में अकेले छत्तीसगढ़ की हिस्सेदारी 23 प्रतिशत से अधिक है।

सरकारी विज्ञप्ति में बताया गया है कि राज्य सरकार ने कोविड-19 के कारण लागू देशव्यापी लॉकडाउन के दौरान ग्रामीण अर्थव्यवस्था की गति बनाए रखने के लिए व्यापक स्तर पर मनरेगा कार्य शुरू करने का निर्देश दिया था जिससे गांवों और वनांचलों में लगातार लोगों को काम मिलता रहा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था सुचारू रूप से चलती रही। विज्ञप्ति के अनुसार चालू वित्तीय वर्ष के शुरूआती सात-आठ महीनों में ही मनरेगा श्रमिकों को 100 दिनों से ज्यादा का रोजगार मिलने से उन्हें आर्थिक संबल मिला है।

विज्ञप्ति के अनुसार राज्य में मनरेगा श्रमिकों को 100 दिनों से अधिक का रोजगार देने में कबीरधाम जिला सबसे आगे है जहां इस वर्ष अब तक 8971 परिवारों को 100 दिनों से ज्यादा का काम उपलब्ध कराया गया है।

इंटरनेट कनेक्टिविटी बेहतर बनाने वाली नीति को मंजूरी

● जम्मू-कश्मीर प्रशासनिक परिषद ने दी हरी झंडी

भाषा। जम्मू

जम्मू-कश्मीर प्रशासनिक परिषद ने राष्ट्रीय ब्रॉडबैंड मिशन के उद्देश्यों को पूरा करने के लिए दूरसंचार और इंटरनेट कनेक्टिविटी में सुधार के लिए शनिवार को जम्मू-कश्मीर संचार एवं संयोजकता अवसंरचना नीति (जेकेसीसीआईपी) को मंजूरी दे दी। एक आधिकारिक प्रवक्ता ने यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि उपराज्यपाल मनोज सिन्हा की अध्यक्षता में हुई परिषद की बैठक में यह मंजूरी दी गई। केंद्र शासित प्रदेश में दूरसंचार अवसंरचना को स्थापित करने में और अधिक छूट देने के लिए नई नीति में राइट्स ऑफ वे (आरओडब्ल्यू) के प्रावधान को शामिल किया गया है, जो एकल-खिड़की तंत्र के माध्यम से त्वरित और समयबद्ध तरीके से आरओडब्ल्यू के निर्बाध मंजूरी को सुनिश्चित करता है। इसमें ऊपरी (मोबाइल टॉवर) और भूमिगत (ऑप्टिकल फाइबर) दोनों से जुड़े बुनियादी ढाँचे शामिल हैं। प्रवक्ता ने कहा कि मंजूरी प्रक्रिया को और अधिक सुविधाजनक बनाने के लिए इस नीति के तहत एक वर्ष के भीतर जम्मू-कश्मीर ई-गवर्नेंस एजेंसी द्वारा ऑनलाइन पोर्टल बनाया जाएगा। प्रवक्ता ने कहा कि नीति में शिकायत दर्ज करने के 45 दिनों के भीतर अवसंरचना प्रदाताओं और सरकारी अधिकारियों के बीच विवादों के निवारण के प्रावधान भी शामिल हैं।

सेना ने राजौरी जिले में जरूरतमंदों को दी सहायता

जम्मू। जम्मू कश्मीर के राजौरी जिले में सेना ने शनिवार को एक विशेष शिविर में जरूरतमंदों के बीच विभिन्न तरह की सहायता बांटी जिसमें कृत्रिम अंग, व्हीलचेयर एवं श्रवण यंत्र शामिल है। एक रक्षा प्रवक्ता ने इसकी जानकारी दी। प्रवक्ता ने बताया कि इस शिविर का आयोजन सेना ने पंजाब के लुधियाना के एक गैर सरकारी संगठन भारत विकास परिषद चैरिटेबल ट्रस्ट की मदद से कालाकोट में किया था। प्रवक्ता ने बताया कि पहाड़ी इलाका होने एवं क्षेत्र में चिकित्सा सुविधाओं के अभाव के कारण राजौरी जिले के लोहारकी, नरला, चलवालकोट, औदान एवं पंगलार गांव के लोगों को ऐसी सहायता की सख्त जरूरत थी। उन्होंने बताया कि आबादी के एक बड़े हिस्से के बीच चिकित्सीय सुविधाओं का अभाव है और स्वास्थ्य सुविधाओं तक उनकी पहुंच नहीं है। प्रवक्ता ने बताया, इलाके में चिकित्सा सुविधा नगण्य है और कुछ स्थानों पर तो बिल्कुल नहीं है। सेना नियमित तौर पर चिकित्सा शिविरों का आयोजन करती है, जिससे स्थानीय लोगों में स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में पर्याप्त जागरूकता पैदा हुई है तथा उन्होंने भारतीय सेना के साथ सद्भावपूर्ण संबंध भी विकसित किए हैं। उन्होंने बताया कि कुल 11 कृत्रिम अंग, 21 व्हीलचेयर, 63 श्रवण यंत्र एवं दो बैसाखी जरूरतमंदों के बीच वितरित की गई। इसके अलावा सेना ने जिले के नौशेरा सेक्टर में आपरेशन नमस्ते के तहत बरेरी स्थित सरकारी बालिका मध्य विद्यालय में दूसरा कोविड सुरक्षा केंद्र स्थापित करने के लिए जरूरी सामग्री भी मुहैया कराई है। सुरक्षा केंद्र से इलाके के करीब 3100 लोगों के लाभान्वित होने की उम्मीद है।

डंपर-टेंपो में टक्कर में तीन जिंदा जले

देवास। मध्यप्रदेश में देवास जिला मुख्यालय से करीब 14 किलोमीटर दूर इंदौर-भोपाल राजमार्ग पर भौंरासा फाटे के समीप डंपर व टैंपो ट्रेवलर में आमने सामने की भिड़ंत हो गई। टक्कर के बाद दोनों ही वाहनों में आग लग गई। आग से टैंपो ट्रेवलर में फंसे तीन लोगों की जिंदा जलने से मौत हो गई ।उप पुलिस अधीक्षक (डीएसपी) किरण शर्मा ने बताया कि दुर्घटना शुक्रवार- शनिवार की दरम्यान रात को एक बजे के आसपास हुईअ हादसे की सूचना मिलते ही देवास, भौंरासा व सोनकच्छ से पुलिस बल मौके पर पहुंच गया, फायर ब्रिगेड के माध्यम से आग बुझाई गई, लेकिन तब तक तीन लोगों की मौत हो चुकी थी। उन्होंने बताया कि रात करीब एक बजे भोपाल से आ रही टैंपो ट्रेवलर सामने गलत दिशा से आ रहे डंपर से टकरा गईअ टक्कर होते ही दोनों वाहनों में आग लग गई। उन्होंने बताया कि डंपर का चालक घटनास्थल से फरार हो गया जबकि जबकि ट्रेवलर में तीन लोग फंस गए, आग तेज होने से वाहन में ही जलने से मौत हो गई।

मध्य कश्मीर के गांदरबल जिले में डीडीसी चुनाव में अपने मताधिकार का प्रयोग करती हुई महिला

केरल के वित्त मंत्री ने ईडी की आलोचना की

● राज्य द्वारा संचालित केआईआईएफबी के खिलाफ कथित तौर पर जांच शुरू करने को लेकर जताया आक्रोश

● एजेंसी पर लगाया राजनीति से प्रेरित होकर हस्तक्षेप करने का आरोप

भाषा। तिरुवनंतपुरम

केरल के वित्त मंत्री टी एम थॉमस इसाक ने शनिवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की आलोचना की, जिसने अंतरराष्ट्रीय बाजारों से उधार लेने के मामले में राज्य द्वारा संचालित केआईआईएफबी के खिलाफ कथित तौर पर जांच शुरू की है। उन्होंने कहा कि एजेंसी राजनीति से प्रेरित तरीके से हस्तक्षेप कर रही है। वह मीडिया में आई उन खबरों पर प्रतिक्रिया व्यक्त कर रहे थे, जिनमें दावा किया गया था कि ईडी को रिजर्व बैंक से जवाब मिला कि केरल इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट फंड बोर्ड (केआईआईएफबी) ने अंतरराष्ट्रीय बाजारों से धन उधार लेने की मंजूरी प्राप्त की है। एजेंसी ने पहले अंतरराष्ट्रीय बाजारों से उधार लेने के लिए बोर्ड को अनापत्ति प्रमाण पत्र दिए जाने के बारे में रिजर्व बैंक से जानकारी मांगी थी। इसाक ने संवाददाताओं से कहा, बोर्ड ने पत्रों के माध्यम से रिजर्व बैंक से अनुमति मांगी थी और हमें मंजूरी मिली थी। उन्होंने आरोप लगाया कि ईडी ने खुद को एक ऐसी संस्था में बदल दिया है जो राजनीतिक रूप से प्रेरित हस्तक्षेप में शामिल है। कैग ने विधानसभा को एक रिपोर्ट सौंपी थी, जिसमें केआईआईएफबी द्वारा उधार लेने के मॉडल को असंवैधानिक बताया गया था।

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवंटी श्री बुद्धराम,श्रीचन्द पुत्रगण स्वर्गीय लालचंद व सुमित पुत्र स्वर्गीय श्री हरीशचंद तथा संतेश पत्नी स्वर्गीय श्री हरीशचंद निवासी ग्राम बदौली बांगर नोएडा ने अपने आवासीय भूखंड संख्या BL-13 सेक्टर 116 नोएडा का अंतरण श्री नीरज दुबे पुत्र श्री एन एन दुबे व अश्विनी दुबे पत्नी श्री नीरज दुबे निवासी 4201 आलोक विहार 1 सेक्टर 50 नोएडा के पक्ष में किए जाने के लिए आवेदन पत्र नोएडा प्राधिकरण के आवासीय विभाग में प्रस्तुत किया है उपरोक्त के लिए यदि किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति है तो 7 दिवस के अन्दर सम्बंधित विभाग में प्रस्तुत करें।

बजरंग पूनिया को अभ्यास शिविर के लिए मिली मंजूरी

नई दिल्ली। मिशन ओलंपिक प्रकोष्ठ ने तोक्यो ओलंपिक में भारत की पदक उम्मीद पहलवान बजरंग पूनिया को अमेरिका में एक महीने के अभ्यास शिविर में भाग लेने की अनुमति दे दी है। एक विज्ञप्ति के अनुसार गुरुवार को मिशन ओलंपिक प्रकोष्ठ की बैठक में यह फैसला लिया गया।

राष्ट्रीय कुश्ती स्थगित

नई दिल्ली। भारतीय कुश्ती महासंघ ने अगले महीने होने वाली राष्ट्रीय चैम्पियनशिप कोरोना महामारी के कारण जनवरी 2021 तक स्थगित कर दी है। महासंघ के सहायक सचिव विनोद तोमर ने बताया कि मौजूदा हालात को देखते हुए यह फैसला लेना पड़ा।

लक्ष्मण ने खिताब जीता

चेन्नई। पीएसपीबी के लक्ष्मण रावत ने अजय रस्तोगी स्मारक अखिल भारतीय ओपन स्नूकर चैम्पियनशिप 2020 के फाइनल में कर्नाटक के एम योगेश कुमार को 6-3 से हराकर खिताब अपने नाम किया। रावत ने योगेश को 71-41, 45-55, 02-63, 73-24, 56-24, 97-21, 34-52, 57-41, 65-57 से शिकस्त दी। योगेश ने पहला फ्रेम गंवाने के बाद दो फ्रेम जीतकर बढ़त बनाई लेकिन रावत ने वापसी कर ट्रॉफी जीत ली।

अब ऑनलाइन निशानेबाजी

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय ऑनलाइन निशानेबाजी चैम्पियनशिप की लोकप्रियता को देखते हुए इंडोनेशिया और मिस्र जैसे देश भी अब वर्चुअल प्रतियोगिताओं की मेजबानी को तैयार है। पूर्व भारतीय निशानेबाज शिमोन शरीफ अंतरराष्ट्रीय ऑनलाइन निशानेबाजी चैम्पियनशिप (आईओएससी) के आयोजक थे, उन्हें इंडोनेशियाई निशानेबाजी संघ ने अपनी चैम्पियन ऑफ चैम्पियंस प्रतियोगिता के लिए जोड़ा है जो रविवार को प्रेसिडेंट ऑफ इंडोनेशिया ओपन टूर्नामेंट के अंतर्गत कराई जाएगी।

ओडिशा, जमशेदपुर की निगाहें पहली जीत पर

वास्को। ओडिशा एफसी और जमशेदपुर एफसी का अभियान इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के सातवें चरण में निराशाजनक तरीके से शुरू हुआ और दोनों टीमें अब रविवार को एक दूसरे से होने वाली भिड़ंत में सत्र की पहली जीत दर्ज करने के लिए बेताब होंगी। ओडिशा एफसी को टूर्नामेंट के शुरूआती मैच में हैदराबाद एफसी से 0-1 से हार का सामना करना पड़ा जबकि ओवर्न कोएल की जमशेदपुर एफसी को चेन्नईयिन एफसी ने 2-1 से हरा दिया।

चेन्नईयिन की निगाहें ब्लास्टर्स को हराकर दूसरी जीत दर्ज करने पर

बेम्बोलिम (गोवा)। दो बार की चैम्पियन चेन्नईयिन एफसी रविवार को यहां होने वाले इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) मैच में केरल ब्लास्टर्स के खिलाफ लगातार दूसरी जीत दर्ज करना चाहेगी।

गलतियों से सबक लेकर उतरेगी टीम इंडिया

● दूसरा वनडे आज, श्रृंखला बचाने के लिए करनी होगी जुगत

भाषा। सिडनी

पहले मैच में लय पाने के लिए जूझते रहे भारतीय गेंदबाजों को बिना समय गंवाए अपनी गलतियों में सुधार करके आस्ट्रेलिया के खिलाफ श्रृंखला बचाने के लिए रविवार को दूसरे एक दिवसीय क्रिकेट मैच में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

भारत को पहले मैच में 66 रन से पराजय का सामना करना पड़ा। आस्ट्रेलिया ने जिस तरह से भारत की कमजोरियों का फायदा उठाया, वह कप्तान विराट कोहली और कोच रवि शास्त्री के लिए चिंता का सबब है। हार्दिक पंड्या ने 76 गेंद में 90 रन बनाए लेकिन 2017 चैम्पियंस ट्राफी फाइनल की तरह सिर्फ एक शानदार पारी से मैच नहीं जीता जा सकता। पंड्या ने खुद स्वीकार किया है कि वह फिलहाल गेंदबाजी करने की स्थिति में नहीं हैं और टी20 विश्व कप से पहले गेंदबाजी नहीं कर पाएंगे। इससे कोहली के पास ऐसे गेंदबाज रह गए हैं जो बल्लेबाजी नहीं कर सकते और शीर्षक्रम का कोई बल्लेबाज गेंदबाजी नहीं कर सकता। दूसरी ओर आस्ट्रेलिया के कप्तान आरोन फिंच, स्टीव स्मिथ और डेविड वार्नर जबर्दस्त फार्म में हैं जिससे जसप्रीत बुमराह और बाकी गेंदबाज असरदार साबित नहीं हुए। भारतीय टीम के गेंदबाजी संयोजन में किसी बदलाव की संभावना भी नहीं है बशर्ते युजवेंद्र चहल और नवदीप सैनी दोनों अनफिट घोषित न हों। चहल और सैनी दोनों ने मिलकर 20 ओवरों में 172 रन दे डाले। चहल चोट के कारण अपना स्पैल पूरा करने के बाद मैदान छोड़कर चले गए। वहीं सैनी की कमर में खिंचाव आ गया है। उनके कवर के तौर पर टी नटराजन को टीम में रखा गया है। उनके बाहर होने पर शारदुल ठाकुर को सैनी की जगह और कुलदीप यादव को चहल की जगह उतारा जा सकता है।

आस्ट्रेलियाई टीम में उभरते सितारे कैमरन ग्रीन को मौका मिल सकता है क्योंकि पहले मैच में मार्कस स्टोइनिस की बाजू में खिंचाव आ गया था। फिंच और स्मिथ दोनों ने संकेत दिया कि ग्रीन वनडे क्रिकेट में पदार्पण कर सकते हैं। भारत के शीर्ष क्रम के कुछ बल्लेबाजों ने गैर जिम्मेदाराना शॉट खेलकर अपने विकेट गंवाए। खासकर श्रेयस अय्यर ने जोश हेजलवुड की गेंद पर जो शॉट लगाया, वह गैर जरूरी था। मयंक अग्रवाल भी अतिरिक्त उछाल का सामना नहीं कर पा रहे। कप्तान विराट कोहली पर आस्ट्रेलियाई टीम, मीडिया और क्रिकेटप्रेमियों की नजरें हैं और वह भी बड़ी पारी खेलना चाहेंगे। कोहली ने पहले मैच के बाद कहा था , हमने मैच के बाद बल्लेबाजी को लेकर बात की। हम सकारात्मक सोच के साथ उतरे और सभी ने उसी तरीके से खेलने की कोशिश की। छठे गेंदबाज की कमी से बुमराह पर काफी दबाव आ गया है जो वनडे क्रिकेट में अपने चिर परिचित फार्म में भी नहीं दिख रहे। आईपीएल का शानदार फार्म वह पहले वनडे में दोहरा नहीं सके।

धीमी ओवर गति के लिए भारतीय टीम पर जुर्माना

दुबई। भारतीय क्रिकेट टीम पर सिडनी में श्रृंखला के शुरूआती वनडे में आस्ट्रेलिया के खिलाफ धीमी ओवर गति के लिए मैच फीस का 20 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया। भारत ने पहले वनडे में अपने 50 ओवर पूरे करने के लिए चार घंटे और छह मिनट के लिए जिसमें उसे 66 रन से हार का सामना करना पड़ा। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) मैच रैफरी डेविड बून ने यह जुर्माना लगाया। आईसीसी ने शनिवार को जारी एक बयान में कहा, आईसीसी की खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के लिए न्यूनतम ओवर गति उल्लघंन की आचार संहिता के अनुसार खिलाड़ियो पर निर्धारित समय में गेंदबाजी नही कर पाने की स्थिति में प्रत्एक ओवर से उनकी मैच फीस का 20 प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है। कप्तान विराट कोहली ने उल्लघंन और प्रस्तावित जुर्माना स्वीकार लिया है इसलिए अधिकारिक सुनवाई की जरूरत नही पड़ी। मैदानी अंपायर रॉड टकर और सैम नोगाजस्की, टीवी अंपायर पॉल रेफेल और चौथे अंपायर गेरार्ड एबोड ने यह उल्लंघन तय किया।

हार्दिक के अनफिट होने पर विजय है लेकिन उतना असरदार नहीं : गंभीर

नई दिल्ली। भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर का मानना है कि आधे फिट हार्दिक पंड्या का सही विकल्प नहीं मिलने पर भारतीय टीम में संतुलन नहीं बन सकेगा क्योंकि पंड्या के विकल्प विजय शंकर उतने असरदार नहीं है। पंड्या इस समय सिर्फ बल्लेबाज के तौर पर टीम में है और गेंदबाजी करने की स्थिति में नहीं हैं। भारत को आस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले वनडे में छठे गेंदबाज की कमी खली जिसमें भारत को 66 रन से पराजय झेलनी पड़ी। दो बार विश्व कप में भारत की जीत के नायक रहे गंभीर ने ईएसपीएन क्रिकइन्फो से कहा , पिछले विश्व कप से ही संतुलन की समस्या देखने को मिल रही है। हार्दिक गेंदबाजी नहीं कर पा रहा है तो आपका छठा गेंदबाज कौन है। विजय शंकर है लेकिन पांचवें या छठे नंबर पर वह उस तरह से असरदार नहीं है। क्या वह सात या आठ ओवर डाल सकता है। मुझे नहीं लगता। गंभीर ने कहा कि रोहित शर्मा जैसे सलामी बल्लेबाज की वापसी पर भी यह समस्या नहीं सुलझने वाली। आप मनीष पांडे को शामिल करने की बात कर सकते हैं ।या रोहित के लौटने पर भी यह समस्या तो रहेगी ही। शीर्ष छह बल्लेबाजों में से कोई भी गेंदबाजी नहीं कर सकता। आस्ट्रेलियाई टीम को देखो। मोइजेस हेनरिक्स कुछ ओवर डाल सकता है। सीन एबोट गेंदबाज हरफनमौला है और डेनियल सैम्स भी।

लय हासिल कर ली है लेकिन ज्यादा दबाव नहीं था : स्मिथ

सिडनी। आस्ट्रेलियाई बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने भारत के खिलाफ पहले वनडे में शतक जड़कर खोई लय हासिल कर ली लेकिन उन्होंने स्वीकार किया कि उन पर ज्यादा दबाव नहीं था। स्मिथ ने पहले वनडे में 66 गेंद में 105 रन बनाए। आस्ट्रेलिया ने यह मैच 66 रन से जीता। मैने फिर से लय हासिल कर ली। आरोन फिंच और डेविड वार्नर ने इतनी अच्छी शुरूआत दी थी कि मैं खुलकर खेल सका। मैने चुन लिया था कि किन गेंदबाजों को कहां मारना है। मैने अपनी ताकत के अनुसार अच्छे शॉट्स खेले। मुझ पर ज्यादा दबाव नहीं था जैसा पहले हुआ करता था। इससे पहले जब मैने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है तो टीम संकट में होती थी और मुझ पर पारी के सूत्रधार की भूमिका निभाने की जिम्मेदारी होती थी लेकिन इस बार ऐसा नहीं था। उन्होंने उम्मीद जताई कि आने वाले मैचों में भी वह यह लय बरकरार रख सकेंगे।

धोनी के कौशल और रवैए की कमी खल रही है : होल्डिंग

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज माइकल होल्डिंग का मानना है कि सितारों से सजे बल्लेबाजी क्रम के बावजूद भारतीय टीम को महेंद्र सिंह धोनी के कौशल और रवैए की कमी खल रही है जो बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए काफी काम आते थे। आस्ट्रेलिया ने पहले एक दिवसीय क्रिकेट मैच में भारत को 66 रन से हराया। होल्डिंग ने यूट्यूब चैट शो होल्डिंग नथिंग बैक में कहा , भारत के लिए लक्ष्य का पीछा करना कठिन था। भारत को महेंद्र सिंह धोनी की कमी खली। धोनी आम तौर पर बल्लेबाजी क्रम में निचले हाफ में उतरते हैं और लक्ष्य का पीछा करते हुए नियंत्रण बना लेते हैं। उनके टीम में रहते भारत ने अतीत में लक्ष्य का बखूबी पीछा किया है। भारत के पास काफी प्रतिभाशाली बल्लेबाज हैं जो स्ट्रोक्स खेलने में माहिर है। हार्दिक ने शानदार पारी खेली लेकिन फिर भी भारत को धोनी जैसे खिलाड़ी की जरूरत थी।

वेस्टइंडीज की दो सदस्ईय टीम मुआयना करने ढाका पहुंची

ढाका। क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) की दो सदस्ईय टीम जनवरी में होने वाली श्रृंखला के लिए बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) द्वारा किए गए कोविड-19 प्रबंधन इंतजामों का जायजा लेने शनिवार को यहां पहुंची। सीडब्ल्यूआई निदेशक डा अक्षय मानसिंह और बोर्ड के सुरक्षा मैनेजर पॉल स्लोवविल बीसीबी के जैविक रूप से सुरक्षित माहौल की योजना और स्वास्थ्य प्रोटोकॉल का मुआयना करने पहुंचे जिनके चटगांव जाने की भी उम्मीद है। दोनों तीन दिसंबर तक यहां रहेंगे।

पाकिस्तानी टीम का सातवां सदस्य कोरोना पॉजिटिव

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड दौरे पर गई पाकिस्तानी क्रिकेट टीम का एक और सदस्य कोरोना पॉजिटिव हो गया है और उसे अपने बाकी छह साथियों के साथ पृथकवास में रहना होगा। पाकिस्तान की 53 सदस्ईय टीम के छह सदस्य मंगलवार को पॉजिटिव पाए गए थे जब टीम पाकिस्तान से न्यूजीलैंड पहुंची।

जेहान ने शूमाकर को पछाड़ा

● फार्मूला टू में पहला पोडियम स्थान हासिल किया

भाषा। बहरीन

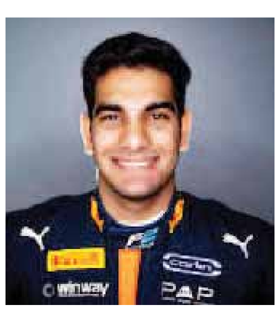

उभरते हुए भारतीय रेसर जेहान दारूवाला ने यहां बहरीन ग्रां प्री सपोर्ट रेस में तीसरे स्थान के लिए रोमाचंक मुकाबले में चैम्पियनशिप के शीर्ष ड्राइवर मिक शूमाकर को पछाड़ते हुए पहला फार्मूला टू पोडियम स्थान हासिल किया। ग्रिड में आठवें स्थान से शुरूआत करते हुए जेहान दो स्थान आगे हो गए और कुछ लैप्स तक छठे स्थान पर बरकरार रहे। हालांकि पांचवें लैप में वह दो स्थान गंवा बैठे और सर्किट से दूर हो गए। इससे उनकी रफ्तार में कमी आई जिससे वह और स्थान गंवा बैठे। वह कुछ लैप्स तक 10वें स्थान पर रहे और टायर बदलने के लिए पिट में आए। भारत के 22 साल के जेहान ने पिट से 18वें स्थान से जुड़े लेकिन जल्द ही वह आगे बढ़ने लगे और 32 लैप की रेस में वह 19वीं लैप में छठे स्थान पर पहुंच गए। जेहान ने जल्द ही कई रेस के विजेता रोबर्ट श्वार्टजमैन को पीछे छोड़ा और पांचवें स्थान पर पहुंच गए। शूमाकर ने फिर अपना अनिवार्य पिट स्टॉप लिया। शूमाकर जब पिट से निकले तो वह इस भारतीय के पीछे थे जो अब तीसरे स्थान पर था। शूमाकर और जेहान छह लैप्स तक बिलकुल बराबरी पर रहे। इसके बाद शूमाकर और जेहान के बीच अंतर दो, 1.5 और 0.7 सेकेंड का हो गया। अब पांच लैप्स बचे थे। शूमाकर के पास अपना डीआरएस (ड्रैग रिडक्शन सिस्टम) इस्तेमाल करने का भी मौका था जिससे उनकी रफ्तार तेज हो जाती। वह जेहान को पछाड़ देते लेकिन कुछ लैप्स के दिलचस्प मुकाबले में जेहान डीआरएस विकल्प के बिना ही सत्र में अपना सर्वश्रेष्ठ स्थान हासिल करने में सफल रहे। जेहान ने खुद पर काबू रखते हुए अपनी कार्लिन कार को सही स्थान पर रखा और शूमाकर को आगे जाने से रोक दिया।

बेयरस्टॉ ने पहले टी20 में इंग्लैंड को दिलाई जीत

भाषा। केपटाउन

जॉनी बेयरस्टॉ ने 48 गेंद में नाबाद 86 रन बनाकर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टी20 क्रिकेट मैच में इंग्लैंड को जीत दिलाई। दक्षिण अफ्रीका ने छह विकेट पर 179 रन बनाए जिसके जवाब में इंग्लैंड ने चार गेंद बाकी रहते पांच विकेट पर 183 रन बनाए। बेयरस्टॉ ने एक चौका और एक छक्का लगाकर टीम को जीत तक पहुंचाया। दक्षिण अफ्रीका ने मैच पर दबदबा बनाए रखा था लेकिन बूरान हेंडरिक्स के डाले 17वें ओवर में बेयरस्टॉ और कप्तान इयोन मोर्गन ने 28 रन बना डाले। इसी ओवर से मैच का नक्शा बदल गया। इंग्लैंड को इस ओवर से पहले 24 गेंद में 51 रन चाहिए थे लेकिन इसके बाद 18 गेंद में 23 रन की जरूरत थी। मोर्गन अगले ओवर में लुंगी एंगिडि की गेंद पर मिडविकेट में कैच दे बैठे। इसके बावजूद बेयरस्टॉ ने संयम बनाए रखकर फिनिशर की भूमिका निभाई। उन्होंने अपनी पारी में नौ चौके और चार छक्के जड़े। इससे पहले इंग्लैंड के लिए गेंदबाजी में सैम कुरेन ने 28 रन देकर तीन विकेट लिए।

निश्चित रूप से मैं ओलंपिक की दौड़ में शामिल हूं: साइना

भाषा। कोलकाता

भारतीय बैडमिंटन स्टार साइना नेहवाल ने शनिवार को कहा कि वह निश्चित रूप से तोक्यो ओलंपिक की दौड़ में शामिल हैं लेकिन इससे पहले उन्हें लय में वापसी करनी होगी और टूर्नामेंट जीतने होंगे। वर्ष 2012 लंदन ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता साइना बैडमिंटन विश्व महासंघ की तोक्यो ओलंपिक क्वालीफिकेशन रैंकिंग में 22वें स्थान पर खिसक गईं। हाल में वह चोटों से जूझ रही थीं और उनके अगले साल एशियाई टूर से वापसी की उम्मीद है। साइना ने इंडियन चैम्बर ऑफ कामर्स द्वारा आयोजित वर्चुअल सत्र में कहा, मैं जानती हूं कि हर किसी के दिमाग में ओलंपिक ही है। यह बहुत बड़ा है, लेकिन इससे पहले आपको इतने सारे टूर्नामेंट के बारे में सोचना होता है। मुझे लय में वापसी करनी होगी और शीर्ष 20 में शामिल खिलाड़ियों के खिलाफ जीत हासिल करनी होगी। इससे पहले दो-तीन महीने की ट्रेनिंग है। आपको पूरी तरह से फिट होना होगा और सात-आठ टूर्नामेंट खेलने होंगे, इसके बाद ही मैं ओलंपिक के बारे में सोचूंगी। लेकिन हां, मैं निश्चित रूप से दौड़ में शामिल हूं।

नरसिंह मैट पर वापसी में कोविड-19 जांच में पॉजिटिव

सोनीपत। डोपिंग के कारण चार साल का प्रतिबंध पूरा करने के बाद अपने पहले अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट की तैयारियों में जुटे पहलवान नरसिंह यादव को शनिवार को ग्रीको रोमन पहलवान गुरप्रीत सिंह के साथ कोरोना वायरस की जांच में पॉजिटिव पाया गया। नरसिंह को चार साल बाद अपने पहले अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट के लिए 12 से 18 दिसंबर तक बेलग्रेड में व्यक्तिगत विश्व कप में भाग लेना था जिसमें उन्हें जितेंदर किन्हा की जगह 74 किग्रा वर्ग में शामिल किया गया था। भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) ने एक बयान में कहा कि नरसिंह (74 किग्रा वजन वर्ग) इस साल अगस्त में फिर से प्रतिस्पर्धा में भाग लेने योग्य हो गए थे।

राजनीतिक स्वार्थ के चलते किसानों को गुमराह किया जा रहा है : पीयूष गोयल

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को विश्वास जताया कि कुछ गुमराह किसान, जो केंद्र के तीन कृषि कानूनों का विरोध कर रहे है, इन बदलावों के पीछे के अच्छे इरादों को समझेंगे। ये दुर्भाग्यपूर्ण है कि कुछ राजनीतिक तत्व निहित स्वार्थों के कारण किसानों को गुमराह कर रहे हैं। हजारों किसानों ने केंद्र के नए कृषि कानूनों के खिलाफ दिल्ली चलो अभियान के तहत शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी में प्रवेश करना शुरू किया। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि कुछ राजनीतिक तत्व निहित स्वार्थ के चलते हमारे किसानों को गुमराह कर रहे हैं। लेकिन मुझे पूरा विश्वास है कि लगभग पूरे देश की तरह किसानों ने भी हमारी नई कृषि पहल का स्वागत किया है, कुछ गुमराह किसान भी किसानों की भलाई के लिए किए गए इन बदलावों के पीछे के अच्छे इरादों को समझेंगे।

सेबी ने भेदिया कारोबार नियमों के उल्लंघन के लिए एनडीटीवी के प्रवर्तकों पर रोक लगाई

नई दिल्ली। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने एनडीटीवी के प्रवर्तकों प्रणय रॉय और राधिका रॉय पर दो साल के लिए प्रतिभूति बाजार में कारोबार की रोक लगा दी है। यह कार्वाई भेदिया कारोबार में संलिप्तता के चलते की गई है। सेबी ने दोनों को 12 साल पहले की भेदिया कारोबार गतिविधियों से अवैध तरीके से कमाए गए 16.97 करोड़ रुपए लौटाने को भी कहा है। नियामक ने इनके अलावा एक से दो साल की अवधि के लिए सात अन्य व्यक्तियों एवं निकायों पर भी पाबंदी लगा दी है। इनमें से कुछ को अप्रकाशित मूल्य संवेदनशील सूचनाओं के आधार पर शेयरों में कारोबार के जरिए की गई अवैध कमाई को लौटाने को कहा गया है। एनडीटीवी ने एक बयान में शनिवार को कहा कि उसके संस्थापकों प्रणय रॉय और राधिका रॉय के खिलाफ सेबी का आदेश तथ्यों के गलत आकलन पर आधारित है।

प्रधानमंत्री का दौरा एक खास दिन: सीरम इंस्टिट्यूट

नई दिल्ली। देश की टीका बनाने वाली प्रमुख कंपनी सीरम इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया ने शनिवार को कहा कि कंपनी लिए यह एक खास दिन था, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कंपनी के पुणे स्थित संयंत्र का दौरा किया। कंपनी द्वारा जारी विज्ञप्ति में कहा गया कि मोदी ने सीरम इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया का शनिवार को दौरा किया और वहां मौजूद टीम के साथ बातचीत की, जिन्होंने प्रधानमंत्री को वैक्सीन विनिर्माण में आगे तेजी लाने को लेकर अभी तक हुई प्रगति के बारे में जानकारी दी।

पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए 202 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का विकास करेगा आंध्र प्रदेश

अमरावती। सार्वजनिक क्षेत्र का आंध्र प्रदेश पर्यटन विकास निगम (एपीटीडीसी) राज्य में अधिक से अधिक पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए 202 करोड़ रुपए की परियोजनाओं के विकास की तैयारी कर रहा है। राज्य मंत्रिमंडल की शुक्रवार को हुई बैठक में एपीटीडीसी को राज्य में पर्यटन बुनियादी ढांचे के विकास के लिए 142 करोड़ रुपए का कर्ज लेने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई।

दूसरी तिमाही के जीडीपी आंकड़ों ने जुझारू क्षमता दिखाई : एसबीआई

भाषा। नई दिल्ली

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के अर्थशास्त्रियों ने शनिवार को कहा कि विनिर्माण क्षेत्र द्वारा आश्चर्यजनक तरीके से जुझारू क्षमता दिखाने के चलते सितंबर तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में गिरावट की दर 7.5 प्रतिशत पर रुक गई। इसकी एक वजह कंपनियों और कारोबार जगत द्वारा कर्मचारियों के वेतन जैसे लागत में भारी कटौती हो सकती है और इससे आगे गिरावट थमने के मजबूत संकेत मिलते हैं। एसबीआई समूह के मुख्य आर्थिक सलाहकार सौम्य कांति घोष ने इकोरैप में लिखा कि भारत की जीडीपी वृद्धि ने जुलाई-सितंबर (वित्त वर्ष 2020-21 की दूसरी तिमाही) में आश्चर्यजनक रूप से जुझारूपन दिखाया है और वास्तविक आधार पर संकुचन सिर्फ 7.5 प्रतिशत रहा, जबकि गिरावट का अनुमान इससे अधिक था। लॉकडाउन की पाबंदियों को बहुत हद तक खत्म किए जाने के चलते विनिर्माण में सुधार हुआ, और जीडीपी में संकुचन में उल्लेखनीय कमी हुई। कृषि क्षेत्र का बेहतर प्रदर्शन 3.4 प्रतिशत के साथ जारी रहा। सेवा क्षेत्र नकारात्मक दिशा में बना रहा, हालांकि व्यापार, होटल, परिवहन, संचार और प्रसारण सेवाओं जैसे क्षेत्रों में सुधार होने से गिरावट में कुछ लगाम लगी। घोष ने इकोरैप में लिखा, सबसे आश्चर्यजनक आंकड़ा दूसरी तिमाही में विनिर्माण क्षेत्र में सकारात्मक वृद्धि है। पहली तिमाही में (लॉकडाउन के कारण) सबसे अधिक प्रभावित होने के बावजूद यह प्रदर्शन काफी हैरान करने वाला है कि विनिर्माण अपने आप कैसे बदल गया। उन्होंने लिखा कि इसकी एक वजह लागत में भारी कमी हो सकती है, जैसा कि हमने दूसरी तिमाही में कॉरपोरेट आय के नतीजों में देखा। उन्होंने आगे कहा कि खासतौर से छोटी कंपनियों, जिनका कारोबार 500 करोड़ रुपए तक है, ने लागत में कटौती की अधिक कोशिश की और कर्मचारियों की संख्या में 10-12 तक कमी की। घोष ने आगे कहा कि यह भविष्य में खपत बढ़ने का एक मजबूत संकेत है और इसके साथ ही भंडारण निर्माण के संकेत भी हैं, जो आगे विनिर्माण को बढ़ावा दे सकता है।

यूईएफ विश्व शिखर सम्मेलन का चौथा संस्करण चार दिसंबर से

चेन्नई। संयुक्त आर्थिक मंच (यूनाइटेड इकोनॉमिक फोरम) के वैश्विक शिखर सम्मेलन का चौथा संस्करण ट्रेड एक्सपो के साथ चार दिसंबर से होने वाला है। आयोजकों ने शनिवार को कहा कि तीन दिन के इस आयोजन में 30 देशों के साथ 80 से अधिक वक्ता हिस्सा लेंगे। यूनाइटेड इकोनॉमिक फोरम के अध्यक्ष अहमद एआर बुहारी ने कहा कि यह आयोजन ऑनलाइन होगा और यह संकल्पना, प्रभाव, प्रेरणा थीम पर आधारित होगा। बुहारी ने कहा, यह हमारे वृहद आयोजन यूईएफ का चौथा संस्करण होगा, लेकिन ऑनलाइन पहली बैठक होगी। इस सम्मेलन को सच में वैश्विक बनाने के लिए बहुत प्रयास किए गए हैं।

पेट्रोल 82 रुपए प्रति लीटर के पार, डीजल के दाम भी बढ़े

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में पेट्रोल के दाम शनिवार को 82 रुपए प्रति लीटर के पार हो गए। वहीं डीजल का मूल्य भी 72 रुपए प्रति लीटर से अधिक हो गया। पिछले नौ दिन में यह वाहन ईंधन कीमतों में आठवीं बढ़ोतरी है। कोरोना वायरस की वैक्सीन को लेकर उम्मीदें बढ़ने से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है। इसी के अनुरूप शनिवार को पेट्रोल कीमतों में 24 पैसे प्रति लीटर और डीजल में 27 पैसे प्रति लीटर की और वृद्धि हुई है। पेट्रोलियम विपणन कंपनियों की मूल्य को लेकर अधिसूचना के अनुसार दिल्ली में अब पेट्रोल का दाम 81.89 रुपए से बढ़कर 82.13 रुपए प्रति लीटर हो गया है। इसी तरह डीजल भी 71.86 रुपए से बढ़कर 72.13 रुपए प्रति लीटर हो गया है। 20 नवंबर के बाद यह वाहन ईंधन की कीमतों में आठवीं वृद्धि है। करीब दो सप्ताह के विराम के बाद इसी दिन से पेट्रोलियम विपणन कंपनियों ने कीमतों में फिर संशोधन शुरू किया था। नौ दिन में पेट्रोल 1.07 रुपए प्रति लीटर महंगा हुआ है। इस दौरान डीजल के दाम 1.67 रुपए प्रति लीटर बढ़े हैं। 20 नवंबर को कीमतों में संशोधन फिर शुरू होने से पहले 22 सितंबर से पेट्रोल के दाम स्थिर थे।

औद्योगिक श्रमिकों के लिए खुदरा मुद्रास्फीति अक्टूबर में बढ़कर 5.91 प्रतिशत पर

नई दिल्ली। औद्योगिक श्रमिकों के लिए खुदरा मुद्रास्फीति अक्टूबर में मामूली बढ़कर 5.91 प्रतिशत पर पहुंच गई। सितंबर में यह 5.62 प्रतिशत पर थी। कुछ खाद्य वस्तुओं के दाम बढ़ने से औद्योगिक श्रमिकों की खुदरा मुद्रास्फीति बढ़ी है। श्रम मंत्रालय की ओर से शनिवार को जारी बयान के अनुसार, अक्टूबर, 2020 में सालाना आधार पर औद्योगिक श्रमिकों की खुदरा मुद्रास्फीति 5.91 प्रतिशत रही, जो सितंबर में 5.62 प्रतिशत थी। एक साल पहले समान महीने में यह 7.62 प्रतिशत के स्तर पर थी। बयान में कहा गया है कि अक्टूबर में खाद्य मुद्रास्फीति बढ़कर 8.21 प्रतिशत हो गई, जो सितंबर में 7.51 प्रतिशत और अक्टूबर, 2019 में 8.60 प्रतिशत पर थी। औद्योगिकी श्रमिकों के लिए अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई-आईडब्ल्यू) अक्टूबर में 1.4 अंक बढ़कर 119.5 अंक पर पहुंच गया। अरहर दाल, चिकन, अंडा, मांस, सरसों तेल, सूरजमुखी तेल, बैंगन, पत्ता गोभी, गाजा, फूल गोभी, भिंडी, आलू, प्याज, मटर, घरेलू बिजली, चिकित्सक की फीस, बस किराए आदि की वजह से कुल सूचकांक बढ़ा है।

बिग बास्केट ने लॉकडाउन के दो दिन में 80 प्रतिशत श्रमबल गंवाया : सीईओ

कोयंबटूर। बिग बास्केट ने मार्च के महीने में देशव्यापी लॉकडाउन की वजह से मात्र दो दिन के भीतर अपने 80 प्रतिशत कर्मचारियो को गंवा दिया था, लेकिन अपने टीम की जिजीविषा की वजह से कंपनी एक बार फिर तेजी के राह पर लौट आई और उसने 16 दिन में ही 12,000 से अधिक लोगों को काम पर रखा और अपने कामकाज को आगे बढ़ाया।

एथर एनर्जी अपने पहले उत्पाद एथर450 को बंद करेगी

नई दिल्ली। इलेक्ट्रिक दोपहिया स्टार्टअप एथर एनर्जी ने अपने पहले उत्पाद एथर 450 को बंद करने का फैसला किया है। कंपनी ने कहा कि वह एथर 450 को 450 एक्स और 450 प्लस से बदलने जा रही है। इनका निर्माण भी इसी मंच पर किया गया है। साथ ही इन मॉडलों की हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर क्षमताओं को बेहतर किया गया है। कंपनी ने एथर 450 को 2018 में पेश किया था।

कृषि प्रौद्योगिकी स्टार्टअप फार्मकार्ट कारोबार विस्तार के लिए जुटाएगी 90 करोड़

मुंबई। मध्य प्रदेश स्थित कृषि प्रौद्योगिकी स्टार्टअप कंपनी फार्मकार्ट की योजना देशभर में कारोबार का विस्तार करने के लिए वेंचर निवेशकों से 90 करोड़ रुपए की राशि जुटाने की है। कंपनी के एक शीर्ष अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। कंपनी के संस्थापक अतुल पाटीदार ने कहा, अभी हम मध्य प्रदेश में।,240 स्थानों पर परिचालन कर रहे है।

रखरखाव के लिए बंद हुई अहमदाबाद-केवड़िया सीप्लेन सेवा

अहमदाबाद। गुजरात के नर्मदा जिले में अहमदाबाद और केवड़िया के बीच चलने वाली सी-प्लेन सेवा रखरखाव के लिए करीब तीन सप्ताह के लिए बंद कर दी गई है। इसका परिचालन करने वाली कंपनी स्पाइसजेट ने इसकी जानकारी दी।

पायनियर
नई दिल्ली, रविवार, 29 नवंबर , 2020

डोभाल ने श्रीलंका में समुद्री सुरक्षा को लेकर त्रिपक्षीय वार्ता में हिस्सा लिया

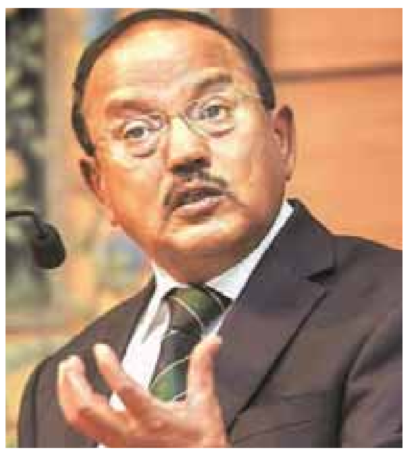

भाषा। कोलंबो

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजित डोभाल ने शनिवार को यहां भारत, श्रीलंका और मालदीव के बीच समुद्री सुरक्षा को लेकर उच्चस्तरीय त्रिपक्षीय वार्ता में हिस्सा लिया।

श्रीलंका, भारत और मालदीव के साथ समुद्री सुरक्षा सहयोग पर चौथी त्रिपक्षीय बैठक का आयोजन कर रहा है। छह साल बाद यह बैठक हो रही है। इससे पहले यह बैठक 2014 में नई दिल्ली में हुई थी। कोलंबो में भारतीय उच्चायोग ने बताया कि डोभाल, श्रीलंका के रक्षा सचिव मेजर (सेवानिवृत्त) कमल गुणारत्ने और मालदीव की रक्षा मंत्री मारिया दीदी द्वारा त्रिपक्षीय बैठक में हुई चर्चा के ब्योरे पर हस्ताक्षर करके औपचारिक रूप दिया गया।श्रीलंकाई विदेश मंत्रालय ने बैठक की विस्तृत जानकारी दिए बगैर ट्वीट किया कि श्रीलंका के विदेश मंत्री दिनेश गुणावर्धने ने मुख्य अतिथि के रूप में बैठक को संबोधित किया। विदेश सचिव एडमिरल प्रो. जयनाथ कोलंबेज ने भी बैठक में हिस्सा लिया। यह बैठक हिंद प्रशांत क्षेत्र और हिंद महासागर में अपने प्रभाव को बढ़ाने के चीन के प्रयासों के बीच हुई। श्रीलंकाई सेना ने बृहस्पतिवार को बताया था कि बैठक में बांग्लादेश, मॉरीशस और सेशल्स के पर्यवेक्षक भी रहेंगे।

वार्ता के लिए शुक्रवार को कोलंबो पहुंचे डोभाल ने कल ही मालदीव की रक्षा मंत्री मारिया दीदी से मुलाकात की थी और हिंद महासागर में प्रमुख द्वीपीय देश के साथ द्विपक्षीय साझेदारी को और मजबूत करने पर सौहार्दपूर्ण और विस्तृत चर्चा की थी। डोभाल ने शुक्रवार को श्रीलंका के रक्षा सचिव गुणारत्ने से भी मुलाकात की थी और वे दोनों देशों के बीच मूल्यवान सहयोग को और बढ़ाने के लिए कई कदमों पर सहमत हुए थे।

कोलंबो में भारतीय उच्चायोग ने एक अन्य ट्वीट में कहा था, एनएसए अजित डोभाल ने मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) कमल गुणारत्ने से मुलाकात की और दोनों देशों के बीच रक्षा और सुरक्षा साझेदारी से संबंधित मामलों को लेकर विचार-विमर्श हुआ। हिंद महासागर क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा पर समन्वित कार्वाई, राहत और बचाव अभियान का प्रशिक्षण, समुद्र में बढ़ते प्रदूषण को लेकर कदम उठाने, सूचनाएं साझा करने, अवैध हथियारों, मादक पदार्थों की तस्करी पर लगाम लगाने जैसे विषयों पर त्रिपक्षीय बैठक में चर्चा होने की संभावना है।

नई दिल्ली में विदेश मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को कहा था कि एनएसए स्तर की त्रिपक्षीय बैठक हिंद महासागर के देशों के बीच सहयोग बढ़ाने के लिए एक प्रभावी मंच हैं।विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा था, हिंद महासागर क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा को लेकर सहयोग से जुड़े मुद्दों पर चर्चा होगी। इस साल डोभाल का श्रीलंका का यह दूसरा दौरा है। इससे पहले वह जनवरी में श्रीलंका आए थे और दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा की थी।

एनएसए डोभाल ने मालदीव की रक्षामंत्री से द्विपक्षीय वार्ता की

भाषा। कोलंबो

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजित डोभाल ने हिंद महासागर के अहम द्वीपीय देश मालदीव की रक्षामंत्री मारिया दीदी के साथ द्विपक्षीय साझेदारी पर सौहार्द्रपूर्ण और विस्तृत चर्चा की। डोभाल ने कोलंबो में भारत, श्रीलंका और मालदीव के साथ हुई त्रिपक्षीय वार्ता के तहत दीदी से बातचीत की। उल्लेखनीय है कि भारत और मालदीव के साथ समुद्री सुरक्षा सहयोग पर श्रीलंका राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार स्तर की चौथी वार्ता की मेजबानी कर रहा है। वर्ष 2014 में नई दिल्ली में हुई बैठक के छह साल बाद तीनों देशों के बीच एनएसए स्तर की वार्ता हो रही है। मालदीव में भारतीय उच्चायोग ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल से ट्वीट किया, एनएसए अजित डोभाल और मालदीव की रक्षामंत्री मारिया दीदी ने रक्षा क्षेत्र में भारत और मालदीव के बीच द्विपक्षीय साझेदारी को गहरा करने के लिए सौहार्द्रपूर्ण और विस्तृत चर्चा की। उल्लेखनीय है कि त्रिपक्षीय वार्ता के लिए डोभाल शुक्रवार को कोलंबो पहुंचे थे। इस उच्चस्तरीय बैठक के एजेंडे में समुद्री दस्यु पर लगाम लगाना, सूचना साझा करने, मादक पदार्थों की तस्करी पर अंकुश लगाना, कानूनी व्यवस्था सहित समुद्री सुरक्षा के विभिन्न पहलु शामिल है। यह बैठक हिंद-प्रशांत क्षेत्र में प्रभाव बढ़ाने की चीन की कोशिश की बीच हो रही है। चीन हिंद महासगार में अपनी महत्वाकांक्षी समुद्री रेशम मार्ग योजना में मालदीव को अहम मानता है जबकि श्रीलंका के हम्बनटोटा बंदरगाह और अफ्रीका के जिबूती बंदरगाह का पहले ही अधिग्रहण कर चुका है।

दक्षिण कोरिया मे लगातार तीसरे दिन संक्रमण के 500 से अधिक मामले

सियोल। दक्षिण कोरिया में लगातार तीसरे दिन कोरोना वायरस संक्रमण के 500 से ज्यादा मामले सामने आए हैं।कोरिया डिजीज कंट्रोल ऐंड प्रिवेंशन के अनुसार शनिवार को 504 मामले सामने आए जिससे देश में संक्रमण के मामले बढ़कर 33,375 हो गए। संक्रमण से 522 लोगों की मौत हो चुकी है। संक्रमण के नए मामलों में से 330 मामले घनी आबादी वाले सियोल मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र से सामने आए है। इस इलाके में देश की आधी आबादी रहती है। इसके अलावा संक्रमण के मामले दाएगू सहित अन्य प्रमुख शहरों से भी सामने आए हैं। गौरतलब है कि देश की गिरती अर्थव्यवस्था को संभालने के लिए सरकार ने आर्थिक गतिविधियों को शुरू करने की मंजूरी दी और सामाजिक दूरी के नियम में अक्टूबर माह में काफी ढील दी, जिसके बाद देश में संक्रमण के मामले बढ़े हैं।

श्यामा, टोकियो के उत्तर पश्चिम क्षेत्र में एफ 3 ईजे लड़ाकू विमान पर बैठे जापान के प्रधानमंत्री योशिदा सुगा

कोरोना वायरस संक्रमण के टीके की आपूर्ति के संबंध में सलाहकारों की बैठक मंगलवार को

● विशेषज्ञों ने पहले स्वास्थ्य कर्मियों को टीका लगाने का प्रस्ताव दिया है

एपी। मियामी

अमेरिकी सलाहकारों की एक समिति मंगलवार को बैठक करके इस बात पर विचार-विमर्श करेगी कि कोविड-19 के टीके को मंजूरी मिलने के बाद इसकी प्रारंभिक आपूर्ति किस प्रकार से की जानी चाहिए। विशेषज्ञों ने पहले स्वास्थ्य कर्मियों को टीका लगाने का प्रस्ताव दिया है। आवश्यक सेवाओं के कर्मचारियों, गंभीर बीमारियों से जूझ रहे लोगों और 65 अथवा उससे अधिक आयु के लोगों को भी उच्च प्राथमिकता दी जा सकती है।सीडीसी द्वारा गठित एडवाइजरी कमेटी ऑन इम्यूनाइजेशन प्रैक्टिसेज नामक समूह की यह बैठक मंगलवार को होनी है।फाइजर और जर्मनी के उसके साझेदार बायोएनटेक ने एफडीए से कहा है कि वह उसके कोविड-19 के संभावित टीके के आपात इस्तेमाल की इजाजत दे। मॉडर्ना इंक भी जल्द ही अपने टीके के आपात इस्तेमाल की मांग कर सकता है।

चीन के रक्षा मंत्री रविवार को नेपाल की यात्रा पर आएंगे

काठमांडू। चीन के रक्षा मंत्री जनरल वेई फेंगही रविवार को नेपाल की यात्रा पर आएंगे और देश के शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात करेंगे। विदेश मंत्रालय ने शनिवार को यहां यह जानकारी दी।अपनी एक दिन की यात्रा के दौरान स्टेट काउंसलर वेई राष्ट्रपति विद्या देवी भंडारी और प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली से शिष्टाचार के नाते मुलाकात करेंगे।मंत्रालय ने एक बयान में कहा, चीनी रक्षा मंत्री नेपाली सेना के प्रमुख जनरल पूर्ण चन्द्र थापा से भी मुलाकात करेंगे। वेई उसी शाम बीजिंग वापस लौट जाएंगे। भारत के विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला की नेपाल की दो दिवसीय यात्रा के बाद मंत्रालय ने यह घोषणा की। इस वर्ष अगस्त में चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने कहा था कि उन्होंने चीन-नेपाल संबंधों को मजबूत बनाने पर बहुत जोर दिया और वह अपनी नेपाली समकक्ष भंडारी के साथ द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए तत्पर हैं।

ईरान के सर्वोच्च नेता ने वैज्ञानिक की हत्या का बदला लेने का निश्चय प्रकट किया

● इजराइल ने शुक्रवार को की गई वैज्ञानिक मोहसिन फखरीजादा की हत्या के विषय पर अबतक कोई टिप्पणी नही की है

एपी। तेहरान

ईरान के सर्वोच्च नेता ने देश के भंग सैन्य परमाणु कार्यक्रम से जुड़े एक वैज्ञानिक की हत्या के लिए जिम्मेदार लोगों के लिए शनिवार को सुनिश्चित दंड का आह्वान किया। ईरान ने इस कत्ल के लिए इजराइल को जिम्मेदार ठहराया है। इजराइल ने शुक्रवार को की गई वैज्ञानिक मोहसिन फखरीजादा की हत्या के विषय पर अबतक कोई टिप्पणी नहीं की है। ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर तनाव के बीच वैज्ञानिकों की हत्या पर शक की सुई इजराइल पर उठती रही है।मोहसिन पर जिस तरह से हमला किा गया वह बड़ी सावधानी से योजना बनाकर सैनिकों द्वारा घात लगाकर किया गया हमला जान पड़ता है। इस हत्या से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आखिरी दिनों में अमेरिका एवं ईरान के बीच तनाव फिर से बढ़ने की आशंका है। अमेरिका के नव निर्वाचित राष्ट्रपति जो बाइडन कह चुके हैं कि उनका प्रशासन दुनिया की अन्य ताकतों के संग तेहरान के परमाणु करार पर लौट सकता है जिससे ट्रंप प्रशासन हट गया था।पेंटागन ने शनिवार को घोषणा की थी उसने पश्चिम एशिया में यूएसएस निमित्ज विमानवाहक पोत को वापस भेजा है। एक बयान में ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्ला अली खामेनी ने फखरीजादा को देश का प्रमुख एवं प्रतिष्ठित परमाणु एवं रक्षा वैज्ञानिक बताया।खामेनी ने कहा कि इस हत्या के बाद ईरान की प्राथमिकता गुनाहगारों और उन लोगों को सुनिश्चित दंड देने की है जिन्होंने इसका आदेश दिया। उन्होंने उसका ब्योरा नहीं दिया।

बैंकाक में विभिन्न मांगों को लेकर सरकार विरोधी प्रदर्शन करते लोग

क्विक न्यूज

ईरान के मिसाइल कार्यक्रम का समर्थन करने वाली चीन व रूस की कंपनियों पर अमेरिका ने लगाई पाबंदी

वाशिंगटन। अमेरिका ने ईरान के मिसाइल कार्यक्रम का समर्थन करने वाली चीन और रूस की चार कंपनियों पर प्रतिबंध लगाए है। विदेश मंत्री माइक पोम्पियो ने यह जानकारी दी है।पोम्पियो ने कहा कि ईरान का मिसाइल कार्यक्रम परमाणु प्रसार संबंधी चिंताओं का विषय बना हुआ है। इस बाबत घोषणा शुक्रवार को की गई। परमाणु हथियारों से जुड़ी गतिविधियों के कारण अमेरिका द्वारा ईरान के खिलाफ सख्त कदम उठाना जारी है।पोम्पियो ने कहा, परमाणु प्रसार को लेकर चिंता का बड़ा कारण बने ईरान के मिसाइल कार्यक्रम का समर्थन करने पर अमेरिका ने चीन और रूस की चार कंपनियों पर प्रतिबंध लगाए है। ईरान को उसकी मिसाइल क्षमताओं में इजाफा करने से रोकने के लिए हम प्रतिबंध संबंधी अपने सभी उपायों का इस्तेमाल करना जारी रखेंगे। जिन कंपनियों पर पाबंदी लगाई गई है उनके नाम है चीन की चेंगदू बेस्ट न्यू मटैरियल्स कंपनी लिमिटेड और जिबो एलिम ट्रेड कंपनी लिमिटेड तथा रूस की नील्को ग्रुप या नील फार्म खजार कंपनी और सांटर्स होल्डिंग एवं ज्वॉइंट स्टॉक कंपनी ऐलेकॉन। अमेरिका के मुताबिक इन कंपनियों ने ईरान के मिसाइल कार्यक्रम के लिए संवेदनशील प्रौद्योगिकी तथा वस्तुएं मुहैया करवाईं।पोम्पियो ने कहा, ईरान के मिसाइल विकास संबंधी प्रयासों को रोकने के लिए हम काम करते रहेंगे तथा चीन और रूस की कंपनियों जैसे ऐसे विदेशी आपूर्तिकर्ताओं की पहचान के लिए प्रतिबंध प्राधिकारों का उपयोग करेंगे जो ईरान को मिसाइल संबंधी सामग्री और प्रौद्योगिकी उपलब्ध करवाते है। इन प्रतिबंधों के तहत अमेरिकी सरकार द्वारा खरीद, अमेरिकी सरकार की ओर से सहायता, निर्यात पर पाबंदी लगेगी तथा यह पाबंदी दो साल तक के लिए प्रभावी रहेगी।

पेनसिल्वेनिया में मुकदमा खारिज करने के खिलाफ ट्रंप के दल की अपील भी अस्वीकृत हुई

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के नतीजों को पलटने की अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की एक और कोशिश विफल रही। पेनसिल्वेनिया की संघीय अपीली अदालत ने ट्रंप के दल की ओर से दायर मुकदमे को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि राष्ट्रपति को वकील नही बल्कि मतदाता चुनते है। ट्रंप के दल ने पेनसिल्वेनिया मे मुकदमा खारिज होने के खिलाफ थर्ड यूएस सर्किट कोर्ट ऑफ अपील्स मे अपील दायर की थी लेकिन तीन न्यायाधीशों के पैनल ने शुक्रवार को अदालत के पूर्व आदेश को बरकरार रखा। न्यायाधीश ने आदेश में कहा, निष्पक्ष चुनाव हमारे लोकतंत्र के प्राण है। चार दिन पहले ही पेनसिल्वेनिया मे ट्रंप के प्रतिद्वंद्वी जो बाइडन को राज्य मे विजेता घोषित किया गया था।फैसला सुनाने वाले न्यायाधीश स्टेफानोस बिबास की नियुक्ति ट्रंप द्वारा की गई थी। उन्होने कहा, पक्षपात के आरोप गंभीर है लेकिन चुनाव को पक्षपातपूर्ण कहने भर से नही चलेगा, स्पष्ट आरोप और उनके समर्थन मे सबूत भी होने चाहिए। यहां इनमे से कुछ भी नही है।

बाइडन ऐसे नेता हैं जिनका सम्मान दुनिया करेगी: हैरिस

वाशिंगटन। अमेरिका की नवनिर्वाचित उप राष्ट्रपति कमला हैरिस ने कहा कि नवनिर्वाचित राष्ट्रपति जो बाइडन ऐसे नेता है जिनका सम्मान दुनिया करेगी। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव मे जीत दर्ज करने वाले 78 वर्षीय बाइडन की प्रशंसा करते हुए हैरिस ने कहा कि वह सभी अमेरिकियों के राष्ट्रपति होंगे। हैरिस ने ट्वीट किया, हम जानते हैं कि वह ऐसे राष्ट्रपति होंगे जो हममें से बेहतरीन है। ऐसे नेता जिनका सम्मान दुनिया करेगी और हमारे बच्चे उनसे प्रेरणा लेंगे। वही, बाइडन ने कई ट्वीट कर देश मे एकता का आह्वान किया।उन्होंने ट्वीट करके कहा, यह देश में अब तक का एक नया, साहसी और अधिक कृपालु इतिहास लिखने का हमारा क्षण है- हम सबका। उन्होंने कहा, कोरोना वायरस संक्रमण की रफ्तार रोकने की हर किसी की जिम्मेदारी है, हमें अपने कोशिशें दुगुनी कर कोविड-19 के खिलाफ संघर्ष के प्रति दोबारा प्रतिबद्धता जाहिर करनी है। हम सभी इसमें एकजुट हैं।

दक्षिण फ्लोरिडा के नवनिर्वाचित सांसद कार्लोस गिमेनेज कोरोना वायरस से संक्रमित

मियामी। दक्षिण फ्लोरिडा के नवनिर्वाचित सांसद कार्लोस गिमेनेज कोरोना वायरस से संक्रमित हो गए है। उनके चुनाव अभियान दल ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।बयान के अनुसार मियामी डाडे काउंटी के पूर्व महापौर और उनकी पत्नी लूर्डेस बृहस्पतिवार को जांच के दौरान संक्रमित पाए गए। दोनों को इस बीमारी के हल्के लक्षण थे।अभियान दल के अनुसार दोनों ने चिकित्सकों के परामर्श के मुताबिक खुद को घर में पृथक कर लिया है। गिमेनेज 2011 से इस माह तक मियामी डाडे के महापौर थे। वह तीन नवंबर के हुए आम चुनाव में अमेरिकी कांग्रेस के लिए निर्वाचित हुए है।

अश्वेत व्यक्ति को पीटती पुलिस के वीडियो हमें शर्मसार करते हैं: मैक्रों

भाषा। पेरिस

फ्रांस के राष्ट्रपति एमैनुएल मैक्रों ने कहा कि एक अश्वेत व्यक्ति को पीटते हुए पुलिस के जो वीडियो सामने आए हैं वे हमें शर्मसार करते हैं, साथ ही उन्होंने पुलिस के द्वारा और पुलिस के खिलाफ दोनों की तरीकों की हिंसा की निंदा की।

मैक्रों ने सरकार से फ्रांस और उसकी रक्षा करने वालों के बीच भरोसे की उस कड़ी को मजबूत करने, जो उनके बीच स्वाभाविक तरीके से होनी चाहिए, के लिए सरकार से तत्काल प्रस्ताव पेश करने की मांग की।गौरतलब है कि बृहस्पतिवार को एक वीडियो सामने आया जिसमें काफी दिन पहले संगीत निर्देशक माइकल ज़ेस्लर के साथ मारपीट होती दिखाई दे रही है। इसमें मंगलवार को पेरिस प्लाजा से पुलिस आव्रजकों को बेरहमी से निकालती हुई भी दिखाई दे रही है। ये घटनाएं नए सुरक्षा कानून को ले कर उठे विवाद के बीच सामने आई हैं। कानून का एक अनुच्छेद पुलिस अधिकारियों की तस्वीरें उन्हें नुकसान पहुंचाने के इरादे के साथ प्रकाशित करने को जुर्म की श्रेणी में लाता है। नागरिक स्वतंत्रता समूहों और पत्रकारों को चिंता है कि इस कदम से पुलिस बर्बरता की बातें सामने नहीं आ पाएंगी और उन्हें इसके लिए कभी दंडित नहीं किया जा सकेगा।देश में शनिवार को लोग प्रदर्शन की योजना बना रहे हैं। मैंक्रों ने अपने फेसबुक पोस्ट में कहा कि वह पुलिस के द्वारा और पुलिस के खिलाफ दोनों ही प्रकार की हिंसा को कभी बर्दाश्त नहीं करेंगे। उन्होंने कहा, गणतंत्र (फ्रांस) के मूल्यों से समझौता नहीं हो सकता।

थाईलैंड में लोकतंत्र समर्थक प्रदर्शनकारियो ने तख्तापलट की आशंका जताई

बैंकाक। थाईलैंड में लोकतंत्र समर्थकों ने गिरफ्तारी वारंट जारी होने और हिंसक हमलों के खतरे के बावजूद एक और रैली निकाली तथा सैन्य तख्तापलट की आशंका भी जताई।

इससे पहले बुधवार को हुई रैली में दो व्यक्तियों को कथित तौर पर गोली मारी गई थी जिसमें वे बहुत बुरी तरह घायल हो गए थे। प्रदर्शनकारी प्रधानमंत्री प्रयुत चान ओचा के पद से हटने और इस सरकार के शासन को समाप्त करने की मांग कर रहे हैं। इसके अलावा वे संविधान में संशोधन कर इसे और लोकतांत्रिक बनाने और राजशाही में सुधार करने के साथ-साथ उसे और जवाबदेह बनाने की भी मांग कर रहे हैं।इसमें राजवंश से जुड़ा मुद्दा सबसे विवादित है क्योंकि शाही संस्थान की ओर उंगली उठाना कानूनन गलत माना जाता है। वैसे भी सेना घोषणा कर चुकी है कि राजवंश की रक्षा उसके लिए सर्वोपरि है।पिछले हफ्ते थाईलैंड के अधिकारियों ने प्रदर्शनकारी नेताओं में से 12 पर राजवंश की मानहानि करने से संबंधित एक कड़े काननू का उल्लंघन करने का मामला दर्ज किया। दूसरी ओर प्रदर्शनकारियों की तख्तापलट की आशंका भी निराधार नहीं है। इससे पहले 1977, 1991, 2006 और 2014 में यहां तख्तापलट हो चुके हैं।यदि सरकार को लगता है कि वह प्रदर्शनों पर नियंत्रण नहीं कर पा रही है तो वह मार्शल लॉ लागू कर सकती है या फिर सेना सरकार का तख्तापलट कर सकती है। शुक्रवार को एक रैली में कुछ वक्ताओं ने लोगों से अपील की कि वे किसी भी तख्तापलट का विरोध करने के लिए तैयार रहें।

नकदी संकट से जूझ रहे पाकिस्तान को एडीबी ने 30 करोड़ डॉलर का नीति आधारित ऋण मंजूर किया

भाषा। इस्लामाबाद

● पाकिस्तान ने जी20 के 14 सदस्य देशों से 80 करोड़ डॉलर की ऋण राहत हासिल की थी, जिसके एक सप्ताह बाद एडीबी ने यह घोषणा की

एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने नकदी संकट से जूझ रहे पाकिस्तान को 30 करोड़ अमेरिकी डॉलर के नीति-आधारित ऋण की मंजूरी दी है, ताकि देश में व्यापक आर्थिक स्थिरता को बढ़ावा दिया जा सके।

पाकिस्तान ने जी20 के 14 सदस्य देशों से 80 करोड़ डॉलर की ऋण राहत हासिल की थी, जिसके एक सप्ताह बाद एडीबी ने यह घोषणा की। दुनिया के धनी देशों के समूह जी20 देशों का पाकिस्तान पर इस साल अगस्त तक 25.4 अरब डॉलर बकाया था। एडीबी के प्रधान सार्वजनिक प्रबंधन विशेषज्ञ हिरण्य मुखोपाध्याय ने कहा कि 30 करोड़ डॉलर के ऋण से व्यापार प्रतिस्पर्धा और निर्यात विविधीकरण में सुधार किया जाएगा। मुखोपाध्याय ने एक बयान में कहा, कोविड-19 ने पाकिस्तान को उस समय चोट पहुंचाई है, जब वह व्यापक आर्थिक सुधार के महत्वपूर्ण बिंदु पर था, स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए सरकार के प्रयासों के उत्साहजनक नतीजे दिखने लगे थे। उन्होंने कहा कि एडीबी के कार्यक्रम से पाकिस्तान की निर्यात प्रतिस्पर्धा में सुधार होगा, जिसके उसके चालू खाते के घाटे को ठीक करने में मदद मिलेगी।

इस दुनिया में हर कोई आपके बारे में सबकुछ जानना चाहता है और आपको यह मजेदार लगता है
- लीटन मीस्टर

जैसा कि हमने चौतरफा कोविड-19 के साथ रहना सीखा है, चीजें बदल गयी हैं, खास तौर पर उन बच्चों के लिए जो खुद को उलझा हुआ पा रहे हैं और सामान्य स्थिति में लौटने के लिए संघर्षरत हैं। हमारे बच्चे स्वस्थ कैसे रहें और ज्यादा मजबूत होकर इस संकट से बाहर निकलें, इसे सुनिश्चित करने के उपाय प्रस्तावित करती हुई **कार्तिक गुप्ता** की रिपोर्ट

बच्चों का मानसिक स्वास्थ्य

नया संकट

अभी तक, हम इतना तो कह सकते हैं कि साल 2020 एक कठिन साल रहा है। कोविड -19 महामारी ने हमारे आसपास की हर चीज को बदल दिया है। हम कैसे दूसरों से मिले जुलें, किस प्रकार के के कपड़े हम पहनें, हम कैसे खड़े हों और यहां तक सार्वजनिक स्थानों पर कैसे बैठें, हम कब बाहर जाएं... बुनियादी रूप से हर चीज बदल गयी है। अनिश्चितता, तालाबंदी के महीने, चौतरफा मीडिया में महामारी के कारण उथलपुथल की खबरें, पाबंदीयुक्त आवागमन एवं जबरन एकांतवास ने बड़ी संख्या में लोगों के भावनात्मक स्वास्थ्य पर बुरा असर डाला है।

हालिया रिपोर्टों के मुताबिक, पिछले कुछ महीनों में मनोवैज्ञानिक सहायता मांगने वाले लोगों की संख्या उल्लेखनीय स्तर पर बढ़ी है। बेचैनी, अवसाद, घरेलू हिंसा की बढ़ती घटनाएं, संपत्ति दुरूपयोग, नौकरी खोने और आर्थिक संकट के कारण तनाव, आत्महत्याओं की घटनाओं में आई तेजी कुछ ऐसे भयानक मुद्दे हैं जिनके लिए लोगों ने मनोवैज्ञानिक सहायता मांगी। सभी आयु के लोग बदलती विश्व व्यवस्था के कारण बुरी तरह प्रभावित हुए हैं।

जैसा कि देश वर्तमान में तालाबंदी खत्म करने के क्रमिक दौर में है, अधिकांश श्रमशक्ति व अर्थव्यवस्था खुल गयी है। लोगों ने अलग अलग कार्यदिवसों व पालियों के साथ काम करना शुरू किया है। हालांकि बच्चे अभी भी घरों में बंद हैं। वे अपने अपने स्कूलों व कालेजों में नहीं जा पा रहे हैं क्योंकि कोविड मामले निरंतर बढ़ रहे हैं और इस कारण सुरक्षा उपाय के चलते शैक्षणिक संस्थानों को अभी भी पूर्णतया कार्य संचालन के लिए खोला नहीं गया है। छात्र, विभिन्न शैक्षणिक स्तरों पर, आनलाइन कक्षाओं के साथ पढ़ना जारी रखने के लिए मजबूर हैं। कुछ छात्रों ने आनलाइन परीक्षाओं में हिस्सा भी लिया है, जबकि कुछ अन्य तकनीकी अड़चनों के कारण परीक्षा हेतु चयनित होने के लिए प्रतीक्षारत हैं। ये एक चुनौतीपूर्ण दौर बन गया है खासतौर पर उन बच्चों के लिए क्यों कि उन्हें न केवल शिक्षण के एक अत्यंत भिन्न तरीके में ढलना पड़ा बल्कि वे उन मस्ती के क्षणों से भी वंचित हो गए हैं जिन्हें वे स्कूल व कालेजों में अपने दोस्तों के साथ साझा करते थे।

निम्न सामाजिक- आर्थिक तबकों से जुड़े छात्रों को स्मार्टफोन, लेपटॉप न होने और कम स्पीड वाले इंटरनेट कनेक्शन के कारण पढ़ाई जारी रखने में कहीं ज्यादा कठिनाई का सामना करना पड़ा है।

महामारी के कारण बच्चों ने जिन समस्याओं का सामना किया, उनमें शामिल हैं:

- **आनलाइन पढ़ाई:** तकनीकी उन्नति ने छात्रों के लिए अपने घरों के सुरक्षित व सुविधाजनक वातावरण में अपनी पढ़ाई जारी रखना संभव बनाया है। आनलाइन कक्षाएं, ई-लैक्चर्स, वेबिनारों ने नियमित कक्षाओं व व्याख्यान कक्षों की जगह ले ली है। हालांकि इससे अल्प एकाग्रता अवधि, वर्चुअल अनुपस्थिति के दुष्प्रभाव भी सामने आए हैं क्योंकि छात्र क्लास के लिए लॉगइन कर लेते लेकिन अपने शिक्षकों को सुनने के बजाय कुछ और खेलने या देखने में लगे रहते हैं। खराब इंटरनेट संपर्क, भाई बहनों की साथ में चलने वाली आनलाइन कक्षाएं, स्मार्टफोन न होने ने भी बच्चों की योग्यता को प्रभावित किया है कि वे ई-स्कूलों/कालेजों में भाग लेते। इसके अलावा, समयबद्ध असायनमेंट प्रस्तावनाओं और परीक्षाओं ने बच्चे की बेचैनी को बढ़ा दिया है यदि वह बच्चा/ बच्ची अपनी समझ से परे किसी कारणवश दस्तावेज को अपलोड नहीं कर पाता है। एक के बाद एक कक्षाओं ने जो पढ़ाया जा रहा है उस पर ध्यान लगाने की बच्चों की योग्यता को प्रभावित किया है।
- **बाहरी गतिविधियों पर पाबंदी:** बचपन वो समयावधि है जहां व्यक्ति न सिर्फ स्कूल में चीजें सीखते हुए बड़ा होता है, बल्कि वह अपने सहपाठियों के साथ तमाम खेल गतिविधियों में भी भाग लेता है। यह दिन का अनमोल समय है और लगभग सभी बच्चे बाहर निकलने और अपने दोस्तों के साथ मिलकर खेलने का इंतजार करते हैं। लेकिन महामारी ने उन्हें घर के अंदर रहने के लिए मजबूर कर दिया और जिससे दोस्तों व भाई-बहनों के साथ खेलने के अवसर पर भी पाबंदी लग गयी। पिछले कुछ महीनों के दौरान बच्चों में मनोवैज्ञानिक एवं आचरणगत समस्याएं बढ़ना सबसे महत्वपूर्ण कारकों में से एक बन गया है। नियमित व्यायाम व खेल गतिविधियां इंडोर्फिन्स का स्राव व उनका ज्यादा बनना और हार्मोन की वृद्धि सुनिश्चित करती हैं जो बच्चे के समग्र स्वास्थ्य व क्षमता के लिए बहुत जरूरी हैं।
- **निजता की कमी:** हर व्यक्ति के लगभग पूरे दिन भर घर पर होने से, व्यक्ति का वैयक्तिक दायरा भी एक खास स्तर पर नजरंदाज हुआ है। यह किशोरों के लिए खासतौर पर सच है क्योंकि ज्यादा पारिवारिक समय होना, दोस्तों के साथ समय न बीतना कुछ किशोरों के लिए कठिन साबित हुआ है। हालांकि, अनेक लोगों ने इस समय का अपने परिजनों के साथ रिश्ता प्रगाढ़ करने हेतु इस्तेमाल किया है, मगर कुछ ने इसे कठिन पाया है जो अक्सर घर पर टकराव बढ़ने व गर्मागर्म बहसों में फूट पड़ता है।
- **टीवी देखने के समय में वृद्धि:** किसी भी किशोर के माता पिता या फिर बच्चे से भी पूछिए तो वे आपको बताएंगे कि वे अपने बच्चे के अत्यधिक फोन या लेपटॉप में लगे होने से कितने तंग आ गये हैं। सोशल मीडिया, ओटीटी मंचों, संदेशकारी एप्स, आनलाइन गेम्स, यह काकटेल किसी भी अभिभावक का सबसे बुरा दुश्मन है और विडंबनापूर्ण ढंग से उनका बच्चा उस ओर चला जाता है। अत्यधिक टीवी देखना अब बहुत ज्यादा लंबी बीमारी बन गया है, लेकिन महामारी के कारण जब पढ़ाई भी आनलाइन पद्धति से होने लगी है तो यह बच्चों व किशोरों के लिए खराब से और बदतर हो जाना है।

हालिया पूर्व-कोविड अध्ययन के मुताबिक, एक किशोर औसतन लगभग 6-7 घंटे फोन/लेपटॉ देखने या उसका इस्तेमाल करने में बिताता है जो स्वस्थ उपयोग से कहीं ज्यादा अवधि है। बच्चे व किशोर स्क्रीन से पूरी तरह चिपक गए हैं जिसने उनके मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव डाला है।

- **पाबंदी युक्त सामाजीकरण:** महामारी के कारण, हमारी सामाजिक अंतर्क्रिया एवं मिलना जुलना बुरी तरह प्रभावित हुआ है। इंसान सामाजिक प्राणी है और हमें अधिक सुरक्षित व रक्षित महसूस करने के लिए सामाजिक होने की जरूरत है। किशोर व युवा वयस्क, खासतौर पर वे बच्चे जो कालेज या स्कूल जाने के अंतिम दौर में हैं, सशंकित हैं कि क्या वे अपने दोस्तों व शिक्षकों से अंतिम बार मिलने में सक्षम होंगे जब वे शैक्षणिक संस्थानों से पास होकर निकलेंगे। बच्चों ने पिछले कुछ महीनों के दौरान अकेला व अलग थलग महसूस करने की बात बताई है क्यों कि वे बाहर नहीं निकल पाएं और अपने दोस्तों से नहीं मिल पाए हैं।
- **बाल उत्पीड़न का जोखिम बढ़ा:** महामारी ने पारिवारिक तनाव के अनेक सामान्य स्रोतों के प्रचलन को बढ़ाया है, बच्चों को उत्पीड़न व नजरंदाज के जोखिम पर पहुंचाया है। हालिया खबरों के मुताबिक, घरेलू हिंसा तथा उत्पीड़न की खबरें तालाबंदी अवधि के दौरान उल्लेखनीय ढंग से बढ़ी हैं जिन्होंने बच्चों को ज्यादा जोखिमपूर्ण स्थिति में रख दिया है जो उनके कोमल मनों पर विपरीत प्रभाव डाला है। एक बच्चा, जो शिकार हुआ है या जो घर पर उत्पीड़न का गवाह बना है, विभिन्न प्रकार की मनोवैज्ञानिक व भावनात्मक समस्याएं अनुभव कर सकता है, दोनों स्तर पर - बच्चे के रूप में तथा बाद में वयस्क होने पर भी। बच्चे को बड़े होने के लिए एक सुरक्षित व पोषणकारी घरेलू वातावरण प्रदान करना हर व्यक्ति की जिम्मेदारी है और हमें उसे सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त कदम उठाने की जरूरत है। उत्पीड़न की हर घटना की पुलिस तथा बाल कल्याण कमेटी में सूचना देने की जरूरत है ताकि बच्चे को तत्काल बचाया जा सके और अपराधियों को सजा मिल सके।

जिस तरह नए मामलों की संख्या में पिछले कुछ सप्ताहों में कमी आई है और हम सबने कोविड-19 के साथ रहना सीखा है, चीजें धीरे धीरे सामान्य स्थिति - एक नयी सहजता की ओर लौट रही हैं। जैसा कि बच्चा/किशोर उपरोक्त उल्लिखित किसी भी समस्या से गुजर रहे हैं तो आप यह सुनिश्चित करने के लिए - कि आप स्वस्थ रहें और ज्यादा मजबूती के साथ इस संकट से उबर सकें - निम्न उपायों को अपना सकते हैं:

- **संवाद:** अपने माता पिता, भाई-बहनों या मित्रों से बात करें कि आप मौजूदा स्थिति को लेकर कैसा महसूस कर रहे हैं। किसी भरोसेमंद को अपना साझीदार बनाएं। उससे वो सब साझा करें जो आप महसूस कर रहे हैं या जो सोच रहे हैं। चाहे वो उनको कितनी भी मामूली सी बात लगती हो। बतौर माता पिता, धैर्यवान हों, और अपने बच्चे/किशोर के लिए अच्छे श्रोता बनें। उनकी बात सुनें और समझने का प्रयास करें कि वह किस स्थिति से गुजर रहा है। उन्हें अपनी भावनाओं, अपने विचारों, प्रत्येक आशंकाओं या हर उस चीज पर चर्चा करने के लिए प्रोत्साहित करें, जिन्हें लेकर वह चिंतित हैं। उन्हें समझने के लिए सुनें, न कि जवाब देने के लिए। उनके लिए घर पर एक देखभालपूर्ण, सहयोगी तथा पूर्वाग्रहरहित परिवेश प्रदान करें ताकि वे घर पर संरक्षित व सुरक्षित महसूस करें। उनके भय व विचारों को अतार्किक कहकर खारिज न करें, भले ही वे आपको वैसे नजर आते हों।
- **घर के कामों में भाग लें:** वर्तमान स्थिति का अपने लाभ में उपयोग करें और घर के कुछ कार्यों में शामिल होने का प्रयास करें। नयी योग्यताएं सीखें, नयी जिम्मेदारियां लें और घर में जिस भी ढंग से आप मदद कर सकते हैं, वो करें।
- **टीवी या स्क्रीन समयावधि घटाएं:** आनलाइन कक्षाओं के मामले में यह कठिन हो सकता है लेकिन अपने टीवी देखने की समयावधि को यथासंभव अधिक से अधिक घटा लें। बजाय इसके कि अनेक काम एक साथ करें या अपने टीचर को मूर्ख बनाएं, गंभीरता से कक्षाओं में भाग लें क्योंकि आप ही है जो इसके कारण पीड़ित होंगे। कक्षाओं के बीच अल्पकालिक अवकाश लें। हमेशा कुर्सी या फर्श पर बैठें और अपना काम करें, अपने बिस्तर का उपयोग सिर्फ सोने के लिए करें। अपनी मुद्रा के प्रति समझदार हों, क्योंकि फोन/लैपटाप का लंबा उपयोग सर्वाइकल स्पॉन्डिलाइटिस जैसी समस्याओं की ओर ले जा सकता है।
- **किताबें पढ़ें:** अपनी पढ़ाई को केवल फोन/लैपटॉप तक सीमित न रखें। अतिरिक्त प्रयास करें और किताबों के जरिए भी तैयार हों, गहन अध्ययन करने से अवधारणागत स्पष्टता में सहायता मिलती है और इससे परीक्षाओं के दौरान बेहतर दोहराया जा सकता है।
- **दिनचर्या कायम करें:** पूर्वनिर्धारित दिन होने से आपको महसूस होने वाली बेचैनी या बोरियत कम हो जाएगी। रोजाना निर्धारित समय पर सोएं और तय समय पर जाग जाएं। थोड़ा शारीरिक व्यायाम करें, कम से कम रोजाना आधा घंटा, घर में पका हुआ स्वास्थ्यवर्द्धक भोजन खाएं। अपनी पढ़ाई का समय सुनिश्चित करें और नियमित रूप से अपने शौक या पसंदीदा कार्यों में हिस्सेदारी करें।
- **सामाजिक मगर जिम्मेदार हों:** देश की क्रमिक तालाबंदी खत्म होने लगी है और इससे अपने दोस्तों से मिलना आसान हो गया है। कभी कभार आप बाहर जा सकते हैं और अपने दोस्तों से लंच या डिनर के लिए मिल सकते हैं बशर्ते कि आप सरकार द्वारा कोविड-19 के संक्रमण की रोकथाम हेतु बताए गए सुरक्षा दिशानिर्देशों का पालन कर रहे हैं। यह आपके लिए अच्छा बदलाव होगा और आप कई महीनों के बाद अपने दोस्तों से सीधे मिल सकते हैं। अगर ऐसा नहीं है तो आपके पास हमेशा वीडियो कॉल या सामान्य फोन कॉल्स पर उनके साथ संपर्क में रहने का विकल्प है। महत्वपूर्ण बात यह है कि आप अपने प्रियजनों के संपर्क में हैं और अलगाव या अपने में सिमटे हुए नहीं हैं।
- **नशे से बचें:** किशोरावस्था वो समय है जब व्यक्ति जीवन में विभिन्न चीजों को जानना व महसूस करना चाहता है। आत्मनिर्भरता की नयी प्राप्त समझ तथा हार्मोनल बदलाव से संचालित भावनात्मक उत्प्रेरणा व्यक्ति को अपने खुद के स्वास्थ्य की कीमत पर भी रोमांच तलाशने के लिए ललचा सकती है। तत्व या नशे का उपयोग, जो तेजी से उत्पीड़न में तब्दील हो सकता है, एक प्रमुख मसला है जो हमारे बच्चों व किशोरों को अपना शिकार बना रहा है। लोकप्रिय गानों व फिल्मों में ऐसी गतिविधियों के महिमामंडन से, यह एक बड़ा खतरा प्रस्तुत करता है क्योंकि ऐसी चीजों में लिप्तता को गलत ढंग से शांत होने के बतौर समझा जाता है और युवाओं को समूह का हिस्सा मानकर परोसा जाता है। कृपया ऐसे पदार्थ से दूर रहने का प्रयास करें और समझदारी से अपनी बुद्धि और स्मार्टनेस का उपयोग करें।
- **पेशेवर सहायता लें:** यदि आप अपने बच्चे के व्यवहार में कोई ऐसा महत्वपूर्ण बदलाव पाते हैं जो उसके व्यक्तिगत, सामाजिक, अकादमिक, व्यावसायिक कार्यकलाप को प्रभावित कर रहा है तो कृपया अपने नजदीकी चिकित्सीय मनोवैज्ञानिक, बाल मनोवैज्ञानिक, मनोचिकित्सक, मनोचिकित्सक सामाजिक कार्यकर्ता या सलाहकार जैसे मानसिक स्वास्थ्य पेशेवर से सलाह लें।

जब जीवन कठिन हो जाता है तो कठिनाई जीवन हो जाती है! आइए अपनी समूची कोशिश करें ताकि सुनिश्चित हो कि हम सभी इस महामारी से और ज्यादा समझदार व ज्यादा मजबूत बनकर उभरेंगे।

- लेखक पीतमपुरा और सत्या निकेतन में एकेजी ओविहाम्स मेडिकल सेंटर्स में सलाहकार चिकित्सीय मनोवैज्ञानिक हैं। वह मनोचिकित्सा, कौंसिलिंग, मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन, तथा सभी उम्र के लोगों को नशामुक्त कौंसिलिंग प्रदान करते हैं।

> ऑनलाइन कक्षाओं के मामले में यह कठिन हो सकता है लेकिन अपने टीवी देखने की समयावधि को यथासंभव अधिक से अधिक घटा लें। बजाय इसके कि अनेक काम एक साथ करें या अपने टीचर को मूर्ख बनाएं, गंभीरता से कक्षाओं में भाग लें क्योंकि आप ही है जो इसके कारण पीड़ित होंगे। कक्षाओं के बीच अल्पकालिक अवकाश लें। हमेशा कुर्सी या फर्श पर बैठें और अपना काम करें, अपने बिस्तर का उपयोग सिर्फ सोने के लिए करें। अपनी मुद्रा के प्रति समझदार हों, क्योंकि फोन/लैपटाप का लंबा उपयोग सर्वाइकल स्पॉन्डिलाइटिस जैसी समस्याओं की ओर ले जा सकता है।

दूसरों की नाखुशी पर अपनी ख़ुशी निर्मित करना असंभव है
- दायसाकू इकेडा

अपनी अहमियत को जानें

जीवन चक्र
भारत भूषण पद्मदेव

एक लड़की इंजीनियरिंग कोर्स की तैयारी कर रही थी। हालांकि, वह इंटर परीक्षा के बीच अपने पहले प्रयास में कामयाब नहीं हो पाई थी। अपने दूसरे प्रयास में, उसने अच्छे अंक अर्जित किए लेकिन इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा में सफल नहीं हो पाई। निराश होकर, वह अपने पिता के साथ मेरे पास आई और पूछा: '' महोदय, मैं इंजीनियरिंग करना चाहती हूं। कृपया कोई पूजा बताएं जो मुझे अगले साल प्रवेश परीक्षा सफलता दिलाने में सहायता कर सके।''

मैंने पूछा, ''इंजीनियरिक में जाने के लिए एक और अवसर की प्रतीक्षा में एक पूरा साल बर्बाद करने के बजाय, तुम कोई दूसरा वैकल्पिक विकल्प क्यों नहीं तलाशती हो? '' उसने उत्तर दिया, ''सर, मैं गणित व विज्ञान विषयों में अच्छी हूं। इसलिए मैं इस क्षेत्र में अच्छा कर सकती हूं। '' मैंने पूछा, '' यदि मैं तुम्हारा पिछला इतिहास देखता हूं तो गणित में खराब अंक आने के कारण तुम अपनी 12वीं की परीक्षा में फेल हुई थी। निश्चित रूप से, अपने अगले प्रयास में तुम्हारे अंकों में सुधार हुआ। लेकिन क्या तुमने आंकलन किया है कि तुम अपने पहले प्रयास में विफल क्यों हुई ? '' इस पर उसका उत्तर था कि शायद मेरा समय खराब था।

खैर, तुम अपनी विफलता के लिए सीधे समय या भाग्य संकेतकों को दोष नहीं दे सकती हो। बेहतर अपनी कमजोरी को तलाशो। तुम्हारी कुंडली की पड़ताल बताती है कि तुम्हारी विफलता का बुनियादी कारण एकाग्रता का कमी बनी है। तुम्हारा बंदर सा खिलंदड़ मन विभिन्न खयालों में भटकता रहता है, जो लगातार तुम्हें भटकाए रखता है। उन विचारों में, जो ज्यादातर बेतुके होते हैं, गहरी डूबी होने के कारण, तुम्हारा मन तुम्हें अपनी पढ़ाई पर पूरा ध्यान केन्द्रित करने का समुचित अवसर नहीं प्रदान करता है। परिणामस्वरूप, जो तुमने पढ़ा होता है उसे आत्मसात नहीं कर पाती हो और फिर उसका खामियाजा सामने आता है। यह अनुवांशिक स्वभाव प्रवृत्ति भविष्य में भी तुम्हारा पीछा करेगी, तुम्हें अपनी पढ़ाई के साथ न्याय करने के लिए आवश्यक समय व अवसर नहीं प्रदान करेगी, जब तक कि तुम सचेत रूप से इस समस्या का समाधान नहीं करती हो।

यहां यह उल्लेख करना अनुपयुक्त नहीं होगा कि निरंतरता विज्ञान की प्रत्येक विधा में सफलता की कुंजी है। बीच का कोई भी एक सिरा खो जाने से आप भटक जाते हैं। लेकिन ऐसे विषय होते हैं जिन्हें कम ध्यान देने से भी आप बेहतर समझ सकते हैं। बेहतर है अन्य विकल्पों की ओर देखो जिनमें तुम आगे बढ़ सको। इन दिनों समस्या यह है कि अक्सर बच्चे, यहां तक कि उनके माता पिता भी, मौजूदा रूझानों की ओर आकर्षित हो जाते हैं। अगर इंजीनियरिंग के बाद प्रबंधन का चलन मौजूद है तो माता पिता उस कोर्स में अपने बच्चों को प्रेरित करने में लग जाते हैं। वे बिरले ही बच्चे की अपनी

क्षमता को पहचानने की परवाह करते हैं। अक्सर इच्छा प्रवृत्ति का अंतर्निहित क्षमता के साथ टकराव होता है। परिणामस्वरूप, बच्चा अपना सर्वोत्कृष्ट को प्रस्तुत करने में विफल होता है और जब वे इच्छित गंतव्य को हासिल करने में विफल होते हैं, तो वे निराश हो जाते हैं।

लड़की ने कहा, ''मानती हूं सर, कि मुझमें एकाग्रता की कमी है। लेकिन क्या कोई पूजा नहीं होती जो इस कमजोरी पर काबू पाने में सहायता कर सके? ''

'' वैसे समस्या तुम्हारी मानसिक प्रवृत्ति के साथ है। इसलिए, इसे केवल मानसिक प्रक्रिया के जरिए ही ठीक किया जा सकता है। और आदतें मुश्किल से बदलती हैं। इसलिए, आपको लगातार अपनी मानसिक कमजोरियों पर काम करने की जरूरत है। यह स्वीकार करना कठिन है कि आवश्यक बदलाव के लिए, कोई पंडित किसी पूजा के जरिए आपके मानसिक जगत में प्रवेश कर सकता है। आप स्वयं इसे बेहतर ढंग से कर सकते हैं यदि मेरे द्वारा बताए गए तरीके का इस्तेमाल करते हैं। जो भी विधा आप चुनें, एकाग्र ध्यान हमेशा आपकी सहायता करेगा। लेकिन साथ ही साथ, आपको अपनी खुद की अहमियत को भी परखना चाहिए। लड़की के पिता ने पूछा, '' कुंडली क्या कहती है? ''

लग्नस्वामी मंगल स्वयं लग्न में है जो आपको एक जिद्दी व अड़ियल लड़की बनाता है। संयोगवश, मंगल तीसरा नक्षत्र उपस्वामी भी माना जाता है, जो स्वाभाविक प्रवृत्ति का परिचायक है। मंगल बुध के नक्षत्र पर काबिज है जो सातवें घर में मौजूद है। मंगल का बुध के साथ संबंध दिखाता है कि इंजीनियरिंग के प्रति झुकाव रखेगी। लेकिन मंगल का बुध के विपरीत होने का अर्थ होता है कि वह अधीर स्वभाव की है। वह एकाग्रता की कमी से पीड़ित है।

बुध की उपस्थिति नटखट वरूण के भी विपरीत है, जो उसकी मूर्खतापूर्ण तार्किकता व निर्णयन के लिए जिम्मेदार है। मन संकेतक चन्द्रमा प्रचंड राशि कन्या में स्थित है और राहु के विपरीत मुद्रा में है। इसलिए, वह हालांकि तेज दिमाग की है जो लगातार खयालों में डूबा रहती है, लेकिन अनावश्यक उलझी रहेगी और उनमें मगन रहेगी। इस मन: स्थिति से, आप इंजीनियरिंग या किसी विज्ञान वर्ग की आवश्यकताओं के साथ न्याय नहीं कर सकते।

अपनी अनुवांशिक अहमियत से मिलते जुलते कोर्स का पता लगाने के लिए, चौथा संक्रांति संयोजन प्रकाश डालेगा। चौथा स्वामी शनि वीनस की राषि वृष में है। नक्षत्र स्वामी बृहस्पति बुध की राषि मिथुन में है। चौथा उपस्वामी पुन: वीनस है। शनि, बृहस्पति, वीनस और बुध का एक साथ दिखना कामर्स, बीमा, मनोविज्ञान, दर्शन व कार्यालय प्रबंधन की ओर संकेत करता है।

शांतिपूर्ण संदेश को मानें संघर्ष

डॉ. अंजू शर्मा का कहना है कि यदि हम उचित ढंग से अपने असंतोषों से निपटते हैं, तो हम वापसी करने में अपनी मदद कर सकते हैं व ज्यादा मजबूत जुड़ाव के साथ उभर सकते हैं

सहमतियां प्रत्येक संबंधों में उभर सकती हैं। ऐसी असहमतियों का खामियाजा कभी कभी उन बहसों की ओर ले जाता है, जो बदतर क्षणों का सामना करा देती हैं। लेकिन यदि हम ठीक ढंग से ऐसी स्थितियों से निपट लेते हैं तो हम ज्यादा मजबूत जुड़ाव के साथ वापसी करने में अपनी सहायता कर सकते हैं। यहां तक टिप्स हैं जो अपने प्रियजनों के साथ बहसों के उपरांत बेचैनी से निपटने में सहायता कर सकते हैं:

थोड़ा समय व अवसर दें

बहस के बाद, आपको एक दूसरे को थोड़ा समय व अवसर देना चाहिए। विवाद सुलझाने के लिए यह महत्वपूर्ण है। और ज्यादा गर्मागर्म टिप्पणियों से बचने के लिए, प्राणायाम या पानी के गिलास के लिए बाहर निकल जाएं ताकि थोड़ा तनावमुक्त हो सकें। इससे भावनात्मक रूप से आक्रोशित व्यक्तियों को शांत होने का समय मिलेगा।

बेचैनी का मूल कारक पता लगाएं

जब आप अपने प्रियजन को शांत होने का समय प्रदान करने के लिए उससे दूर होते हैं, तो दूसरे व्यक्ति के आचरण के पीछे का कारण समझने का प्रयास करें। यदि वे बेचैन हो रहे हैं तो समझें कि किस कारण से उनका बेचैनी स्तर बढ़ा और स्थिति को शांत करने के लिए आप क्या कर सकते हैं।

बताएं, बहस न करें

जब समय सही होता है, तो शांति का प्रस्ताव दें। एक दूसरे से शांतिपूर्वक बात करें और एक दूसरे के नजरिए पर विचार करें। चर्चा करना और एक दूसरे से क्षमा मांगने का अर्थ होता है कि आप मानते हैं कि आप दोनों दुखी हुए हैं और रिश्ते को सुधारना चाहते हैं।

अच्छा श्रोता बनें

बहस के दौरान, दोनों व्यक्ति अपने अपने नजरिए को समझाने का भरपूर प्रयास कर रहे हैं और यह स्थिति को बदतर बना देता है। बहस का समाधान करने के लिए, अपने प्रियजनों की सोच को सुनने का प्रयास करें। यदि आप फिर भी दूसरे व्यक्ति के नजरिए से असहमत हैं तो, आप भावनात्मक कष्ट को स्वीकार कर सकते हैं और '' मैं माफी चाहता हूं मैंने अपनी बात से आपको दुखी किया, '' जैसे वाक्यों से विवाद को शांत करने का प्रयास करें । सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण यह कि, रक्षात्मक मुद्रा में नहीं आए जब दूसरा व्यक्ति बहस में आपकी भूमिका के बारे में बता रहा हो।

गले लगाएं व भाव बदलें

सबसे महत्वपूर्ण कदमों में से एक है, बहस के पहले या दौरान, व्यक्ति को गले लगाएं और उसकी रीढ़ सहलाएं। रीढ़ को सहलाने से शरीर में कोशिकाएं शांत होंगी और हार्मोनल प्रवाह में सहायता मिलेगी। इससे तनावग्रस्त मांसपेशियों को आराम मिलता है और व्यक्ति बेहतर संवाद के लिए राजी हो जाएगा।

- लेखक प्रसिद्ध मनो सुधारक, साउंड एंड एनर्जी मास्टर, वेलनेस-होलिस्टिक कोच एवं म्युजिकल हीलिंग बैंड, साऊंड आफ इनफिनिटी की संस्थापक है।

खुद से पूछे जाने वाले दस प्रश्न

अजित कुमार बिश्नोई आंतरिक मंथन का प्रोत्साहन करते हुए कहते हैं कि अच्छे जीवन के लिए हमें ईश्वर के आशीर्वाद की जरूरत होती है, बेहतर ढंग से जीने का कोई दूसरा तरीका नहीं है

कुछ प्रश्न हैं जिनका हममें से प्रत्येक को अपने खुद के स्वास्थ्य के लिए उत्तर देना चाहिए। पहला प्रश्न है: ''क्या आप मानते हैं कि आप मामूली हैं?'' यदि नहीं मानते हैं तो आप वास्तविकता से बहुत दूर हैं। उदाहरण के लिए, यदि आप खुद को बहुत बड़ा या महत्वपूर्ण समझते हैं और आप संक्रामक रोग के संपर्क में आ जाते हैं। बस अपने करीबी जनों पर नजर डालिए। वे निश्चित रूप से मदद करने की कोशिश करेंगे लेकिन सिर्फ सुनिश्चित करने के बाद कि वे सुरक्षित हैं। समझदार लोग सर्वशक्तिमान ईश्वर की शरण लेते हैं। मैं खुद लेता हूं क्योंकि मैंने महसूस किया है कि बिना ईश्वर से जुड़े, मैं असहाय हूं।

अगला प्रश्न है: क्या आप सृष्टा या एक स्वतंत्र शक्ति का हिस्सा हैं? भगवतगीता में भगवान कृष्ण कहते हैं कि हम सभी ईश्वर का अंग हैं। (15.7) वह जानते हैं क्योंकि वह सृष्टा है। जब आप यह बात मान लेते हैं, तो, दूसरों आपके लिए समान रूप से महत्वपूर्ण बन जाते हैं। आपको उनके साथ सहयोग करना चाहिए। केवल तभी आप उनसे मदद पाएंगे। तीसरा प्रश्न है: अगर नहीं हैं तो क्या आप अपने दम पर जीवन जी सकते हैं?

मेरा अनुभव मुझे बताता है कि मैं यह नहीं कर सकता। अनुमानित है कि इंसानों को रोजमर्रा स्तर पर बेहतर ढंग से जीने के लिए बीस लोगों की सहायता की आवश्यकता होती है। चौथा प्रश्न है: क्या आप वो सबकुछ जानते हैं जो आपको जानना चाहिए?

केवल एक मूर्ख व्यक्ति ही इसका सकारात्मक रूप में उत्तर देगा, क्योंकि ज्ञान अपार होता है। इसीलिए, समझदार लोग परमज्ञानी ईश्वर की शरण लेते हैं जो सहजबोध आदि के जरिए आवश्यकत जानकारी प्रदान करता है या इंसानों, माध्यम आदि जैसे कुछ अन्य स्त्रोतों के जरिए उपाय प्रदान करता है।

पांचवां प्रश्न है: क्या आप जो कुछ भी चाहते हैं, वो कर सकते हैं? मेरा उत्तर सीधा है, नहीं। मैं अपने स्तर पर हासिल करने के स्तर पर, बहुत सीमित हूं। इसीलिए, मैंने ईश्वर की शरण लेने का फैसला किया है और मैं अक्सर उससे सहायता मांगता हूं। ईश्वर मार्ग दिखाता है और सहायता करता है क्योंकि वही ऐसा कर सकता है। मान लीजिए मुझे किसी व्यक्ति के समर्थन की जरूरत है और वह सहायता करने के लिए तैयार नहीं है। ईश्वर उस व्यक्ति का मन बदल सकता है, और वह बदलता है यदि ईश्वर को लगता है कि यह आम भलाई के लिए है, सिर्फ मेरे निजी कारणों के वश नहीं है। छठा प्रश्न है: क्या आप परिणामों पर नियंत्रण कर सकते हैं? दुर्भाग्यवश, उत्तर अधिकांशतया हां में होने के बजाय ना में होगा, ऐसा है इस बदलती दुनिया का स्वभाव। इसीलिए, भगवान कृष्ण ने हमें आदेश दिया है कि पूर्वनिर्धारित परिणाम की कोशिश न करें। (2.47) लेकिन एक चीज तय है और वह है कि व्यक्ति ईश्वर की दया से सभी बाधाओं को लांघ सकता है, जिन्हें ईश्वरीय चेतना विकसित करके हासिल किया जा सकता है।(18.58) अनेक तरीके होते हैं जिनसे वो हासिल किया जा सकता है।

सातवां प्रश्न है: शरण लेने का आपके लिए क्या अर्थ होता है? मेरे लिए, इसका अर्थ है ईश्वर की ओर देखना और जो भी मुझे परेशान कर रहा है उसके लिए मार्गदर्शन तथा सहायता करने के लिए प्रार्थना करना। ईश्वर बहुत कृपालु है। वह रास्ता दिखाता है और सहायता करता है। आठवां प्रश्न है: '' आप जीवन में सचमुच क्या चाहते हैं? '' व्यक्ति ईश्वर की कृपा चाहता है ताकि उसका परिवार स्वस्थ, शांतिपूर्ण व खुशहाल रहे। नौवां प्रश्न है: '' आपके लिए सुरक्षा शब्द का क्या अर्थ होता है? '' हमें हर उस चीज से सुरक्षित होने की जरूरत है जो हमें परेशान कर सकती है, जिस पर हमारा कोई बस नहीं चलता है। उदाहरण के लिए, हमें भरोसा चाहिए होता है कि कोई हमें शारीरिक रूप में नुकसान न पहुंचा सके। जो हमें अंतिम प्रश्न की ओर ले जाता है: '' क्या आप वो सबकुछ अपनी इच्छा से पा जाएंगे जो बेहतर जीवन जीने के संसाधन -स्त्रोत के जरिए चाहिए?'' उत्तर पक्के तौर पर ना में है, क्योंकि हम अपना जीवन जीने के लिए अनेक प्रकार के संसाधनों की आवश्यकता होती है। हालांकि, ईश्वर ने उस संदर्भ में अपने परम भक्तों के लिए गीता में वचन दिया है।

इन प्रश्नों के उत्तर देते हुए आपने क्या सीखा? मेरा अनुभव मुझे बताता है कि जीवन की उच्च गुणवत्ता के लिए, मुझे ईश्वर की शरण चाहिए। मुझे बेहतर जीवन जीने का कोई अन्य तरीका नहीं मिला है। ईश्वर मार्गदर्शन करेगा और हर बार वह मेरी सहायता करता है। मेरे लिए, यह एक परम आवश्यकता है।

इस सप्ताह आपका भविष्य

मधु कोटिया

मेष (मार्च 21-20 अप्रैल)

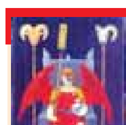

इस सप्ताह आपकी राशि सुधार एवं तरोताजगी का अनुमान करती है। जो लोग चोट या किन्हीं अन्य शारीरिक रोगों से पीड़ित हैं वे तेजी से ठीक होंगे। हमारे जीवन में ऐसा दौर है जब हमें बदलाव स्वीकार करने होंगे ओर चीजों को उनकी स्वाभाविक परिणति तक आने देना होगा। प्रत्येक नकारात्मक बात का अपना सकारात्मक छोर भी होता है। करियर मोर्चे पर, आपके पुराने व भरोसेमंद कर्मचारी की वापसी के आसार हैं जो आपके पेशे में रीढ़ बनकर रहता था। वीनस उन लोगों के लिए खुलेगा जो अपने बिजनेस को फैलाना या नया काम करना चाहते हैं।

शुभ अंक: 19 **शुभ रंग:** आसमानी **शुभ दिन:** शुक्रवार

वृष (अप्रैल 21-21 मई)

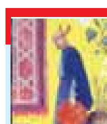

इस सप्ताह आपके आंतरिक व बाह्य टकराव आपकी स्वास्थ्य जीवनशैली व दिनचर्या पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं। करियर मोर्चे पर चुनौती के आसार हैं। संशय दूर करने का यह उत्तम समय है। अपने लक्ष्यों व साध्यों को निर्धारित करने तथा एक व्यवस्था में उस दिशा में काम करने का यह अच्छा समय है। संघर्ष के बाद जीत हासिल होगी। आपक परम दूरदर्शिता आपके पक्ष में काम कर सकती है। ऐतिहासिक सफलता मिलने के आसार हैं। संबंधों के मोर्चे पर आप अपने दिल के बजाय परंपरा का पालन करेंगे। आध्यात्मिक रूझान होगा।

शुभ अंक: 10 **शुभ रंग:** कत्थई **शुभ दिन:** मंगलवार

मिथुन (मई 22-21 जून)

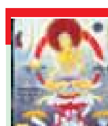

इस सप्ताह आप अपने लिए एक ताजा जीवनशैली गढ़ने की ऊर्जा व शक्ति धारण करेंगे। आपको अपनी उन इच्छाओं व लालसाओं पर नियंत्रण लाना होगा जो आपके स्वास्थ्य को हानि पहुंचा सकती हैं। आप अपने जीवन में संतुलनकारी कारक की महत्वपूर्ण समझते हैं और आपका शरीर प्रकृति के पांच तत्वों से लयबद्ध है। करियर मोर्चे पर, आपने शायद झटके अनुभव किए हैं जो आपको दूसरों के प्रति शंकालु बनाते हैं। ऐतिहासिक मोड़ आएगा जब आप अतीत को पीछे छोड़ पाते हैं और भविष्य के बारे में अधिक खुला मन विकसित करते हैं।

शुभ अंक: 6 **शुभ रंग:** गुलाबी **शुभ दिन:** शुक्रवार

कर्क (जून 22-22 जुलाई)

इस सप्ताह आप जीवन का संतुलित नजरिया अपनाएंगे और अपने वायदों के प्रति सच्चे होंगे। आप समझ गए हैं कि आपको आदत तथा देखभाल दिनचर्या की जरूरत है यदि आप अपने लक्ष्य पाना चाहते हैं। यह अनिवार्यतया बहुत मजेदार या रोमांचक समय नहीं है। आप जिम, ध्यान में पैसा खर्च करने तथा अच्छी फिटनेस व स्वास्थ्य में बने रहने के लिए पौष्टिक आहार लेने में संकोच नहीं करते हैं। इन प्रयासों से आपको लाभ होगा। कार्य मोर्चे पर, आप अपने पेशे में स्थिरता महसूस करेंगे। अपने इच्छित लक्ष्य की प्राप्ति के लिए अनुभव व योग्यताओं का उपयोग करेंगे।

शुभ अंक: 21 **शुभ रंग:** बैंगनी **शुभ दिन:** बुधवार

सिंह (जुलाई 23-23 अगस्त)

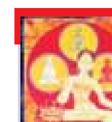

जिनका वनज बढ़ रहा है वो अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता में रखें। आप अंतत: पैस और अच्छे स्वास्थ्य की कीमत समझेंगे और अच्छा स्वास्थ्य बनाए रखने के लिए प्रकृति के साथ सद्भव बनाने की योजना लागू करेंगे। टहलने, प्राणायाम करने तथा मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य के लिए प्रार्थना करने पर ध्यान दें। करियर मोर्चे पर, बेतुके मसले दिमाग में सवार रहेंगे। आपके पास या तो कम समय है या आप काम को लेकर आलस महसूस कर रहे हैं। बीते सप्ताह में की गयी कड़ी मेहनत और कोशिशें बहुत फलदायी नहीं हैं। यह एक अस्थायी दौर है।

शुभ अंक: 13 **शुभ रंग:** नीला **शुभ दिन:** गुरूवार

कन्या (अगस्त 24-23 सितम्बर)

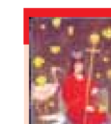

इस सप्ताह तन, मन व आत्मा के बीच संतुलन है। आप ऊर्जावान, उत्साही व जीवन से भरे होंगे। आपकी दूरदर्शिता के आपको अत्यंत लाभ मिलेंगे। यह अच्छे भोजन का सुख लेने व शारीरिक व मानसिक दोनों रूप में स्वस्थ जीवन जीने का समय है। करियर मोर्चे पर, नयी रोजगार प्रस्ताव व व्यवसाय के अवसर आपकी सोच को व्यापक करने में सहायता करेंगे। अगर बिजनेस में विस्तार की योजना है तो यह एक उचित समय है। आगे बढ़ें। अच्छे वित्त, आय और पुरखों की संपत्ति में प्राप्तियों के संकेत हैं। जीवन साथी तलाशने का अनुकूल समय है।

शुभ अंक: 3 **शुभ रंग:** बादामी **शुभ दिन:** बुधवार

तुला (सितम्बर 24-23 अक्टूबर)

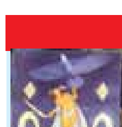

इस सप्ताह राशियां अत्यधिक भय, आतंक, व चिता का संकेत करती हैं। मानसिक तनाव बना रहेगा और यह आपके स्वास्थ्य से नजर आ सकता है। सिरदर्द, अनिद्रा, मिचली के कारण बेचैनी हो सकती है। ठंड, खांसी, व मौसमी बिमारियों से भी सावधान रहें। यह ध्यान करने, योग का हिस्सा बनने व थकाऊ दिनचर्या से अवकाश लेने का समय है। करियर मोर्चे पर, मामूली विवाद आपकी प्रतिष्ठा को दागदार बना सकता है इसलिए सावधान रहें। कार्य क्षेत्र में, आपको नजरंदाज किया जा सकता है। इससे तनाव हो सकता है और आपकी प्रगति बाधित हो सकती है।

शुभ अंक: 12 **शुभ रंग:** सुनहरा **शुभ दिन:** रविवार

वृश्चिक (अक्टूबर 24-22 नवम्बर)

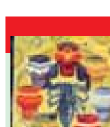

मौजूदा उत्सववादी भावना के साथ चलते हुए, आप सक्रिय व उत्साहित रहेंगे। आत्मज्ञान व विशेषज्ञता सफलता की कुंजी हैं। आप अंतरज्ञान व सजगता रखते हैं तथा अतीत का अनुभव तथा सच्ची आस्था आपको आत्मनिर्भर बनने में सहायता करेंगे। ध्यान के जरिए आप आध्यात्मिक संतुष्टि पाने और अपने ज्ञान को दूसरों से साझा करने के मार्ग पर हैं। पेशेवर मोर्चे पर, आपका ज्ञान व नेतृत्व स्वयं को उत्तम स्थापित करने में आपकी सहायता करेंगे। निजी जीवन में, आप अपने रिश्तों को प्रगति करता व संतोषजनक स्तर पर पहुंचता पाएंगे।

शुभ अंक: 2 **शुभ रंग:** इंडिगो **शुभ दिन:** मंगलवार

धनु (नवम्बर 23-23 दिसम्बर)

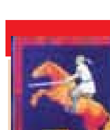

आप स्वस्थ व मुक्त महसूस करेंगे और सोच में बदलाव अनुभव कर सकते हैं। निराशा आशा में बदलती है। नयी संभावनाओं का अनुमान है। आप तार्किक एवं गहन चिंतन द्वारा अपनी समस्याओं को हल करने की महत्ता सीखेंगे। यह अपनी रचनात्मक क्षमताओं को उपयोग करने का समय भी है। पेशेवर स्तर पर, पदोन्नति के आसार है जो आपको आत्मविश्वासी व सुरक्षित बनाएगी। आप आत्मानुशासित व ऊर्जावान हैं। जो लोग व्यापार में हैं, आपके विचारों व नजरियों का सम्मान व अनुपालन हो रहा है। व्यक्तिगत मोर्चे पर आपके संबंध उन्नत होंगे।

शुभ अंक: 9 **शुभ रंग:** हरा **शुभ दिन:** शुक्रवार

मकर (दिसम्बर 24-20 जनवरी)

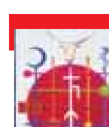

इस सप्ताह आप ईश्वर के आर्शीवाद तथा प्रकृति की उदारता का सुख ले सकते हैं। बहुत पुरानी व लंबी बिमारी के उपचार की संभावना है। जो लोग स्वस्थ व अर्थपूर्ण जीवन जीने की प्रेरणा व उत्साह की जरूरत महसूस करते हैं, उन्हें मार्गदर्शक मिलेगा। आप नयी यात्रा पर चलने के लिए उत्साहित व सशक्त महसूस करते हैं जो प्रगतिशील है और आपको सहज महसूस कराती है। कार्य मोर्चे पर, यह कृतज्ञताओं को गिनते रहने का समय है। आप घर या आफिस में शुभ उत्सव कराने में व्यस्त हो सकते हैं। करियर में उछाल होगा और आप भी सक्रिय रहेंगे।

शुभ अंक: 4 **शुभ रंग:** लाल **शुभ दिन:** बुधवार

कुम्भ (जनवरी 21-19 फरवरी)

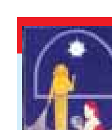

इस सप्ताह आपका संतोष व संतुष्टि आपके अच्छे स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। आप दुनियावी सुखों व आराम का सुख लेंगे। '' सब ठीक है '' की भावना आपको शांत मन, संतुष्टि, सकारात्मक भाव तथा चेहरे पर चमक प्रदान करती है। कार्य मोर्चे पर, आपके स्वभाव में उदारता तथा अपने संवाद में दूसरों को मना लेने की योग्यता है। आप दूसरों की भावनाओं की परवाह करते हैं और अपने सहकर्मियों व कनिष्ठों का सम्मान करते हैं। वे आपको मानते हैं, तारीफ करते हैं, और आपको सम्मान देते हैं। संबंध में प्रेम, मस्ती व मनोरंजन हैं।

शुभ अंक: 18 **शुभ रंग:** नारंगी **शुभ दिन:** शनिवार

मीन (फरवरी 20-20 मार्च)

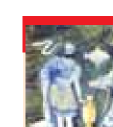

इस सप्ताह थकान भारी पड़ सकती है- घरेलू या पेशेवर मसले आपको परेशान कर देंगे। बेचैनी या ब्लड प्रेशर संबंधी समस्या परेशान कर सकती है। डाक्टर से सलाह लें। आपको शायद उचित नींद व प्रियजनों के साथ की आवश्यकता है। सकारात्मक नजरिया आपमें जीवंतता संचारित करने में सहायता करेगा। करियर मोर्चे पर, कुछ नया नहीं होने जा रहा है। चीजें साधारण सी चल रही हैं। ठहरा हुआ करियर या पेशा आपको परेशान कर सकता है। यह एक अस्थायी दौर है। जैसे सप्ताह बीतेगा आप सकारात्मक नतीजे हासिल करने लगेंगे।

शुभ अंक: 11 **शुभ रंग:** सफेद **शुभ दिन:** सोमवार

शरीर को गति से लाभ मिलता है और मन को स्थिरता से
- सैक्योंग मिफाम

कर्म का लेखा

संत राजिंदर सिंह का कहना है कि कर्म का सिद्धांत एक न्याय व्यवस्था प्रदान करता है जिसमें व्यक्ति को सदकर्म के लिए पुरस्कृत एवं बुरे कर्म के लिए दंडित किया जाता है

कर्म बैंक खाता खोलने की तरह है। हमारे पास विकल्प होते हैं कि हम अपनी बचत में वृद्धि करने के लिए इसमें कितना ज्यादा धन रखना चाहते हैं या हम कितना धन इसमें से निकालना चाहते हैं। हम विभिन्न निवेशों में रखने का फैसला कर सकते हैं जिसके कि हमें अपने खाते में उपलब्ध धन पर मिलने वाले ब्याज में वृद्धि हो। हम क्रेडिट कार्ड का उपयोग करने का फैसला भी कर सकते हैं जिसमें हम जो व्यय करते हैं, उस पर ब्याज अदा करते हैं। इसका चुनाव करना हमारे हाथ में है।

इसी प्रकार, हमारे पास एक कार्मिक खाता होता है। हर दिन हम चुन सकते हैं कि क्या हम उन विचारों, शब्दों, व कर्मों में लिप्त रहना चाहते हैं जो उस भलाई में परिवर्तित होने जा रहे हैं जो हम तक वापस लौटती है। इसी प्रकार, हम उन विचारों, शब्दों व कर्मों में भी लिप्त हो सकते हैं जिनके लिए खामियाजे भुगतने पड़ेंगे। अच्छे या बुरे कर्म खाते बनाने से परे, हम वो काम करने का फैसला भी कर सकते हैं जो शून्य का संतुलन बनाते हैं ताकि हमारे पास इस दुनिया को लौटाने के लिए कुछ न हो, चाहे वो लाभ प्राप्त करना हो या खामियाजे भुगतना हो।

क्या हम अपना कर्म घटा सकते हैं? नेह-कर्म क्या हैं ?

हम कार्मिक विधि को समझदारीपूर्वक जीकर अपने कर्मों को घटा सकते हैं। इसका अर्थ वो काम करना है जो अच्छे या बुरे कर्म नहीं कहलाते हैं। हालांकि, यदि हम फिर भी नेह-कर्म कर्म-हीन ढंग में जीवन नहीं जी रहे हैं, तो यह बेहतर है कि बुरे कर्म की जगह अच्छे कर्म करें। ऐसे लोगों के अनेक उदाहरण हैं जो उन फायदों को सीधे देख सकते हैं जो एक सदकर्म करने से उन तक वापस पहुंचते हैं। अनेक बार, हम, जो हमने किया है और जवाब में जो हमने पाया है, के बीच को सह-संबंध को समझ नहीं पाते हैं। कभी-कभी असर विभिन्न जीवनावधियों तक फैलता है। कई बार, जो हमारे साथ होता है, वो किसी ऐसी चीज का प्रतिफल होता है जो हमने कई साल पहले की होती है।

हर चीज जो हम करते हैं, वो कर्म खाते में दर्ज हो जाती है। हमारे प्रत्येक विचार, शब्द व कर्म का एक सख्त लेखा जोखा होता है। यह सुनिश्चित करना समझदारी है कि हम कोई ऐसे काम, विचार व वचन न बोलें जो खामियाजों के साथ हमें वापस प्राप्त हों। बल्कि हमारे ऐसे विचार, कर्म व वचन होने चाहिए जो अच्छे हों ताकि अच्छा हमें वापस प्राप्त हो सके।

क्या हम ईश्वर तक लौटने की अपनी यात्रा गति तीव्र करने के लिए बेहतर चुनाव कर सकते हैं?

फिर भी, यदि हम आध्यात्मिक मार्ग पर हैं तो हम अपने किए का प्रतिफल पाने के लिए इस दुनिया में लौटना नहीं चाहते हैं। एक बेहतर योजना है। हम अच्छा कर सकते हैं लेकिन हम इसे वापसी में इसका प्रतिफल पाने की कामना के बिना करते हैं। समाधान है ईश्वर के नाम पर अच्छा काम करें, अपने लिए बिना किसी पुरस्कार की कामना के। इसका अर्थ है कि हम दुनिया में अच्छा काम कर रहे हैं, लेकिन श्रेय ईश्वर को दिया जा रहा है। हम जो करते हैं उसके लिए भौतिक प्रतिफल नहीं चाहते हैं। हम केवल आध्यात्मिक लाभ तथा ईश्वर की संतुष्टि व प्रेम पाना चाहते हैं। ये ऐसे कर्म हैं जिन्हें नेह-कर्म या मुक्त -कर्म कहा जाता है।

यह कैसे किया जा सकता है? हमारे पास जीवन में सदकर्म, सदविचार व सदवचन हो सकते हैं लेकिन हम इसका श्रेय ईश्वर को दे देते हैं। हम अच्छे कर्म करते हैं क्योंकि यह करने का सही काम है, अपने लिए नाम

> **यदि हम आध्यात्मिक प्रगति करना चाहते हैं तो उसका रास्ता हमारे लिए बना हुआ है और यह हमारा चयन है कि हम अपनी कार को आगे बढ़ाने के लिए चलाते हैं, या उसे न्यूट्रल में रखते हैं और मूर्त बने रहते हैं या उल्टी दिशा में ले जाते हैं। हमारी स्वेच्छा का अर्थ है इसका फैसला करना हमारा चुनाव है।**

कमाना या पैसा कमाना नहीं है। हम दूसरों को सतवचन कहते हैं क्योंकि यह करने का उदार व प्रिय कार्य है, सिर्फ हमारे हृदय की भलाई से उपजा, जवाब में बिना कोई अपेक्षा पाले हुए। हम आध्यात्मिक प्रेम की अभिव्यक्ति के रूप में दूसरों के बारे में अच्छी बातें सोचते हैं उसे विकसित कर रहे हैं जिसमें कि हम सभी लोगों को ईश्वर के परिवार के सदस्य के रूप में पहचानते हैं।

हम अभी भी भला करते हैं लेकिन हमारे कर्म निस्वार्थ हैं जिसमें किसी भी भौतिक प्रोत्साहन की कोई चाह नहीं होती है। हमें फायदे प्राप्त होते हैं, लेकिन वे आत्मा के लिए होते हैं। ये फायदें आध्यात्मिक प्रगति, ईश्वर के प्रेम, ईश्वर की खुशी की कमाई तथा किसी नए को गढ़े बिना अपने कर्मों के ताप के रूप में आते हैं।

एक और गतिविधि जिसमें हम ज्यादा कर्म किए बिना अपना समय बिता सकते हैं, वो है ध्यान। जब हम स्थिर मन के साथ बैठते हैं, हम ज्यादा कर्म नहीं कर रहे हैं। ध्यान में बैठना मगर दूसरों के नाजुक व हानिकारक विचारों के बारे में सोचना कर्महीन ध्यान नहीं है। यह बैठना और उन विचारों पर सोचना है जो ज्यादा कर्म रचते हैं। इसीलिए सिमरन या ईश्वर के नाम का जाप ध्यान में कर्म की रोकथाम में एक महत्वपूर्ण मददगार कारक है।

यदि हम ईश्वर का नाम जपते हैं तो हमारा मन एकाग्र होता है और उसके पास किसी के खिलाफ नकारात्मक चिंतन करके कर्म रचने की कोई संभावना नहीं होती है। सिमरन अतीत के दुखों या भविष्य की चिंताओं को भूलने में हमारी सहायता करता है, वर्तमान क्षण में रहकर एकाग्र होने में हमारी सहायता करता है जिसमें हम ईश्वर के पास जाने की आध्यात्मिक यात्रा पर आगे बढ़ने के लिए ध्यानरत होते हैं। यह एक तरह से लाल बत्ती पर अपनी कार को न्यूट्रल गियर में रखने जैसा है। हम अपनी गैस का उपयोग नहीं कर रहे हैं लेकिन हम किसी दिशा में बढ़ भी नहीं रहे हैं।

कर्म सिद्धांत और हमारी आत्मा की यात्रा

आत्मा ईश्वर से अलग से अलग होते ही सृष्टि के विभिन्न रूपों के जरिए लंबी यात्रा से गुजरती है जब तक कि वह ईश्वर के पास लौट नहीं जाती है। इस यात्रा में आत्मा का स्थान परिवर्तन शामिल होता है जिसमें यह कर्म एकत्रित करती जाती है, अपने सभी विचारों, शब्दों व कमों का खाता, संग्रहित कर्म अच्छे या बुरे हो सकते हैं: अच्छे विचार, वचन व कर्म, या बुरे विचार, वचन व कर्म। कर्म का सिद्धांत या क्रिया व प्रतिक्रिया का नियम, एक न्याय व्यवस्था प्रदान करता है जिसमें व्यक्ति को अच्छे कर्मों के लिए पुरस्कृत और बुरे कर्मों के लिए दंडित किया जाता है। आत्मा को ईश्वर तक लौटने के लिए अपने सभी कर्मों का हिसाब देना पड़ता है।

कार्मिक विधि की सच्चाइयों को हमारे भीतर समाहित होना चाहिए ताकि हम अपने विचारों, वचनों व कर्मों में बेहतर चुनाव करें। यदि हम आध्यात्मिक प्रगति करना चाहते हैं तो उसका रास्ता हमारे लिए बना हुआ है और यह हमारा चयन है कि हम अपनी कार को अ आगे बढ़ाने के लिए चलाते हैं, या उसे न्यूट्रल में रखते हैं और मूर्त बने रहते हैं या उल्टी दिशा में ले जाते हैं। हमारी स्वेच्छा का अर्थ है इसका फैसला करना हमारा चुनाव है।

याद रखें कि जो कुछ भी हम करेंगे वो वापस हमारे पास लौटकर आएगा, चाहे वो अच्छा हो या बुरा। हम यह भी जान लें कि दूसरे, खासतौर पर हमारे बच्चे, हमें देख रहे हैं और वे कैसा आचरण करेंगे, वो हम पर निर्भर करता है। अपने विचारों, वचनों व कर्मों के प्रभाव को जाना जाए और सुनिश्चित हों कि हम कुछ भी ऐसा नहीं करते हैं जो भविष्य में कार्मिक ऋण के रूप में हमारे पास वापस लौटेगा। बेहतर है यदि हम बिना किसी भौतिक पुरस्कार की कामना के ईश्वर के नाम पर सबकुछ अच्छा करें। इस तरह से, हम कर्म सृजन नहीं कर रहे होंगे और हम पाएंगे कि हम अपने कर्मों को समेटेंगे, और ईश्वर से पुन: मिल जाएंगे व परम शांति व सुख का आनंद लेंगे।

- लेखक आध्यात्मिक गुरु हैं।

अंतर्दृष्टि
प्रमोद पाठक

स्मरण-योग्य राम की शिक्षाएं

किंवदंती है कि भगवान राम रावण का वध करने के बाद जब अयोध्या लौटते हैं तो उस उपलक्ष्य में दिवाली का उत्सव मनाया जाता है। हम सदियों से दिवाली पर्व मनाते आए हैं। लेकिन यह याद करना महत्वपूर्ण है कि राम की विजय से ज्यादा - वो मूल्य हैं जिनके साथ वे खड़े रहे, जिन्हें हमेशा अपनाया व पोषित किया जाना चाहिए। भगवान राम न केवल भगवान के अवतार के रूप में रहते हैं बल्कि उन्होंने उस काल में जगत में बुराई का नाश करने के लिए जन्म लिया था। भगवान राम मर्यादा पुरुषोत्तम के रूप में रहते हैं, इंसानों में सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति जो न केवल विशेष मूल्यों व सिद्धांतों के साथ खड़े रहे, बल्कि उसकी मिसाल बने। आइए इस दिवाली पर उन मूल्यों को याद करें और शायद स्वयं को उनका आचरण करने की योग्यता व इच्छा प्रदान करें। राम और रामायण को हमारे लिए उचित आचरण करने की शक्ति व स्थायित्व का स्रोत होना चाहिए। उन सिद्धांतों के बारे में सोचना, जिनके साथ राम खड़े रहे, फिर हमारे लिए सामयिक चेतावनी बन सकता है जिससे कि हमें अपना परिष्कार करने में सहायता मिले। राम के चरित्र का मूल इस एक कहानी में मौजूद है जिसे बार बार सुनाया व समझाया गया है। कहानी यह है कि जब राम शक्तिशाली असुर राज, जो कि उन दिनों संसार में सबसे शक्तिशाली राजा हुआ करता था, का वध करने के बाद अयोध्या लौट कर आए तो लोग निराश थे। इसलिए अयोध्या के नागरिकों ने संदेह के साथ पूछा कि राम कैसे रावण जैसे अपराजेय व्यक्ति को मार सकते हैं। राम ने इसका जो उत्तर दिया, उस पर विचार करना अर्थपूर्ण है। राम ने बहुत उदारतापूर्वक कहा कि मैंने रावण को नहीं मारा। यह उसका मैं था जिसने रावण को मार डाला। मैं, का भयंकर अहंकार घमंड में बदल गया। यह रावण का अहंकार था जो उसके लिए गलत साबित हुआ। असलियत में, राम और रावण के बीच का एक बड़ा अंतर था, और वो था उदारता। राम नम्र अवतार थे जबकि रावण घमंड व अभिमान से भरा था। वर्तमान दौर में, जो हम अपने चारों ओर देख रहे हैं वो यह कि मूल्य के रूप में उदारता लगभग विलुप्त हो गयी है और अहंकार व घमंड मानव स्वभाव को संचालित कर रहा है। कोरोना असर भी मानव अहंकार को चूर करने में ज्यादा कुछ नहीं कर पाया है, हालांकि इसने इंसान को उसकी हैसियत दिखा दी। राम के सिद्धांत नैतिकता पर आधारित थे। हालांकि इसे उनके सभी पुरखों द्वारा दिखाया गया था, लेकिन राम हमेशा उसकी प्रतिमूर्ति रहे। उन्होंने न केवल अपने पिता के वचन का पालन करने का फैसला किया हालांकि वह उससे इंकार कर सकते थे, क्योंकि तत्कालीन वैचारिक वातावरण उनके पक्ष में था। देखिए लोग आज सत्ता में बने रहने के लिए कैसा आचरण करते हैं। अमरीकी राष्ट्रपति चुनाव में जो हुआ वो एक संकेतक है। समझदारी और नैतिक ज्ञान दो बिलकुल भिन्न चीजें होती हैं। समझदारी यह जानना है कि रोटी का कौन सा हिस्सा मलाईदार है जबकि नैतिक ज्ञान यह जानना है कि मलाईदार पक्ष को कब मना करना है। जब राम वनवास में भी थे, तो उनके भाई, भरत और अयोध्या के लोगों ने उनसे अपने फैसले पर पुनर्विचार करने की विनती की थी। लेकिन इससे वो अपने सैद्धांतिक फैसले से डिगे नहीं। अपने पिता की मृत्यु के बाद भी उनके वचन का पालन करने की राम की प्रतिबद्धता एक मूल्यगत शिक्षा है। धर्म का पालन करना राम के लिए सर्वोच्च था। और समूची रामायण इसे प्रदर्शित करती है। राम धर्म का मर्म जानते थे और उनमें उसका पालन करने की इच्छा भी थी। वह उस व्यक्ति का आदर्श प्रतिनिधित्व थे जो मूल्यों, सद्गुणों व दूरदर्शिता का मेल था। रावण पर राम की विजय का निश्चित रूप से उत्सव मनाया जाए। लेकिन उनका सैद्धांतिक आचरण अधिक मूल्यवान शिक्षाएं प्रदान करता है।

हवा में सपने न पालें

> **इच्छाएं समुद्री लहरों की तरह होती हैं। जिस तरह एक लहर के पीछे तमाम दूसरी लहरें नजर आती हैं। उनमें परस्पर निरंतर प्रतिस्पर्धा होती है। कुछ लहरें दूसरी मजबूत लहरों के आवेग में बिखर जाती हैं और कुछ होती हैं जो किनारे तक पहुंचते-पहुंचते अपने आवेग को बनाए रखती है, वही समुद्री किनारे पर अपने निशान छोड़ जाती है। इच्छाएं जीवन भर अनवरत क्रम के रूप में हमारे साथ चलती हैं, वो इसलिए कि सपनों की शुरुआत इच्छाओं से होती हैं।**

महेन्द्र पाल

दोस्तों, जीवन की शुरुआत से , हम सभी सपनों के रथ पर सवार हो जाते हैं। जैसे जैसे हम खुद को अभिव्यक्त करने की उम्र में आते हैं, सपनों का भी निरंतर विस्तार होता जाता है। हालांकि जीवन की शुरुआती उम्र में सपने अक्सर चाहत या इच्छा का रूप धर कर आते हैं और रोज ब रोज बदलते रहते हैं। उस उम्र में तात्कालिक क्षण में जो भी अच्छा या आकर्षक लगा, वही बनने का सपना मन देखने लगता है। और जैसे ही दृश्य बदलता है और कुछ नया आकर्षक उपस्थित होता है, वैसे ही सपने की शक्ल भी बदल जाती है। पुराने की जगह नया सपना उपस्थित हो जाता है। क्योंकि सपने इच्छाओं की शक्ल लेकर आते हैं।

इच्छाएं समुद्री लहरों की तरह होती हैं। जिस तरह एक लहर के पीछे तमाम दूसरी लहरें नजर आती हैं। उनमें परस्पर निरंतर प्रतिस्पर्धा होती है। कुछ लहरें दूसरी मजबूत लहरों के आवेग में बिखर जाती हैं और कुछ होती हैं जो किनारे तक पहुंचते पहुंचते अपने आवेग को बनाए रखती है, वही समुद्री किनारे पर अपने निशान छोड़ जाती है। इच्छाएं जीवन भर अनवरत क्रम के रूप में हमारे साथ चलती हैं, वो इसलिए कि सपनों की शुरुआत इच्छाओं से होती हैं।

लेकिन जैसे जैसे उम्र और अनुभव बढ़ता जाता है, इंसान की रुचियां-अरुचियां स्पष्ट होने लगती हैं, वैसे वैसे इच्छाओं व सपनों, दोनों की शक्लें अधिक स्पष्ट, तार्किक और विवेकसम्मत होती जाती है। फिर सपनों का इच्छाओं से तार्किक समन्वय स्थापित होता है। इच्छाओं के बीच चुनाव का विकल्प विकसित हो जाता है।

नतीजा, सपने अधिक स्पष्ट व गहन दूरगामी इच्छा बन जाते हैं। जिनके लिए, फिर व्यक्ति हर तरह की चुनौती का सामना करने के लिए तैयार हो जाता है। उस मुकाम पर पहुंचते पहुंचते दिलो दिमाग में स्पष्ट हो जाता है कि इच्छाएं अपार होती हैं, जबकि सपने गिने चुने। इच्छाएं तात्कालिक होती हैं, जबकि सपने दूरगामी।

इस आधार पर कह सकते हैं कि सपने इंसान का स्वाभाविक गुण होते हैं। लेकिन फिर सवाल उठता है कि फिर क्यों ज्यादातर लक्ष्य या सपने के बारे में पूछने पर संशयग्रस्त या आत्मविश्वास से वंचित नजर आते हैं?

यह आत्मविश्वास है क्या, कहां से आता है आत्मविश्वास? और कैसे प्राप्त होता है? इससे इंसान में क्या बदलाव होता है? दरअसल, आत्मविश्वास इंसान का कोई स्थायी भाव नहीं है। यह इंसान के भीतर कार्य विशेष से जुड़ी मन:स्थिति है।

इंसान का प्रत्येक कार्य में एक जैसा आत्मविश्वास नहीं होता। उदाहरण के लिए अगर कोई खिलाड़ी है तो उसका आत्म-विश्वास खेल के प्रति अधिक दृढ़ होगा। लेकिन यह कतई आवश्यक नहीं कि उसका कला या चित्रकारी में भी वैसा ही आत्मविश्वास हो। या कोई संगीत का शौकीन है तो संगीत के क्षेत्र में आगे बढ़ने का वही सहज आत्मविश्वास उसमें खेलने के प्रति भी होगा। हालांकि कहा जाता है कि इंसान की वास्तविक क्षमता का अभी सिर्फ सात से अधिकतम दस फीसदी ही उपयोग करना संभव हो पाया है, इसलिए भविष्य में इंसानी क्षमता कौन कौन से मुकाम छूने वाली है, इसका आज अंतिम आंकलन करना कठिन है।

हम सभी जानते हैं कि इंसान में क्षमताएं अपार हैं, वह चाहे, तो दो-तीन क्षेत्रों में उत्कृष्टता पाने की क्षमता रखता है। उदाहरणार्थ, लियानार्डो द विंची विश्व प्रसिद्ध वैज्ञानिक भी थे, और चित्रकार भी थे। ऐसे उदाहरण और भी दिए जा सकते हैं। लेकिन इससे इंकार नहीं किया जा सकता कि आज ऐसे लोग अपवाद स्वरूप हैं। जबकि यहां उल्लेख साधाारण व आम लोगों के बारे में है।

सक्षमता का भाव व्यक्ति के मन में आत्मविश्वास बनकर प्रवाहित होता है। जहां आत्मविश्वास नहीं है, वहां संदेह और अविश्वास होता है जो इंसान में कार्य विशेष के प्रति अरुचि या उदासीनता का संचार करता है। और अगर किसी काम में व्यक्ति की रुचि न हो, या वह उसके प्रति उदासीन हो, तो उस काम में सफलता पाना तो दूर की कौड़ी होता है।

सफलता के संदर्भ में, व्यक्ति के पास आत्मविश्वास हासिल करने के लिए अपनी दृष्टि होना अत्यंत जरूरी है। यही दृष्टि या नजर उसे अपने व्यक्तित्व के अनुकूल जीवन राह चुनने में मार्गदर्शन करती है। यह दृष्टि व्यक्ति की रुचियों-अरुचियों को निर्धारित करती है और फिर उन्हीं के जरिए उसका व्यक्तित्व निर्मित होता है। उसे मालूम होता है कि वह किस काम को करके या किस लक्ष्य को चुनकर अपने जीवन को प्रसन्न व संतुष्ट बना सकता है।

मेरी फिल्मों ने हमेशा लोगों को हंसाया और रुलाया है, लेकिन अब समय आ गया था कि लोगों को डराया जाए और साथ ही उन्हें एक रोमांचक अनुभव दिया जाए।
- भूमि पेडेनेकर

‘तीन शब्दों में इस सीरीज़ का वर्णन होगा-इसे अवश्य देखिए’

अभिनेत्री नताशा लिटिल सीरीज़ ‘एबसेंशिया’ का हिस्सा बनकर स्वयं को सौभाग्यशाली मानती हैं। उनका कहना है कि किसी अच्छी परियोजना से निरंतर जुड़े रहना किसी भी कलाकार के लिए बहुत बड़ी बात होती है। टीम पायनियर की रिपोर्ट...

द एबसेंशिया, एफबीआई के विशेष एजेंट एमिली बर्न की कहानी प्रस्तुत करती है जो बॉस्टन के कुख्यात सीरियल किलर्स का पीछा करते हुए अचानक से विलुप्त हो जाती है और उसे न मिलने के कारण मृत घोषित कर दिया जाता है। छः साल बात वो जंगलों के बीच एक केबिन में पाई जाती है और तब तक उनकी स्मरणशक्ति का लोप हो चुका होता है। उन्हें अपने गायब होने से लेकर तब तक का कुछ भी स्मरण नहीं होता। वो तब घर लौटती है लेकिन उसे पता चलता है कि उसके पति ने दूसरी शादी कर ली है और उसके बेटे को उसकी दूसरी पत्नी द्वारा पाला-पोसा जा रहा होता है। इसके बाद उसे हत्याओं की एक श्रृंखला का आरोप भी झेलना पड़ता है। प्रस्तुत है नताशा लिटिल से बातचीत के मुख्य अंश-

जूलियन के रूप में वापसी करना कैसा लगता है?

एबसेंशिया के तीसरे सीज़न में वापसी करना अच्छा लग रहा है क्योंकि इससे आपको कहानी और चरित्र के और भीतर जाने का अवसर मिलता है जो पहले से ही अर्थात दूसरे सीज़न में स्थापित हो चुका होता है। इस सीज़न में जूलियन अपने बॉस्टन कार्यालय में नई थी लेकिन अब वो स्थापित है। वो वापस आकर बॉस्टन के कार्यालय की प्रमुख बन जाती है। यहां उसका कुछ रहस्यमयी परिस्थितियों से सामना होता है। वो कार्यालय की प्रमुख तो है लेकिन उसे कुछ संबंधों को तो निभाना ही पड़ता है। पिछले सीज़न के अंत में वो एलिस की हत्या की जिम्मेदार होती है। लेकिन अब उस प्रकरण का समाधान निकाल लिया जाता है लेकिन फिर भी कार्यालय की परिस्थितियां आसान नहीं होतीं। एक अस्थिर सी शांति थी जिसे तोड़ा जाना आवश्यक हो जाता है।

क्या हम जूलियन पर विश्वास कर सकते हैं?

क्या जूलियन विश्वासयोग्य है? मैं इतना बता सकती हूं कि वो अपने काम की विशेषज्ञ है वो एफबीआई के मानकों के अनुसार एक कुशल कर्मी होती है। मैं उसी का चरित्र कर रही हूं अत: हां, मुझे उसपर विश्वास है।

क्या आप जूलियन के रहस्य के बारे में कुछ बता सकती हैं?

मैं जूलियन के बारे में कुछ ऐसा ही बता सकती हूं जो मुझे पता हो, लेकिन इसके लिए मुझे आपकी हत्या करनी होगी।

क्या जूलियन एमिली से ईर्ष्या करती है?

मुझे लगता है कि वो एमिली की बड़ी प्रशंसक है। जूलियन सुयोग्य है और उसे लोगों की समझ है। अत: मेरा मानना है कि वो एमिली में कई ऐसे गुण भी देखती होगी जो उसे प्रिय हों लेकिन हो सकता है कि उसे कुछ सीमा तक ईर्ष्या भी हो। जूलियन हर बात नियमों के अनुरूप ही करती है। वो किसी प्रकार का जोखिम मोल नहीं लेती। एमिली की अंतप्रेरणा अद्भुत है और वो परिणामों की परवाह किये बिना उनका अनुसरण करती है। जूलियन हालांकि स्मार्ट और हर बात का उचित विश्लेषण करने वाली महिला है। ऐसे में उसके अंतप्रेरणा पर चलने की बात समझ से परे लगती है। लेकिन एमिली में वो ये सब देखती है और वो उसकी प्रशंसा करती है और वो भी बिना किसी ईर्ष्या के।

आप निक डूरंड के बारे में केवल एक शब्द का प्रयोग करके वर्णन कीजिये...

यदि मुझे उसके बारे में बताने के लिए एक शब्द का प्रयोग करना पड़े तो वो शब्द होगा ‘विश्वासयोग्य’।

इस सीज़न का वर्णन तीन शब्दों यदि करना हो तो आप क्या कहेंगी?

ये तीन शब्द होंगे-इसे अवश्य देखिये, ही मेरे तीन शब्द होंगे जिनसे मैं इसके तीसरे सीज़न का वर्णन करना चाहूंगी। मेरे अनुसार इसका दूसरा सीज़न तो अच्छा था ही लेकिन तीसरा सीज़न तो उससे भी अच्छा होगा।

एमिली की अंतप्रेरणा अद्भुत है और वो परिणामों की परवाह किये बिना उनका अनुसरण करती है। जूलियन हालांकि स्मार्ट और हर बात का उचित विश्लेषण करने वाली महिला है। ऐसे में उसके अंतप्रेरणा पर चलने की बात समझ से परे लगती है। लेकिन एमिली में वो ये सब देखती है और वो उसकी प्रशंसा करती है और वो भी बिना किसी ईर्ष्या के।

इस शो पर दूसरी बार वापसी करना कैसा प्रतीत होता है?

मेरे अनुसार इस शो पर वापस आकर निरंतर इसके तीसरे सीज़न में काम करना अद्भुत अनुभव है। इसमें सबसे महत्वपूर्ण बात ये है कि आपको पता होना चाहिये कि लोग आपको पसंद कर रहे हैं और आगे भी आपको देखने को तत्पर भी हैं। इसके तीसरे सीज़न में काम करने से मुझे अपने चरित्र में और गहरे उतरने का अवसर होगा जो नई परिस्थितियों में काम करने से ही संभव है। अत: किसी अच्छी कहानी से निरंतर जुड़े रहना अच्छा अनुभव तो होता ही है।

इस सीरीज़ के दूसरे कलाकारों के साथ आपका तालमेल कैसा रहा?

मैं इसके तीसरे सीज़न में इससे जुड़ी थी तो मेरे से पहले के सीजन में सभी कलाकार एक दूसरे से परिचित थे। इससे जुड़ने से पूर्व मैं थोड़ा घबराती थी लेकिन जब पहले दिन सभी ने मेरा स्वागत किया तो मुझे लगा ही नहीं कि मैं इसमें नई हूं। मेरे साथ ही इसमें मैट भी दूसरे ही सीज़न में आया था। तीसरे सीज़न में अब सबकुछ मेरे नियंत्रण में होगा। ऐसा नहीं होगा कि मुझे किसी अपरिचित के साथ तालमेल बैठाना हो जो अक्सर कठिन और असहज होता है। जब आप पहले से ही किसी परियोजना में काम करते हैं तो आपको कुछ पता ही होता है कि कैसे क्या होगा। वैसे तो हम सभी इसे सर्वश्रेष्ठ बनाना ही चाहते हैं और हम सभी के लिए शूटिंग प्रारंभ करना आनंददायक होने वाला है।

आपके लिए शूटिंग का सबसे कठिन दृश्य कौन सा था?

मैं आपको अधिक नहीं बता सकती। इसमें वैसे एक दृश्य है जिसमें जूलिया एक दूसरे चरित्र से मुंह पर घूंसा खाती है। इसकी शूटिंग करना मजेदार था क्योंकि ये थोड़ा तकनीकी प्रकरण बन गया था।

जूलियन के चरित्र को क्या आप एक शब्द में वर्णन कर सकती हैं?

यदि एक ही शब्द में वर्णन करना हो तो मैं कहूंगी कि वो ‘महत्वाकांक्षी’ थी।

क्या आप इस सीरीज़ में अपने किसी प्रिय कलाकार को जोड़ना चाहती हैं यदि हां तो वो कौन होगा?

यदि इसके अगले सीज़न में मैं किसी अभिनेता को जोड़ सकती तो मैं अपने पति बो पोराज को इसमें जोड़ती। लेकिन ये तो धोखा करने जैसा होता क्योंकि तब हम अवकाश में सोफिया को मस्ती करा सकते थे।

क्या आप एबसेंशिया की फिल्म में काम करने को तत्पर हैं?

मेरे विचार से ये अद्भुत विचार है।

इस सीरीज़ में जूलियन के लिए सीरीज़ का सबसे अच्छा अंत किस प्रकार हो सकता है?

इसका अच्छा अंत उसके आगे के लिए प्रमोशन से ही हो सकेगा। उसे बॉस्टन ऑफिस ही नहीं बल्कि उसे तो एफबीआई के कार्यालय में और आगे जाना चाहिये। आगे चलकर हो सकता है कि वो राष्ट्रपति की भी उम्मीदवार बने। मेरा आशय है कि उसके आगे जाने की कोई सीमा नहीं निर्धारित की जा सकती।

(एबसेंशिया सीज़न 3 को आप सोम से शुक्र कलर्स इनफिनिटी पर रात 10 बचे देख सकते हैं)

रणदीप हुड्डा डिजिटल प्लेटफॉर्म पर बनेंगे पुलिस अधिकारी

बॉलिवुड अभिनेता रणदीप हुड्डा अब एक सीरीज़ ‘इंस्पेक्टर अविनाश’ के रूप में डिजिटल प्लेटफॉर्म पर पदार्पण करने की तैयारी कर रहे हैं। ये सीरीज़ एक थ्रिलर सीरीज़ है जो पुलिस अधिकारी अविनाश मिश्रा के वास्तविक जीवन की घटनाओं पर आधारित होगी।

नीरज पाठक निर्देशित तथा पाठक एवं कृष्ण चौधरी निर्मित ये शो उत्तर प्रदेश की पृष्ठभूमि पर आधारित है।

रणदीप बताते हैं, ‘मैं अपने निभाए हर चरित्र के माध्यम से और चुनौतीपूर्ण भूमिकाएं निभाने की आशा करता हूं और इंस्पेक्टर अविनाश मुझे ऐसा एक असाधारण अवसर उपलब्ध कराता है। ये बहुत ही रोचक और प्रेरक भूमिका है जो वास्तविक घटनाओं पर आधारित है।’

उन्होंने आगे बताया कि उन्हें शो की परिकल्पना पर पूरा विश्वास है और इस थ्रिलर शो की शूटिंग का अब मुझे और प्रतीक्षा करते नहीं बनता।

उत्तर प्रदेश राज्य में इंस्पेक्टर अविनाश द्वारा किये गए साहसिक कार्यों को परदे पर प्रस्तुत करने का अवसर रणदीप को मिलने वाला है। इस सीरीज़ के शूंटिंग चरण तक आने में दिसंबर तक का समय लग सकता है। इसे जो स्टूडियोज़ तथा गोल्डमाउंटेन पिक्चर्स ने प्रस्तुत किया है।

सीरीज़ के निर्देशक पाठक का कहना है कि रणदीप इस सुपरकॉप के लिए आदर्श है जिसके कारण ये चरित्र और भी उभर कर सामने आएगा, ‘हम उनके द्वारा इस चरित्र को निभाए जाते देखने के लिए व्यग्र हैं। हमारी शूटिंग दिसंबर में प्रारंभ हो जाएगी।’

प्रियांशु पेनयुली और अभिनेत्री वंदना जोशी ने रचाई शादी

मुंबई। मिर्जापुर 2 अभिनेता प्रियांशु पेनयुली और अभिनेत्री वंदना जोशी परिवार के करीबी सदस्यों और दोस्तों की मौजूदगी में देहरादून में शादी के पवित्र बंधन में बंध गए। पेनयुली ने कहा कि कोरोना वायरस महामारी ने दुनियाभर में शादी समारोहों को रोकने का काम किया लेकिन उन्होंने और जोशी ने करीबी लोगों की मौजदूगी में बृहस्पतिवार को शादी करने का निर्णय लिया था। अभिनेता विक्रमादित्य मोटवानी की फिल्म भावेश जोशी सुपरहीरो और मिर्जापुर 2 में अपनी भूमिका को चर्चा में आए थे। वह रश्मि रॉकेट में तापसी पन्नू के साथ नजर आएंगे। वहीं जोशी टीवी शो दिल से दिया वचन में नजर आई थीं।

अक्षय कुमार के साथ बच्चन पांडेय में नजर आएंगे अरशद वारसी

मुंबई। अभिनेता अरशद वारसी अक्षय कुमार के साथ फिल्म बच्चन पांडेय में नजर आएंगे। फिल्म के निर्माताओं ने शनिवार को यह घोषणा की। एक्शन कॉमेडी इस फिल्म में अक्षय कुमार एक गैंगस्टर की भूमिका में हैं जो अभिनेता बनना चाहता है। फिल्म में कृति सैनन एक पत्रकार की भूमिका में हैं और वह निर्देशक बनना चाहती हैं। फिल्म निर्माताओं ने बयान जारी कर कहा, निर्माता किसी ऐसे को ढूंढ रहे थे जो अक्षय की कॉमिक टाइमिंग को मैच कर सके और हमारी खोज अरशद पर जाकर खत्म हुई। उन्होंने इतने सालों में कॉमेडी में अपनी अलग पहचान बनाई है। निर्माताओं के मुताबिक अक्षय और अरशद पहली बार एक साथ आ रहे हैं। फरहाद सामजी इस फिल्म का निर्देशन कर रहे हैं।

सौमित्र चटर्जी को श्रद्धांजलि के तौर पर अपुर संसार पार्क बनाएगी बंगाल सरकार

कोलकाता। पश्चिम बंगाल सरकार ने दिवंगत अभिनेता सौमित्र चटर्जी की पहली फिल्म अपुर संसार के नाम पर कोलकाता के न्यू टाउन इलाके में पार्क बनाने का निर्णय किया है। यह जानकारी शनिवार को एक वरिष्ठ अधिकारी ने दी। पश्चिम बंगाल आवास आधारभूत संरचना विकास निगम लिमिटेड (एचआईडीसीओ) ने बोली लगाने वालों से रुचि की अभिव्यक्ति (ईओआई) आमंत्रित की है ताकि निर्णय किया जा सके कि फिल्म पर आधारित थीम को कैसे क्रियान्वित किया जाए। यह जानकारी इसके अध्यक्ष देबाशीष सेन ने दी।

चटर्जी ने 1959 में आई फिल्म में अपु का किरदार निभाया था, जो फिल्म निर्माता सत्यजीत रे की अपु ट्रायोलॉजी का हिस्सा है। सेन ने पीटीआई-भाषा से कहा, बोली लगाने वालों से कहा गया है कि थीम को प्रोजेक्ट करने के तरीकों पर निर्णय करें -- कि क्या थ्री डी लगाए जाएंगे या अन्य चीजें। जब वे विस्तार से विचार सौंपेंगे तब हमारा पैनल निर्णय करेगा कि किस अवधारणा को लिया जाए और फिर परियोजना पर काम शुरू होगा। प्रस्तावित पार्क न्यू टाउन में स्नेहोदिया हाउसिंग के पास बनाया जाएगा।